रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लगातार 49 वर्षों से प्रकाशित

लाला रामस्वरूप रामनारायण एण्ड सन्स®

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

941, लार्डगंज (स्टेशनरी दुकान) जबलपुर (म.प्र.) 482002

रामनारायण पंचांग®

ग्रहों के राशिचार ता. १ के उदयकाल में

मैरिज डे

बर्थ डे

ग्रहों के राशिचार ता. १४ के उदयकाल में

सूर्य दक्षिणायन, ता. १४ से उत्तरायण

हेमन्त ऋतु, ता. १४ से शिशिर

भद्रा स्थिति
ता. १ के ३।४५ दिन तक। ता. ५ को १।४२ रात अंत से ता. ६ के ४।१ शाम तक। ता. ९ को ३।३३ दिन से ३।४८ रात तक। ता. १३ को ७।३२ प्रात: से ८।२७ रात तक। ता. १६ को २।५१ रात से ता. १७ के ३।४६ दिन तक। ता. २० को ७।२४ रात से ता. २१ के ७।३६ प्रात: तक। ता. २३ को ६।५ रात अंत से ता. २४ के ५।२३ शाम तक। ता. २७ को ११।५० दिन से १०।४४ रात तक। ता. ३० को ३।४३ दिन से २।३८ रात तक भद्रा। **गुरु, शुक्र तारा** – गुरु पूरब में, शुक्र पश्चिम में उदित। शुक्र ता. ४ के ३।८ रात में पश्चिम में अस्त होगा जो ता. ११ के २।२२ दिन से पूरब में उदित रहेंगे।

चन्द्र स्थिति
वृश्चिक का। ता. १ को ६।१६ शाम से धनु। ता. ३ को ८।४३ रात से मकर। ता. ५ को १२।६ रात से कुम्भ। ता. ७ को ५।१६ रात अंत से मीन। ता. १० को १२।४६ दिन से मेष। ता. १२ को १०।४८ रात से वृष। ता. १४ को १०।२२ दिन से मिथुन। ता. १७ को ६।५७ रात से कर्क। ता. २० को ७।५६ प्रात: से सिंह। ता. २२ को ३।१२ दिन से कन्या। ता. २४ को ८।४४ रात से तुला। ता. २६ को १२।११ रात से वृश्चिक। ता. २८ को २।३७ रात से धनु। ता. ३० को ५।१ रात अंत से मकर का चंद्रमा रहेगा। **उदयकालिक लग्न** – ता. १ से १४ तक धनु, ता. १५ से मकर।

शंकराचार्य सं. 2528

हिजरी सन् 1443
जमादि उलावल,
जमादि उस्सानी माह (6)
ता. 4 चन्द्रदर्शन, ता. 5 से
जमादि उस्सानी माह प्रारम्भ

रा. शक संवत् 1943
रा.पौष 11 से रा.माघ 11 तक
ता.21 से रा.माघ माह प्रारंभ
वीर नि.सं. 2548
बंगला सन् 1428
बंग पौष/माघ माह
ता. 15 से बंग माघ माह प्रारंभ

विक्रम संवत् 2078 पौष / माघ मास (11)

जनवरी 2022

ता.	सुबह	शाम	धुलाई को कपड़े	तिथि	समय बजे तक
1				१४	२।३६ रात तक
2				३०	१२।१७ रात तक
3				१	१०।६ रात तक
4				२	८।६ रात तक
5				३	६।२३ शाम तक
6				४	५।१ शाम तक
7				५	४।३ शाम तक
8				६	३।३३ दिन तक
9				७	३।३३ दिन तक
10				८	४।५ शाम तक
11				९	५।६ शाम तक
12				१०	६।३६ शाम तक
13				११	८।२७ रात तक
14				१२	१०।३३ रात तक
15				१३	१२।४५ रात तक
16				१४	२।५१ रात तक
17				१५	४।४१ रा.अं.तक
18				१	६।६ रा.अं.तक
19				२	दिन-रात
20				२	७।६ प्रात: तक
21				३	७।३६ प्रात: तक
22				४	७।३७ प्रात: तक
23				५	७।५ प्रात: तक
				६	६।५ रा.अं.तक
24				७	४।४१ रा.अं.तक
25				८	२।५७ रात तक
26				९	१२।५६ रात तक
27				१०	१०।४४ रात तक
28				११	८।२४ रात तक
29				१२	६।२ शाम तक
30				१३	३।४३ दिन तक
31				१४	१।३२ दिन तक
योग					

वार					
रवि SUNDAY	30 महात्मा गाँधी पु.ति., शिव चतुर्दशी व्रत, माघ कृष्ण १३, पू.षा. ११।२२ रात तक	2 पौषी अमावस्या, स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०, मूल ४।३७ शाम तक	9 गुरु गोविंद सिंह जयंती, पंचक, पौष शुक्ल ७, उ.भा. ११।४८ दिन तक	16 पौष शुक्ल १४, आर्द्रा ३।१३ रात तक	23 राष्ट्रीय पराक्रम दिवस, माघ कृष्ण ५/६, उ.फा. ८।३३ दिन तक
सोम MONDAY	31 श्राद्ध अमावस्या, माघ कृष्ण १४, उ.षा. ६।३५ रात तक	3 पौष शुक्ल १, पू.षा. ३।४ दिन तक	10 शाकंभरी यात्रा, पौष शुक्ल ८, रेवती १२।४६ दिन तक	17 शाकंभरी पूर्णिमा, स्ना.दा.व्र.पूर्णिमा १५, पुनर्वसु ४।३२ रा.अं.तक	24 राष्ट्रीय बालिका दिवस, माघ कृष्ण ७, हस्त ६।८ दिन तक
मंगल TUESDAY	ऐच्छिक अवकाश: ता. 1 ईस्वी नया वर्ष, ता. 6 गुरु गोकुलदास ज., ता.15 मकर संक्रांति स्नान, ता.21 हेमूकालाणी श.दि. ऐच्छिक अवकाश संभावित हैं।	4 चन्द्रदर्शन, पौष शुक्ल २, उ.षा. १।४१ दिन तक	11 पौष शुक्ल ९, अश्विनी २।१८ दिन तक	18 माघ कृष्ण १, पुष्य ६।२८ रात अंत तक	25 माघ कृष्ण ८, चित्रा ८।२० दिन तक
बुध WEDNESDAY	मूल: पिछली ता. से प्रारंभ ज्येष्ठा के ता. १ के ६।१६ शाम तक फिर मूल के मूल ता. २ के ४।३७ शाम तक। रेवती के ता. ९ को ११।४८ दिन से ता. १० के १२।४६ दिन तक फिर अश्विनी के ता. ११ के २।१८ दिन तक। अश्लेषा के ता. १८ को ६।२८ रात अंत से ता. २० के ७।४६ प्रात: तक फिर मघा के ता. २१ के ९ बजे दिन तक। ज्येष्ठा के ता. २७ को ४।१५ रात अंत से ता. २८ के २।३७ रात तक फिर मूल के मूल ता. २९ के १२।४७ रात तक।	5 पंचक १२।६ रात से, पौष शुक्ल ३, श्रवण १२।३३ दिन तक	12 राष्ट्रीय युवा दिवस, पौष शुक्ल १०, भरणी ४।१३ शाम तक	19 माघ कृष्ण २, अश्लेषा दिन-रात	26 माघ कृष्ण ९, स्वाति ७।४२ रात तक
गुरु THURSDAY		6 विनायक चतुर्थी व्रत, पौष शुक्ल ४, धनिष्ठा ११।४८ दिन तक	13 पुत्रदा एकादशी, पौष शुक्ल ११, कृत्तिका ६।३१ शाम तक	20 माघ कृष्ण ३, अश्लेषा ७।४६ प्रात: तक	27 माघ कृष्ण १०, अनुराधा ४।१५ रा.अं.तक
शुक्र FRIDAY		7 पंचक, पौष शुक्ल ५, शतभिषा ११।१६ दिन तक	14 मकर संक्रांति, पौष शुक्ल १२, रोहिणी ८।१४ रात तक	21 तिल चौथ, सं.गणेश चतुर्थी व्रत ३, मघा ९ बजे दिन तक	28 षटतिला एकादशी, माघ कृष्ण ११, ज्येष्ठा २।३७ रात तक
शनि SATURDAY	1 ईस्वी नया वर्ष, शिव चतुर्दशी व्रत, पौष कृष्ण १४, ज्येष्ठा ६।१६ शाम तक	8 पंचक, पौष शुक्ल ६, पू.भा. ११।१६ दिन तक	15 प्रदोष व्रत, पौष शुक्ल १३, मृगशिरा ११।४१ रात तक	22 माघ कृष्ण ४, पू.फा. ६।३१ दिन तक	29 प्रदोष व्रत, तिल द्वादशी १२, मूल १२।४३ रात तक

सूर्य उदय दिनांक 1 – 6:54 5 – 6:56 10 – 6:57 15 – 6:57 20 – 6:57 25 – 6:56
सूर्य अस्त दिनांक 1 – 5:32 5 – 5:36 10 – 5:38 15 – 5:41 20 – 5:44 25 – 5:48

यादداश्त

राशिफल

मेष – सफलता, भवन लाभ, मित्र मिलन
वृष – स्वास्थ्य चिंता, संतान सुख, यात्रा
मिथुन – दूरस्थ पदोन्नति, मित्र सुख, यात्रा
कर्क – मित्र मिलन, घरु कलह, तनाव
सिंह – सफलता, संतान सुख, मित्र कष्ट
कन्या – धार्मिक कार्य, शत्रु भय, खर्च
तुला – लम्बी यात्रा, अपव्यय, मतभेद
वृश्चिक – पदोन्नति, यात्रा, जायदाद वृद्धि
धनु – नया विचार, दूर यात्रा, सफलता
मकर – रुके कार्य पूर्ण, वाहन सुख, चिंता
कुंभ – लाभ, संतान सुख, व्यर्थ विवाद
मीन – यात्रा, सफलता, रोग कष्ट, यश

पंचक – तारीख ५ को १२।६ रात से तारीख १० के १२।४६ दिन तक।

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 15, 20 से 25, 27 से 30
मुण्डन – ता. 24, 28 **नामकरण** – ता. 3, 5, 6, 24, 27 **अन्नप्राशन** – तारीख 5, 24, 27 **गृहप्रवेश** – तारीख 27
व्यापार – तारीख 9, 10, 14, 23, 24

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 7 राजिम भक्तिन माता ज. (छ.ग.ऐ.अ.)
ता.10 विश्व हिन्दी दिवस (छ.ग.ऐ.अ.)
ता.12 महर्षि महेश योगी जयंती
ता.15 थल सेना दिवस
ता.20 अ.भा.मारवाड़ी युवा मंच स्था.दि.
ता.21 वीर हेमूकालाणी शहीद दिवस
ता.28 लाला लाजपतराय जयंती
ता.30 महात्मा गाँधी पु.ति., कुष्ठ रोग निवारण एवं शहीद स्मृति दिवस
ता.31 अवतार मेहरबाबा की अमरतिथि

ग्रहस्थिति

सूर्य – धनु राशि में, तारीख १४ के ८।४८ रात से मकर राशि में। **मंगल** – वृश्चिक राशि में, तारीख १६ के ४।१ शाम से धनु राशि में। **बुध** – मकर राशि में, तारीख १४ के ६।५१ रात अंत से वक्री। **गुरु** – कुम्भ राशि में। **शुक्र** – धनु राशि में (वक्री), तारीख ३० के ८।३४ दिन से मार्गी। **शनि** – मकर राशि में। **राहु** – वृष राशि में। **केतु** – वृश्चिक राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. २ को सूर्योदय से ४।३७ शाम तक। ता. ९ को सूर्योदय से ११।४८ दिन तक। तारीख ११ को सूर्योदय से २।१८ दिन तक। तारीख १२ को ४।१३ शाम से रात अंत तक। तारीख २३ को सूर्योदय से रात अंत तक। तारीख २६ को ५।५० रात अंत से तारीख २७ के ४।१६ रात अंत तक। तारीख ३० को ११।२२ रात से रात अंत तक। तारीख ३१ को ६।५६ रात से रात अंत तक।
अमृत सिद्धि योग – ता. ११ को सूर्योदय से २।१८ दिन तक। ता. २३ को ८।३३ दिन से रात अंत तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. ४ को सूर्योदय से १।४१ दिन तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. १७ को ४।३२ रात अंत से ता. १८ के ६।२८ रात अंत तक। **व्यतिपात योग** – तारीख ६ को ८।१६ रात से तारीख ७ के ६।१८ शाम तक। **नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा** – ता. १३ से १७ तक भृगु–मतंग–नारद–पाण्डव स्मृति नसीराबाद ढाणा (बाबई), बाघेश्वरी सगुर-भगुर (भीकनगाँव–खरगोन)। ता. २८ से १ फरवरी तक नर्मदापुरम् बांद्राभान होशंगाबाद (म.प्र.)

जागरूक बनो प्रतियोगिता 2022 में भाग लेकर आप भी इनाम जीत सकते हैं (विस्तृत जानकारी अंदर देखें)

जनवरी माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 2 स्ना.दा.श्राद्ध अमावस्या
ता. 4 चन्द्रदर्शन
ता. 6 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 13 पुत्रदा एकादशी व्रत
ता. 14 मकर संक्रांति
ता. 15 मकर संक्रांति पुण्यकाल, प्रदोष व्रत
ता. 17 स्ना.दा.व्रत, पौष पूर्णिमा
ता. 21 सं.गणेश तिल चतुर्थी व्र.
ता. 28 षटतिला एकादशी व्रत
ता. 29 तिल द्वादशी, प्रदोष व्रत
ता. 30 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 31 श्राद्ध अमावस्या

दिगम्बर जैन पर्व
ता. 14 रोहिणी व्रत
ता. 17 षोडषकारण व्रत प्रारम्भ
ता. 31 ऋषभदेव निर्वाणोत्सव

श्वेताम्बर जैन पर्व
ता. 1, 16, 31 पाक्षिक प्रतिक्रमण
ता. 21 कुमुहूर्ता उत्तर्या
ता. 30 मेरु तेरस, आदिनाथ मोक्ष क.

मासफल – इस माह सरकार द्वारा बजट संबंधी सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। अनाज, तेल, शेयर व धातु में सामान्य घटा-बढ़ी होगी। अचानक लकवा, हृदयघात से मृत्यु दर का ग्राफ बढ़ेगा। कई स्थानों में वर्षा, कोहरा की स्थिति से वाहन दुर्घटनाओं में वृद्धि होगी। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में। ता. ११ को २।४३ दिन से उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में। ता. २४ को ३।५४ दिन से श्रवण नक्षत्र में भ्रमण करेगा। **मकर संक्रांति** – ता. १४ को ८।४८ रात को अर्की है, इसका पुण्यकाल स्नानदान ता. १५ को दोपहर तक रहेगा। श्रद्धालुजन ता. १४ को भी मनायेंगे। (वाहन–बाघ, वस्त्र–पीला, गमन–दक्षिण दिशा), इस दिन मच्छरदानी, कम्बल, तिल, पंचांग आदि का दान करना चाहिये। **मकर संक्रांति का राशिफल** – मेष – कष्ट, वृष – शुभ, मिथुन – सुख, कर्क – लाभ, सिंह – अशांति, कन्या – धन लाभ, तुला – सम्मान प्राप्ति, वृश्चिक – वाहन लाभ, धनु – भय, मकर – लाभ, कुम्भ – सफलता, मीन – उन्नति।

जागरूक बनो प्रतियोगिता 2022 में भाग लेकर आप भी इनाम जीत सकते हैं (विस्तृत जानकारी अंदर देखें)

चेतावनी – इस पंचांग की नकली, मिलती जुलती प्रतियाँ, मोबाइल एप या पी.डी.एफ. बनाने पर जेल पहुँचाने की कार्यवाही की जायेगी। मूल्य ₹50/- अधिकतम

कर सम्बन्धी विस्तृत जानकारी के लिये अपने सी.ए. या वकील से सम्पर्क करें। इस संकलन में पूर्ण सावधानी रखी गई है फिर भी किसी गलती के लिये प्रकाशक, मुद्रक, लेखक एवं सम्पादक उत्तरदायी नहीं हैं।

(खाता (वित्त) वर्ष 2021-22 यानि कर निर्धारण वर्ष 2022-23 के लिये)

इंकम टैक्स दर, छूट, दण्ड व अन्य जानकारियाँ

संदीप अग्रवाल (चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट)
483, उखरी रोड, शारदेश्वर, जबलपुर, मो. 8966092165

अंशुल अग्रवाल (चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट)
चंडी देवी चौक, मैहर

आयकर (इंकम टैक्स) क्या है – एक वित्तीय वर्ष यानि **1 अप्रैल से 31 मार्च तक** की अवधि में स्वीकृत खर्च काटने के बाद जो शुद्ध आय होती है, यदि वह करमुक्त सीमा से अधिक है तो आय प्राप्तकर्ता को निर्धारित दर से शासकीय खजाने में समय सीमा के अन्दर आयकर एवं आयकर रिटर्न जमा करना होता है। ये कर सभी व्यक्ति, फर्म, कम्पनी, ट्रस्ट आदि पर लागू है।

आय का रिटर्न – निम्न दशा में रिटर्न भरनी अनिवार्य है –

- यदि व्यक्ति या एच.यू.एफ. (हिन्दु संयुक्त परिवार) की आय छूट प्राप्त आय की सीमा से अधिक है।
- यदि करदाता को हानि हुई है और जिसको वह आगामी वर्षों की आय से समायोजित करना चाहता है तो देय तिथि तक विवरणी (रिटर्न) दाखिल करें अन्यथा यह हानि आगे वर्षों में समायोजित नहीं होगी।
- यदि करदाता का टी.डी.एस. कटा हो एवं उसे आयकर विभाग से रिफण्ड लेना है।
- यदि करदाता को रिटर्न भरने का नोटिस मिला है।
- यदि बैंक या सहकारी बैंक के चालू खाते में नगद 1 करोड़ से अधिक राशि वित्त वर्ष में जमा किया है।
- यदि वित्त वर्ष में विदेश यात्रा पर 2 लाख से अधिक खर्च किया है।
- यदि किसी व्यक्ति ने वित्त वर्ष में 1 लाख से ज्यादा बिजली बिल के भुगतान पर खर्च किया है।
- यदि पूँजीगत लाभ पर छूट प्राप्त करने हेतु नये मकान में निवेश किया है।
- भागीदारी फर्म और कम्पनी को रिटर्न भरना अनिवार्य है, चाहे उनकी आय हो अथवा न हो।
- **31 दिसम्बर 2022** के बाद खाता वर्ष 2021-22 की रिटर्न फाइल नहीं होगी।

रिटर्न जमा करने की देय तिथि

(a) **यदि करदाता**
(1) कम्पनी है - 31 अक्टू., 2022
(2) एक व्यक्ति या फर्म है जिसके खातों का आडिट होना है - 31 अक्टू., 2022
(3) फर्म जिसके खातों का आडिट होना है, का कार्यशील भागीदार है - 31 अक्टू., 2022
(b) **अन्य किसी दशा में** - 31 जुलाई, 2022

रिटर्न वेरिफिकेशन – रिटर्न दाखिल करने के 120 दिन के अंदर रिटर्न ई-वेरिफाई या ITR-V भेजना अनिवार्य है ऐसा न करने पर रिटर्न रिजेक्ट हो जाती है।

- **ऐसा कोई व्यक्ति जो धारा 139(1) के अंतर्गत रिटर्न प्रस्तुत करने के लिये दायी है, यदि देय तिथि के बाद रिटर्न भरता है तो उसको LATE FEE देय होगी :-**

❖ देय तिथि से 31 दिसम्बर तक → 5,000/-
(परन्तु 5 लाख तक की कुल आय वाले करदाता को विलम्ब शुल्क 1,000/- ही लगेगा)।

अग्रिम आयकर (एडवांस टैक्स)

ऐसे सभी श्रेणी के आयकरदाता जिनका वार्षिक आयकर 10,000 रुपये या अधिक है, अग्रिम आयकर चुकाने के अधीन हैं। भुगतान 4 किश्तों में किया जाना है :

(1) **प्रथम किश्त** - 15 जून, 2021
(आयकर का 15%)
(2) **द्वितीय किश्त** - 15 सितम्बर, 2021
(आयकर का 30%, कुल 45%)
(3) **तृतीय किश्त** - 15 दिसम्बर, 2021
(आयकर का 30%, कुल 75%)
(4) **चतुर्थ किश्त** - 15 मार्च, 2022
(आयकर का 25%, कुल 100%)

- **वरिष्ठ नागरिक** को एडवांस टैक्स जमा करने से छूट है (यदि व्यापार या पेशे से आय न हो)।
- धारा 44AD एवं 44ADA के अंतर्गत आने वाले करदाता 15 मार्च 2022 या इससे पूर्व एक किश्त में एडवांस टैक्स जमा कर सकते हैं।
- **अग्रिम आयकर न चुकाने, विलम्ब से चुकाने या कम चुकाने पर (निर्धारण में लगने वाले वास्तविक कुल आयकर का 90% से कम होने पर) ब्याज का प्रावधान है जो 1% मासिक है।**

आयकर की नई दरें (विकल्प 1)

कर निर्धारण वर्ष 2022-23 के लिये धारा 115 BAC के तहत व्यक्ति एवं HUF के लिये नई आयकर दरें निम्न हैं–

2,50,000 रुपये तक	कुछ नहीं
2,50,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	5%
5,00,001 रु. से 7,50,000 रु. तक	10%
7,50,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	15%
10,00,001 रु. से 12,50,000 रु. तक	20%
12,50,001 रु. से 15,00,000 रु. तक	25%
15,00,001 रुपये से अधिक पर	30%

आयकर की नई दर के तहत करदाता को निम्न छूट का लाभ नहीं मिलेगा :–

❖ वेतन भोगी करदाता को मिलने वाली स्टैन्डर्ड डिडक्शन की छूट 50,000 रुपये।
❖ HRA, प्रोफेशनल टैक्स, एन्टरटेनमेंट एलाउन्स, LTA की छूट।
❖ स्वयं के रहवास हेतु लिये गये हाउसिंग लोन पर ब्याज की छूट।
❖ फेमिली पेंशन में मिलने वाली 15,000 रु. की छूट।
❖ नाबालिग की आय पर मिलने वाली 1,500 रु. की छूट।
❖ धारा 80C से 80U तक (सिवाय 80CCD (2)) की छूट नये टैक्स सिस्टम में नहीं मिलेगी।

विकल्प चुनना होगा – आयकर विवरणी दाखिल करने की **देय तिथि** तक व्यक्ति एवं एच.यू.एफ. करदाता को यह विकल्प चुनना होगा कि वह पुरानी कर की दर से आयकर अदा करना चाहते हैं अथवा नई कर की दर से आयकर अदा करना चाहते हैं –

(a) **यदि व्यापार अथवा प्रोफेशन से आय नहीं है** – तो करदाता **प्रत्येक वर्ष** यह चुनाव कर सकता है।
(b) **यदि व्यापार अथवा प्रोफेशन से आय है** – उक्त स्थिति में यदि करदाता ने नई कर की दर का विकल्प चुन लिया तो आगे आने वाले वर्षों में उसे **केवल एक मौका** मिलेगा कि वह अपने विकल्प को वापिस ले सके तथा यदि उसने यह विकल्प वापिस ले लिया तो फिर उसे दुबारा यह विकल्प लेने नहीं दिया जायेगा।

आयकर की पुरानी दरें (विकल्प 2)

- **अति वरिष्ठ नागरिक** (पुरुष और महिला जिनकी उम्र 80 वर्ष या अधिक हो) की दशा में :-

5,00,000 रुपये तक	कुछ नहीं
5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%
10,00,000 रुपये से अधिक पर	30%

- **वरिष्ठ नागरिक** (पुरुष और महिला जिनकी उम्र 60 वर्ष या अधिक हो) की दशा में :-

3,00,000 रुपये तक	कुछ नहीं
3,00,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	5%
5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%
10,00,000 रुपये से अधिक पर	30%

- **व्यक्ति, HUF, AOP व BOI की दशा में :–**

2,50,000 रुपये तक	कुछ नहीं
2,50,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	5%
5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%
10,00,000 रुपये से अधिक पर	30%

- **साझेदारी फर्म की दशा में कर की दर –** 30%
- **घरेलू कम्पनी की दशा में कर की दर –**
  ❖ यदि कुल बिक्री या प्राप्ति 400 करोड़ तक है — 25%
  ❖ यदि कुल बिक्री या प्राप्ति 400 करोड़ से अधिक है — 30%

आयकर पर सरचार्ज

व्यक्ति/HUF/AOP	50 लाख से 1 करोड़ तक	10%
	1 करोड़ से 2 करोड़ तक आय	15%
	2 करोड़ से 5 करोड़ तक आय	25%
	5 करोड़ से अधिक आय	37%
घरेलू कम्पनी –	1 से 10 करोड़ तक आय	7%
	10 करोड़ से अधिक आय	12%
फर्म –	1 करोड़ से अधिक आय	12%

शिक्षा उपकर – उपरोक्त सभी दशाओं में आयकर एवं सरचार्ज की राशि पर कुल 4% चिकित्सा एवं शिक्षा उपकर भी लगेगा।

- **कर में छूट** (धारा 87A) व्यक्ति करदाता को खाता वर्ष 2021-22 में यदि उसकी कुल आय 5 लाख रुपये तक है तो आयकर की राशि या 12,500 रुपये (जो भी कम हो) तक की कर में छूट मिलेगी।

आय में से स्वीकृत कटौतियाँ

(केवल **पुरानी कर की दर** का विकल्प चुनने वाले व्यक्ति एवं एच.यू.एफ. करदाता के लिये)

- **स्टेण्डर्ड डिडक्शन** – वेतन भोगी करदाता को खाता वर्ष 2021-22 में 50,000/- तक स्टेण्डर्ड डिडक्शन सैलरी से मिलेगा।
- **गृह ऋण पर ब्याज** – स्वयं के आवासीय मकान के लिये, लिये गये ऋण पर **देय ब्याज की छूट 2 लाख रुपये तक है यदि मकान का निर्माण ऋण लेने के 3 साल की अवधि में पूर्ण हो गया हो।**

❖ **अतिरिक्त छूट** – नई धारा 80EEA के तहत नये मकान ऋण पर ब्याज की 1.50 लाख रुपये की अतिरिक्त छूट दी गई है निम्न शर्तों के पूर्ण होने पर
1. गृह ऋण 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2022 के अंदर लिया हो।
2. गृह सम्पत्ति का मूल्य 45 लाख से अधिक न हो।
3. व्यक्ति के पास ऋण स्वीकृति की तिथि पर कोई अन्य मकान न हो।

- **धारा 80C** – धारा 80C के प्रावधान के अनुसार **व्यक्ति अथवा एच.यू.एफ.** की आय की गणना करते समय करयोग्य आय में से निम्न राशियों के भुगतान/निवेश के संबंध में **अधिकतम 1,50,000** रुपये तक की कटौती मिलेगी :-

❖ अनुसूचित बैंक या पोस्ट ऑफिस में 5 वर्ष या अधिक की स्थाई जमा। (**Tax Saver FDR**)
❖ **जीवन बीमा प्रीमियम** (स्वयं, पत्नी या बच्चों का) (बीमा धन के 10% तक सीमित)।
❖ पी.पी.एफ. में जमा (अवयस्क खाते सहित)।
❖ प्रमाणित प्राविडेन्ट फण्ड या अनुमोदित Supernuation फण्ड में कर्मचारी का अंशदान।
❖ पोस्ट ऑफिस की NSC इत्यादि में जमा।
❖ यू.टी.आई. या एल.आई.सी. म्युच्युअल फण्ड के विनिर्दिष्ट यूलिप (ULIP) में अंशदान।
❖ केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित कंपनी के म्युच्युअल फण्ड में अंशदान (ELSS)।
❖ करदाता के किन्हीं दो बच्चों की भारत में पूर्ण कालिक शिक्षा के लिये **ट्यूशन फीस** का भुगतान।
❖ आवासीय मकान के क्रय/निर्माण हेतु लिये गये ऋण की वापसी के लिये किया गया भुगतान।
❖ अधिसूचित म्युच्युअल फण्ड द्वारा स्थापित **पेंशन फण्ड** में अंशदान।
❖ **सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम** में जमा।
❖ **सुकन्या समृद्धि योजना** में अंशदान।

- **धारा 80CCC** के अधीन भारतीय जीवन बीमा या अन्य बीमा कम्पनी की **पेंशन योजना में निवेश पर अधिकतम 1,50,000 रुपये** तक की छूट है। प्राप्त होने वाली पेंशन को करयोग्य आय में जोड़ा जायेगा।
- **धारा 80CCE के अंतर्गत छूट की सीमा** – धारा 80C एवं 80CCC के तहत मिलने वाली छूटें कुल 1,50,000 रु. तक सीमित रहेगी।
- **धारा 80CCD (1B)** के अंतर्गत NPS में करदाता के अंशदान पर **अधिकतम 50,000 रु. तक की अतिरिक्त छूट है** जो 1,50,000 रु. के अलावा है।
- **धारा 80D** के अंतर्गत **मेडीकल बीमा प्रीमियम** व केन्द्र सरकार की हैल्थ स्कीम में अंशदान की छूट अधिकतम 25,000 रु. तक है। 60 वर्ष या अधिक उम्र के करदाता के लिये 50,000 रुपये तक की छूट है। माता-पिता के स्वास्थ्य बीमा का प्रीमियम जमा करवाने पर व्यक्ति को 25,000 रुपये तक और यदि माता-पिता 60 वर्ष या अधिक के हैं तो 50,000 रुपये तक अतिरिक्त छूट मिलेगी, जोकि उक्त छूट के अलावा होगी। चिकित्सा जाँच व्यय 5,000 रुपये तक भी इस सीमा में शामिल है।

❖ यदि **वरिष्ठ नागरिक का स्वास्थ्य बीमा नहीं है** तथा इलाज पर खर्च हुआ है तो अधिकतम 50,000 रुपये तक की छूट मिलेगी।

- धारा 80DDB के अधीन **स्वयं या आश्रित के दीर्घ स्थाई एवं जटिल रोगों के निदान हेतु चिकित्सा व्यय** के संबंध में वास्तव में व्यय की गई राशि या 40,000 रुपये (जो दोनों में कम हो) की छूट है। 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्ति के चिकित्सा व्यय पर अधिकतम 1,00,000 रुपये तक की छूट है।
- धारा 80TTA व्यक्ति (वरिष्ठ नागरिक के अलावा) एवं HUF को **सेविंग बैंक पर ब्याज से आय में 10,000 रुपये** तक अधिकतम छूट है।
- धारा 80TTB **वरिष्ठ नागरिक** को सेविंग बैंक पर ब्याज, FDR या R.D. के ब्याज से आय में से **अधिकतम 50,000 रुपये** तक की छूट प्राप्त होगी।

महत्वपूर्ण जानकारियाँ

- साझेदारी फर्म द्वारा कार्यशील साझेदारों को दिये जाने वाले वेतन की अधिकतम सीमा :-

1. बुक प्रॉफिट के प्रथम 3 लाख रुपये तक या नुकसान की दशा में	1,50,000 या बुक प्रॉफिट का 90% जो भी अधिक हो।
2. शेष बुक प्रॉफिट पर	60%

- यदि जमीन या मकान या दोनों के विक्रय से प्राप्त रकम, उस रकम से कम है जो स्टाम्प ड्यूटी के लिये राज्य सरकार द्वारा निर्धारित की गई है तो ऐसी निर्धारित रकम बिक्री की रकम मानी जायेगी और उसी रकम के अनुसार पूँजीगत लाभ निकाला जायेगा
- व्यापारिक अचल सम्पत्ति (बिक्री/ट्रांसफर) करने पर आय की गणना स्टाम्प ड्यूटी के लिये निकाले मूल्य पर होगी। (धारा 43 CA)
- अचल सम्पत्ति के लेन-देन पर 20,000 रुपये से अधिक नगद भुगतान पर शास्ति का प्रावधान है।
- धारा 143(2) के अनुसार करदाता ने जिस वित्त वर्ष में आय की रिटर्न भरी है, **वह वित्त वर्ष समाप्त होने के बाद 3 माह के भीतर ही करदाता को स्क्रूटनी का नोटिस दिया जा सकता है।** (1 अप्रैल 2021 से लागू)
- यदि एक ही व्यक्ति या फर्म को, माल की खरीद या व्यापारिक खर्चों का एक दिन में कई बार में किये गये **नगद भुगतान का जोड़ 10,000 रुपये से अधिक है** तो भुगतान की पूरी रकम करदाता की आय में जुड़ेगी। **ट्रांसपोर्टर को किये गये भुगतान के लिये यह सीमा 35,000 रुपये है।**
- **पी.पी.एफ. एवं सुकन्या समृद्धि योजना** से ब्याज की आय पूर्णतः कर मुक्त है एवं उक्त योजनाओं में जमा करने की सीमा अधिकतम 1,50,000 रुपये है।
- **मकान किराये से आय में मरम्मत की छूट 30% है।**
- **आडिट सीमा** – ऐसे करदाता जिनकी खाता वर्ष में कुल बिक्री या सकल प्राप्तियाँ 1 करोड़ रुपये से अधिक है अथवा पेशे से प्राप्तियाँ 50 लाख रुपये से अधिक है उन्हें **30 सितम्बर** तक अपने खातों का आडिट कराना तथा आडिट रिपोर्ट आनलाइन फाइल कराना अनिवार्य है अन्यथा कुल बिक्री या सकल प्राप्ति के 0.5% या 1,50,000/-(जो दोनों में कम हो) के बराबर दण्ड लगाया जा सकता है।
- **लोन का नगद जमा/भुगतान – 20,000 रुपये या अधिक की राशि के ऋण का जमा या भुगतान एकाउंट पेई चैक/ड्राफ्ट या डिजीटल पेमेंट द्वारा ही करें।** उक्त सीमा से अधिक का नगद लेनदेन करने पर ऋण या जमा राशि के 100% दण्ड का प्रावधान है।

व्यावसायिक सम्पत्तियों पर डेप्रिसिएशन दर	
व्यावसायिक भवन, फर्नीचर एवं फिटिंग आदि	10%
मशीन, प्लांट, मोटर साईकिल, कार आदि	15%
बस, ट्रक, टैक्सी कार आदि	30%
कम्प्यूटर, लेपटॉप, प्रिंटर, सॉफ्टवेयर आदि	40%
अन्य बुक्स	40%

नोट – सम्पत्ति यदि 30 सितम्बर के बाद खरीदी है तो डेप्रिसिएशन आधा ही मिलेगा। भूमि पर नहीं मिलता।

टी.डी.एस. की दरें

धारा	शीर्षक	सीमा (प्रति वर्ष)	व्यक्ति एचयूएफ
192	वेतन	कर मुक्त सीमा	सामान्य दर
194A	बैंक या डाकघर से FDR पर ब्याज	40,000/-	10%
194A	सीनियर सिटीजन को FDR पर ब्याज	50,000/-	10%
194A	अन्य ब्याज	5,000/-	10%
194C	ठेकेदार/उपठेकेदार को भुगतान	30,000/- प्रति ठेका या 1,00,000/- वार्षिक	1% अन्य दशा में 2%
194D	बीमा कमीशन	15,000/-	5%
194H	कमीशन दलाली	15,000/-	5%
194I	प्लांट/मशीन का किराया	2,40,000/-	2%
194I	अन्य किराया	2,40,000/-	10%
194 IA	अचल सम्पत्ति के विक्रय या ट्रांसफर करने पर (कृषि भूमि को छोड़कर)	50,00,000/-	1%
194J	व्यावसायिक सेवा की फीस का भुगतान एवं कम्पनी के डायरेक्टर को फीस	30,000/-	10%
194J	तकनीकी सेवा का भुगतान	30,000/-	2%
194B	लाटरी ईनाम	10,000/-	30%
194 DA	LIP का परिपक्वता भुगतान	1,00,000/-	1%
194	शेयर एवं म्युच्युअल फंड से लाभांश (Dividend)	5,000/-	10%
194 N	बैंक, डाकघर या सहकारी बैंक से चालू खाते में नगद निकासी	20 लाख से 1 करोड़	2%
	● For Non ITR Filer	1 करोड़ से अधिक	5%
	● अन्य दशा में	1 करोड़ से अधिक	2%
194 Q	माल की खरीद (10 करोड़ से ज्यादा वार्षिक बिक्री वाले व्यापारी पर लागू) 1 जुलाई 2021 से	50 लाख से ज्यादा (1 वित्त वर्ष में किसी व्यापारी से)	0.10%

- **टी.डी.एस. जमा डिटेल्स हेतु फार्म 26AS को देखें।**

विशेष :– (1) यदि ट्रांसपोर्टर 10 या उससे कम ट्रकों का मालिक है एवं इसका Declaration वह कटौतीकर्ता को पेन नं. के साथ देता है तो उसका टी.डी.एस. नहीं कटेगा।

(2) पेन नं. नहीं बताने पर 20% या टी.डी.एस. की लागू दर (जो अधिक हो) से टी.डी.एस. कटेगा।

- **व्यक्ति अथवा HUF जो धारा 44AB के अंतर्गत अनिवार्य आडिट के दायरे में आते हैं उन्हें भी ब्याज, ठेके का भुगतान, कमीशन, किराया एवं प्रोफेशनल की फीस के भुगतान पर टीडीएस की कटौती करना है।**
- **टी.डी.एस. काटने वाले को त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करनी होगी।** त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करने की तिथि 31 जुलाई, 31 अक्टूबर, 31 जनवरी, 31 मई।
- तिमाही रिटर्न में पैन व टैन नम्बर का उल्लेख करना होगा। टी.डी.एस. की तिमाही रिटर्न समय पर न दाखिल करने पर 200/- प्रतिदिन फाईन लगेगा।
- **काटे गये कर को जमा करने के लिये** – (1) जिस माह में भुगतान या जमा पर टी.डी.एस. काटा है उस माह के समाप्त होने के बाद 7 दिन के भीतर टी.डी.एस. की राशि सरकारी खजाने में जमा करानी होगी। (2) यदि 31 मार्च को ब्याज प्राप्तकर्ता के खाते में जमा कर दिया है तो 30 अप्रैल तक टी.डी.एस. जमा करना होगा।

2 करोड़ के अंदर विक्रय या प्राप्ति पर आडिट से छूट

धारा 44AD के अंतर्गत 2 करोड़ रुपये तक की बिक्री/प्राप्ति वाले व्यापार के लिये सकल बिक्री/प्राप्तियों पर 8% की दर (यदि बिक्री राशि की प्राप्ति बैंक के माध्यम से या डिजीटल पेमेंट से हुई है तो उस पर 6% की दर लागू होगी) से शुद्ध *आय की गणना की जायेगी एवं धारा 44ADA के अंतर्गत प्रोफेशनल के केस में सकल प्राप्ति (50 लाख तक) के 50% की दर से शुद्ध आय की गणना की जायेगी।* उक्त धारा के प्रावधान वैकल्पिक हैं। निर्धारित दर से अधिक शुद्ध आय भी दर्शाई जा सकती है **किन्तु यदि शुद्ध आय निर्धारित दर से कम दर्शाई गई है तो लेखा पुस्तकें रखना एवं आडिट कराना अनिवार्य है।** उक्त धारा में शुद्ध आय निश्चित की गई है अर्थात् यह माना गया है कि व्यापारिक खर्चे, डेप्रिसिएशन आदि की छूट दे दी गई है। **भागीदारी फर्मों के प्रकरणों में भागीदारों को दिये गये पारिश्रमिक तथा ब्याज की छूट अलग से नहीं मिलेगी।**

धारा 44AD के प्रावधान निम्न पर लागू नहीं होंगे :-
(1) कमीशन या दलाली से आय है।
(2) एजेन्सी व्यवसाय है।

 ये पंचांग खरीदते समय ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 पूरा देखें अन्यथा कुछ विक्रेताओं द्वारा मिलते हुये नाम एवं नम्बर का पंचांग आपको थमाया जा सकता है।

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

बैंक में जमा सुरक्षित करें
अब सायबर ठगों ने बैंक खाता में जमा राशि हड़पने के नये-नये हथकंडे अपना लिये हैं इसलिये ए.टी.एम., पेमेंट कार्ड, मोबा. एप और इंटरनेट बैंकिंग पर सभी प्रकार के लेन-देन के लिये राशि निकासी की सीमा तय करें और उसे जरूरत अनुसार आन/ऑफ करें ताकि खाता ठगों द्वारा खाली होने से बचे।

ता. 5 माँ सरस्वती प्राकट्योत्सव

मेरिज डे

ता. 16 संत रविदास जयंती

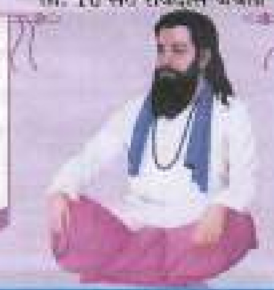

बर्थ डे

ता. 19 छत्रपति शिवाजी जयंती

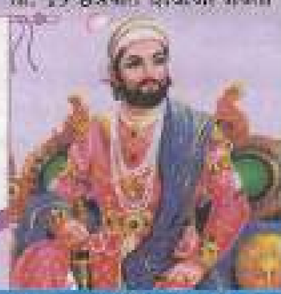

साइबर ठगी से बचें
साइबर ठगी से बचने हेतु निम्न सावधानी रखें
● पास आयी अनजान लिंक न खोलें। ● बैंक के URL से मिलते-जुलते लिंक भी न खोलें। ● एसएमएस, ई-मेल या व्हाट्स एप पर भेजे गये ललचाने वाले मुफ्त लिंक द्वारा जालसाज आपकी निजी पूरी जानकारी हासिल कर लेते हैं, उनसे दूरी बनायें।

मतदान में कर्मठ, ईमानदार, दूरदर्शी, समझदार एवं स्वस्थ्य व्यक्ति को वोट देने अवश्य जायें, चाहे वह किसी भी दल का हो।

भद्रास्थिति – ता. ४ को ७।२० रात से ता. ५ के ७।१५ प्रातः तक। ता. ८ को ८।४३ दिन से ९।२८ रात तक। ता. ११ को ३।१५ रात से ता. १२ के ४।२० शाम तक। ता. १५ को ९।३५ रात से ता. १६ के १०।१३ दिन तक। ता. १९ को १०।३३ दिन से १०।१९ रात तक। ता. २२ को ५।५७ शाम से ४।२६ रात अंत तक। तारीख २५ को १०।७ रात से तारीख २६ के ८।५५ दिन तक। तारीख २८ को २ बजकर २४ मिनिट रात से भद्रा प्रारम्भ होगी।
गुरु, शुक्र तारा – गुरु पूरब दिशा में उदित, तारीख २२ को ७।२० रात से पश्चिम दिशा में अस्त। शुक्र पूरब दिशा में उदित। "रक्तदान महादान"
पंचक – तारीख २ को ८।१७ दिन से तारीख ६ के ८।२७ रात तक।

विक्रम संवत् 2078 — वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायण

FEBRUARY
ईस्वी सन् 2022

सूर्य उत्तरायण, शिशिर ऋतु — शंकराचार्य संवत् 2528

चन्द्रस्थिति – मकर का। ता. २ को ८।१७ दिन से कुम्भ का। ता. ४ को १।१४ दिन से मीन का। ता. ६ को ८।२७ रात से मेष का। ता. ८ को ६।१२ रात अंत से वृष का। ता. ११ को ५।४० शाम से मिथुन का। ता. १३ को ५।१९ रात अंत से कर्क का। ता. १६ को ३।३२ दिन से सिंह का। ता. १८ को ११।१९ रात से कन्या का। ता. २० को ४।४४ रात अंत से तुला का। ता. २३ को ८।१९ दिन से वृश्चिक का। तारीख २५ को १०।४८ दिन से धनु का। तारीख २७ को १ बजकर ९ मिनिट दिन से मकर का चन्द्रमा रहेगा।
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १३ तक मकर लग्न, ता. १४ से कुम्भ लग्न।
कोरोना से बचाव के लिये टीका मुफ्त भी लगता है उसका लाभ उठावें।

हिजरी सन् 1443
जमादि उस्सानी/रज्जब मास (7)
तारीख 2 चन्द्रदर्शन,
तारीख 3 से रज्जब मास प्रारम्भ,
तारीख 15 हजरत अली जन्मदिन

2 — माघ/फाल्गुन मास (12)

फरवरी

रा.शक सं.1943
रा. माघ 12 से रा. फाल्गुन 9 तक
(ता. 20 से राष्ट्रीय फाल्गुन मास प्रारम्भ)
बंगला सन् 1428
बं. माघ, ता. 14 से फाल्गुन मास प्रारंभ

दूध हिसाब				तिथि समय	
ता.	सुबह	शाम	प्लस/का माइनस	तिथि	समय बजे तक
1				३०	११।३३ दिन तक
2				१	६।५१ दिन तक
3				२	८।३० दिन तक
4				३	७।३४ प्रातः तक
5				४	७।१५ प्रातः तक
6				५	७।१७ प्रातः तक
7				६	७।४० प्रातः तक
8				७	८।४३ दिन तक
9				८	१०।१३ दिन तक
10				९	१२।४ दिन तक
11				१०	२।१० दिन तक
12				११	४।२० शाम तक
13				१२	६।२३ शाम तक
14				१३	८।११ रात तक
15				१४	९।३५ रात तक
16				१५	१०।३१ रात तक
17				१	१०।५६ रात तक
18				२	१०।५० रात तक
19				३	१०।१५ रात तक
20				४	९।१२ रात तक
21				५	७।४५ रात तक
22				६	५।५७ शाम तक
23				७	३।५४ दिन तक
24				८	१।४० दिन तक
25				९	११।१८ दिन तक
26				१०	८।५५ दिन तक
				११	६।३५ रा.अं.तक
27				१२	४।२३ रा.अं.तक
28				१३	२।२४ रात तक
योग					

ध्यान रखें
व्रत-त्यौहार का निर्णय केवल तिथि का समय देखकर स्वयं न करें कुछ व्रत-त्यौहार में नक्षत्र, भद्रा, चंद्र एवं तिथि के प्रातः-मध्याह्न-अपराह्न शाम-रात आदि को भी देखना होता है।

ऐच्छिक अवकाश
ता. 5 बसन्त पंचमी
ता. 7 म.देवनारायण ज.
ता. 8 माँ नर्मदा जन्मो.
ता. 15 रामचरण प्रभु ज.
ता. 19 छ.शिवाजी ज.
ता. 24 शबरी जयंती
ता. 26 स्वामी दयानंद ज.

वार				
रवि (SUNDAY)	6 — पंचक ८।२७ रात तक — माघ शुक्ल ५	13 — तिल/भीष्म द्वादशी — माघ शुक्ल १२	20 — गणेश चतुर्थी व्रत — ★ फाल्गुन कृष्ण ४	27 — विजया एकादशी (वैष्णव) — ★ फाल्गुन कृष्ण १२
सोम (MONDAY)	7 — शीतलाषष्ठी — माघ शुक्ल ६	14 — प्रदोष व्रत — ★ माघ शुक्ल १३	21 — ★ फाल्गुन कृष्ण ५	28 — प्रदोष व्रत — फाल्गुन कृष्ण १३
मंगल (TUESDAY)	1 — मौनी/माघी अमावस्या — स्ना.दा. अमावस्या ३०	8 — माँ नर्मदा जन्मोत्सव — अचला/रथ सप्तमी — ★ भीष्माष्टमी ७	15 — संत रैदासजी जयंती — ★ माघ शुक्ल १४	22 — ★ फाल्गुन कृष्ण ६
बुध (WEDNESDAY)	2 — पंचक ८।१७ दिन से — ★ माघ शुक्ल १	9 — ★ माघ शुक्ल ८	16 — माघी पूर्णिमा — ★ स्ना.दा.व्र.पूर्णिमा १५	23 — संत गाडगे महाराज ज. — फाल्गुन कृष्ण ७
गुरु (THURSDAY)	3 — पंचक — ★ माघ शुक्ल २	10 — महानंदा नवमी — ★ माघ शुक्ल ९	17 — फाल्गुन कृष्ण १	24 — सीताष्टमी — फाल्गुन कृष्ण ८
शुक्र (FRIDAY)	4 — पंचक — वरद चतुर्थी — ★ विनायकी चतुर्थी व्रत ३	11 — माघ शुक्ल १०	18 — फाल्गुन कृष्ण २	25 — ★ फाल्गुन कृष्ण ९
शनि (SATURDAY)	5 — पंचक — बसंत पंचमी — माघ शुक्ल ४	12 — जया/अजा एकादशी — माघ शुक्ल ११	19 — फाल्गुन कृष्ण ३	26 — विजया एकादशी व्रत — ★ फाल्गुन कृ.१०/११

मूल
रेवती के ता. ५ को ७।३४ रात से ता. ६ के ८।२७ रात तक फिर अश्विनी के ता. ७ के ९।४९ रात तक। अश्लेषा के ता. १५ को १।५६ दिन से ता. १६ के ३।३२ दिन तक फिर मघा के ता. १७ के ४।३९ शाम तक। ज्येष्ठा के ता. २४ को १२।२७ दिन से ता. २५ के १०।४८ दिन तक फिर मूल के मूल ता. २६ के ९।८ दिन तक।

सूचना
शुभ मुहूर्त आदि स्थूल रूप से दिये गये हैं। अतः मांगलिक कार्यक्रम की तिथि का फायनल निर्णय करने के पूर्व अपने आचार्य की सलाह अवश्य ले लेवें।

नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा
ता. ६ से १० तक शिवपुर-भिलाड़िया-अर्चना-बावरी शिवपुर (सिवनी, मालवा)। तारीख १२ से १६ तक मनोकामनेश्वर, चिचली (छोटी कसरावद) एवं बांद्राभान – सूरजकुंड, बांद्राभान (होशंगाबाद), बेटेश्वरी – कुटेश्वरी, दयालपुरा (गोगावाँ – खरगोन)। ता. २६ से २ मार्च तक सिद्धनाथ सिद्धक्षेत्र (नाभिकुंड) नेमावर एवं मंदनाथ – नाभिकुण्ड-जोगा-फतेहगढ़ (रेवोदर) हंडिया (हरदा)।

यादद्दाश्त

राशिफल
मेष – मांगलिक कार्य, पदोन्नति, यश
वृष – पुत्र सुख, चोरादि भय, लाभ कम
मिथुन – लाभ, वाहन सुख, यात्रा विचार
कर्क – मतभेद, सहयोग प्राप्ति, तनाव
सिंह – वाहन प्राप्ति,स्वास्थ्य चिंता,कष्ट
कन्या – मित्र मिलन, धन लाभ, यात्रा
तुला – पदोन्नति, मित्र सुख, वाहन लाभ
वृश्चिक – व्यर्थ विवाद, तनाव, यात्रा
धनु – खर्च अधिक, वाहन सुख, कष्ट
मकर – यात्रा विचार, वाहन प्राप्ति,चिंता
कुंभ – भवन लाभ, स्थानांतरण, यात्रा
मीन – तीर्थयात्रा, संतान सुख, रोग कष्ट

शुभ मुहूर्त
विवाह – ता. 4,5,6,9,10,11,16 से 21 मुण्डन – ता.3,7,14 नामकरण – ता. 2,3,7,10,14,28 अन्नप्राशन – ता. 2, 3, 7, 10, 11, 14, 18, 21, 23, 28 उपनयन – तारीख 3, 4, 18 गृहारंभ – ता. 10, 11, 14, 18, 19 गृह प्रवेश – तारीख 5, 10, 11 व्यापार – ता. 5, 7, 14, 18, 21, 24

मुख्य जयंती, दिवस
ता. 5 माँ परमेश्वरी जयंती (छ.ग.ऐ.अ.), म. खटवांग, कवि निराला जयंती
ता. 8 म. नवल एवं संत महादेव जयंती
ता.11 पं. दीनदयाल उपाध्याय पु.ति.
ता.14 प्रभु नित्यानंद जयंती,वेलेंटाइन डे
ता.15 कवि.सुभद्राकुमारी चौहान पु.ति.
ता.19 छत्रपति शिवाजी जयंती, गुरु गोलवलकर जयंती
ता.26 वीर सावरकर पुण्यतिथि
ता.27 चन्द्रशेखर आजाद शहीद दिवस

ग्रहस्थिति
सूर्य – मकर राशि में, ता. १३ के ७।३६ प्रातः से कुम्भ राशि में। मंगल – धनु राशि में, तारीख २६ के ३।१६ दिन से मकर राशि में। बुध – मकर राशि में (वक्री), ता. ४ के ११।१ रात से मार्गी। गुरु – कुम्भ राशि में। शुक्र – धनु राशि में, ता. २७ के ७।३८ रात से मकर राशि में। शनि – मकर राशि में। राहु – वृष राशि में। केतु – वृश्चिक राशि में।

स्वर विचार – स्टार (★) लगी तारीखों में ऋषि-मुनियों के अनुसार उदयकाल में बायाँ स्वर रहना चाहिये।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:54	5 – 6:53	10 – 6:50	15 – 6:46	20 – 6:44	25 – 6:39
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 5:54	5 – 5:55	10 – 5:58	15 – 6:02	20 – 6:04	25 – 6:07

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ६ को ८।२७ रात से रात अंत तक। ता. ८ को ११।३९ रात से ता. ९ के रात अंत तक। ता. १४ को ११।५४ दिन से रात अंत तक। ता. १५ को १।५६ दिन से रात अंत तक। ता. २० को सूर्योदय से ५।६ शाम तक। ता. २३ को १।५९ दिन से ३।५४ दिन तक। तारीख २४ को सूर्योदय से १२।२७ दिन तक। तारीख २७ को ७।३१ प्रातः से ६ बजकर ३ मिनिट रात अंत तक। तारीख २८ को सूर्योदय से ४ बजकर ४६ मिनिट रात अंत तक।
अमृत सिद्धि योग – तारीख २० को सूर्योदय से ५ बजकर ६ मिनिट शाम तक। तारीख २३ को १ बजकर ५९ मिनिट दिन से ३ बजकर ५४ मिनिट दिन तक।
त्रिपुष्कर योग – ता. १३ को ६।३२ दिन से ६।२३ शाम तक। ता. २२ को ५।५७ शाम से रात अंत तक। ता. २७ को ७।३१ प्रातः से ४।२३ रात अंत तक।
पुष्य नक्षत्र – तारीख १४ को ११।५४ दिन से तारीख १५ के १।५६ दिन तक।
अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों को भी यही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये।

फरवरी माह के मुख्य व्रत, त्यौहार
ता. 1 स्नानदान मौनी अमावस्या
ता. 2 चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रारंभ
ता. 4 तिल कुंद, विनायकी चतुर्थी
ता. 5 बसंत पंचमी,सरस्वती जयंती
ता. 7 शीतलाषष्ठी
ता. 8 अचला, रथ सप्तमी, माँ नर्मदा जन्मोत्सव, भीष्माष्टमी
ता. 10 महानंदा नवमी,नवरात्र पारणा
ता. 12 जया/अजा, भीष्म एकादशी
ता. 13 तिल द्वादशी, भीष्म द्वादशी
ता. 14 प्रदोष व्रत
ता. 16 स्नानदान व्रत माघी पूर्णिमा
ता. 20 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 24 सीताष्टमी
ता. 26 विजया एकादशी
ता. 28 प्रदोष व्रत

श्वेताम्बर जैन पर्व
ता. 5 भ. विमलनाथ जन्मोत्सव
ता. 15 पाक्षिक प्रतिक्रमण

मासफल – इस मास सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट से विपक्ष द्वारा असहमति के साथ-साथ विरोध के स्वर उठेंगे। चुनावी राज्यों में आरोप-प्रत्यारोप, जात-पात, धार्मिक भावनाओं को भड़काने के प्रयास होंगे। शेयर, सोना, चाँदी एवं अन्य धातुओं व अनाज आदि में सामान्य तेजी-मंदी रहेगी। संक्रमण, हार्टफेल का ग्राफ बढ़ेगा। कुछ क्षेत्रों में वर्षा, आँधी, ओलावृष्टि आदि से हानि होगी।
सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य श्रवण नक्षत्र में। ता. ६ को ६ बजकर १ मिनिट शाम से धनिष्ठा नक्षत्र में। ता. १९ को ६ बजकर ३६ मिनिट रात से शतभिषा नक्षत्र में।
व्यतिपात योग – ता. १ को ७।१४ प्रातः से ४।३५ रात अंत तक फिर ता. २६ को ७ बजकर ३० मिनिट रात से ता. २७ के ४ बजकर २६ मिनिट शाम तक।
दिगम्बर जैन पर्व – ता. ६ से १० तक पुष्पांजली व्रत। ता. ६ से १५ तक दशलक्षण व्रत। ता. १० रोहिणी व्रत। ता. १४ से १६ तक रत्नत्रय पर्व। ता. १७ षोडषकारण व्रत पूर्ण। डाक से पंचांग मंगवाने का तरीका दिसम्बर पेज में देखें।

TM 70 71 72 इस पंचांग की नकली, मिलती जुलती प्रतियाँ, मोबाइल एप या पी.डी.एफ. बनाने पर जेल पहुँचाने की कार्यवाही की जायेगी। TM 70 71 72

इस पंचांग संबंधी सामान्य जानकारी

इस पंचांग में बीच में चौकोर बड़े अंग्रेजी अंकों में ईस्वी तारीख रहती है। उसी खाने में ऊपर कार्नर पर बाँयी तरफ अंग्रेजी छोटे छोटे अंकों में उर्दू तारीखें हैं, दाँये कार्नर में नक्षत्र एवं उसका समाप्ति का समय दिया रहता है, इस समाप्ति समय के बाद से ही अगले नक्षत्र का समय प्रारम्भ हो जाता है। ईस्वी तारीखों के नीचे हिन्दी तिथि (विक्रम संवत् मास की तारीख) दी गई हैं। तिथियों का समाप्ति समय घंटा मिनट का हिसाब बाले कॉलम के साथ दिया गया है। तिथि के समाप्त समय के बाद से ही अगली तिथि का समय प्रारम्भ हो जाता है। तिथिमान के कॉलम में जो स्क्रीन दर्शायी गई है वह कृष्ण पक्ष की सूचक है, विक्रम संवत् की हिन्दी तिथियों एवं नक्षत्र आदि से हिन्दू त्यौहारों एवं व्रतों का निर्धारण होता है।

विक्रम संवत् मास के नाम

(1) चैत्र (2) वैशाख (3) ज्येष्ठ (4) आषाढ़ (5) सावण (6) भाद्रपद (भादों) (7) आश्विन (क्वाँर) (8) कार्तिक (9) मार्गशीर्ष (अगहन) (10) पौष (11) माघ (12) फाल्गुन

शुक्ल पक्ष, कृष्ण पक्ष

विक्रम संवत् के हर मास (चंद्रमास) में दो पक्ष होते हैं -

(1) शुक्ल पक्ष (सुदी) - अमावस्या के बाद प्रतिपदा से पूर्णिमा तक की तिथियों को शुक्ल पक्ष कहते हैं। यानि अमावस्या के बाद बढ़ता हुआ चाँद पूर्णिमा तक शुक्ल पक्ष का सूचक है।

(2) कृष्ण पक्ष (बदी) - पूर्णिमा के बाद से अमावस्या तक की तिथियों को कृष्ण पक्ष कहते हैं। यानि पूर्णिमा के बाद घटता हुआ चाँद अमावस्या तक कृष्ण पक्ष का सूचक है। पूरे मास की तिथियों के नाम निम्न हैं :-

(1) प्रतिपदा (2) द्वितीया (3) तृतीया (4) चतुर्थी (5) पंचमी (6) षष्ठी (7) सप्तमी (8) अष्टमी (9) नवमी (10) दशमी (11) एकादशी (ग्यारस) (12) द्वादशी (13) त्रयोदशी (14) चतुर्दशी (15) पूर्णिमा (30) अमावस्या

नोट - पूर्णिमा से चतुर्दशी तक पूर्वानुसार तिथियों के नाम एवं अंक चलते हैं अमावस्या के साथ 30 लिखते हैं।

अन्य जानकारी

पंचक - इसमें गृह निर्माण, दक्षिण की यात्रा, काष्ठ, तृण की क्रिया मना है। दाह-संस्कार में काष्ठ व तृण की क्रिया के कारण ही पंचक माना जाता है। व्रतों, त्यौहारों में पंचक का महत्व नहीं है। गणेश, दुर्गा विसर्जन में भी पंचक का महत्व नहीं है।

अमृत सिद्धि योग - सभी कार्यों में शुभ होता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग - सर्वत्र शुभकारक योग है।

द्विपुष्कर योग - शुभ-अशुभ में दुगना फलदायक है।

त्रिपुष्कर योग - शुभ-अशुभ में तीन गुना फलदायक है।

कृषि कार्यों हेतु शुभ मुहूर्त

खेत में हल चलाने का मुहूर्त - मूल, विशाखा, मघा, स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा, हस्त, अश्विनी, पुष्य और अभिजित नक्षत्रों में रवि और शनिवार छोड़कर, तिथि 4, 9, 14 और अमावस्या को छोड़कर शुभ लग्न में शुभ रहता है।

खेत में धान रोपने का मुहूर्त - विशाखा, पूर्वा भाद्रपद, मूल, रोहिणी, शतभिषा, उ.फा. नक्षत्रों में। रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को। तिथि 4, 9, 14 और अमावस्या को छोड़कर सब शुभ है।

बीज बोने का मुहूर्त - मूल, मघा, तीनों उत्तरा, रोहिणी, चित्रा, मृगशिरा, अनुराधा, रेवती, हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित, धनिष्ठा, स्वाती नक्षत्रों में। मंगलवार तथा तिथि 4, 6, 9, 14 और अमावस्या को छोड़कर सब शुभ हैं।

खेत काटने का मुहूर्त - मूल, ज्येष्ठा, आर्द्रा, अश्लेषा, पूर्वाभाद्रपद, हस्त, कृत्तिका, श्रवण, स्वाती, मघा, तीनों उत्तरा, पू.फा., भरणी, चित्रा, पुष्य नक्षत्र शुभ हैं। शनि और मंगलवार को एवं तिथि 4, 9, 14 को छोड़कर सब शुभ। यदि साथ में वृष, वृश्चिक या कुम्भ लग्न हो तो उत्तम।

अन्न पेरना एवं धान्य मर्दन का मुहूर्त - पू.फा., उ.फा., श्रवण, मघा, ज्येष्ठा, रोहिणी, मूल, अनुराधा, रेवती नक्षत्रों में, शनि, मंगल तथा रिक्ततिथि (4, 9, 14) को छोड़कर अन्य तिथि में शुभ हैं।

शुभ कार्य और यात्रा के लिए कोई मुहूर्त न बनने पर उत्तम चौघड़िया देखकर कार्य करें।
उत्तम चौघड़िया - अमृत, शुभ, लाभ तथा चर हैं। **खराब चौघड़िया** - उद्वेग, रोग व काल हैं।

दिन की चौघड़ियाँ							समय बजे तक	रात की चौघड़ियाँ						
रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	दिन - रात	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	6 से 7.30 तक	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	7.30 से 9 तक	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	9 से 10.30 तक	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	10.30 से 12 तक	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	12 से 1.30 तक	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	1.30 से 3 तक	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	3 से 4.30 तक	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	4.30 से 6 तक	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

आनन्दादि योग इस चार्ट से बनायें

क्र.	योग	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
1	आनंद	अश्विनी	मृगशिरा	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा
2	कालदण्ड	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित	पू.भा.
3	धूम्र	कृतिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाती	मूल	श्रवण	उ.भा.
4	धाता	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती
5	सौम्य	मृगशिरा	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी
6	ध्वांक्ष	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित	पू.भा.	भरणी
7	ध्वज(केतु)	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाती	मूल	श्रवण	उ.भा.	कृतिका
8	श्रीवत्स	पुष्य	उ.फा.	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी
9	वज्र	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिरा
10	मुग्दर	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा
11	छत्र	पू.फा.	स्वाती	मूल	श्रवण	उ.भा.	कृतिका	पुनर्वसु
12	मित्र	उ.फा.	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य
13	मानस	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिरा	अश्लेषा
14	पद्म	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा
15	लुम्बक	स्वाती	मूल	श्रवण	उ.भा.	कृतिका	पुनर्वसु	पू.फा.
16	उत्पात	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.
17	मृत्यु	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिरा	अश्लेषा	हस्त
18	काण	ज्येष्ठा	अभिजीत	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा
19	सिद्धि	मूल	श्रवण	उ.भा.	कृतिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाती
20	शुभ	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.	विशाखा
21	अमृत	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिरा	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा
22	मुसल	अभिजित	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा
23	गद	श्रवण	उ.भा.	कृतिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाती	मूल
24	मातंग	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.	विशाखा	पू.षा.
25	राक्षस(रक्ष)	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिरा	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.
26	चर	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित
27	स्थिर	उ.भा.	कृतिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाती	मूल	श्रवण
28	प्रवर्ध	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा

अपने नामों के अनुसार **अच्छा फल देने वाले योग** - आनन्द, धाता, सौम्य, ध्वज (केतु), श्रीवत्स, छत्र, मित्र, मानस, पद्म, सिद्धि, शुभ, अमृत, गद, मातंग, चर, स्थिर, प्रवर्ध। **खराब फल देने वाले योग** - कालदण्ड, धूम्र, ध्वांक्ष, वज्र, मुग्दर, लुम्बक, उत्पात, मृत्यु, काण, मुसल, राक्षस हैं। ये योग नक्षत्र से बनते हैं अतः नक्षत्र का समय और योग का समय समान रहता है।

अभिजीत नक्षत्र - दोपहर 12 बजे से 48 मिनिट तक का समय।

कुओं में पानी बढ़ता है सोकपिट से

यदि आप वर्तमान में पानी की कमी से बचना चाहते हैं तो अपने भवन में सोकपिट बनवायें।

सोकपिट बनाने की सरल विधि :-

1. भवन के आँगन अथवा उपयुक्त स्थान पर जो आपके भवन की छत के नजदीक हो या वहाँ पर जहाँ बरसात का पानी बहकर आ रहा हो, 5 × 5 × 5 फुट का (5 फुट लम्बा, 5 फुट चौड़ा और 5 फुट गहरा) एक गड्ढा तैयार करवायें।
2. गड्ढे के अंदर चारों ओर ईंट की दीवार बिना मिट्टी या सीमेन्ट की मदद से तैयार करें।
3. अब इस गड्ढे में 1 फुट ऊँचाई तक रेत भरें।
4. रेत के ऊपर 1 फुट तक लकड़ी का कोयला भरें।
5. कोयले के ऊपर 1 फुट तक मोटी बजरी (रेत की छानन) भरें।
6. गड्ढे के शेष भाग को ईंटों के अद्धे रोड़े से भर दें और फिर उसे चीपों से ढँक दें। लीजिये आपका सोकपिट तैयार है।

नोट - सोकपिट को ऊपर से चीपों (पत्थर के टाँसे) से अच्छे से पूरी तरह मजबूती से ढकवायें ताकि उसमें मच्छर न पनप सकें एवं किसी के गिरने की सम्भावना न रहे।

सोकपिट का उपयोग -

अब इस गड्ढे में छत या आँगन का बरसाती पानी पाइप द्वारा लायें। छत का पानी इस सोकपिट (गड्ढे) में तीन या चार इंच की मोटी प्लास्टिक पाइप से उतारा जा सकता है। पाईप लाईन को सोकपिट (गड्ढे) से जोड़ने के बाद ऊपर से सोकपिट को, साइड से पानी ओवर फ्लो की नाली निकालकर पक्का किया जा सकता है।

सोकपिट की लागत :-

इस कार्य में लगभग 5,000/- रुपये से लेकर 10,000/- रुपये तक का खर्च आता है।

1. प्लास्टिक पाइप लगभग 30/- या 35/- फुट मूल्य वाला उपयोग में लें।
2. दो ठिलिया रेत
3. दो ठिलिया बजरी मोटी
4. एक बोरी लकड़ी का कोयला
5. ईंट लगभग 400 एवं मजदूरी

सोकपिट के लाभ :-

आपके भवन की बोरिंग या आसपास खुदे हुए कुओं का जलस्तर अपने आप बढ़ने लगता है और कुआँ भविष्य में पूरे वर्ष पानी देने लगता है और यदि सभी ऐसा कर लें तो उस स्थान में पानी का लेबिल ऊँचा हो जाता है।

नोट - मकान की नींव के आसपास सोकपिट यदि बनवायें तो सिविल इंजीनियर से अवश्य सलाह कर लें।

तिल होने का शुभाशुभ लक्षण

माथे पर	बलवान हो
दोनों भौहों के बीच	यात्रा होती रहे
दाहिनी आँख पर	स्त्री से प्रेम रहे
दाहिने गाल पर	धनवान हो
बाएँ गाल पर	खर्च बढ़ता जाये
गर्दन पर	आराम मिले
दाहिनी भुजा पर	मान-प्रतिष्ठा मिले
नाक पर	यात्रा होती रहे
छाती के बीच में	जीवन सुखी रहे
पेट पर	उत्तम भोजन का इच्छुक

स्वप्न देखने का शुभाशुभ फल

आकाश की ओर उड़ना	लम्बी यात्रा
सूर्य को देखना	किसी महात्मा के दर्शन
बादल देखना	तरक्की
घोड़े पर चढ़ना	व्यापार में उन्नति
शीशा में मुँह देखना	स्त्री से प्रेम
ऊँचे से गिरना	हानि
बाग-फुलवारी देखना	खुशी
सर के कटे बाल देखना	कर्ज से छुटकारा
पाखाना करना	धन प्राप्त
फूल देखना	प्रेमी मिले

शुभ कार्यों में वर्जित समय विचार

देवशयन - आषाढ़ शुक्ल 11 से कार्तिक शुक्ल 11 तक देवता शयन करते हैं। इन्हें देवशयन या चातुर्मास कहते हैं, इन दिनों में विवाह, कर्णछेद, मुण्डन, उपनयन, गृहारम्भ आदि का निषेध बताया गया है।

होलाष्टक - होली से 8 दिन पूर्व तक होलाष्टक माना गया है। इसमें कुछ क्षेत्रों में (सतलज, रावी, व्यास नदियों के तथा पुष्कर सरोवर के तटवर्ती भाग में) विवाहादि मांगलिक कार्य वर्जित हैं। अन्य क्षेत्रों में वर्जित नहीं है।

गुरु एवं शुक्र के अस्त में वर्जित कार्य - विवाह, मुण्डन (चौल), उपनयन, कर्णछेदन, दीक्षा, गृह प्रवेश, द्विरागमन, वधु प्रवेश, देव प्रतिष्ठा, कुआँ, जलाशय खोदना इत्यादि कृत्य वर्जित हैं।

भद्रा दोष - भद्रा में विवाह, गृहारम्भ, गृहप्रवेश तथा मांगलिक कार्य वर्जित हैं, पूर्वार्ध दिन की भद्रा रात में तथा उत्तरार्ध की भद्रा दिन में शुभ कार्य के लिए मान्य है।

दिशा शूल विचार

पूर्व की ओर सोम, शनि तथा ज्येष्ठा नक्षत्र में। पश्चिम में रवि, शुक्र और रोहिणी नक्षत्र में। दक्षिण में गुरुवार और पू.भा. नक्षत्र में। उत्तर में मंगल एवं बुध को यात्रा करना मना है। उसी दिन पहुँच जाने और आपत्तिकाल में दिशा शूल नहीं माना जाता है। प्रस्थान सामग्री रखने से दिशा शूल का परिहार हो जाता है। दिशा शूल रहित दिन कोई वस्त्र, पुस्तक या फल-फूल अपने स्थान से दूसरे स्थान में रखें तथा 3 और 5 रात्रि के भीतर प्रस्थान सामग्री लेकर गन्तव्य स्थान को जाना चाहिये। अपने घर से बाहर यात्रा पर जाने के लिए बुधवार आर्थिक दृष्टि से ठीक नहीं, किन्तु व्यक्ति पर आपत्ति आने की सम्भावना नहीं रहती। यदि दिशा शूल ही में यात्रा करना आवश्यक है तो पूर्व की ओर गोधूलि बेला में, पश्चिम की ओर प्रातःकाल में, उत्तर की ओर दोपहर में तथा दक्षिण की ओर रात्रि में यात्रा करना चाहिये। अति आवश्यक कार्य व विवाह में दिशा शूल नहीं माना जाता। नित्य यात्रा करने वालों पर भी दिशा शूल लागू नहीं होता।

विभिन्न वारों को जिन वस्तुओं का भक्षण करके जाने से दिशा शूल दोष का परिहार है वह निम्न है :-

रवि - घृत। सोम - दूध। मंगल - गुड़। बुध - तिल। गुरु - दही। शुक्र - जौ की वस्तु। शनि - उड़द दाल।

चोरी गई या खोई हुई वस्तु का विचार

रोहिणी, पुष्य, उ.फा., विशाखा, पू.षा., धनिष्ठा, रेवती नक्षत्र में खोई हुई वस्तु पूर्व में व जल्द मिलने की आशा। मृगशिरा, अश्लेषा, हस्त, अनुराधा, उ.षा., शतभिषा, अश्विनी नक्षत्र में चोरी या खो गई वस्तु दक्षिण में तथा बहुत कोशिश से मिलती है। भरणी, आर्द्रा, मघा, चित्रा, ज्येष्ठा, पू.भा. में गई वस्तु पश्चिम में, मिलना कठिन। पुनर्वसु, पू.फा., स्वाती, मूल, श्रवण, उ.भा., कृत्तिका नक्षत्र में गई वस्तु का मिलना ज्यादा कठिन है।

स्मार्त एवं वैष्णव

स्मार्त कौन - ब्राम्हण, क्षत्रिय, वैश्य, गृहस्थ जो गायत्री की उपासना करते हैं और वेद पुराण धर्मशास्त्र स्मृति को मानने वाले पंचदेवोपासक हैं, सभी स्मार्त हैं। पंचदेव - विष्णु, शिव, गणेश, शक्ति, सूर्य कहलाते हैं।

वैष्णव कौन - जिन लोगों ने वैष्णव गुरु से तप्त मुद्रा द्वारा अपनी भुजा पर शंख चक्र अंकित करवाये हैं। साधु, संयासी, विधवा स्त्री, विष्णु उपासक को ही शास्त्र में वैष्णव कहा गया है।

लग्न मालूम करने की विधि

सूर्य जिस राशि पर रहता है वही लग्न उदयकाल (सूर्योदय) के समय रहती है। दिन-रात में कुल 12 लग्न होते हैं, इनके भोगकाल निश्चित हैं। जिस स्थान की, जिस दिन की व जिस समय की लग्न मालूम करना हो उस स्थान की उदयकालीन लग्न समाप्ति समय में उसके बाद की लग्न के भोगकाल को जोड़कर जान सकते हैं। प्रत्येक लग्न के भोगकाल निम्नानुसार हैं :-

मेष	वृष	मिथुन	कर्क
1 घंटा 40 मि.	1 घंटा 58 मि.	2 घंटा 13 मि.	2 घंटा 16 मि.
सिंह	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**
2 घंटा 12 मि.	2 घंटा 11 मि.	2 घंटा 15 मि.	2 घंटा 16 मि.
धनु	**मकर**	**कुम्भ**	**मीन**
2 घंटा 5 मि.	1 घंटा 47 मि.	1 घंटा 34 मि.	1 घंटा 30 मि.

करण

सूर्य और चन्द्रमा के 6 अंश के अंतर को करण कहते हैं। याने तिथि के आधे हिस्से को एक करण कहते हैं।

शुक्ल पक्ष के करण			कृष्ण पक्ष के करण		
तिथि	पहला भाग	दूसरा भाग	तिथि	पहला भाग	दूसरा भाग
1	किंस्तुघ्न	बव	1	बालव	कौलव
2	बालव	कौलव	2	तैतिल	गर
3	तैतिल	गर	3	वणिज	विष्टी
4	वणिज	विष्टी	4	बव	बालव
5	बव	बालव	5	कौलव	तैतिल
6	कौलव	तैतिल	6	गर	वणिज
7	गर	वणिज	7	विष्टी	बव
8	विष्टी	बव	8	बालव	कौलव
9	बालव	कौलव	9	तैतिल	गर
10	तैतिल	गर	10	वणिज	विष्टी
11	वणिज	विष्टी	11	बव	बालव
12	बव	बालव	12	कौलव	तैतिल
13	कौलव	तैतिल	13	गर	वणिज
14	गर	वणिज	14	विष्टी	शकुनि
15	विष्टी	बव	30	चतुष्पद	नाग

लगातार 49 वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

होलिका दहन मुहूर्त

ता. 17 मार्च गुरुवार को भद्रा पुच्छकाल 9 बजकर 8 मिनिट रात से 10 बजकर 20 मिनिट रात तक अथवा 1 बजकर 18 मिनिट रात्रि बाद अर्द्धरात्रि में (भद्रा उपरांत) भी होलिका दहन शास्त्र सम्मत है। होलिका दहन में गाजर-घास (खरपतवार) की लकड़ी के स्थान पर कंडे सहित जलाना चाहिये।

ता. 1 महाशिवरात्रि व्रत

मेरिज डे

ता. 18 होली उत्सव

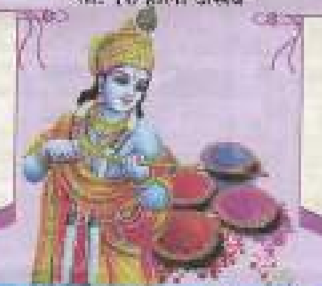

बर्थ डे

ता. 28 माँ कर्मा जयंती

बच्चों को दुर्घटना से बचायें

आजकल कम उम्र में ही बच्चे दुपहिया एवं चार पहिया वाहन चलाकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं या दुर्घटना कर रहे हैं। बच्चों को वाहन उनकी कानूनी उम्र में ही सौंपें एवं सौंपने के पूर्व ट्रेनिंग एवं सेफ्टी पर सम्पूर्ण जानकारी से उन्हें अवगत करायें। वाहन दुर्घटना पर जेल जैसे कड़े कानून आ गये हैं।

देशहित में कर्मठ, ईमानदार, समझदार, स्वस्थ्य एवं जनहितकारी व्यक्ति को वोट देने अवश्य जायें, चाहे वह किसी भी दल का हो।

भद्रास्थिति – पिछली तारीख से प्रारम्भ भद्रा ता. १ के १।२३ दिन तक। ता. ६ को १०।१४ दिन से १०।३० रात तक। ता. ९ को २।५३ रात से ता. १० के ३।५५ दिन तक। ता. १३ को ६।५६ रात से ता. १४ के १०।४८ दिन तक। ता. १७ को १।२३ दिन से १।१८ रात तक। ता. २० को १०।४३ रात से ता. २१ के ९।२८ दिन तक। ता. २३ को ३।४७ रात से ता. २४ के २।३५ दिन तक। ता. २७ को ७।३० प्रातः से ६।२३ शाम तक। ता. ३० को १।१७ दिन से १२।४८ रात तक। **गुरु, शुक्र तारा** – गुरु अस्त, ता. २४ को ९।४१ रात से पूरब में उदित। शुक्र पूरब में उदित। **पंचक** – ता. १ को ४।१७ शाम से ता. ५ के ३।५७ रात तक फिर ता. २८ को १२।१० रात से प्रारम्भ।

विक्रम संवत् 2078 | वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायण

MARCH 2022

सूर्य उत्तरायण, शिशिर ऋतु, ता. 15 से बसंत

ईस्वी सन् 2022

शंकराचार्य संवत 2528

चन्द्रस्थिति – मकर का। ता. १ को ४।१७ शाम से कुम्भ का। ता. ३ को ९ बजे रात से मीन का। ता. ५ को ३।५७ रात से मेष का। ता. ८ को १।२७ दिन से वृष का। ता. १० को १२।४७ रात से मिथुन का। ता. १३ को १२।२६ दिन से कर्क का। ता. १५ को १०।५४ रात से सिंह का। ता. १८ को ६।५७ प्रातः से कन्या का। ता. २० को १२।३५ दिन से तुला का। ता. २२ को ४।१८ शाम से वृश्चिक का। ता. २४ को ६।५२ शाम से धनु का। ता. २६ को ९।१० रात से मकर का। ता. २८ को १२।१० रात से कुम्भ का। ता. ३० को ४।४२ रात अंत से मीन का चन्द्रमा रहेगा।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १४ तक कुम्भ लग्न, ता. १५ से मीन लग्न।

हिजरी सन् 1443

रज्जब/सावान मास (8)

ता. 1 शब-ए-मेराज, ता. 4 चंद्रदर्शन, तारीख 5 से सावान मास प्रारंभ, तारीख 18 शब-ए-बारात

3 — फाल्गुन/चैत्र मास (1)

मार्च

रा.शक सं. 1943/44

रा. फाल्गुन 10 से रा. चैत्र 10 तक (ता. 22 से राष्ट्रीय चैत्र मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1428

बंग फाल्गुन, ता. 15 से चैत्र मास प्रारंभ

दूध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	तिथि	समय बजे तक
1			१४	१२।४१ रात तक
2			३०	११।२० रात तक
3			१	१०।२४ रात तक
4			२	९।५५ रात तक
5			३	९।५७ रात तक
6			४	१०।३० रात तक
7			५	११।३३ रात तक
8			६	१।२ रात तक
9			७	२।५३ रात तक
10			८	४।५७ रा.अं. तक
11			९	दिन-रात
12			९	७।४ प्रातः तक
13			१०	९।४ दिन तक
14			११	१०।४८ दिन तक
15			१२	१२।६ दिन तक
16			१३	१।१ दिन तक
17			१४	१।२३ दिन तक
18			१५	१।१३ दिन तक
19			१	१२।३४ दिन तक
20			२	११।२८ दिन तक
21			३	९।५८ दिन तक
22			४	८।८ दिन तक
22			५	६।२ रा.अं. तक
23			६	३।४७ रात तक
24			७	१।२३ रात तक
25			८	१०।५८ रात तक
26			९	८।३७ रात तक
27			१०	६।२३ शाम तक
28			११	४।२३ शाम तक
29			१२	२।३९ दिन तक
30			१३	१।१७ दिन तक
31			१४	१२।१९ दिन तक
योग				

चेतावनी – इस पंचांग का कोई भी मोबा. 'एप' या 'पीडीएफ' हमारे द्वारा नहीं बनाया गया है इसलिये इस पंचांग का कोई 'एप' या 'पीडीएफ' डाउनलोड न करें अन्यथा आपका बैंक खाता खाली हो सकता है।

ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन)
ता. 17 होलिका दहन
ता. 28 माँ कर्मा देवी ज.
नोट – सभी अवकाश सम्भावित हैं, वर्ष में केवल 3 ही ऐच्छिक अवकाश लिये जा सकते हैं।

वार					
रवि (SUNDAY)	—	6 विनायकी चतुर्थी व्रत, फाल्गुन शुक्ल ४	13 फाल्गुन शुक्ल १०	20 चित्रगुप्त पूजा, संत तुकाराम जयंती, भाई दोज २	27 चैत्र कृष्ण १०
सोम (MONDAY)	—	7 फाल्गुन शुक्ल ५	14 आमलकी एकादशी, फाल्गुन शुक्ल ११	21 गणेश चतुर्थी व्रत, चैत्र कृष्ण ३	28 पापमोचनी एकादशी, चैत्र कृष्ण ११
मंगल (TUESDAY)	1 महाशिवरात्रि व्रत, पंचक ४।१७ शाम से, फाल्गुन कृष्ण १४	8 फाल्गुन शुक्ल ६	15 प्रदोष व्रत, गोविंद द्वादशी १२	22 रंगपंचमी, चैत्र कृष्ण ४/५	29 प्रदोष व्रत, चैत्र कृष्ण १२
बुध (WEDNESDAY)	2 स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०	9 फाल्गुन शुक्ल ७	16 फाल्गुन शुक्ल १३	23 एकनाथ छठ, चैत्र कृष्ण ६	30 वारुणी पर्व, शिव चतुर्दशी व्रत १३
गुरु (THURSDAY)	3 फाल्गुन शुक्ल १	10 फाल्गुन शु. ८	17 व्रत की पूर्णिमा, होलिका दहन १४	24 भानु सप्तमी, चैत्र कृष्ण ७	31 श्राद्ध अमावस्या, चैत्र कृष्ण १४
शुक्र (FRIDAY)	4 फुलरिया दोज, फाल्गुन शुक्ल २	11 फाल्गुन शुक्ल ९	18 होली उत्सव, बसंतोत्सव, स्ना.दा. पूर्णिमा १५	25 शीतलाष्टमी, चैत्र कृष्ण ८	
शनि (SATURDAY)	5 फाल्गुन शुक्ल ३	12 फाल्गुन शुक्ल ९	19 चैत्र कृष्ण १	26 चैत्र कृष्ण ९	

मूल
रेवती के ता. ४ को ३।१२ रात से ता. ५ के ३।५७ रात तक फिर अश्विनी के ता. ६ के ५।१२ रात अंत तक। अश्लेषा के ता. १४ को ६।१२ रात से ता. १५ के १०।५४ रात तक फिर मघा के ता. १६ के १२।८ रात तक। ज्येष्ठा के ता. २३ को ८।२६ रात से ता. २४ के ६।५२ शाम तक फिर मूल के मूल ता. २५ के ५।११ शाम तक।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:36	5 – 6:34	10 – 6:28	15 – 6:23	20 – 6:20	25 – 6:14
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:09	5 – 6:10	10 – 6:13	15 – 6:15	20 – 6:16	25 – 6:20

यादद्दाश्त

राशिफल

- **मेष** – सफलता, जायदाद वृद्धि, कष्ट
- **वृष** – संतान सुख, धन हानि, यश प्राप्ति
- **मिथुन** – मित्र सहयोग, अचानक लाभ
- **कर्क** – यात्रा, सम्पत्ति प्राप्ति, वाहन कष्ट
- **सिंह** – दूर प्रवास, पदोन्नति, वाहन सुख
- **कन्या** – मित्र मिलन, सफलता, तनाव
- **तुला** – यात्रा, जिम्मेदारी ज्यादा, रोग कष्ट
- **वृश्चिक** – भवन लाभ, स्वास्थ्य परेशानी
- **धनु** – धन लाभ, नवीन व्यापार प्रारम्भ
- **मकर** – संतान सुख, मित्र मिलन, हानि
- **कुंभ** – मेहमान आगमन, व्यर्थ तनाव
- **मीन** – शुभ समाचार, यात्रा, संतान सुख

शुभ मुहूर्त

- **विवाह** – इस मास नहीं है
- **नामकरण** – तारीख 14, 21, 28, 30
- **अन्नप्राशन** – तारीख 4, 18, 30
- **व्यापार प्रारंभ** – ता. 9, 14, 18, 23, 27

मुख्य जयंती, दिवस

- ता. 1 नटराज नटेश्वर महादेव जयंती, लोधेश्वर एवं एकलव्य दिवस, स्वा. दयानंद सरस्वती बोधोत्सव
- ता. 4 स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती
- ता. 10 संत दादूदयाल जयंती
- ता. 14 स्वामी भारती कृष्णतीर्थ एवं योगेश्वर दयाल जयंती (नवलपंथ)
- ता. 18 श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु जयंती
- ता. 20 रानी अवंतीबाई लोधी बलि. दि.
- ता. 21 विश्व वानिकी, ओशो संबोधि दि.
- ता. 22 राष्ट्रीय नया वर्ष 1944 प्रारम्भ, राम पंचमपुर मेला (ललितपुर)
- ता. 23 भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु श. दि.
- ता. 25 गणेश शंकर विद्यार्थी बलि. दिवस

ग्रहस्थिति

सूर्य – कुम्भ राशि में, ता. १४ के २।४७ रात से मीन राशि में। **मंगल** – मकर राशि में। **बुध** – मकर राशि में, ता. ६ के ११।२४ दिन से कुम्भ राशि में, ता. २४ के ११।६ दिन से मीन राशि में। **गुरु** – कुम्भ राशि में। **शुक्र** – मकर राशि में, ता. ३१ के ११।३६ दिन से कुम्भ राशि में। **शनि** – मकर राशि में। **राहु** – वृष राशि में। **केतु** – वृश्चिक राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ६ को सूर्योदय से ५।१२ रात अंत तक। ता. ८ को ६।४५ प्रातः से ता. ९ के रात अंत तक। ता. १३ को ७।५ रात से ता. १४ के ६।१२ रात तक। ता. १५ को सूर्योदय से १०।५४ रात तक। ता. २३ को सूर्योदय से ८ बजकर २६ मिनिट रात तक। ता. २७ को सूर्योदय से २ बजकर १ मिनिट दिन तक। तारीख २८ को सूर्योदय से १२ बजकर ४२ मिनिट दिन तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. २३ को सूर्योदय से ८ बजकर २६ मिनिट रात तक। **द्विपुष्कर योग** – तारीख २० को सूर्योदय से ११ बजकर २८ मिनिट दिन तक। ता. २६ को सूर्योदय से ११ बजकर ३८ मिनिट दिन तक। "रक्तदान महादान" **पुष्य नक्षत्र** – तारीख १३ को ७।५ रात से तारीख १४ के ६।१२ रात तक। **नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा** – ता. १० से १४ तक कवेश्वर-नर्मदेश्वर रणगांव (खण्डवा)। तारीख २८ से १ अप्रैल तक बाला मर्दाना, कतरगाँव (खरगोन)। पिछले पृष्ठों पर जनहितकारी जानकारी दी गई है उसे पढ़कर लाभ उठायें।

मार्च माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 महाशिवरात्रि व्रत	ता. 21 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 2 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या	ता. 22 रंग पंचमी
ता. 4 चन्द्रदर्शन, फुलरिया दोज	ता. 23 एकनाथ छठ
ता. 6 विनायकी चतुर्थी व्रत	ता. 24 भानु सप्तमी
ता. 14 आमलकी, रंगभरी एकादशी	ता. 25 शीतलाष्टमी (बसोरा)
ता. 15 गोविन्द द्वादशी, प्रदोष व्रत	ता. 28 पापमोचनी एकादशी
ता. 17 व्रत पूर्णिमा, होलिका दहन	ता. 29 प्रदोष व्रत
ता. 18 होली, धुरेड़ी, बसंतोत्सव, स्नानदान पूर्णिमा	ता. 30 शिव चतुर्दशी व्रत, वारुणी पर्व
ता. 20 भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा	ता. 31 श्राद्ध अमावस्या

मासफल – इस मास सीमा प्रांतों में तनाव बढ़ेगा। कुछ क्षेत्रों में चुनावी गतिविधियाँ चरम पर होंगी, आरोप-प्रत्यारोप बढ़ेंगे। शिक्षा नीति में परिवर्तन परिलक्षित होगा। शेयर, सोना, चाँदी, लोहा, खाद्य सामग्री में स्थिरता के साथ मामूली तेजी रहेगी। देश के कुछ हिस्से में वर्षा, आँधी का प्रकोप देखने मिलेगा। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – सूर्य शतभिषा नक्षत्र में। ता. ४ को ३।७ रात से पू.भा. नक्षत्र में। ता. १८ को ११ बजे दिन से उ.भा. नक्षत्र में। ता. ३१ को ६।३१ रात से रेवती में। **व्यतिपात योग** – ता. २४ को ६।३ दिन से ५।५७ रात अंत तक। **दिगम्बर जैन पर्व** – तारीख १० रोहिणी व्रत। तारीख १० से १८ अष्टान्हिका व्रत। तारीख १८ षोडषकारण व्रत प्रारंभ। तारीख २६ ऋषभदेव जयंती। **श्वेताम्बर जैन पर्व** – ता. १ पाक्षिक प्रतिक्रमण। ता. ९ चौमासी अट्ठाई प्रारंभ। तारीख १७ चातुर्मासिक प्रतिक्रमण। तारीख २५ वर्षी तप प्रारंभ, भगवान आदिनाथ दीक्षा कल्याणक। तारीख ३१ पाक्षिक प्रतिक्रमण।

होड़ा चक्र

इसके द्वारा जन्म समय के नक्षत्र से या जन्म समय के रखे नाम के प्रथम अक्षर से अपनी राशि, वर्ण, वश्य, योनि, राशि–स्वामी, गण तथा नाडी मालूम करें

अक्षर	चू.चे. चो.ला.	ली.लू. ले.लो.	अ.ई. उ.ए.	ओ.वा. वी.वू.	वे.वो. का.की.	कु.घ. ङ.छ.	के.को. हा.ही.	हु.हे. हो.डा.	डी.डू. डे.डो.	मा.मी. मू.मे.	मो.टा. टी.टू.	टे.टो. पा.पी.	पू.ष. ण.ठ.	पे.पो. रा.री.	रू.रे. रो.ता.	ती.तू. ते.तो.	ना.नी. नू.ने.	नो.या. यी.यू.	ये.यो. भा.भी.	भू.धा. फा.ढ.	भे.भो. जा.जी.	खी.खू. खे.खो.	गा.गी. गू.गे.	गो.स. सी.सू.	से.सो. द.दी.	दू.थ. झ.ञ.	दे.दो. च.ची.
नक्षत्र	अश्व	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	अश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनिष्ठा	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
राशि	मेष	मेष	मे.१ वृ.३	वृष	वृ.२ मि.२	मिथुन	मि.३ क.१	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिं.१ क.३	कन्या	क.२ तु.२	तुला	तु.३ वृ.१	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	ध.१ म.३	मकर	म.२ कु.२	कुम्भ	कु.३ मी.१	मीन	मीन
वर्ण	क्षत्रीय	क्षत्रीय	क्ष.१ वै.३	वैश्य	वै.२ शू.२	शूद्र	शू.३ ब्रा.१	ब्राह्मण	ब्राह्मण	क्षत्रीय	क्षत्रीय	क्ष.१ वै.३	वैश्य	वै.२ शू.२	शूद्र	शू.३ ब्रा.१	ब्राह्मण	ब्राह्मण	क्षत्रीय	क्षत्रीय	क्ष.१ वै.३	वैश्य	वै.२ शू.२	शूद्र	शू.३ ब्रा.१	ब्राह्मण	ब्राह्मण
वश्य	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	च.२ न.२	नर	न.३ ज.१	जलचर	जलचर	वनचर	वनचर	व.१ न.३	नर	नर	नर	न.३ की.१	कीट	कीट	नर	न.१ च.३	चतुष्पद	च.२॥ ज.२॥	ज.२ न.२	नर	न.३ ज.१	जलचर	जलचर
योनि	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
राशि स्वामी	मंगल	मंगल	मं.१ शु.३	शुक्र	शु.२ बु.२	बुध	बु.३ च.१	चन्द्र	चन्द्र	सूर्य	सूर्य	सू.१ बु.३	बुध	बु.२ शु.२	शुक्र	शु.३ मं.१	मंगल	मंगल	बृह.	बृह.	बृ.१ श.३	शनि	शनि	शनि	श.३ बृ.१	बृह.	बृह.
गण	देवता	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देवता	मनुष्य	देवता	देवता	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देवता	राक्षस	देवता	राक्षस	देवता	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देवता	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देवता
नाड़ी	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य

वर्ण के गुण १

वर / कन्या	ब्रा.	क्ष.	वै.	शू.
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

वश्य के गुण २

वर / कन्या	च.	मा.	ज.	व.	की.
चतुष्पद	२	१	१	०	१
मानव (नर)	१	२	१	०	१
जलचर	१	१	२	१	१
वनचर	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

तारा के गुण ३

वर / कन्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

तारा देखने की रीति – कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक व वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग देने से जो शेष बचे, वह तारा जानिये।

योनि के गुण ४

वर / कन्या	अ	ग	मे	स	श्वा	मा	मू	गौ	म	व्या	मृ	वा	न	सिं
अश्व	४	२	२	३	२	२	२	१	०	१	३	३	२	१
गज	२	४	३	३	२	२	२	२	३	१	२	३	२	०
मेष	२	३	४	२	१	२	१	३	३	१	२	०	३	१
सर्प	३	३	२	४	२	१	१	१	१	२	२	२	०	२
श्वान	२	२	१	२	४	२	१	२	२	१	०	२	१	१
मार्जार	२	२	२	१	२	४	०	२	२	१	३	३	२	१
मूषक	२	२	१	१	१	०	४	२	२	२	२	२	१	२
गौ	१	२	३	१	२	२	२	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	१	२	२	२	३	४	१	२	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	१	१	२	०	१	४	१	१	२	१
मृग	३	२	२	२	०	३	२	३	२	१	४	२	२	१
वानर	३	३	०	२	२	३	२	२	२	१	२	४	३	२
नकुल	२	२	३	०	१	२	१	२	२	२	२	३	४	२
सिंह	१	०	१	२	१	१	२	१	१	१	१	२	२	४

ग्रह मैत्री के गुण ५

वर / कन्या	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
चन्द्र	५	५	४	१	४	॥	॥
मंगल	५	४	५	॥	५	३	॥
बुध	४	१	॥	५	॥	५	४
गुरु	५	४	५	॥	५	॥	३
शुक्र	०	॥	३	५	॥	५	५
शनि	०	॥	॥	४	३	५	५

गण मैत्री के गुण ६

वर / कन्या	दे.	म.	रा.
देवता	६	५	१
मनुष्य	६	६	०
राक्षस	१	०	६

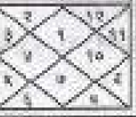

भकूट के गुण ७

वर / कन्या	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी
मेष	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०
वृष	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७
मिथुन	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७
कर्क	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०
सिंह	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०
कन्या	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७
तुला	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०
वृश्चिक	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०
धनु	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७
मकर	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७
कुम्भ	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०
मीन	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७

जन्म कुण्डली मिलान में ३६ गुण होते हैं। १८ गुण से ऊपर मिलने पर शुभ, २७ से ऊपर अत्यंत शुभ मानते हैं। अन्य बातें भी विचारी जाती हैं।

लाला रामस्वरूप रामनारायण एंड संस

नैसर्गिक ग्रह–मैत्री चक्र

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	ग्रह
चं.मं.बृ.	सू.बु.	सू.चं.बृ.	सू.शु.	सू.चं.मं.	बु.श.	बु.शु.	मित्र
बुध	मं.बृ.शु.श.	शु.श.	मं.बृ.श.	शनि	मं.बृ.	बृह.	सम
शु.श.	०	बुध	चन्द्र	बु.शु.	सू.चं.	सू.चं.मं.	शत्रु

कुंडली में मंगलादि का विचार १, ४, ७, ८ व १२ वें स्थान में मंगल होने से मंगली, वर की कुंडली में हो तो कन्या की और कन्या की में हो तो वर की हानि, यदि दोनों की कुंडली में हो तो दोष नहीं। इसी प्रकार इन स्थानों में शनि, राहु, केतु व सूर्य का भी विचार करते हैं। यह सब पाप ग्रह मंगल के परिहार हैं। चंद्र कुंडली से भी इन स्थानों में मंगल आदि का विचार किया जाता है।

नाड़ी के गुण ८

वर / कन्या	आदि	मध्य	अन्त्य
आदि	०	८	८
मध्य	८	०	८
अन्त्य	८	८	०

विवाह हेतु लडका लडकी की जन्म कुण्डली इस तालिका से मिलायें

जैसे – कन्या का नक्षत्र अश्विनी है तथा वर का रेवती तो २६ गुण मिलते हैं।

कन्या ↓ / नक्षत्र वर →	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका १	कृत्तिका ३	रोहिणी	मृगशिरा २	मृगशिरा २	आर्द्रा	पुनर्वसु ३	पुनर्वसु १	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फा.	उ.फा. १	उ.फा. ३	हस्त	चित्रा २
अश्विनी	२८	३३	२८॥	१८॥	२१॥	२२॥	२६	१७	१८	२२॥	३१॥	२७	२१	२६	१६॥	११	६	१३
भरणी	३४	२८	२६	१६	२३॥	१४॥	१८	२६	२६	३०॥	२३॥	२४॥	२०॥	१७॥	२६॥	२१॥	२०	५
कृत्तिका १	२७॥	२६	२८	२०	१०	१८॥	२२	२०	२२	२६॥	२७॥	२३॥	१६	१६॥	२०॥	१५॥	१६॥	१८
कृत्तिका ३	१८॥	१०	१६	२८	२१	२६॥	१६॥	१७॥	१८॥	२२	२४	२०	१८	२१॥	२२॥	२१	२१	२३॥
रोहिणी	२३॥	२३॥	१०	१६	२८	३६	२७	२३॥	२३॥	२७	२७	१३	१२॥	२६॥	२७॥	२५	२६	२०
मृगशिरा २	२३॥	१४॥	१४॥	२७॥	३५	२८	१६	२४	२३॥	२७	२७	२२	२०	१४॥	२५	२३॥	२६	१३
मृगशिरा २	२६	१८	२२	१८॥	२७	२०	२८	३३	३१॥	१६॥	१२	१५॥	२३॥	२०॥	२४॥	३०॥	३४	२१
आर्द्रा	१६	२७	२१	१८॥	२४॥	२६	३४	२८	२५	१३	२०॥	१३॥	२२॥	२८॥	२१॥	२४॥	२४॥	२०
पुनर्वसु ३	१६	२६	२३	२०॥	२३॥	२४॥	३२॥	२४	२८	१६	२३	१७॥	२२॥	२६॥	२०॥	२३॥	२४॥	२६॥
पुनर्वसु १	२१॥	२८॥	२३॥	२२	२५	२६	१६	१०॥	१४॥	२८	३५	२४॥	१६॥	२०॥	१४॥	१७	१६	२०॥
पुष्य	३०॥	२१॥	२६॥	२३	२५	१८	१२	१८	२१॥	३५	२८	३०	१८॥	१४॥	२३॥	२६	२७	१२
अश्लेषा	२६	२३॥	२२॥	१६	१२	२१	१४॥	१२	१४	२८॥	३०	२८	१५	१५॥	१७॥	२०	२०॥	२५
मघा	२१	१६	१७॥	१७॥	६॥	१८॥	२२॥	२१॥	२१॥	१६॥	१८॥	१६॥	२८	३०	२६॥	१५॥	१६॥	२१॥
पू.फा.	२६	१८	२०	२१	२३॥	१५॥	१६॥	२७॥	२६॥	२३॥	१८॥	१७॥	३०	२८	३४	२३	२१॥	७॥
उ.फा. १	१७॥	२५	२०	२१	२५	२३॥	२७॥	२०॥	२०॥	१७॥	२६॥	१८॥	२५॥	३४	२८	१८	१६	१३॥
उ.फा. ३	१३	२१॥	१६॥	२१	२५	२३॥	२०॥	२३॥	२३॥	१६॥	२०॥	२१॥	१७॥	२५	१६	२८	२७	२४॥
हस्त	११	२०	१७॥	२२	२५	२६	३३	२२॥	२३॥	१६॥	२०॥	२२॥	१७॥	२५॥	१६	२६	२८	२६
चित्रा २	१४	६	१६	२४॥	२०	१३	२०	२६	२५॥	२१॥	१३॥	२६॥	२२॥	८॥	१४॥	२४॥	२८	२८
चित्रा २	२३॥	१५॥	२८॥	२३॥	२०	१३	१४	२०	१६॥	२१	१३	२६॥	२५॥	१५॥	१७॥	१७॥	२१	२१
स्वाती	२८॥	२६॥	१७॥	१२॥	१५॥	२६	२७	२६	२७	२८॥	२८	१४	१२॥	२४॥	२५॥	२५॥	२७॥	२१
विशाखा ३	२२॥	२३॥	२०॥	१५॥	१०॥	१६॥	२०॥	२०	२१	२२॥	२२	१८॥	१७॥	१६॥	१७॥	१७॥	१६॥	२०॥
विशाखा १	१७॥	१७॥	१४॥	१६॥	१४॥	२३॥	१३	१३॥	१३॥	१६	१६	१४॥	२१॥	२३॥	२१॥	१८	१६	२८
अनुराधा	२२॥	१५॥	१६॥	२४॥	२७॥	२०॥	११	१६	२०॥	२५	१८	२०	२४॥	२०॥	२६॥	२६	२६	१२
ज्येष्ठा	१३	१७॥	२४॥	२६॥	२२॥	२३॥	१३	३	५	१०॥	२१	२५	३१	२३॥	१६॥	१३	१२	२५
मूल	१२	२०	२४॥	१६	१३	१४	२२	१५	१३	६॥	१८	२४	२५	१८	६॥	१३	१३	२६
पू.षा.	२६	१६	१८	१२॥	१६	११	१६	२७	२७	२३॥	१३	१७॥	१६	१७	२५	२८॥	२७	१२
उ.षा. १	२५॥	२७	१४	८॥	११॥	१८	२६	२७	२७	२३॥	२४॥	६॥	६॥	२५	२६	२६॥	२८॥	२१
उ.षा. ३	२८	२६॥	१६	१३	१७	२२॥	२०॥	२२॥	२२॥	२८	२८॥	१४	५॥	२१	२२	२५॥	२५	१७
श्रवण	२७	२७	१३॥	११	१७	२६	२३॥	२१॥	२२	२८	२६	१५	६॥	१८॥	२०	२३॥	२४॥	१८॥
धनिष्ठा २	२१	१०॥	२६	२३॥	२०	१३	६॥	१६॥	१७	२३	१५	२८	१८॥	४॥	१२॥	१६	२०॥	१६॥
धनिष्ठा २	२१	११	२६	३०॥	२७	२०	१३	१६	१६॥	१५	५	२०	२४॥	१०॥	१८॥	१४॥	२२॥	१८
शतभिषा	१५	२४	२७	३१॥	२५	२०	२१	१२	१३	८॥	१५॥	२०	२५॥	१६॥	१२॥	११॥	१०॥	२५
पू.भा. ३	१८	२५	२०	२८॥	३१	३१॥	२४॥	१७	१८	१३॥	२१	१४	१८॥	२४॥	१६॥	१४॥	१७॥	१८॥
पू.भा. १	१४॥	२१॥	१६॥	१६	२६	२४	२४॥	१८	१६	१८	२६	१८॥	१६॥	२२॥	१४॥	१६॥	१८॥	१६॥
उ.भा.	२४॥	१५॥	१८॥	२१	२५	१७	१६॥	२८॥	२७	२६	१६	२०	१७॥	१६॥	२५॥	२७॥	२६॥	६॥
रेवती	२५	२४॥	११॥	१४	१७	२६	२५॥	२४॥	२५॥	२४॥	२७	१३	१२	२२॥	२३॥	२४॥	२६॥	२०॥

कन्या ↓ / नक्षत्र वर →	चित्रा २	स्वाती	विशाखा ३	विशाखा १	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा. १	उ.षा. ३	श्रवण	धनिष्ठा २	धनिष्ठा २	शतभिषा	पू.भा. ३	पू.भा. १	उ.भा.	रेवती
अश्विनी	२१॥	२६॥	२२॥	१६॥	२६॥	१५	१३	२६	२४॥	२६	२६	२१	२१	१५	१६	१७॥	२४॥	२६
भरणी	१४॥	२६॥	२२॥	१६॥	१७॥	१६॥	२०	१६	२७	२८॥	२७	१०	१०	२०	२४	२२॥	१७॥	२८
कृत्तिका १	२७॥	१६॥	१६॥	१४॥	२१॥	२६॥	२४॥	१८	१४	२५॥	१२॥	२५	२५	२७	१८॥	१७॥	१८॥	१२॥
कृत्तिका ३	२२॥	११॥	१४॥	२१॥	२६॥	३१॥	२०	१३॥	६	१४	११	२३॥	२६॥	३१॥	२३॥	२०	२२	१४
रोहिणी	१६	१५॥	६॥	१६॥	३०॥	२४॥	१४	२०	११॥	१६	१८	२०	२६	२४॥	३०॥	२७	२७	१६
मृगशिरा २	१२	२५	१७॥	२३॥	२३॥	२५॥	१५	११	१७	२१॥	२६	१२॥	१६	२७	२६॥	२६	१७	२७
मृगशिरा २	१४	२७	२०॥	१४	१२	१४	२३	१६	२५	२१॥	२६	१३	१४	२२	२४॥	२६॥	१७	२७
आर्द्रा	२०	२७	२०	१३॥	१७	३	१६	२८	२८	२३॥	२३॥	१८	१६	१२	१७	१६॥	२७	२७
पुनर्वसु ३	१२॥	२७	२१	१४॥	२०॥	६	१४	२७	२७	२२॥	२३॥	१८॥	१६॥	११	१७	१६॥	२७॥	२८
पुनर्वसु १	१६॥	२७	२१	२०	२६	११॥	८	२१	२१॥	२६	२७	२२	१२॥	७	११	१७	२५	२५॥
पुष्य	११॥	२६॥	२१	२०	१६	२२	१७	११	२२॥	२७	२५	१३	७॥	१२॥	१८	२६	१७	२७
अश्लेषा	२४॥	११॥	१६॥	१५॥	२०	२६	२२॥	१६	७॥	१२	१२	२७	१८॥	१८॥	१२॥	१८॥	२०	१३
मघा	२६॥	११॥	१६॥	२२॥	२२॥	२२	२४	२०	६॥	५॥	६॥	१८॥	२३॥	२४॥	१७॥	१६॥	१६॥	१२
पू.फा.	१०॥	२५॥	१८॥	२६॥	२३॥	२६॥	१८	१७	२५	२१	१६॥	७॥	६॥	२८॥	२३॥	२०॥	१७॥	२४॥
उ.फा. १	२६॥	२५॥	१६	२२॥	३१॥	१७॥	६॥	२५	२६	२२	२१	१२॥	१७॥	१६॥	१६॥	२६॥	२७॥	२५॥
उ.फा. ३	१६॥	२५॥	१६॥	१८	२८	१३	१४	२६॥	३०॥	२६	२५	१६॥	१६॥	१७॥	१७॥	२८॥	२६	२७॥
हस्त	२०	२६॥	१८॥	२०	२६	१४	१५	२७	२८॥	२४	२५	२१	२१	६॥	१५॥	१८॥	२७	२८
चित्रा २	२०	२०	२६॥	२८	१२	२५	२७	१३	२२	१७॥	१६	१७	१६	२४	१७॥	२१	११	२२
चित्रा २	२८	२८	३४॥	२५॥	७॥	२२॥	२७	१३	२२	२५॥	२०	२५	१६	२६	१६॥	१४	४	१५
स्वाती	२८	२८	२०	१०	२२॥	१७॥	२२	२७	१६	२२॥	२३॥	२६	२३	२१	२७	२१	२०	१३
विशाखा ३	२४॥	२०	२८	१८	१६	२०॥	२६	२१	१४	१७॥	१७॥	३१॥	२५॥	२६	२१	१५॥	१३॥	७॥
विशाखा १	२३॥	८	१७	२८	२८	३१॥	२१॥	१५॥	६॥	१२	१२	२६	२५	२५॥	२०॥	२०॥	१८	११॥
अनुराधा	७॥	२१॥	१७	२८	२८	३१	१६॥	१३॥	२२॥	२५	२६	१३	१३	२१	२६॥	२५	१८	२६
ज्येष्ठा	१६॥	१५॥	२०	३१॥	३१	२८	१५	१६॥	१७॥	२०	२१	२६	२६	१६	१२	१०॥	२१	२१
मूल	२६	२२	२६	२३॥	१६॥	१५	२८	२८	२६॥	१५॥	१६॥	२०॥	२५॥	२१॥	१४॥	१६॥	२५॥	२८
पू.षा.	१२	२७	२०	१६॥	१६॥	१८॥	२८	२८	३४	२३	२४॥	८॥	१६॥	२३॥	२०॥	३२॥	२३॥	३२॥
उ.षा. १	२१	१६	१२	१०॥	२४॥	१८॥	२६॥	३४	२८	१७	१६	१५॥	२४॥	२३॥	२६॥	२१॥	२२॥	२३॥
उ.षा. ३	२४	२२॥	१५॥	१३॥	२८	२३	१६॥	२५॥	१६	२८	२६	२५॥	१७	१७॥	२३॥	२०॥	२१॥	२२॥
श्रवण	२५॥	२३॥	१६॥	१४	२५	२३	१६॥	२३	१६	२५	२८	३०	२०॥	१८॥	२३॥	२१॥	३०॥	२२॥
धनिष्ठा २	२३॥	१७॥	३०	२८	१५	२८	२१	६	१६॥	२६॥	३०	२८	१८॥	२३॥	१६	२६॥	१५॥	२२॥
धनिष्ठा २	१२	२३	२४॥	२६	१३	२६	२६॥	१७॥	२४॥	१८॥	२२	२०	२८	३३	२४॥	१८॥	७॥	१५
शतभिषा	२६	२१	२६	२७॥	२२	१६	२२॥	२४॥	२४॥	१५॥	१२	२५	३३	२८	१६	८॥	१७॥	१७
पू.भा. ३	१६॥	२८	२१	२१॥	२७॥	१२	१४॥	३१॥	३०॥	२४॥	२४॥	२०॥	२०॥	१६	२८	१८	२३	२०॥
पू.भा. १	१२॥	२१	१४	२१	२७	११॥	१५	३१	३०	२६॥	३०॥	२१॥	१७	७॥	१६॥	२८	३३	३०॥
उ.भा.	३॥	१६॥	१२॥	१६	२०	२२	२४	२२	३१॥	३०॥	२६॥	१४॥	६	१६	२१॥	३३	२८	३४
रेवती	१३॥	११॥	५॥	१२॥	२७	२२	२६॥	३०	२१॥	२०॥	२२॥	२२॥	१४	१६	१८	२६॥	३४	२८

ग्रह मिलान में – वर की कुंडली में शुक्र द्वारा भी विचार करते हैं। यदि शुक्र-पाप ग्रह के मध्य या साथ हो और ऐसे शुक्र से ७, ८, १२ वें स्थान में पाप ग्रह हो तो कन्या के लिये अशुभ होता है। वर तथा कन्या की कुंडली में मंगली स्थानों में पाप ग्रहों की संख्या देखें। कन्या की कुंडली से वर की कुंडली में यदि पाप ग्रहों की संख्या बराबर या अधिक हो तो शुभ और कम हो तो अशुभ होता है। यदि वर कन्या का एक ही गण हो तो उत्तम प्रीति रहती है। राशि में मैत्री हो तो गणादि दोष रहने पर भी विवाह पुत्र पौत्र बढ़ाने वाला रहता है। वर और कन्या की राशि एक हो और नक्षत्र भिन्न हो या एक नक्षत्र हो और भिन्न राशि हो या एक नक्षत्र में चरण भेद हो तो नाड़ी दोष व गुण दोष नहीं होता है तारा देखने की रीति - कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक, वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक पृथक-पृथक गिनकर अलग-अलग संख्या में ९ का भाग देने पर शेष तारा होता है। जन्म-पत्र के मिलान में आठों प्रकार के कूटों का योग ३६ होता है आधे या अधिक गुण मिलना शुभ होता है। पूरे ३६ गुण मिलने पर प्रायः लोग रिश्ता नहीं करते हैं। वर कन्या के जन्म-समय के नाम से या नक्षत्र से ही मिलान करवाना चाहिये।

सभी ग्रहों की शांति के लिए प्रार्थना

ब्रह्मा, विष्णु, महेश, सूर्य, शशि,
मंगल भय बाधा हर दो।
हे बुध, गुरु, भृगु, राहु, केतु, शनि
दुख अनिष्ट शांत कर दो।।

रत्न उपरत्न धारण नियम

रत्न	ग्रह	दिन	समय	अंगुली
हीरा या जरकन	शुक्र	शुक्र वार	दिन 10 से 12 बजे	मध्यमा (बीच की)
माणिक या लाल हकीक	सूर्य	रवि वार	सूर्योदय	अनामिका
मोती या सफेद हकीक	चंद	सोम वार	शाम 5 से 7 बजे	अनामिका/ कनिष्ठा
मूँगा या सिंदूरिया हकीक	मंगल	मंगल वार	शाम 5 से 7 बजे	अनामिका (छिंगली के के बगल की)
पन्ना या हरा हकीक	बुध	बुध वार	दिन 12 से 2 के बीच	अनामिका
पुखराज या सुनैहला	गुरु	गुरु वार	दिन 10 से 12 बजे	तर्जनी (अंगूठे के बगल की)
गोमेद या काला हकीक	राहु/ केतु	शनि वार	सूर्यास्त पश्चात	मध्यमा
नीलम या जमुनिया या नीला हकीक	शनि	शनि वार	शाम 5 से 7 बजे	मध्यमा

किसी भी रत्न को धारण के पूर्व पुरोहित से अभिमंत्रित करवा लें या फिर धारण दिन से एक दिन पूर्व पूजा स्थान में दूध या पवित्र नदी जल में रखें फिर रत्न रंगीन कपड़े पर रखकर संबंधित ग्रह से अपनी समस्या के निवारण का निवेदन कर संबंधित ग्रह का मंत्र पढ़कर दायें हाथ की अंगुली में धारण करें।

जन्म पर मूल विचार

मूल में संतान पैदा होने पर मूल की शांति करवाना पड़ती है। अश्लेषा, ज्येष्ठा एवं मूल में जन्में शिशु की मूल शांति, हवन, पूजन द्वारा 27 वें दिन उसी नक्षत्र के आने पर तथा अश्विनी, रेवती, मघा की शांति 8 वें या 12 वें दिन करने का विधान है।

मूल नक्षत्रों के चरणानुसार निम्न फल माने जाते हैं

मूल	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीय चरण	चतुर्थ चरण
अश्विनी	पिता को कष्ट	सुखी, ऐश्वर्य	मंत्री पद	राज सम्मान
मघा	माता को कष्ट	पिता को कष्ट	सुख	धनवान, विद्वान
ज्येष्ठा	बड़े भाई को कष्ट	छोटे भाई को कष्ट	मातृ कष्ट	स्वयं को कष्ट
रेवती	राज सम्मान	मंत्री पद	धन सुख प्राप्ति	अनेक कष्ट
अश्लेषा	पिता को कष्ट	मातृ कष्ट	धन हानि	सुख
मूल	शुभ	धन हानि	मातृ कष्ट	पितृ कष्ट

बच्चों के जरूरी टीका

जन्म पर	बी.सी.जी., ओरल पोलियो, हेपेटाइटिस बी-1
6 सप्ताह पर	डी.पी.टी./पोलियो-1, हिब-1 (मस्तिष्क ज्वर), हेपेटाइटिस बी-2
10 सप्ताह पर	डी.पी.टी./पोलियो-2, हिब-2 (मस्तिष्क ज्वर)
14 सप्ताह पर	डी.पी.टी./पोलियो-3, हिब-3 (मस्तिष्क ज्वर), हेपेटाइटिस बी-3
6 माह पर	पोलियो इंजेक्शन-1
8 माह पर	पोलियो इंजेक्शन-2
9 माह पर	खसरा
15 माह पर	एम.एम.आर.
18 माह पर	डी.पी.टी./पोलियो-बूस्टर, हिब-बूस्टर, पोलियो इंजेक्शन-बूस्टर
2 साल पर	टाइफॉयड
5 साल पर	डी.पी.टी./पोलियो-बूस्टर, टाइफॉयड-बूस्टर
10 साल पर	टी.टी., हेपेटाइटिस बी-बूस्टर, टाइफॉयड-बूस्टर
16 साल पर	टी.टी., टाइफॉयड-बूस्टर

वैकल्पिक टीकाकरण

6 सप्ताह से 6 माह के अंदर	रोटा वायरस-1, रोटा वायरस-2
12 माह पर	हेपेटाइटिस ए-1
15 माह के बाद	चिकनपॉक्स (छोटी माता)
18 माह के बाद	हेपेटाइटिस ए-2

नोट – कुछ और अतिरिक्त टीके आते जा रहे हैं जिन्हें आप अपने चिकित्सक की सलाह से लगवा सकते हैं।

दीवाल के पेड़ सुखाने हेतु

गलत स्थान पर उग आये पेड़ पौधों को निकालकर छोटी अवस्था में ही उचित स्थान पर लगा देवें ताकि वे पूरी तरह विकसित हो सकें।

भवन में कभी-कभी कुछ ऐसे पेड़-पौधे दीवाल, फर्श, लाफ्ट, नाली आदि में उग आते हैं जो बड़े हो जाने पर भवन को क्षतिग्रस्त कर गिराने की क्षमता तक रखते हैं और जिन्हें निकालकर अन्य स्थान पर लगाना आसान नहीं रहता जैसे - पीपल, बरगद, नीम आदि। ऐसे पेड़ पौधों को बिना तोड़-फोड़ नष्ट करने के लिए बाजार में ग्लाईफोसेट नाम (खरपतवारनाशी) से दवा उपलब्ध है। इसको एक लीटर पानी में 15 एम.एल. दवा मिलाकर पत्तियों पर एक बार अच्छे से स्प्रे करें ताकि पत्तियाँ गीली हो जायें। दवा हरी पत्ती पर डालने पर ही काम करती है, 15-20 दिन में पेड़-पौधे सूखने लगते हैं यदि न सूखे तो पुनः हरी पत्तियों या बोर पर डालना होता है। हरी पत्तियों या बोर से ही दवा प्रकाश संश्लेषण की क्रिया से जड़ में पहुँचकर पेड़-पौधों को सुखाती है।

प्रायः देखा गया है कि भवन में लगा पीपल का पेड़ यदि छोटी अवस्था में जड़ सहित अलग कर सही स्थान पर नहीं लगाया गया तो वह कुछ समय में अपनी जड़ भवन में स्थायी रूप से जमा लेता है और भवन को क्षतिग्रस्त करता है। ऐसी अवस्था में उपरोक्त दवा से उसको जड़ सहित सुखाया जा सकता है।

लगातार ४९ वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन पचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

पानी कम पीना घातक

पानी कम पीने से जान का खतरा रहता है। गर्मी में पर्याप्त मात्रा में पानी, मठा, शिकंजी, 'ओआरएस' आदि अवश्य पियें। बच्चों को भी पर्याप्त मात्रा में ये सभी पिलायें अन्यथा पानी की कमी से कब्ज, लकवा, लू लगने वा किडनी खराब होने का डर रहता है। गर्मी में पतले सूती वस्त्र पहनें।

ता. 2 भ. झूलेलाल जयंती

मैरिज डे

ता. 10 भ. श्रीराम प्राकट्योत्सव

ता. 16 भ. हनुमान प्राकट्योत्सव

बर्थ डे

ता. 14 भ. महावीर स्वामी जयंती

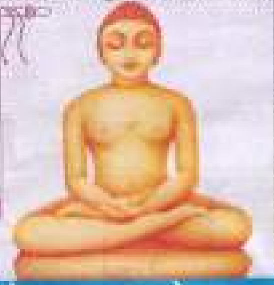

कोरोना बाद की कमजोरी

कोरोना से स्वस्थ्य होने के बाद भी कुछ लोगों को कमजोरी महसूस होती है इसको प्रोटीन युक्त भोजन जैसे अंकुरित अनाज, दूध, दही, पनीर, दाल, बीन्स, हरी सब्जी, पानी आदि का पर्याप्त मात्रा में सेवन एवं चिकित्सक द्वारा बताई गई फेफड़े की एक्सर साईज से शीघ्र दूर किया जा सकता है।

कमाई की कोई निश्चित परिभाषा नहीं होती अनुभव, रिश्ते, परिवार, मान-सम्मान और सबक, ये सब भी कमाई के ही रूप हैं।

भद्रास्थिति – ता. ४ को २।७ रात से ता. ५ के २।५१ दिन तक। ता. ८ को ८।४६ रात से ता. ९ के ९।४५ दिन तक। ता. १२ को २।७ दिन से २।३२ रात तक। ता. १५ को १।५८ रात से ता. १६ के १।२४ दिन तक। ता. १९ को ८।२३ दिन से ७।१९ रात तक। ता. २२ को १२।९ दिन से १०।५८ रात तक। ता. २५ को ४।३६ शाम से ३।४३ रात तक। ता. २८ को १२ बजकर ४८ मिनिट रात से ता. २९ के १२ बजकर ४७ मिनिट दिन तक भद्रा रहेगी।
गुरु, शुक्र तारा – पूरब दिशा में उदित। *पिछले पृष्ठों का अध्ययन करें।*
पंचक – पिछले माह से प्रारम्भ ता. २ के ११।२३ दिन तक फिर ता. २५ को ८ बजकर ५ मिनिट दिन से ता. २९ के ६ बजकर ५२ मिनिट शाम तक।

विक्रम संवत् 2078/79

वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायन

APRIL 2022

सूर्य उत्तरायन, बसंत/ग्रीष्म ऋतु

ईस्वी सन 2022

शंकराचार्य संवत 2528

चन्द्रस्थिति – मीन का। ता. २ को ११।२३ दिन से मेष का। ता. ४ को ८।३६ रात से वृष का। ता. ७ को ७।५० प्रातः से मिथुन का। ता. ९ को ७।३५ रात से कर्क का। ता. १२ को ६।१२ प्रातः से सिंह का। ता. १४ को २।२९ दिन से कन्या का। ता. १६ को ८।२२ रात से तुला का। ता. १८ को १२।१५ रात से वृश्चिक का। ता. २० को २।५४ रात से धनु का। ता. २२ को ५।११ रात अंत से मकर का। ता. २५ को ८।५ दिन से कुम्भ का। ता. २७ को १२।२५ दिन से मीन का। ता. २९ को ६।५२ शाम से मेष का चन्द्रमा रहेगा। *जागरूक बनो प्रतियोगिता पिछले अन्य पृष्ठ पर दी गई है।*
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १४ तक मीन लग्न, ता. १५ से मेष लग्न।

ग्रहों के राशियाँ तारीख १ उदयकाल में

ता. १	९	१२ सू. बु. चं.	११ गु. शु. १० श.
२			६
३	४	५	८ के. ७

हिजरी सन् 1443

सावान/रमजान मास (9)
ता. 2 चंद्रदर्शन, ता. 3 से रमजान मास एवं रोजा प्रारंभ, ता.23 शहादत हजरत अली, नजीर-ए-बद्र, ता. 29 जुमातुलविदा, शब-ए-कद्र

4

अप्रैल

चैत्र/वैशाख मास (2)

रा.शक सं.1944

रा. चैत्र 11 से रा. वैशाख 10 तक
(ता. 21 से राष्ट्रीय वैशाख मास प्रारम्भ)

बंगला सन 1428/29
बंग चैत्र,ता.15 से वैशाख मास प्रारंभ

ग्रहों के राशियाँ ता. १५ उदयकाल में

३	२	१ सू. बु. रा.	१२ गु. शु. ११ बु.
४			१० श.
५	६	७ के.	८ चं. ९

दूध हिसाब / धुलाई को कपड़े / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	धुलाई को कपड़े	तिथि	समय बजे तक
1				३०	११।५० दिन तक
2				१	११।५० दिन तक
3				२	१२।३२ दिन तक
4				३	१।२३ दिन तक
5				४	२।५१ दिन तक
6				५	४।३६ शाम तक
7				६	६।४१ शाम तक
8				७	८।४६ रात तक
9				८	१०।४३ रात तक
10				९	१२।२५ रात तक
11				१०	१।४२ रात तक
12				११	२।३२ रात तक
13				१२	२।५१ रात तक
14				१३	२।३८ रात तक
15				१४	१।५८ रात तक
16				१५	१२।५० रात तक
17				१	११।१८ रात तक
18				२	९।२६ रात तक
19				३	७।१९ रात तक
20				४	५ बजे शाम तक
21				५	२।३६ दिन तक
22				६	१२।९ दिन तक
23				७	९।४६ दिन तक
24				८	७।३१ प्रातः तक
				९	५।२९ रा.अं. तक
25				१०	३।४३ रात तक
26				११	२।१९ रात तक
27				१२	१।२० रात तक
28				१३	१२।४८ रात तक
29				१४	१२।४६ रात तक
30				३०	१।१५ रात तक
योग					

ग्रहस्थिति

सूर्य – मीन में, ता. १४ के १०।५२ दिन से मेष में। **मंगल** – मकर में, ता. ७ के २।४७ दिन से कुम्भ में। **बुध** – मीन में, ता. ८ के ११।३१ दिन से मेष में, ता. २४ के १०।२० रात से वृष में। **गुरु** – कुम्भ में, ता. १३ के ३।२१ दिन से मीन में। **शुक्र** – कुम्भ में, ता. २७ के ८।२४ रात से मीन में। **शनि** – मकर में, ता. २८ के १।३७ रात से कुम्भ में। **राहु** – वृष में, तारीख ११ के ५।३८ रात अंत से मेष में। **केतु** – वृश्चिक में, ता. ११ के ५।३८ रात अंत से तुला में।

कृपया सुझाव भेजें

आपके अपने इस पंचांग को और अधिक उपयोगी बनाने के लिये अपने सुझाव 15 अगस्त तक हमें अवश्य भेज दें।

मूल

रेवती के ता. १ को १०।४५ दिन से ता. २ के ११।२३ दिन तक फिर अश्विनी के ता. ३ के १२।३२ दिन तक। अश्लेषा के ता. १० को ४।२४ रात अंत से ता. १२ के ६।१२ प्रातः तक फिर मघा के ता. १३ के ७।३३ प्रातः तक। ज्येष्ठा के ता. १९ को ४।३० रात अंत से ता. २० के २।५४ रात तक फिर मूल के मूल ता. २१ के १।१४ रात तक। रेवती के ता. २८ को ६।२१ शाम से ता. २९ के ६।५२ शाम तक फिर अश्विनी के ता. ३० के ७।५४ रात तक रहेंगे।
शादस सम्मत व्रत, त्यौहारों की जानकारी के लिये सही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये।

ऐच्छिक अवकाश

(राज्य शासन)
ता. 6 गुहराज निषाद ज.
ता. 11 जोतीराव फुले ज.
ता. 26 प्रभु वल्लभाचार्य ज.
ता. 27 संत सेन जयंती
ता. 29 जुमातुल विदा

वार					
SUNDAY रवि		1 — 3 सिंधारा दोज ★ चैत्र शुक्ल २	8 — 10 जवारे विसर्जन ★ श्रीराम नवमी ९	15 — 17 वैशाख कृष्ण १	22 — 24 वैशाख कृष्ण ८/९
MONDAY सोम		2 — 4 सौभाग्य सुंदरी व्रत ★ गणगौर तीज व्रत ३	9 — 11 म. जोतीराव फुले जयंती चैत्र शुक्ल १०	16 — 18 आसों दोज वैशाख कृष्ण २	23 — 25 ★ वैशाख कृष्ण १०
TUESDAY मंगल		3 — 5 अं. विनायक चतुर्थी चैत्र शुक्ल ४	10 — 12 कामदा एकादशी चैत्र शुक्ल ११	17 — 19 अं. गणेश चतुर्थी वैशाख कृष्ण ३	24 — 26 पंचक वरूथिनी एकादशी ★ वैशाख कृ.११
WEDNESDAY बुध		4 — 6 गुहराज निषाद जयंती राम राज्योत्सव चैत्र शुक्ल ५	11 — 13 मदन द्वादशी चैत्र शुक्ल १२	18 — 20 ★ वैशाख कृष्ण ४	25 — 27 संत सेन जयंती पंचक ★ वैशाख कृष्ण १२
THURSDAY गुरु		5 — 7 चैत्र शुक्ल ६	12 — 14 डॉ. अम्बेडकर जयंती ★ प्रदोष व्रत १३	19 — 21 ★ वैशाख कृष्ण ५	26 — 28 पंचक प्रदोष व्रत वैशाख कृष्ण १३
FRIDAY शुक्र	28 — 1 पंचक विक्रम सं.2078 समाप्त स्ना.दा. अमावस्या ३०	6 — 8 निशा पूजा ★ चैत्र शुक्ल ७	13 — 15 बिशु गुड फ्राइडे ★ रेणुका चतुर्दशी १४	20 — 22 ★ वैशाख कृष्ण ६	27 — 29 पंचक शिव चतुर्दशी व्रत वैशाख कृष्ण १४
SATURDAY शनि	29 — 2 गुड़ी पड़वा ★ चैत्र नवरात्रारंभ १	7 — 9 दुर्गाष्टमी व्रत महाष्टमी व्रत ★ चैत्र शुक्ल ८	14 — 16 भ.हनुमान प्राकट्योत्सव ★ स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा १५	21 — 23 वैशाख कृष्ण ७	28 — 30 सतुवाई अमावस्या स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:04	5 – 6:03	10 – 6:00	15 – 5:55	20 – 5:50	25 – 5:45
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:22	5 – 6:23	10 – 6:24	15 – 6:26	20 – 6:27	25 – 6:30

याददाश्त

राशिफल

मेष – धार्मिक कार्य, व्यर्थ भय, खर्च
वृष – प्रतिष्ठा वृद्धि, पदोन्नति,भूमि लाभ
मिथुन – शुभ कार्य, यश प्राप्ति, मतभेद
कर्क – पुराने कार्य पूर्ण, स्वास्थ्य लाभ
सिंह – यश प्राप्ति, मांगलिक कार्य,लाभ
कन्या – सम्पत्ति लाभ,धार्मिक कार्य,कष्ट
तुला – संतान सुख, रोगादि भय, यात्रा
वृश्चिक – शुभ संदेश, लाभ,चोरादि भय
धनु – धार्मिक कार्य, भवन पर खर्च, कष्ट
मकर – नया विचार, पदोन्नति, तीर्थयात्रा
कुंभ – धन लाभ, संतान सुख,नई योजना
मीन – शुभ संकेत, मतभेद, व्यर्थ खर्च

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता.15,17,19 से 23,27,28 **नामकरण** – ता. 6, 18,28 **अन्नप्राशन** – ता. 6,14,18,28 **उपनयन** – ता. 6,13 **गृहारंभ** – ता.16 **व्यापार** – ता. 6,7, 17

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 बैंक वार्षिक लेखाबंदी
ता. 2 गौतम ऋषि, डॉ. हेडगेवार ज., ज्योतिष दिवस, नवरेह
ता. 6 गुरु हरगोविंद पुण्यतिथि
ता. 9 सम्राट अशोक मौर्य जयंती
ता. 10 सं.सुंदरदास ज. (खंडेलवाल समाज) रामचरित मानस जयंती
ता. 13 जलियाँवाला बाग दिवस
ता. 14 वैशाखी पर्व, पुलिया दिवस एवं अग्नि निरोधक दिवस
ता. 15 हाटकेश्वर जयंती, गुरु हरकिशन पुण्यतिथि
ता. 16 धरती पूजा (खद्दी पर्व)(छ.ग.पे.अ.)
ता. 25 विश्व मलेरिया दिवस

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को १०।४५ दिन से रात अंत तक। ता. ३ को सूर्योदय से १२।३२ दिन तक। ता. ५ को सूर्योदय से ४।११ शाम तक। ता. ६ को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. १० को सूर्योदय से ४।२४ रात अंत तक। ता. १२ को सूर्योदय से ६।१२ प्रातः तक। ता. २३ को १०।१ रात से रात अंत तक। ता. २८ को ६।२१ शाम से ता. २९ के रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. १ को १०।४५ दिन से रात अंत तक। ता. २९ को सूर्योदय से ६।५२ शाम तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. २३ को सूर्योदय से ९।४६ दिन तक। *रक्त दान महादान* **व्यतिपात योग** – तारीख १८ को १०।५० रात से ता. १९ के ७।५० रात तक। **पुष्य नक्षत्र** – तारीख ९ को २।१२ रात से तारीख १० के ४।२४ रात अंत तक। **नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा** – ता. १२ से १६ तक माहिष्मति-जलकोटि (अहिल्या बाई स्मृति), महेश्वर मार्कण्डेय-गालव-ऋषि स्मृति सांडिया-घाट (पिपरिया)। ता. २६ से ३० शालिवाहन-सटकेश्वर-नावड़ा टोली, खरगोन।

अप्रैल माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 स्नानदान अमावस्या
ता. 2 गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रारंभ, बैठकी, चन्द्रदर्शन, चेटीचंद
ता. 3 सिंधारा दोज
ता. 4 सौभाग्य सुंदरी, गणगौर तीज
ता. 5 अं.विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 9 दुर्गाष्टमी, महाष्टमी व्रत
ता. 10 श्रीराम नवमी, जवारे विसर्जन
ता. 12 कामदा एकादशी व्रत
ता. 13 मदन द्वादशी
ता. 14 प्रदोष व्रत
ता. 15 रेणुका चतुर्दशी
ता. 16 स्नानदान व्रत पूर्णिमा भ.हनुमान प्राकट्योत्सव
ता. 18 आसों दोज
ता. 19 अं. गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 26 वरूथिनी एकादशी व्रत
ता. 28 प्रदोष व्रत
ता. 29 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 30 सतुवाई स्ना.दा.श्रा.अमा.

मासफल – इस मास चुनावी गतिविधियाँ देश के कुछ क्षेत्र में चरम पर होंगी। अफवाह, आरोप-प्रत्यारोप, वाद-विवाद, जात-पात की राजनीति भी अपने चरम पर पहुँचेगी। देश में संक्रमण के रोगी बढ़ेंगे। शेयर, सोना, चाँदी, लोहा, तांबा में अनिश्चितता व खाद्य पदार्थ, तेल आदि में तेजी परिलक्षित होगी। देश के कुछ हिस्सों में आकस्मिक वर्षा, आँधी से मौसम में बदलाव होगा। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – सूर्य रेवती नक्षत्र में। तारीख १४ को १०।५२ दिन से अश्विनी नक्षत्र में। तारीख २७ को ३ बजकर ६ मिनिट रात से भरणी नक्षत्र में। **दिगम्बर जैन पर्व** – ता. ६ रोहिणी व्रत। ता. ६ से १० पुष्पांजली व्रत। ता. ६ से १५ दशलक्षण व्रत। ता. १४ भगवान महावीर जयंती। ता. १४ से १६ रत्नत्रय व्रत। ता. १७ षोडषकारण व्रत पूर्ण। *'पीछे के पृष्ठों का अध्ययन अवश्य करें।'* **श्वेताम्बर जैन पर्व** – ता. १ चंद्र वर्ष पूर्ण। ता. ८ से १६ नवपद ओली। ता. १४ भ. महावीर जन्म कल्याणक। ता. १५ एवं २९ पाक्षिक प्रतिक्रमण।

TM 70 71 72 हमारे यहाँ की सर्वश्रेष्ठ पेपर पर निर्मित "राजहंस" ब्रांड एक्सरसाइज नोट बुक की थोक खरीदी हेतु 08871944563 पर सम्पर्क करें। TM 70 71 72

रिकार्ड सुरक्षित रखें

सरकारी, गैर सरकारी रसीद, पत्र व्यवहार, बिजली बिल, जमीन-जायदाद रजिस्ट्री, नजूल नोटिस के जवाब, पावती (डिपार्टमेंट की सील तथा हस्ताक्षर सहित) आदि सभी हमेशा सम्भालकर फाइल में प्लास्टिक पन्नी के अंदर सुरक्षित रखें अन्यथा कब किस उम्र में आपके पास वसूली का नोटिस आ जाये कहा नहीं जा सकता। आपका रिकार्ड ही आपको राहत दिला सकता है। आजकल बिजली, टेलीफोन, आयकर, निगम कर आदि का डिपार्टमेंट में रिकार्ड कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है जिससे डिपार्टमेंटल भूल भी सम्भव है। अतः पूरे रिकार्ड सम्भालकर सुरक्षित स्थान पर रखें।

कागज को कचरा न बनायें

कागज के डिब्बे, गत्ते, पुट्ठे, कव्हर, रिकार्ड पेपर आदि को जलाकर या सार्वजनिक कचरा पेटी, सड़क आदि में फेंककर कचरा न बनायें, इनको ऑफिस या घर के एक स्थान पर डिब्बे में एकत्रित कर समय-समय पर कबाड़ी या रद्दी पेपर खरीदने वालों को बेच देवें क्योंकि उपरोक्त सभी से पेपर मिल पुनः नया पेपर बना लेती है। यदि आप फोटोकापी या कम्प्यूटर से प्रिंट निकाल रहें हैं व पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करने से काम चल जाता हो तो पर्यावरण रक्षा हेतु ऐसा अवश्य करें क्योंकि पेपर का निर्माण पेड़ों को काटकर उसकी लकड़ी की लुगदी से होता है। आप जितना पेपर बचा पायेंगे उतना पर्यावरण की रक्षा में अपना योगदान दे पायेंगे।

कपड़े का थैला वाहन में अवश्य रखें

अपनी गाड़ी में कपड़े का थैला हमेशा साथ रखें ताकि खरीददारी में प्लास्टिक थैली के स्थान पर इस थैले का उपयोग कर सकें।

अचानक धड़कन रुकने में प्राण रक्षा

डॉ. शोभन पौनीकर MBBS, MD (मेडीसिन), विजयनगर, जबलपुर मो. : 9424420144

हार्टअटैक के लक्षण - सीने के बीच, पीठ, गर्दन, हाथों में अचानक उठने वाला दर्द हार्टअटैक की सूचना वाला दर्द भी हो सकता है अतः उसे मामूली दर्द समझकर न टाल दें।

ये दर्द छाती की जगह, पेट के ऊपरी भाग, गले की तरफ, नीचे जबड़ों की तरफ, हाथों से होता हुआ अंगुली तक भी पहुँच सकता है। मधुमेह के रोगियों में तो बिना दर्द के भी हार्ट-अटैक हो सकता है।

उपरोक्त लक्षण के अलावा यदि दम फूले, पसीना आये, हाथ-पैर ठण्डे लगें, कमजोरी आये, जी मिचलाये, उल्टी आये, बेहोशी छाने लगे तब एक मिनिट की देरी भी नहीं करना चाहिए बल्कि तत्काल लिटाकर टाँग ऊंची रखें और कपड़े ढीलेकर, मुँह एक तरफ रखें ताकि उल्टी से साँस न रुके और तुरन्त चिकित्सा उपलब्ध करायें एवं रोगी को न चलवायें।

ऐसा भी देखा गया है कि उपरोक्त लक्षण रात में जब प्रकट होते हैं तो मरीज या उनके निकटतम व्यक्ति द्वारा "सुबह दिखा लेंगे, इतनी रात को कौन डॉक्टर मिलेगा" कहकर टाल दिया जाता है, ऐसा टालना कभी-कभी बहुत महंगा पड़ता है। कभी-कभी इसे गैस की परेशानी या स्पोंडोलासिस का दर्द समझकर बाम लगाकर या दवा देकर टाल दिया जाता है।

साँस एवं धड़कन रुकते ही जीवनदान की कोशिश तुरंत करें (सी.पी.आर.):- यदि साँस एवं हृदयगति रुक जाये तो तुरन्त मरीज को समतल कठोर जगह पर लिटा दें और छाती के बीचों बीच जहाँ हृदय स्थित होता है वह स्थान लचकदार रहता है, इस स्थान पर हाथों की दोनों हथेली से इतना दबाव डालें कि छाती डेढ़ से दो इंच दब जाये, फिर दबाव हटा दें, पुनः दबाव डालें। इस कार्य को करते समय हर 6-8 दबाव के बाद मुँह से मुँह लगाकर सांस भी देते रहें। दबाव डालने-हटाने का कार्य 1 मिनिट में लगभग 60 बार हो जाना चाहिये। मुँह से मुँह, साँस फूंकते समय मरीज की नाक, अंगुली से दबाकर बंद रखें ताकि साँस पूरी-पूरी फेफड़े तक जाए, इस बात का ख्याल रखें। दबाव एवं साँस देने की प्रक्रिया मरीज की साँस एवं धड़कन चालू होते ही बंद कर दें एवं मरीज को करवट के बल लिटा दें ताकि यदि उल्टी वगैरह हो तो वह साँस नली में अटके बिना बाहर निकल जाये।

यह सभी कार्य हार्टफेल, करेंट, पानी में डूबने से साँस एवं धड़कन रुकते ही तुरन्त बिना एक पल की देरी किये सम्पन्न होना चाहिए। धड़कन सीने में कान सटाकर पता करें।

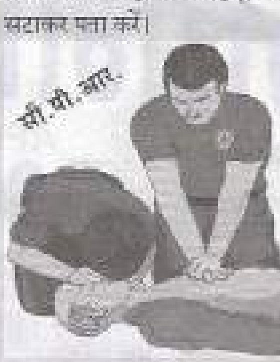

सी.पी.आर. साँस व धड़कन आने या अगली चिकित्सा मिलने तक लगातार किया जाना चाहिये।

धीरे-धीरे वजन बढ़ना

मोटापा अच्छे स्वास्थ्य की निशानी नहीं - भोजन ऐसा करें जिससे शरीर में मोटापा न आये अन्यथा गलत भोजन करने से शरीर के बढ़े वजन के कारण हृदय, शुगर, बी.पी., घुटने व कमर का दर्द, फुर्ती में कमी, साँस फूलना जैसे रोग होने लगते है।

वजन पर रोज निगरानी - घर में वजन नापने की मशीन अवश्य रखें जिससे रोज वजन नापा जा सके जिससे आपको यह अंदाजा भी मिलता रहेगा कि क्या खाने से वजन बढ़ता है। ध्यान रखें वजन धीरे-धीरे बढ़ता है इसलिये आपको पता भी नहीं चलता।

चबा-चबाकर धीरे-धीरे खायें - भोजन चबा-चबाकर, छोटे-छोटे कौर में धीरे-धीरे करना चाहिये। खाने में जल्दबाजी वजन, गैस, अपच, एसिडिटी, सीने और पेट में जलन इत्यादि बढ़ाती है।

पेट भरने की संतुष्टी - यह भोजन शुरू करने के 20 मिनिट बाद ही होती है, न होने पर सेब फल खा लें।

क्या कम करें क्या बढ़ायें - कार्बोहाइड्रेट वाले पदार्थ चावल, पुरी, पराठे, रोटी, भुट्टा, मैदा, क्रीम के मीठे बिस्कुट, तेल, घी, मिठाई, कोल्डड्रिंक, आइसक्रीम, तले पदार्थ जैसे आलू चिप्स, समोसे आदि का सेवन घटायें। इनके स्थान पर प्रोटीन, खनिज, रेशायुक्त खानपान जैसे फल, सलाद, साग सब्जी, पनीर, अंकुरित दालें, मेवा, दूध, दही (क्रीम निकला) उबला अंडा (आपका कोलस्ट्राल ज्यादा रहता हो तो पीला भाग अलग कर दें) आदि का सेवन अपने रोज के खानपान में बढ़ायें। आप कार्बोहाइड्रेट वाले पदार्थ और प्रोटीन, विटामिन, खनिज, रेशे वाले पदार्थ हर खानपान में बराबर से लें जिससे भूख भी संतुलित लगेगी, कमजोरी भी महसूस नहीं होगी, शुगर भी कंट्रोल रहेगी और वजन भी संतुलित रहेगा।

गुनगुने पानी के सेवन के साथ-साथ तेज रफ्तार में टहलना भी आपके वजन घटाने में और आपको फिट रखने में सहायक होता है परन्तु खानपान की मात्रा एवं कार्बोहाइड्रेट एवं प्रोटीन-खनिज युक्त खाद्य पदार्थ का संतुलित मेल ज्यादा महत्वपूर्ण है।

फिर भी वजन बढ़ना न रुके तो चिकित्सक को दिखायें। ध्यान रखें देर रात को खाना खाकर सो जाना भी वजन बढ़ाता है।

डॉ. विमला अग्रवाल, बुलंदशहर (उ.प्र.)

राशिवश मासिक दशा सारिणी

राशि	राहु दशा	शुक्र दशा	सूर्य दशा	चन्द्र दशा	भौम दशा	बुध दशा	शनि दशा	गुरु दशा
मेष	25 दिस. से	4 फर. से	14 अप्रैल से	5 मई से	27 जून से	26 जुलाई से	22 सित. से	29 अक्टू. से
वृष	23 जन. से	5 मार्च से	15 मई से	6 जून से	28 जुलाई से	26 अग. से	23 अक्टू. से	27 नव. से
मिथुन	21 फर. से	4 अप्रैल से	16 जून से	7 जुलाई से	28 अग. से	26 सित. से	21 नव. से	27 दिस. से
कर्क	23 मार्च से	5 मई से	17 जुलाई से	8 अग. से	28 सित. से	27 अक्टू. से	21 दिस. से	25 जन. से
सिंह	23 अप्रैल से	6 जून से	18 अग. से	8 सित. से	29 अक्टू. से	25 नव. से	19 जन. से	23 फर. से
कन्या	24 मई से	7 जुलाई से	18 सित. से	8 अक्टू. से	27 नव. से	25 दिस. से	17 फर. से	25 मार्च से
तुला	24 जून से	8 अग. से	18 अक्टू. से	8 नव. से	27 दिस. से	23 जन. से	19 मार्च से	25 अप्रैल से
वृश्चिक	26 जुलाई से	8 सित. से	17 नव. से	7 दिस. से	25 जन. से	21 फर. से	19 अप्रैल से	26 मई से
धनु	27 अग. से	8 अक्टू. से	17 दिस. से	5 जन. से	23 फर. से	23 मार्च से	20 मई से	27 जून से
मकर	26 सित. से	8 नव. से	15 जन. से	4 फर. से	25 मार्च से	23 अप्रैल से	20 जून से	28 जुलाई से
कुम्भ	27 अक्टू. से	7 दिस. से	13 फर. से	5 मार्च से	25 अप्रैल से	24 मई से	22 जुलाई से	29 अग. से
मीन	25 नव. से	5 जन. से	15 मार्च से	5 अप्रैल से	26 मई से	24 जून से	22 अग. से	28 सित. से

प्रत्येक व्यक्ति की उपरोक्त दशाएं उसकी राशि के अनुसार हर वर्ष प्रायः इन्हीं तारीखों में प्रारम्भ होकर क्रमानुसार चलती रहती है।

गोचर फल बोधक चक्र - ऊपर लिखी दशा का फल नीचे गोचर फल बोधक चक्र में देखिये। जिस ग्रह की दशा चल रही है वह यदि गोचर विचार में उत्तम हो तो उत्तम फल, मध्यम हो तो मध्यम फल तथा अशुभ हो तो अशुभ फल करता है। **नोट** - जो ग्रह जन्मपत्री में उत्तम स्थान में पड़ा होगा वह गोचर में शुभ स्थान में आते ही शुभ फल करेगा व जो ग्रह जन्मपत्री में बिगड़ा होगा वह गोचर में अच्छा फल रहते हुये भी शुभफल नहीं करेगा।

नव ग्रह पीड़ा शान्ति के मंत्र

सूर्य मंत्र	-	ॐ घृणि सूर्याय नमः।
चंद्र मंत्र	-	ॐ सौं सोमाय नमः।
मंगल मंत्र	-	ॐ अं अंगार काय नमः।
बुध मंत्र	-	ॐ बुं बुधाय नमः।
गुरु मंत्र	-	ॐ बृं बृहस्पते नमः।
शुक्र मंत्र	-	ॐ शुं शुक्राय नमः।
शनि मंत्र	-	ॐ शं शनैश्चराय नमः।
राहु मंत्र	-	ॐ रां राहुवे नमः।
केतु मंत्र	-	ॐ कें केतवे नमः।

सफलता-असफलता देखने का चार्ट

1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6
7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3
4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6
7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3
4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6
7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3
4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6
7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3
4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9	1	2	3	4	5	6

प्रश्नोत्तर विधि - प्रश्न करने के पहले श्री गणेश जी का ध्यान करके, आँख बंद करके तिनके या पेन्सिल की नोंक किसी भी अंक पर रखकर आँख खोलकर अंक देख लें। जिस अंक पर आपने नोंक रखी है उसी नम्बर का उत्तर आपके प्रश्न का होगा।

(1) प्रश्न उत्तम है कार्य सिद्ध होगा। (2) ईश्वर का नाम लेकर प्रयत्न करो, कार्य सिद्ध होगा। (3) इस कार्य के अंत में भलाई नहीं है। (4) कार्य का तरीका बदल दें कार्य देर से सिद्ध होगा। (5) ईश्वर के ऊपर कार्य छोड़ो, आशा कम है। (6) कार्य हो सकता है, प्रयत्न करो। (7) विघ्न बाधा हटते हुए, कार्य सिद्ध होगा। (8) कार्य सिद्ध होने में बहुत विघ्न आयेंगे। (9) यह कार्य सिद्ध होगा ही, जो सोच रहे हो वह भी सिद्ध होगा।

आदर्श वजन

ऊँचाई के अनुसार आदर्श वजन

ऊँचाई	पुरुष (किलो)	महिला (किलो)
5 फुट	-	51 - 53
5 फुट 1 इंच	-	52 - 55
5 फुट 2 इंच	56 - 60	53 - 57
5 फुट 3 इंच	57 - 61	54 - 58
5 फुट 4 इंच	59 - 63	56 - 60
5 फुट 5 इंच	61 - 65	58 - 61
5 फुट 6 इंच	62 - 67	59 - 64
5 फुट 7 इंच	64 - 68	61 - 65
5 फुट 8 इंच	66 - 71	62 - 67
5 फुट 9 इंच	68 - 73	64 - 69
5 फुट 10 इंच	69 - 74	66 - 70
5 फुट 11 इंच	71 - 76	67 - 72
6 फुट	73 - 78	69 - 74
6 फुट 1 इंच	75 - 81	-
6 फुट 2 इंच	77 - 84	-

गोचर फल बोधक चक्र

ग्रह	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
सूर्य	यात्रा	हानि, भय	सुख, लाभ	रोग चिंता	संतान कष्ट, खर्च	सुख, शत्रु नाश	स्त्री पीड़ा, यात्रा	कष्ट, भय	कुबुद्धि, चिन्ता	सुख, कार्य सिद्धि	सुख, लाभ	पीड़ा, हानि
चन्द्र	सुख, लाभ	थोड़ा लाभ, सुख	सुख, बाधा	रोग, खर्च	मान, यश	लाभ, शत्रु नाश	लाभ, सुख, रोग	रोग, भय, कलह	द्रव्य लाभ, भय	सुख, यश	लाभ, हर्ष	कष्ट, हानि
मंगल	कष्ट, भय	नेत्रपीड़ा, चिंता	लाभ, सुख	मातृ कष्ट, भय	रोग, भय, चिंता	सुख, शत्रु नाश	कष्ट, हानि	कुसंग, कष्ट	रोग, भय, यात्रा	हर्ष, सुख	लाभ, यश	रोग, भय
बुध	राजभय, कष्ट	सुख, लाभ	पराक्रम, भय	सुख, लाभ	बुद्धि वृद्धि	शत्रु भय	लाभ, भय, कष्ट	कष्ट, भय	मित्रप्रेम, यात्रा	सुख, यश	धनागम, सुख	धन हानि
गुरु	कष्ट, भय	धन लाभ	रोग, चिंता	कष्ट, धनहानि	हर्ष, लाभ	शत्रु भय, रोग	स्त्री कष्ट, लाभ	कलह, भय	लाभ, प्रतिष्ठा	भय, संकट	लाभ, हर्ष	कष्ट, हानि
शुक्र	स्त्री सुख, हर्ष	लाभ, सुख	पराक्रम	धन लाभ	धनागम	शत्रु भय	शोक, भय	रोग, हानि	लाभ, सुख	सम्मान, यश	अधिकार प्राप्ति	धनागम
शनि	भय, पीड़ा	धन हानि	धन लाभ	शत्रु भय, पीड़ा	चिंता, भय, कष्ट	लाभ, शत्रु नाश	पीड़ा, कलह	शत्रु भय, कष्ट	कुसंग हानि	विरोध, चिंता	लाभ, यश	आपत्ति, भय
राहु	हानि, कष्ट	खर्च, चिंता	लाभ, सुख	विरोध, कष्ट	कुबुद्धि, कष्ट	धन प्राप्ति, सुख	अपमान, शोक	रोग, भय	कुबुद्धि, कष्ट	लाभ, विरोध	सुख, धन लाभ	पीड़ा, हानि
केतु	रोग, चिंता	विरोध, हानि	लाभ, जय	भय, कष्ट	कष्ट, भय	लाभ, जय	पीड़ा, शोक	संकट, भय	अपमान, कष्ट	लाभ, भय	यश, धन लाभ	विरोध, हानि

अपने घर में उगाई सब्जी का मजा

कीटनाशक रसायन युक्त साग-सब्जी, फलों से निजात पाने का एक ही उपाय है कि जिनके पास जरा भी गमले रखने की जगह है वे साग-सब्जी के पेड़-पौधे जगह अनुसार लगायें। अपने गमलों में उगाई गई सब्जियों के सेवन से जो खुशी प्राप्त होती है उसे आप दूसरों को भी बताने से न चूकें।

घर के गमलों में भिण्डी, भटा, टमाटर, नीबू, पालक, मैथी, धनिया, मीठी नीम, मिर्च जैसी सब्जियाँ आसानी से पैदा की जा सकती हैं। मेहनत उतनी ही है जितनी आपको फूल के पौधे लगाने में होती है परन्तु घर में पैदा होने वाली साग-सब्जी रसायनिक हानिकारक कीटनाशक रहित रहती है।

कबाड़ का उपयोग - घर में गमले के साथ अनेक प्रकार के डिब्बा, बाटल, प्लास्टिक के कंटेनर, रंग-पेंट के खाली डिब्बे, टूटी-फूटी टंकियाँ इन सभी को आप साग-सब्जी उगाने में उपयोग कर सकते हैं जिससे कबाड़ में पड़ा सामान भी उपयोग में आने लगेगा।

सुरक्षित स्थान - छत, बालकनी, बरामदा, पोर्च, आंगन, कंजरवेंसी आदि अन्य ऐसे सभी स्थान जहाँ पेड़-पौधे जानवरों से सुरक्षित रहें और धूप आती हो, आप साग-सब्जी लगाने में उपयोग करें ताकि हरियाली भी रहे और रसायन मुक्त ताजी पौष्टिक सब्जी भी मिले।

घर के कचड़े से बनायें खाद - गमलों के लिये खाद भी घर में ही तैयार की जा सकती है। किचन का रोजमर्रा का निकलने वाला, सड़ने वाला हर पदार्थ यहाँ तक की घर की धूल, उपयोग हुई चाय पत्ती, साग-सब्जी के डंठल, छिलके, पत्ते, जड़ आदि एक बड़े कंटेनर या गड्ढे में नीचे थोड़ी मिट्टी बिछाकर उसमें डालते रहें। जब वह 75% भर जाये तो उसे ऊपर से गोबर, पत्ती, मिट्टी दूषित पानी डालकर 3 माह के लिये छोड़ दें, यदि आप उसमें केंचुए डाल दें तो और भी अच्छा रहेगा। यह खाद इसी तरह क्रमशः 3-4 कंटेनर या गड्ढे में तैयार करते रहें और गमलों में मिट्टी के साथ मिलाकर इस खाद का हर 3 माह बाद उपयोग करते रहें। ऐसा करने से कचरा भी काम में आ जायेगा।

पौधे एवं बीज मिलने का स्थान - घर में उगाई जाने वाली साग-सब्जी के बीज आप सब्जी मंडी के बीज, खाद विक्रेता से खरीद कर उपयोग करें। बीज के पैकेट में उपयोग विधि भी लिखी होती है। प्राकृतिक रोशनी, पानी, खाद यह पौधों के लिये आवश्यक है।

किचन के दूषित पानी से करें सिंचाई - गर्मी में रोज और ठंड में 1 दिन छोड़कर पानी दें ताकि नमी बनी रहे। पानी भरा नहीं रहना चाहिये अन्यथा पौधे सड़ जायेंगे। गमलों, डिब्बों में इसलिये नीचे तल में छेद बनाया जाता है ताकि अतिरिक्त पानी निकलता रहे।

एलर्ट रहें

पेट्रोल व डीजल भराते समय

● अपने वाहन में डीजल या पेट्रोल भराते समय पैसे, इनामी कूपन के लेन-देन में जल्दबाजी अथवा बातों में उलझाकर या अन्य व्यक्ति द्वारा सामान खरीदने का आग्रह कर आपका ध्यान मीटर से हटाया तो नहीं जा रहा है इसका ध्यान रखें।

● पेट्रोल मीटर और आपके बीच कर्मचारी तेल भरने या पैसा लेने ऐसी स्थिति में खड़ा तो नहीं है जहाँ से आप मीटर की प्रारम्भिक या अंत की रीडिंग नहीं देख पा रहे हैं अगर ऐसा है तो उसे तुरंत हटायें।

नामिनी अवश्य जुड़वायें

निम्नलिखित दस्तावेजों में शीघ्र ही नामिनी जुड़वायें ताकि बाद में घर के सदस्यों को परेशानी का सामना न करना पड़े जैसे - बैंक खाता, फिक्स डिपाजिट, एन.एस.सी., पी.पी.एफ., लाकर, जीवन बीमा, डीमेट खाता, पोस्ट ऑफिस निवेश आदि।

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

बिजली मीटर धीमा करें

बिजली मीटर की रफ्तार कम करने के लिये आर्डिनरी बल्ब एवं ट्यूब-लाइट के स्थान पर एल.ई.डी. लाइट्स का उपयोग करें, जहाँ तक हो सके प्राकृतिक रोशनी व हवा से काम चलायें। यदि आप देशभक्त नागरिक हैं तो बल्ब, पानी मोटर, ए.सी., पंखा, कूलर, टी.व्ही. आदि फालतू खुला न छोड़ें। बच्चों एवं घर के सभी सदस्यों में यह आदत डलवायें।

ता. 3 भ.परशुराम प्राकट्योत्सव

मैरिज डे

ता. 6 आद्य शंकराचार्य जयंती

बर्थ डे

ता. 16 भ. बुद्ध जन्मोत्सव

बरसात आने के पूर्व

बरसात पूर्व अपने भवन की छत, लाफ्ट, नाली में जमा मिट्टी व कचरे को साफ करायें। छतों पर यदि क्रेक्स हों तो केमिकल, सीमेन्ट, डामर आदि भरें। पौधे अनुचित जगह पर उग आये हों तो उन्हें सही स्थान पर शिफ्ट करें अन्यथा ये पीपल आदि के पौधे जड़ जमाकर भवन को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं, ऐसे पौधे सुखाने का तरीका मार्च बैक पेज पर दिया गया है।

तुम जितनी शत्रुता अपने चारों तरफ बनाते हो उतना तुम्हारा नर्क बड़ा हो जाता है

भद्रास्थिति – ता. ४ को ८।२५ शाम से ता. ५ के ७।२५ प्रातः तक। ता. ८ को १।३ दिन से १।४१ रात तक। ता. ११ को ३।२० रात से ता. १२ के ३।१३ दिन तक। ता. १५ को ११।४६ दिन से १०।२३ रात तक। ता. १८ को ४।१७ शाम से ३।४ रात तक। ता. २१ को ७।५४ रात से ता. २२ के ६।५२ प्रातः तक। ता. २४ को २।६ रात से ता. २५ के १।३५ दिन तक। तारीख २८ को १।२२ दिन से १ बजकर ५० मिनिट रात तक भद्रा रहेगी।
गुरु, शुक्र तारा – पूरब दिशा में उदित। *पीछे के पृष्ठों को अवश्य पढ़िये।*
पंचक – तारीख २२ को ४।६ शाम से तारीख २६ के २।२८ रात तक।
कोरोना से बचाव के टीके मुफ्त भी लगते हैं उसे अवश्य लगवा लें।

विक्रम संवत् 2079 | वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायन®

MAY 2022

सूर्य उत्तरायण, ग्रीष्म ऋतु | ईस्वी सन | शंकराचार्य संवत् 2528/29

चन्द्रस्थिति – मेष का। ता. १ को ३।५३ रात से वृष का। ता. ४ को २।५६ दिन से मिथुन का। ता. ६ को २।४२ रात से कर्क का। ता. ९ को १।३१ दिन से सिंह का। ता. ११ को १०।४ रात से कन्या का। ता. १३ को ४।११ रात अंत से तुला का। ता. १६ को ८।१५ दिन से वृश्चिक का। ता. १८ को ११ बजे दिन से धनु का। ता. २० को १।१७ दिन से मकर का। ता. २२ को ४।६ शाम से कुम्भ का। ता. २४ को ८।१५ रात से मीन का। ता. २६ को २।२८ रात से मेष का। ता. २९ को ११।१५ दिन से वृष का। ता. ३१ को १० बजकर ६ मिनिट रात से मिथुन का चन्द्रमा रहेगा। *पंचांग पढ़ें जागरूक बनें।*
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १५ तक मेष लग्न, ता. १६ से वृष लग्न।

ग्रहों के राशिचार तारीख १ उदयकाल में

३	शु. २	१ सू. रा. बु.	गु.शु. १२ ११ म. श.
	४		१०
५	७ के.	६	९
		८	

हिजरी सन् 1443

रमजान/सव्वाल मास (10)
तारीख 2 चंद्रदर्शन, तारीख 3 से सव्वाल मास प्रारम्भ, ईदुल फित्र, तारीख 31 चन्द्रदर्शन

5 वैशाख/ज्येष्ठ मास (3)

मई

रा.शक सं.1944

रा.वैशाख 11 से रा.ज्येष्ठ 10 तक
(ता. 22 से राष्ट्रीय ज्येष्ठ मास प्रारम्भ)
बंगला सन् 1429
बंग वैशाख, ता.16 से ज्येष्ठ मास प्रारंभ

ग्रहों के राशिचार ता. १६ उदयकाल में

४	३	२ सू. बु.	१ रा. १२ गु. शु.
	५		११ श. मं.
६	७ के. चं.	८	९ १०

दूध हिसाब / धुलाई को कपड़े / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	धुलाई को कपड़े	तिथि	समय बजे तक
1				१	२।१५ रात तक
2				२	३।३६ रात तक
3				३	५।२५ रा.अं.तक
4				४	दिन-रात
5				४	७।२५ प्रातः तक
6				५	८।२८ दिन तक
7				६	११।२३ दिन तक
8				७	१।३ दिन तक
9				८	२।१६ दिन तक
10				९	३।८ दिन तक
11				१०	३।२६ दिन तक
12				११	३।१३ दिन तक
13				१२	२।३१ दिन तक
14				१३	१।२२ दिन तक
15				१४	११।४६ दिन तक
16				१५	६।५७ दिन तक
17				१	७।४६ प्रातः तक
				२	५।३० रा.अं.तक
18				३	३।४ रात तक
19				४	१२।३६ रात तक
20				५	१०।११ रात तक
21				६	७।५५ रात तक
22				७	५।५० शाम तक
23				८	४।३ शाम तक
24				९	२।३६ दिन तक
25				१०	१।३५ दिन तक
26				११	१ बजे दिन तक
27				१२	१२।५६ दिन तक
28				१३	१।२२ दिन तक
29				१४	२।१८ दिन तक
30				३०	३।४१ दिन तक
31				१	५।२४ शाम तक
योग					

वार					
रवि SUNDAY	1 श्रमिक दिवस ★ वैशाख शुक्ल १	8 गंगा सप्तमी ★ वैशाख शुक्ल ७	15 व्रत की पूर्णिमा ★ वैशाख शुक्ल १४	22 ज्येष्ठ कृष्ण ७	29 ज्येष्ठ कृष्ण १४
सोम MONDAY	2 ★ वैशाख शुक्ल २	9 ★ वैशाख शुक्ल ८	16 वैशाखी पूर्णिमा ★ स्ना.दा.पूर्णिमा १५	23 ज्येष्ठ कृष्ण ८	30 वट अमावस व्रत ★ स्ना.दा.श्रा.अमावस ३०
मंगल TUESDAY	3 भ.परशुराम प्राकट्योत्सव ★ अक्षय तृतीया ३	10 सीता नवमी ★ वैशाख शुक्ल ९	17 नारद जयंती ज्येष्ठ कृष्ण १/२	24 ज्येष्ठ कृष्ण ९	31 चन्द्रदर्शन ★ ज्येष्ठ शुक्ल १
बुध WEDNESDAY	4 विनायक चतुर्थी व्रत वैशाख शुक्ल ४	11 वैशाख शुक्ल १०	18 ज्येष्ठ कृष्ण ३	25 ★ ज्येष्ठ कृष्ण १०	
गुरु THURSDAY	5 वैशाख शुक्ल ४	12 मोहिनी एकादशी वैशाख शुक्ल ११	19 गणेश चतुर्थी व्रत ★ ज्येष्ठ कृष्ण ४	26 अचला एकादशी ★ ज्येष्ठ कृष्ण ११	
शुक्र FRIDAY	6 वैशाख शुक्ल ५	13 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल १२	20 ★ ज्येष्ठ कृष्ण ५	27 प्रदोष व्रत ★ ज्येष्ठ कृष्ण १२	
शनि SATURDAY	7 वैशाख शुक्ल ६	14 भ.नरसिंह प्राकट्योत्सव ★ वैशाख शुक्ल १३	21 ★ ज्येष्ठ कृष्ण ६	28 शिव चतुर्दशी व्रत ज्येष्ठ कृष्ण १३	

ऐच्छिक अवकाश
(राज्य शासन)
ता. 2 ईदुल फित्र पूर्व दिन
ता. 6 आ.शंकराचार्य ज.
नोट – ये सभी अवकाश संभावित हैं, शासन की लिस्ट घोषित होने पर कृपया सुधार लें।

नोट
शुभ मुहूर्त आदि स्थूल रूप से दिये गये हैं। अतः मांगलिक कार्यक्रम की तिथि का फायनल निर्णय करने के पूर्व अपने आचार्य की सलाह अवश्य ले लेवें।

मूल
असलेषा के ता. ८ को ११।३७ दिन से ता. ९ के १।३१ दिन तक फिर मघा के ता. १० के २।५६ दिन तक। ज्येष्ठा के ता. १७ को १२।३४ दिन से ता. १८ के ११ बजे दिन तक फिर मूल के मूल ता. १९ के ६।२१ दिन तक। रेवती के ता. २५ को २।४ रात से ता. २६ के २।२८ रात तक फिर अश्विनी के ता. २७ के ३।२३ रात तक।

यादगार

राशिफल

मेष – नई योजना, कार्याधिक, रोग कष्ट
वृष – सफलता, वाहन लाभ, पुत्र सुख
मिथुन – स्थान परिवर्तन, मेहमान आगमन
कर्क – पुत्र सुख, रोग भय, वाहन कष्ट
सिंह – विश्वासघात, पारिवारिक तनाव
कन्या – नया विचार, धन कष्ट, सफलता
तुला – निर्माण शुरू, तनाव, स्थानांतरण
वृश्चिक – शुभ समाचार, संतान सुख
धनु – यात्रा, पुण्य कार्य, जमीन विवाद
मकर – भूमि लाभ, वाहन कष्ट, यश
कुंभ – शुभ सूचना, संतान सुख, यात्रा
मीन – मित्र मिलन, मांगलिक कार्य, हर्ष

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 2 से 4, 9 से 20, 24 से 26,31 **मुण्डन** – तारीख 6, 18, 26
नामकरण – ता. 11, 12, 16,25,26
अन्नप्राशन – ता. 6, 13, 20, 25, 27
उपनयन – ता. 5, 6, 13,20 **गृहारंभ** – ता.11,12,13 **गृहप्रवेश** – ता.11,12, 26 **व्यापार** – ता. 11,12,16,20,26,27

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 महाराष्ट्र, गुजरात स्थापना दिवस
ता. 3 अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस
ता. 8 विश्व रेडक्रास दिवस
ता. 10 संत भूरा भगत जयंती
ता. 15 केवट जयंती (केवट समाज)
ता. 16 गुरु गोरखनाथ प्रगटन दिवस, म.भृगु व टेकचंद महाराज जयंती
ता. 17 मीना समाज मंदिर
ता. 22 राजा राममोहन राय जयंती
ता. 27 पं. जवाहरलाल नेहरू पुण्यतिथि
ता. 31 धूम्रपान निषेध दिवस

ग्रहस्थिति

सूर्य – मेष राशि में, ता. १५ के ६।१३ दिन से वृष राशि में। **मंगल** – कुम्भ राशि में, ता. १७ के ६।२६ दिन से मीन राशि में। **बुध** – वृष राशि में, ता. १० के ३ बजकर ३७ मिनिट रात से वक्री। **गुरु** – मीन राशि में। **शुक्र** – मीन राशि में, ता. २३ के १० बजकर ४२ मिनिट रात से मेष राशि में। **शनि** – कुम्भ राशि में। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 5:41	5 – 5:39	10 – 5:35	15 – 5:32	20 – 5:31	25 – 5:29
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:33	5 – 6:35	10 – 6:37	15 – 6:40	20 – 6:41	25 – 6:45

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. २ को ११।२१ रात से रात अंत तक। ता. ४ को सूर्योदय से ४।१२ रात अंत तक। ता. ६ को ६।४८ प्रातः से रात अंत तक। ता. ८ को सूर्योदय से ११।३७ दिन तक। ता. १४ को ३।५७ दिन से रात अंत तक। ता. १६ को १।५८ दिन से रात अंत तक। ता. २१ को ६।६ प्रातः से ४।४१ रात अंत तक। ता. २६ को सूर्योदय से ता. २७ के ३।२३ रात तक। ता. ३० को ६।३६ प्रातः से रात अंत तक। **द्विपुष्कर योग** – ता. २१ को ४।४१ रात अंत से तारीख २२ के ५।५० शाम तक। तारीख ३१ को ५।२४ शाम से रात अंत तक।
पुष्य नक्षत्र – तारीख ७ को ६।२० दिन से तारीख ८ के ११।३७ दिन तक।
नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा – तारीख १२ से १६ तक गोंदवलेश्वर–गोरेश्वर (त्रिवेणी संगम) गोंदागांव (टिमरनी), शूलपाणेश्वर–गरुड़ेश्वर वासला (एकटेश्वर ब्रिज), गुजरात। तारीख २६ से ३० तक माँ विन्ध्यवासिनी, कोटितीर्थेश्वर (आँवलीघाट) सलकनपुर (बुधनी)। *"फलदार पेड़ लगायें।"*

मई माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 2 चन्द्रदर्शन	ता. 19 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 3 अक्षय तृतीया	ता. 26 अचला / अपरा एकादशी व्रत
ता. 4 विनायक चतुर्थी व्रत	ता. 27 प्रदोष व्रत
ता. 8 गंगा सप्तमी	ता. 28 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 10 सीता नवमी, जानकी जयंती	ता. 30 वट व्रत, सोमवती अमावस
ता. 12 मोहिनी एकादशी व्रत	ता. 31 चन्द्रदर्शन
ता. 13 प्रदोष व्रत	**दिगम्बर जैन पर्व**
ता. 14 नृसिंह चतुर्दशी व्रत	ता. 3 अक्षय तृतीया, रोहिणी व्रत
ता. 15 व्रत की पूर्णिमा	ता. 29 भ.शांतिनाथ जयंती व मोक्ष
ता. 16 स्नानदान, वैशाखी पूर्णिमा	ता. 31 रोहिणी व्रत

मासफल – विश्व में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि होगी। राज्य सरकारें, सरकारी व्यय कम करने के प्रयासों में और तेजी लायेंगी। कई क्षेत्रों में पानी की कमी की स्थिति बनेगी। सोना, चाँदी, शेयर, खाद्य सामग्री आदि में आंशिक तेजी रहेगी। देश में रोगों में वृद्धि होगी और लकवा, हृदयाघात से मृत्यु दर का ग्राफ बढ़ेगा। कुछ स्थानों में लू, आँधी, वर्षा आदि से हानि के संकेत हैं।
सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य भरणी नक्षत्र में। तारीख ११ को १०।५ रात से कृतिका नक्षत्र में। तारीख २५ को ७ बजकर ३० मिनिट शाम से रोहिणी नक्षत्र में।
व्यतिपात योग – ता. १४ को ११।३८ दिन से तारीख १५ के ९।२३ दिन तक।
श्वेताम्बर जैन पर्व – ता. ३ वर्षी तप पारणा। ता. १५ एवं ३० पाक्षिक प्रतिक्र.।
पंचांग में तारीख – *पंचांग गणना में तारीख व दिन सूर्योदय से बदलती है न कि रात १२ बजे से इसलिये रात १२ बजे के बाद के समय को इस पंचांग में भी (सूर्योदय के पूर्व तक) पिछली तारीख में लिखा जाता है।*

TM 70 71 72 हमारे यहाँ की सर्वश्रेष्ठ पेपर पर निर्मित ''राजहंस'' ब्रांड कापियों की थोक खरीदी हेतु 08871944563 पर सम्पर्क करें। TM 70 71 72

अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों को भी लाला रामस्वरूप का 'रामनारायन' वाला यही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये।

प्रमुख व्रत उनके लाभ एवं संक्षिप्त विधि विधान

गणगौर तीज

यह व्रत चैत्र शुक्ल तृतीया को होता है। यह सौभाग्यवती स्त्रियों का त्यौहार है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल तीज को शिवजी ने पार्वती को सौभाग्य वर दिया था, पुनः पार्वती ने भी इसी दिन सम्पूर्ण स्त्रियों को सौभाग्य वर दिया। इस दिन सौभाग्यवती स्त्रियाँ मध्यान्ह तक व्रत रखती हैं। पूजन के समय बालू की गौरी बनाकर उनको सौभाग्य संबंधी सभी चीजें जैसे - सिन्दूर, चूड़ी, महावर (आलता) और नये वस्त्र चढ़ाती हैं। चंदन, पुष्प, अक्षत, धूप, दीप, नैवेद्यादि से विधिवत पूजन करने के बाद सुहाग की सामग्री अर्पण की जाती है, तब भोग लगाया जाता है और भोग के बाद कथा कही जाती है। कथा पूरी हो जाने के बाद व्रत रखने वाली सौभाग्यवती स्त्रियाँ गौरी का चढ़ा हुआ सिन्दूर अपनी माँग में लगाती हैं फिर केवल एक बार भोजन करके व्रत समाप्त करती हैं। इस व्रत का प्रसाद केवल स्त्रियों में ही बाँटा जाता है। इस तिथि को सौभाग्य शयन व्रत भी किया जाता है जिसमें शिव पार्वती की पूजा होती है।

वट अमावस

यह व्रत ज्येष्ठ मास की अमावस्या को होता है इसका उद्देश्य सौभाग्य का बंधन तथा पुत्र-पौत्र आदि की प्राप्ति है। सावित्री और सत्यवान की कथा तो प्रसिद्ध ही है कि किस प्रकार सावित्री ने अपनी तपस्या के बल पर अपने पतिदेव को यमराज के पाश से मुक्त किया। सावित्री भारतीय पतिव्रताओं की शिरोमणि हैं। उन्हीं की पुण्य स्मृति में यह व्रत किया जाता है। इसका विधान यह है कि स्नान कर वट वृक्ष के समीप में जाकर आचमन लेकर संकल्प करें। संकल्प का मुख्य उद्देश्य आजन्म सौभाग्य है। वट के मूल में जल दान दें तथा वहीं सावित्री और सत्यवान की मिट्टी की अथवा सोने की मूर्ति बनाकर पूजा करें। पूजा में विशेषतः हल्दी, गंध, पुष्प, अक्षत, ताम्बूल, कुमकुम तथा सिन्दूर चढ़ाना चाहिये। रक्षा सूत से वट को 108 बार लपेटना चाहिये। वट तथा सावित्री को नमस्कार कर घर आवें और दीवाल पर हल्दी तथा चंदन से वृक्ष का चित्र बनाकर पूजा करें। व्रत करने वाली स्त्री को तीन रात तक उपवास करने का विधान है। यह व्रत ज्येष्ठ कृष्ण त्रियोदशी को आरम्भ होता है और अमावस्या को समाप्त होता है। अमावस्या को तारा का दर्शन कर अर्घ्य दें, कथा सुनने के बाद प्रतिमा ब्राह्मण को दान में देनी चाहिये।

हरियाली तीज (स्वर्ण गौरी)

स्वर्ण गौरी व्रत श्रावण शुक्ल तृतीया को किया जाता है। कुछ लोग इसे ही हरियाली या छोटी तीज भी कहते हैं। इस तिथि को ही सुकृत तृतीया का भी व्रत होता है जो सर्व पाप के नाश के लिये किया जाता है। प्रातः स्नान कर लेने के बाद संकल्प करना चाहिये जिसका मुख्य ध्येय जन्म जन्मान्तर में अक्षय सौभाग्य, पुत्र-पौत्र तथा धन की प्राप्ति है। इसके बाद गौरी जी का आवाहन करना चाहिये और विधिपूर्वक षोडशोपचार से पूजा करनी चाहिये। सोलह वस्तुओं से पूजा की जाती है तथा सोलह प्रकार के पकवानों का भोग लगाना चाहिये। इस व्रत को सोलह वर्ष तक करना चाहिये फिर इसका उद्यापन कर देना चाहिये।

कजरी (कज्जली) तीज

यह त्यौहार भाद्रपद कृष्ण तृतीया को मनाया जाता है। यह स्त्रियों का बड़ा मुख्य त्यौहार है। इस दिन स्त्रियाँ नवीन वस्त्र पहनती हैं और अपने शरीर को आभूषणों से सुसज्जित करती हैं। अपने लावण्य को प्रदर्शित करने के लिये कोई भी उपाय नहीं छोड़ती। इसके उपलक्ष्य में हाथ तथा पैर में स्त्रियाँ मेंहदी लगाती हैं। इस दिन स्त्रियाँ रात को जागरण करती हैं और रात भर कजली गाती हैं। इस त्यौहार के दिन स्त्रियाँ खूब सुन्दर-सुन्दर और चित्ताकर्षक कजलियाँ गाती हैं। इस प्रकार से यह त्यौहार सानन्द समाप्त होता है। नागपंचमी के दिन स्त्रियाँ व्रत रहती हैं तथा उस दिन मिट्टी लाकर उसमें जौ या गेहूँ बोती हैं। जहाँ इस मिट्टी के पात्र को घर में रखती हैं वहाँ दीवाल पर या पीढ़ा (पटा) पर भगवती की प्रतिमा बनाई जाती है। इसकी पूजा कर कजरी बोई जाती है। दूज की रात्रि में जागरण तथा कजली गाई जाती है और तीज को यह कजरी नदी या जलाशय में सिरा दी जाती है। जई भाई के कानों में लगाई जाती है और वह इनके बदले कुछ द्रव्य अवश्य देता है।

बहुला चतुर्थी व्रत

यह व्रत भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी को किया जाता है। इस दिन युवतियाँ दिन भर व्रत रखती हैं और सायंकाल नदी या जलाशय में स्नान कर बहुला (गाय) उसके बच्चों तथा सिंह की बालू की प्रतिमा बनाकर इनका फल, पुष्प आदि से विधिवत पूजन करती हैं। तदन्तर बहुला की कथा सुनाती हैं। जौ का सत्तू तथा गुड़ शाम को खाती हैं। यह व्रत संतान का दाता व ऐश्वर्य को बढ़ाने वाला होता है। इस व्रत की कथा से वचन पालन एवं सत्य बोलने की शिक्षा मिलती है।

हलषष्ठी (हरछठ)

भाद्रपद कृष्ण षष्ठी को भगवान् श्रीकृष्ण के ज्येष्ठ भ्राता बलराम जी का जन्म हुआ था, उनका प्रधान आयुध हल था। हल धारण के कारण इस व्रत का नाम हलषष्ठी है। हलषष्ठी ही बिगड़ कर हरछठ या ललही छठ के नाम से काशी में प्रसिद्ध है। यह व्रत पुत्र की कामना करने वाली स्त्रियों के लिये है। प्रातःकाल स्नान करके स्त्रियाँ भूमि लीपकर तथा चौका पूरकर एक छोटा सा तालाब बनाती हैं जिसमें झरबेरी, कांस तथा पलास की एक-एक डंठलों को बांधने से बनी हुई हरछठ को किसी वस्तु में लगा देती हैं तथा इसका विधिवत् पूजन करती हैं। इनके नीचे शिव-पार्वती, गणेश तथा कार्तिकेय इन चार देवताओं की मूर्तियाँ बनाकर धूप तथा नैवेद्य आदि के द्वारा पूजा करना चाहिये। इन चार देवताओं के पूजन मंत्र भिन्न-भिन्न हैं, इन्हीं के द्वारा इन देवताओं का पूजन शास्त्र विहित छः प्रकार के अन्न तथा मेवा नैवेद्य के रूप में दोनियाँ में भरकर अर्पण करना चाहिये। दिन-रात में एक ही बार भोजन करने का विधान है। इसके पूर्ण विधान से मनुष्य पुत्र, पौत्रादि धन से समृद्ध होता है। इस दिन महुये के फूलों के साथ तिन्नी चावल का भोजन करना चाहिये। जोता बोआ अन्न खाना मना है। इसी प्रकार भैंस का दूध, दही, मट्ठा, घी के भोजन करने का विधान है। इस दिन पोई का साग तथा परवल खाया जाता है।

हरितालिका व्रत

यह व्रत स्त्रियों के लिये बड़ा महत्वपूर्ण है। यह परम सौभाग्य, पुत्र-पौत्र तथा सम्पत्ति देने वाला होता है। इसकी तिथि भाद्रपद शुक्ल तृतीया में पड़ने के कारण साधारणतया स्त्रियाँ उसे 'तीज' कहती हैं। भगवती पार्वती का पूजन ही व्रत का प्रधान अंग है। पार्वती भारतीय कन्याओं के लिये आदर्श हैं, उन्होंने अपनी कठिन तपस्या के बल, प्रगाढ़ प्रेम, सदा स्थायी ऐश्वर्य तथा मृत्युंजय पति पाया था। स्त्रियाँ इस व्रत से गौरी के आदर्श को अपना आदर्श मानती हैं और पति के कल्याण के लिये अपना सर्वस्व निछावर करने के लिये तैयार होती हैं।

इसकी विधि यह है कि उस दिन घर को साफ कर गंध धूप से सुसज्जित करें। नया वस्त्र धारण करना इस व्रत में नितांत आवश्यक माना जाता है। घर में मण्डप सजाकर बालू के बने शिव और पार्वती की मूर्ति की स्थापना करें। उसका भलीभाँति पूजन करें। चन्दन, अक्षत, पुष्प आदि से पूजन कर मिष्ठान भोग में लगावें। रात भर गीत, शिव पार्वती के विषय में गाकर जागरण करें। कथा सुनने के उपरांत ब्राह्मण को दान देवें और सौभाग्यवती स्त्रियों को सौभाग्य की चीजें (रोली, सिन्दूर, चूड़ी आदि) देवें। स्त्री को नियमपूर्वक उपवास ही रहना चाहिये। सहनशक्ति अनुसार उपवास पूरे तौर पर करें। फल, दूध आदि खाने में किसी प्रकार का हर्ज नहीं है। इसी व्रत के विधान से पार्वती ने शंकर को पति रूप में प्राप्त किया था, यह कथा प्रसिद्ध है।

महालक्ष्मी व्रत

महालक्ष्मी व्रत भाद्रपद शुक्ल अष्टमी से प्रारम्भ होकर आश्विन कृष्ण अष्टमी तक होता है। यह व्रत सोलह दिन तक किया जाता है और इसी कारण काशी में यह 'सोरहिया' के नाम से प्रसिद्ध है। इसकी समाप्ति सोलहवें दिन अर्थात् आश्विन कृष्ण अष्टमी को होती है। इस व्रत के करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इसके करने से अविच्छिन्न लक्ष्मी की प्राप्ति, पुत्र-पौत्रादि सम्पूर्ण ऐश्वर्य आदि की अभिवृद्धि होती है। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी के दिन प्रातःकाल नदी या कुँये पर स्नान करना चाहिये। स्नान करते समय सोलह बार तक हाथ पैर धोना चाहिये। इसके बाद संकल्प कर व्रत का आरम्भ होता है। इसके बाद सोलह धागे का सूत लें और उसमें मंत्र पढ़ते हुये सोलह ग्रन्थियाँ लगावें। इस सूत्र की पूजा करके अपने दाहिने हाथ में ग्रहण करें और उसके बाद कथा का श्रवण करें। इस प्रकार सोलह दिन तक लगातार इस सूत्र का बराबर क्रमशः पूजा करते रहें तथा कथा श्रवण करते रहें। सोलहवें दिन आश्विन कृष्ण अष्टमी को स्नान करके व्रती पूजागृह में महालक्ष्मी की मूर्ति की पूजा षोडशोपचार द्रव्यों से करें। उसके बाद दाहिने हाथ में धारण किये गये सूत्र को महालक्ष्मी के पास रख दें फिर कथा सुनकर व्रत समाप्त करें। इस व्रत में सोलह चीजों का विशेष महात्म्य है। महालक्ष्मी के सोलह नाम हैं। अतः सोलह प्रकार मिष्ठान, फल, भोजन आदि से भोग लगावें। सोलह ब्राह्मणों को भोजन करावें। सोलह दीपक आटे के दीप में सोलह बत्तीवाली दीप को जलावें और रात्रि में जागरण करें। इस व्रत का उद्यापन सोलह वर्ष के उपरांत होता है। श्री सूक्त का पाठ करना विशेष फल को देने वाला होता है।

जीवितपुत्रिका (जिउतिया)

यह व्रत आश्विन कृष्ण अष्टमी को किया जाता है। इस व्रत को वे स्त्रियाँ करती हैं जिनके पुत्र हैं। यह व्रत पुत्र के दीर्घायु होने के लिये किया जाता है। इसका विधान यह है कि स्त्रियाँ प्रातःकाल स्नान करती हैं। संध्या के समय स्त्रियाँ सूत की बनी जिउतिया पहनकर कथा सुनती हैं। बहुत-सी स्त्रियाँ सोने की जिउतिया बनाकर पहनती हैं। इस दिन वे बिना जल के रहती हैं और दूसरे दिन प्रातःकाल भोजन करती हैं। इसको करने से लड़के दीर्घायु होते हैं। यदि कोई लड़का बड़े भारी खतरे से बच जाता है तो लोग कहते हैं कि इसकी माँ ने खर (खड़ी) जिउतिया की थी। स्त्रियाँ जिउतिया को बहुत-सी कथायें कहकर उसे पहनती हैं।

महालया (पितृपक्ष)

आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को 'महालया' कहते हैं। आश्विन मास का कृष्ण पक्ष 'पितृपक्ष' के नाम से पुकारा जाता है क्योंकि इन दिनों में मरे हुये पितरों के लिये तिलांजलि देकर तथा उनकी मृत्यु तिथि के दिन ब्राह्मण भोजन करा कर पितरों की तृप्ति की जाती है। इस 'पितृपक्ष' को कुछ लोग 'पितरपख' भी कहते हैं। उत्तरप्रदेश के पश्चिमी जिलों में यह 'कनागत' के नाम से बोधित किया जाता है। प्रत्येक मातृ-पितृ विहीन गृहस्थ को चाहिये कि अपने माता-पिता तथा अन्य पितरों को तिलांजलि दें तथा जिस तिथि को वे मरे हों उस तिथि को उनका श्राद्ध कर ब्राह्मण भोजन करायें। स्मृतियों में लिखा है कि जो मनुष्य पितृ पूजन अर्थात् श्राद्ध करता है वह आयु, पुत्र, यश, कीर्ति, पशु, सुख, धन और धान्य को प्राप्त करता है।

शारदीय नवरात्र

आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक शारदीय नवरात्र के नाम से प्रसिद्ध हैं। नवरात्र के सभी दिन बड़े ही पवित्र माने जाते हैं और इन दिनों दुर्गा का पाठ और पूजन सर्वत्र बड़े नियमित रूप से होता है। दुर्गा के पूजा के निमित प्रतिपदा को जो घट स्थापना की जाती है उसकी विधि इस प्रकार है - प्रातःकाल में तेल लगाकर स्नान करके नवरात्र व्रत का संकल्प करें। आरम्भ में किसी पवित्र स्थान से मिट्टी लाकर, उसकी वेदी बनाकर उसमें जौ, गेहूँ बोवें। उस पर यथासामर्थ्य सुवर्ण आदि का कलश स्थापित करें तथा उस कलश पर सोना, चाँदी, ताँबा, मिट्टी अथवा पत्थर की देवी की मूर्ति बनाकर स्थापित करें। भगवती का आवाहन करके आसन, पाद्य, अर्घ, आचमन, स्नान, वस्त्र, अलंकार, गंध, अक्षत, पुष्प, धूप और दीप आदि द्रव्यों से पूजन करना चाहिये। इसके बाद धूप, दीप, नैवेद्य, ताम्बूल, फूल और आरती करके प्रदक्षिणा कर ऋत्विक् का वरण करें और कुमारी पूजन करें।

इन दिनों में एक कन्या के पूजन करने से ऐश्वर्य की, दो से भोग और मोक्ष की, तीन से धर्म, अर्थ और कर्म की, चार से राज्यपद की, पाँच से विद्या की, छः से षट्कर्म सिद्धि की, सात से राज्य की, आठ से सम्पदा की और नौ से पृथ्वी के प्रभुत्व की प्राप्ति होती है। अतः नवरात्र में कुमारी पूजन अवश्य करना चाहिये। प्रतिपदा को घट स्थापना करने के पश्चात् दशमी तक नित्य प्रति दुर्गा का पाठ करना चाहिये तथा जप, देवी भागवत् श्रवण करते हुये उपवास या एकभुक्त रहना चाहिये।

करवा चौथ (करक चतुर्थी)

यह गणेश करवा चौथ व्रत कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को किया जाता है। इस व्रत के करने से अखण्ड सौभाग्य पुत्र, पौत्रादि और अतुलनीय यश की प्राप्ति होती है। व्रत रखने वाली स्त्री को चाहिये कि वह प्रातःकाल स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प करें। इसमें शिव-पार्वती, गणेश एवं स्वामी कार्तिकेय चंद्रमा की मूर्ति बनाकर इनकी पूजा षोडशोपचार से करें। पूजन के पश्चात् ब्राह्मणों को पूवों से भरे हुये ताँबा या मिट्टी के बर्तनों का दान करें। चन्द्रमा के उदय हो जाने पर अर्घ्य देकर कहानियाँ सुनें। इसके बाद व्रत करने वाली स्त्री पारणा करें।

अहोई व्रत

यह व्रत कार्तिक कृष्ण अष्टमी को होता है। इस दिन लड़के की माँ व्रत रखती है दिन भर उपवास रखा जाता है और संध्या को सब प्रकार की कच्ची रसोई बनाई जाती है। संध्या में दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली बनाई जाती है। उसी के पास साही के बच्चों की और साही की आकृति बनाई जाती है। जमीन पर गोबर से लीपकर या स्वच्छ स्थान पर कलश की स्थापना की जाती है। इसके बाद विधिवत कलश पूजन के बाद अष्टमी का (जो दीवाल पर लिखी हुई रहती है) पूजन होता है तथा दूध-भात का भोग लगाया जाता है और कथा सुनी जाती है। इसे अहोई अष्टमी का व्रत कहते हैं। गुजरात में अहोई व्रत मनाया जाता है। उस दिन चन्द्रमा का उदय अष्टमी में होता है।

भाई दोज

भ्रातृ द्वितीया जो भाई दूज के नाम से भी लोकप्रिय है। यह व्रत कार्तिक शुक्ल द्वितीया को होता है। इस व्रत का ध्येय भाई और बहिन का मेल है। कहीं भी भाई रहता है, उस दिन बहन के घर आकर भोजन करता है। इस प्रकार बहन अपने भाई की पूजा करती है। भाई और बहन में स्वाभाविक प्रेम होना चाहिये। इसको प्रदर्शित करने के लिये यह दिन रखा गया है।

सूर्य षष्ठी (डाला छठ)

यह व्रत कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को होता है। यह विशेषकर डाला छठ के नाम से प्रसिद्ध है क्योंकि सब वस्तुयें एक डाल में पूजा के लिये रखी जाती हैं। यह व्रत पुत्र के हो जाने पर उसकी दीर्घायु के लिये किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी के ही दिन एक बार बिना नमक का भोजन करना पड़ता है। दूसरे दिन षष्ठी को स्त्रियाँ बिना जल के दिन भर रहती हैं, उस दिन संध्या को अर्घ्य दिया जाता है। स्त्रियाँ विविध प्रकार के फल, नारियल, केला तथा मिठाई पूजा के लिये ले जाती हैं। घाट पर वहाँ सब स्त्रियाँ गीत गाती हैं और फिर कुछ रात बीतने पर घर लौटती हैं। उस दिन रात भर जागरण कर गीत गाती हैं, फिर वे घाट पर आती हैं और नदी या तालाब में स्नान कर गीत गाने लगती हैं। गीत का विषय सूर्य का शीघ्र उगना ही रहता है। वे प्रार्थना करती हैं कि संसार को प्रकाश देने वाले सूर्य हमारे अर्घ्य को ग्रहण कीजिये। सूर्य भगवान् के उदय होने पर दूध से अर्घ्य दिया जाता है, तब यह व्रत समाप्त होता है। इस व्रत में संध्या के समय षष्ठी में अर्घ्य दिया जाता है और प्रातःकाल सप्तमी में। इस कारण इस व्रत में कई दिन तक बिना जल का रहना पड़ता है, इसलिये यह बड़ा कठिन व्रत है। इसके करने से भगवान् सूर्य प्रसन्न होते हैं और व्रतियों को आशीर्वाद देते हैं जिससे उनकी मनोकामना पूरी होती है।

प्रदोष व्रत

यह व्रत शिवजी की प्रसन्नता और प्रभुत्व की प्राप्ति के प्रयोजन से प्रत्येक मास के कृष्ण और शुक्ल दोनों पक्षों में प्रदोषकाल की त्रियोदशी के दिन किया जाता है। शिव पूजन और रात्रि भोजन के अनुरोध से इसे प्रदोष कहते हैं। इसका समय सूर्यास्त से दो घड़ी रात बीतने तक है। जो मनुष्य प्रदोष के समय परमेश्वर (शिवजी) के चरण कमल का मन से आश्रय लेता है उसको धन-धान्य, पुत्र-पुत्री, बन्धु-बान्धव और सुख-सम्पत्ति सदैव बढ़ती रहती है। यदि कृष्ण पक्ष में सोम और शुक्ल पक्ष में शनि हो तो उस प्रदोष का विशेष फल होता है।

सत्यनारायण व्रत

इस व्रत के लिये किसी विशेष दिन और विशेष स्थान की आवश्यकता नहीं होती, किसी भी शुभ दिन को इसका अनुष्ठान किया जा सकता है परन्तु विशेषकर यह व्रत एकादशी और पूर्णिमा को किया जाता है। पहिले आरम्भ में विघ्न शांति के लिये गणेश जी का पूजन किया जाता है। अनन्तर विष्णु भगवान् का विधिवत् पूजन तथा अर्चन किया जाता है। भगवान का षोडशोपचार से पूजन करना चाहिये। प्रसाद के लिये फल, आटा का चीनी मिश्रित चूर्ण, मिष्ठान आदि रखना चाहिये। पूजन के अनन्तर कथा सुनें और रक्षा सूत्र धारण करें एवं प्रसाद ग्रहण करें और उसे मित्रों तथा सम्बंधियों में बाँटें। बिना दक्षिणा का यज्ञ निष्फल होता है। अतः कथा वाचने वाले ब्राह्मण को यथाशक्ति दक्षिणा दें।

एकादशी व्रत

सभी तीर्थों में प्रधान, विघ्ननाशक, सिद्धिदायक होती है एकादशी। सनातन धर्मानुयायी हिन्दुओं में एकादशी के व्रत की बड़ी महिमा है। यह सर्वाधिक लोकप्रिय व्रत है। यों तो स्त्री और पुरुष दोनों ही इसे करते हैं, किन्तु पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों में इसका अधिक प्रचलन है। एकादशी महीने में दो बार आती है। एक कृष्ण पक्ष की एकादशी और दूसरी शुक्ल पक्ष की एकादशी, दोनों एकादशी का महत्व एक-सा है।

वैष्णव लोग द्वादशी युक्त एकादशी को व्रत रखते थे और स्मार्त लोग दशमी युक्त एकादशी को, किन्तु सिद्धांत रूप से यह उदय व्यापिनी ली जाती है। एकादशी में दो एकादशियों को निर्जल रहने का विशेष फल है। एक ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी जिसे निर्जला एकादशी भी कहते हैं और दूसरी कार्तिक शुक्ल एकादशी, जिसे प्रबोधिनी एकादशी कहते हैं किन्तु अन्य एकादशियों में फलाहार करना चाहिये। केवल सूर्यास्त के पूर्व एक बार फलाहार करने का विशेष फल है।

गणेश चतुर्थी व्रत

इसे संकष्टा चतुर्थी व्रत भी कहते हैं। यदि निकट भविष्य में किसी अमिट संकट की शंका हो या पहले से ही संकटापन्न अवस्था बनी हुई हो तो उसके निवारण के निमित इस व्रत को करना चाहिये। यह व्रत सभी महीनों में कृष्ण चतुर्थी (चंद्रोदय व्यापी) को किया जाता है।

षोडशोपचार

इसमें सोलह प्रकार के पूजन-उपचार बताये हैं। ये सोलह उपचार इस प्रकार हैं - आसन, स्वागत, अर्घ्य, पाद्य, आचमन, मधुपर्क, स्नान वस्त्र, आभरण, सुगंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य (अन्न भोजन), माल्य, अनुलेपन (चन्दन, माला आदि) और नमस्कार।

ये पंचांग खरीदते समय ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 पूरा देखें अन्यथा कुछ विक्रेताओं द्वारा मिलते हुये नाम एवं नम्बर का पंचांग आपको थमाया जा सकता है।

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

चमड़ी में घुसते नाखून

कुछ लोगों के नाखूनों की रचना ऐसी होती है कि वे बढ़ते हुये चमड़ी के अन्दर घुसते जाते हैं जिससे दर्द एवं परेशानी बढ़ जाती है ऐसे लोगों को इन नाखूनों को प्रतिदिन नहाने के बाद उन नाखूनों के ऊपरी दोनों कोनों को हल्का उठाना एवं उनके नीचे की चमड़ी को नीचे की तरफ दबाना व क्रीम लगाना चाहिये जिससे प्रतिदिन बढ़ा हुआ नाखून चमड़ी से बाहर होता जाये।

ता. 2 महाराणा प्रताप जयंती

ता. 18 झांसी की रानी लक्ष्मीबाई बलि.दि.

मैरिज डे

बर्थ डे

ता. 24 रानी दुर्गावती बलि.दि.

ए.सी. से भागता है मीटर

ए.सी. के उपयोग से बिजली मीटर तेज रफ्तार से भागता है। ए.सी. में फिट गैस की नलियाँ एवं जाली पर जमी धूल की समय-समय पर सफाई करने एवं ए.सी. उपयोग के समय टेंप्रेचर की सेटिंग 24 से 26 डिग्री रखने व कम के दरवाजे-खिड़की बंद रखने से बिजली बिल में कमी लाई जा सकती है। भवन में फालतू जल रही बिजली को बंद कर पैसा बचायें।

वर्षा और किचन जल व्यर्थ न बहने पाये, करिये कुछ ऐसे जतन, ये धरती में ही समाये।

भद्रास्थिति – ता. ३ को १०।३१ दिन से ११।१८ रात तक। ता. ६ को ३।३ रात से ता. ७ के ३।१२ दिन तक। ता. १० को १।५४ दिन से १।२० रात तक। ता. १३ को ७।४८ रात से ता. १४ के ६।७८ प्रातः तक। ता. १६ को ११।२० रात से ता. १७ के १०।७ दिन तक। ता. १९ को ३।५५ रात से ता. २० के ३।१० दिन तक। तारीख २३ को १२।४१ दिन से १२।३७ रात तक। तारीख २६ को ३।१३ रात से तारीख २७ के ४।४ शाम तक भद्रा रहेगी।
गुरु, शुक्र तारा – पूर्व दिशा में उदित। "मच्छर के काटने से बचें।"
पंचक – तारीख १८ को १२।१३ रात से तारीख २३ के १०।१२ दिन तक।
कोरोना की घातकता से बचाव हेतु टीके की दोनों डोज अवश्य लगवायें।

विक्रम संवत् 2079 | वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायन

JUNE 2022

सूर्य उत्तरायण, ग्रीष्म/वर्षा ऋतु | ईस्वी सन् | शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – मिथुन का। ता. ३ को ६।४७ दिन से कर्क का। ता. ५ को ८।५६ रात से सिंह का। ता. ८ को ५।४४ प्रातः से कन्या का। ता. १० को १२।६ दिन से तुला का। ता. १२ को ४।२२ शाम से वृश्चिक का। ता. १४ को ७।१३ रात से धनु का। ता. १६ को ६।३० रात से मकर का। ता. १८ को १२।१३ रात से कुम्भ का। ता. २० को ४।१३ रात अंत से मीन का। ता. २३ को १०।१२ दिन से मेष का। ता. २५ को ६।४४ शाम से वृष का। ता. २७ को ५।२७ रात अंत से मिथुन का। ता. ३० को ५।१३ शाम से कर्क का चन्द्रमा रहेगा। *अपने घर के बगीचे में फल-सब्जी के पौधे अवश्य लगायें।*
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १५ तक वृष लग्न, ता. १६ से मिथुन लग्न।

ग्रहों के राशिचार तारीख १ उदयकाल में

३ चं.	२	श.बु.१	१२ मं. गु.
४	सू.बु.	११ श.	
५			१०
६	७ के.	८	९

हिजरी सन् 1443

जिल्काद मास (11)

ता.1 जिल्काद मास प्रा., ता.30 चंद्रदर्शन

नोट – हिजरी तारीखें, ईस्वी तारीख वाले खाने के बांये कोने में ऊपर की तरफ छोटे अंकों में दर्शायी गई हैं।

6 जून

ज्येष्ठ/आषाढ़ मास (4)

रा.शक सं.1944

रा.ज्येष्ठ 11 से रा.आषाढ़ 9 तक (ता. 22 से राष्ट्रीय आषाढ़ मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1429

बंग ज्येष्ठ, ता.16 से आषाढ़ मास प्रारंभ

ग्रहों के राशिचार ता. १६ उदयकाल में

४	३	२ बु.	१ गु. रा.
५	शु.	१२ मं. गु.	
६			११ श.
७ के.	८ चं.	९	१०

दूध हिसाब | धुलाई को कपड़े | तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	कपड़े	तिथि	समय बजे तक
1				२	७।२२ रात तक
2				३	६।२३ रात तक
3				४	११।१८ रात तक
4				५	१२।५७ रात तक
5				६	२।१४ रात तक
6				७	३।३ रात तक
7				८	३।२१ रात तक
8				९	३।६ रात तक
9				१०	२।२८ रात तक
10				११	१।२० रात तक
11				१२	११।४८ रात तक
12				१३	९।५६ रात तक
13				१४	७।४८ रात तक
14				१५	५।२८ शाम तक
15				१	३।२ दिन तक
16				२	१२।३३ दिन तक
17				३	१०।७ दिन तक
18				४	७।४६ प्रातः तक
19				५	५।४४ प्रातः तक
				६	३।५५ रात तक
20				७	२।२५ रात तक
21				८	१।२१ रात तक
22				९	१२।४४ रात तक
23				१०	१२।३७ रात तक
24				११	१ बजे रात तक
25				१२	१।५३ रात तक
26				१३	३।१३ रात तक
27				१४	४।५५ रा.अं.तक
28				३०	दिन-रात
29				३०	६।५१ प्रातः तक
30				१	८।५२ दिन तक
योग					

ग्रहस्थिति

सूर्य – वृष राशि में, ता. १५ के ७।११ रात से मिथुन राशि में। **मंगल** – मीन राशि में, ता. २७ के ६।२ प्रातः से मेष राशि में। **बुध** – वृष राशि में (वक्री), ता. ४ के ६।२३ दिन से मार्गी। **गुरु** – मीन राशि में। **शुक्र** – मेष राशि में, तारीख १८ के ६।५७ दिन से वृष राशि में। **शनि** – कुम्भ राशि में, तारीख ५ के १ बजकर २० मिनिट दिन से वक्री। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में। *"रक्तदान महादान"*

जागरूक बनो प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि ३१ अगस्त है जिसमें भाग लेकर आप इनाम भी जीत सकते हैं। विस्तृत जानकारी अन्य बैक पेज पर देखें।

कृपया सुझाव भेजें अपने इस पंचांग को और अधिक उपयोगी बनाने के लिये आप अपने अमूल्य सुझाव हमें अवश्य भेजते रहें।

ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन)
ता. 2 म. प्रताप जयंती
ता. 8 महेश नवमी
ता. 9 बिरसा मुंडा श.दि.
ता. 14 संत कबीर जयंती
ता. 24 रानी दुर्गावती ब.दि.

वार					
रवि SUNDAY		5 ज्येष्ठ शुक्ल ६	12 बड़ा महादेव पूजन, प्रदोष व्रत, ज्येष्ठ शुक्ल १३	19 आषाढ़ कृ. ५/६	26 प्रदोष व्रत, आषाढ़ कृष्ण १३
सोम MONDAY		6 ज्येष्ठ शुक्ल ७	13 ज्येष्ठ शुक्ल १४	20 आषाढ़ कृष्ण ७	27 शिव चतुर्दशी व्रत, आषाढ़ कृष्ण १४
मंगल TUESDAY		7 ज्येष्ठ शुक्ल ८	14 संत कबीर जयंती, द.वट पूर्णिमा व्रत, स्ना.दा.व्र.पूर्णिमा १५	21 बसोरा, शीतलाष्टमी ८	28 हलहारिणी अमावस्या, स्ना.दा.श्रा.अमावस ३०
बुध WEDNESDAY	1 ज्येष्ठ शुक्ल २	8 महेश नवमी, ज्येष्ठ शुक्ल ९	15 आषाढ़ कृष्ण १	22 आषाढ़ कृष्ण ६	29 स्ना.दा.अमावस्या ३०
गुरु THURSDAY	2 रम्भा तीज, ज्येष्ठ शुक्ल ३	9 गंगा दशहरा, ज्येष्ठ शुक्ल १०	16 आषाढ़ कृष्ण २	23 आषाढ़ कृष्ण १०	30 गुप्त नवरात्रारम्भ, आषाढ़ शुक्ल १
शुक्र FRIDAY	3 विनायकी चतुर्थी व्रत, ज्येष्ठ शुक्ल ४	10 निर्जला एकादशी, ज्येष्ठ शुक्ल ११	17 गणेश चतुर्थी व्रत, आषाढ़ कृष्ण ३	24 योगिनी एकादशी, आषाढ़ कृष्ण ११	
शनि SATURDAY	4 ज्येष्ठ शुक्ल ५	11 ज्येष्ठ शुक्ल १२	18 आषाढ़ कृष्ण ४	25 आषाढ़ कृष्ण १२	

मूल
अश्लेषा के ता. ४ को ६।५५ शाम से ता. ५ के ८।५६ रात तक फिर मघा के ता. ६ के १०।३० रात तक। ज्येष्ठा के ता. १३ को ८।४५ रात से ता. १४ के ७।१३ रात तक फिर मूल के मूल ता. १५ के ५।३५ शाम तक। रेवती के ता. २२ को ६।४४ दिन से ता. २३ के १० बजकर १२ मिनिट दिन तक फिर अश्विनी के ता. २४ के ११ बजे दिन तक रहेंगे।

सूर्य उदय दिनांक 1 – 5:28 | 5 – 5:27 | 10 – 5:26 | 15 – 5:27 | 20 – 5:28 | 25 – 5:29

सूर्य अस्त दिनांक 1 – 6:47 | 5 – 6:48 | 10 – 6:50 | 15 – 6:50 | 20 – 6:52 | 25 – 6:53

याददाश्त

राशिफल

मेष – पुत्र सुख, चोरादि भय, धन हानि
वृष – भूमि लाभ, धनागम, खर्च अधिक
मिथुन – स्थान परिवर्तन, शुभ समाचार
कर्क – स्त्री सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट
सिंह – भवन लाभ, संतान सुख, वाहन कष्ट
कन्या – तीर्थयात्रा, रोग वृद्धि, मित्र सुख
तुला – मित्र मिलन, मांगलिक समाचार
वृश्चिक – नया विचार, संतान सुख, यात्रा
धनु – भागीदारी में विवाद, खर्च अधिक
मकर – मेहमान आगमन, संतान सुख
कुंभ – व्यर्थ खर्च, परेशानी, मित्र सहयोग
मीन – पदोन्नति, संतान सुख, वाहन लाभ

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 1,5 से 17, 21 से 23,26
मुण्डन – तारीख 10 **उपनयन** – ता. 10
नामकरण – ता. 1,2,9,16,20,23,30
अन्नप्राशन – ता. 1,2,9,16,20,23,30
गृह प्रवेश – तारीख 10
व्यापार प्रारंभ – तारीख 4, 10

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 2 महाराणा प्रताप व छत्रसाल जयंती
ता. 3 गुरु अर्जुनदेव पुण्यतिथि
ता. 5 विश्व पर्यावरण दिवस
ता. 9 बिरसा मुण्डा शहीद दिवस
ता. 14 विश्व रक्तदान दिवस
ता. 15 गुरु हरगोविंद जयंती
ता. 16 सिंधु सम्राट म. दाहरसिंह ब.दिवस
ता. 18 झाँसी रानी लक्ष्मीबाई बलि.दिवस
ता. 21 अंतर्राष्ट्रीय योग एवं संगीत दिवस
ता. 24 वीरांगना दुर्गावती बलिदान दिवस
ता. 26 अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस
ता. 27 मधुमेह (डायबिटीज) जागृति दि.

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को सूर्योदय से ११।२४ दिन तक। ता. २ को २।१ दिन से ता. ३ के ४।३५ शाम तक। ता. ११ को सूर्योदय से ११।११ रात तक। ता. १३ को सूर्योदय से ८।४५ रात तक। ता. १७ को २।१८ दिन से ता. १८ के १२।५० दिन तक। ता. २१ को १०।४ दिन से रात अंत तक। ता. २३ को सूर्योदय से ता. २४ के ११ बजे दिन तक। ता. २७ को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. ३० को सूर्योदय से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. २७ को ४।१३ शाम से रात अंत तक। ता. ३० को ११।५२ रात से रात अंत तक।
त्रिपुष्कर योग – ता. ११ को ११।११ रात से ११।४८ रात तक। तारीख २५ को १२।१७ दिन से १।५३ रात तक। **पुष्य नक्षत्र** – तारीख ३ को ४।३५ शाम से तारीख ४ के ६।५५ शाम तक फिर तारीख ३० के ११।५२ रात से प्रारम्भ।
नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा – ता. १० से १४ तक बिल्वामृतेश्वर-नीलकंठेश्वर (रानी रूपमती स्मृति) धरमपुरी (धार)। *"इस मौसम में फलदार पेड़ लगायें।"*

जून माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 2 रम्भा तीज व्रत
ता. 3 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 8 महेश नवमी (माहेश्वरी समाज)
ता. 9 गंगा दशहरा
ता. 10 निर्जला एकादशी व्रत
ता. 12 प्रदोष व्रत, बड़ा महादेव पूजन वट पूर्णिमा तीन दिनी व्रतारंभ
ता. 14 द. वट सावित्री पूर्णिमा व्रत, स्नानदान व्रत पूर्णिमा
ता. 17 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 21 शीतलाष्टमी, बसोरा
ता. 24 योगिनी एकादशी व्रत
ता. 26 प्रदोष व्रत
ता. 27 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 28 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या, हलहारिणी अमावस्या
ता. 29 स्नानदान अमावस्या
ता. 30 चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रारंभ

अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों को भी यही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये

मासफल – इस मास देश के सीमावर्ती प्रांतों में उग्रवाद से सरकार की परेशानी बढ़ेगी, अफवाहों का दौर चलेगा। पड़ोसी राष्ट्रों में अचानक भयावह स्थिति बन सकती है। केन्द्र की कुछ राज्यों से तनातनी बढ़ेगी। शेयर, सोना, चाँदी, ताँबा, लोहा एवं खाद्य पदार्थों में सामान्य तेजी-मंदी रहेगी। देश के कई हिस्सों में सामान्य वर्षा की स्थिति रहेगी लेकिन उमस भरी गर्मी से बेचैनी बढ़ेगी।
सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य रोहिणी नक्षत्र में। तारीख ८ को ६ बजकर ५५ मिनिट शाम से मृगशिरा नक्षत्र में। तारीख २२ को ७ बजकर ४२ मिनिट शाम से आर्द्रा नक्षत्र में (संज्ञा-स्त्री-पुरुष, चंद्र-चंद्र, वाहन-मेष, वर्षा श्रेष्ठ)।
व्यतिपात योग – ता. ८ को ११।५१ रात से तारीख ९ के १०।२२ रात तक।
दिगम्बर जैन पर्व – तारीख ४ श्रुत पंचमी। तारीख २७ रोहिणी व्रत।
श्वेताम्बर जैन पर्व – तारीख १३ एवं २७ पाक्षिक प्रतिक्रमण।
इस पंचांग के सभी पृष्ठों को ध्यान से पढ़कर जागरूक बनिये।

TM 70 71 72 **दूषित हाथ, पानी, बर्फ का गोला या अच्छे से न धुली कच्ची धनिया पत्ती या उसकी चटनी के सेवन से बीमार हो सकते हैं।** TM 70 71 72

मानसिक रोग किसी को भी हो सकता है

प्रेषक - डॉ.रत्नेश कुररिया (मानसिक रोग विशेषज्ञ) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जबलपुर मो.नं. 7509484909

विश्व में मानसिक रोग तेजी से बढ़ती बीमारी है, यह किसी भी उम्र में, किसी को भी, कभी भी (अन्य शारीरिक रोगों की तरह) हो सकता है। जिस तरह तन की बीमारियाँ होती हैं उसी तरह मन की बीमारियाँ भी होती हैं। मन की बीमारी का इलाज परिवार के सदस्यों की जागरूकता पर निर्भर है क्योंकि जिस मरीज को मन की बीमारी होती है उसे अपनी बीमारी का पता ही नहीं रहता। ऐसे में परिवार की भूमिका अहम हो जाती है। अगर परिवार के सदस्य मरीज को मनोचिकित्सक के पास ले जाने में देर करेंगे तो मर्ज बढ़ता ही जायेगा जिससे अन्य नुकसान जैसे - आत्महत्या, व्यापार में घाटा, नौकरी से छुट्टी, झगड़े आदि का सामना करना पड़ सकता है। मनोरोग प्रेत, बला नहीं है अतः झाड़-फूँक के चक्कर में समय खराब न करें।

डिप्रेशन (लम्बी उदासी)

सामान्यतया सभी व्यक्ति विछोह अथवा हानि से उदास या दुखी हो जाते हैं जैसे सगे-संबंधी की मृत्यु के पश्चात्, कर्जा, कोई आर्थिक हानि होने पर, नौकरी न मिलने के कारण, चलता व्यापार बंद हो जाना या परीक्षा में असफल हो जाने के कारण, बीमारी, मृत्यु या अन्य कोई भय, पारिवारिक वातावरण इत्यादि। परन्तु यह उदासीनता परिस्थिति के अनुसार ही होती है और समय के साथ-साथ धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है। यदि यह **उदासी बहुत समय तक बनी रहे** तथा व्यक्ति के कार्यों एवं पारिवारिक जीवन को प्रभावित करने लगे तब इसको **डिप्रेशन** कहते हैं।

कुछ व्यक्तियों में विटामिन की कमी या अन्य दूसरे रोग जैसे थायराइड हारमोंस, बढ़ी हुई शुगर, नींद की कमी, दवाई का असर, नशा से भी डिप्रेशन की स्थिति बन सकती है परन्तु कभी-कभी मस्तिष्क के कुछ रसायन की कमी भी डिप्रेशन का कारण होती है।

डिप्रेशन रोग के प्रमुख लक्षण

डिप्रेशन में व्यक्ति हमेशा उदास और निराश अनुभव करता है। वह अपने भविष्य के बारे में उत्साहहीन हो जाता है, हँसना भी भूल जाता है। उसे बार-बार रुलाई आने लगती है। कई बार रोगी अपने आपको और अपने जीवन को भार समझने लगता है जिसके फलस्वरूप उसमें आत्महत्या की प्रवृत्ति भी कभी-कभी उत्पन्न हो जाती है। इन्हें किसी से मिलना जुलना पसन्द नहीं रहता, किसी भी काम में मन नहीं लगता या बार-बार गलतियाँ होना और इनकी खाने पीने एवं मनोरंजन की भी इच्छा कम हो जाती है। इस रोग में बहुधा व्यक्ति अपने आपको बिलकुल बेकार, असहाय तथा कभी-कभी अपने को अपराधी भी समझने लगता है। कुछ रोगी तो यहाँ तक निराश हो जाते हैं कि ऐसा सोचने लगते हैं कि जो कुछ भी उनके परिवार में बुरा हो रहा है वह उनके ही कारण है। उन्हें नित्य के छोटे-छोटे काम करना भी भारी लगने लगता है जैसे - नहाना, कपड़े साफ करना या खाना बनाना आदि। उनकी नींद कम हो जाती है। परिस्थिति जन्य डिप्रेशन में रात को देर से नींद आती है और अकारण डिप्रेशन में सुबह नींद जल्दी टूट जाती है। इसके अतिरिक्त भूख कम हो जाती है तथा वजन घट जाता है। उनकी सभी इच्छायें कम हो जाती हैं और थकान की भावना बनी रहती है। चाल भी सुस्त हो जाती है, शरीर के किसी भी भाग मे दर्द अथवा कमजोरी महसूस हो सकती है। रोगी कई बार इतना निराश हो जाता है कि वे चिकित्सा नहीं कराना चाहते क्योंकि वह यह समझने लगते हैं कि चिकित्सा में किया गया व्यय भी व्यर्थ होगा। उन्हें अपने ठीक होने की सम्भावना नहीं लगती।

उपरोक्त सभी लक्षण हर रोगी में नहीं पाये जाते हैं। अगर डिप्रेशन हल्का होता है तो लक्षणों की तीव्रता कम होती है और रोगी केवल अपने आप में उदासी महसूस करता है। यदि डिप्रेशन तीव्र होता है तो उपरोक्त लक्षण अधिकतर पाये जाते हैं तथा अत्याधिक डिप्रेशन होने पर रोगी खाना-पीना छोड़ देता है और बुत की तरह हो जाता है और उसी तरह चाल भी धीमी हो जाती है।

डिप्रेशन के रोग वंशानुगत भी हो सकते हैं और स्वतः ठीक भी हो सकते हैं फिर भी मनोचिकित्सक से सलाह लेना ही उचित है।

मेनिया (अति उत्साह)

कुछ रोगियों में मस्तिष्क के कुछ रसायन बढ़ जाते हैं तब डिप्रेशन की विपरीत स्थिति पैदा होती है जिसे मेनिया कहते हैं।

मेनिया के मुख्य लक्षण निम्न हैं

इसमें रोगी अत्याधिक प्रसन्न व उत्साही हो जाता है। उनके दिमाग में नई-नई योजनायें बनती रहती हैं और बहुत जल्दी एक बड़ा अमीर बनने का प्रयास करने लगते हैं। विचारों की तेजी के कारण वह विभिन्न प्रकार के नये काम करना प्रारम्भ कर देता है किन्तु किसी भी काम को ठीक ढंग से सम्पन्न नहीं कर पाते। इनको बहुधा यह भ्रम हो जाता है कि वह बहुत बड़े नेता या प्रभावशाली व्यक्ति हैं और समझाने पर भी इस बात को नहीं मानते है कि वास्तव में ऐसा नहीं है।

जोर-जोर से बातें करने लगते हैं, वे अत्याधिक खर्चे करने लगते हैं। रंग-बिरंगे और नये फैशन के कपड़े पहनना पसंद करने लगते हैं। अत्याधिक और धारा प्रवाह में बोलते हैं जिससे बहुधा इनकी बात भी समझना मुश्किल हो जाता है। यह शेरो-शायरी का भी प्रयोग करने लगते हैं।

उनकी नींद कम हो जाती है, बहुधा रात को एक-दो घंटे ही सोते हैं और जब सुबह दो-तीन बजे उठ जाते हैं तो उसी समय से घर वालों को उठने के लिये उत्साहित करते हैं। ये एक स्थान पर स्थिर नहीं बैठ सकते, हमेशा चलते-फिरते रहते हैं। सड़क चलते लोगों से भी बातें करने लगते हैं। इनकी इच्छायें बढ़ जाती हैं और बिना सोचे-विचारे किसी से भी गलत व्यवहार कर सकते हैं। यदि इनको किसी भी कार्य करने से रोका जाये तो यह अत्याधिक क्रोधित हो जाते हैं और मार-पीट भी करने लगते हैं। भूख बढ़ जाती है परन्तु बहुधा ये इतनी उत्तेजना में रहते हैं कि इन्हें खाने का समय ही नहीं मिल पाता जिस वजह से यह लोग चिड़चिड़ाते रहते हैं।

मानसिक रोगों की उत्पत्ति के कारण

डिप्रेशन रोग अधिकतर वंशानुक्रम के प्रभाव के कारण होता है। यह आवश्यक नहीं है कि रोगी के निकट संबंधियों में कोई इस रोग से पीड़ित हो लेकिन बहुधा इस प्रकार के रोग उनके संबंधियों में मिलते हैं। वंशानुक्रम के कारण इन रोगियों के मस्तिष्क में कुछ विशेष रसायन स्वतः घटते या बढ़ते रहते हैं। जब यह रसायन घटते हैं तो डिप्रेशन हो जाता है। कुछ समय पश्चात् यह रसायन स्वतः सामान्य भी हो जाते हैं। अतः यदि इस रोग की चिकित्सा भी न की जावे तो रोगी स्वयं सामान्य हो जाता है। यदि यह रसायन बढ़ जाते हैं तो मेनिया हो जाता है और यह भी कुछ समय पश्चात् स्वतः ठीक हो जाता है। कुछ रोगियों में यह रसायन केवल घटते ही हैं और बढ़ते नहीं हैं। ऐसे में बार-बार डिप्रेशन रोग होता रहता है।

मनोचिकित्सक से सलाह जरूरी

मेनिया के रोग वंशानुगत भी हो सकते हैं और स्वतः ठीक भी हो सकते हैं फिर भी निम्न कारणों से मनोचिकित्सक से सलाह लेना ही उचित है क्योंकि मेनिया का रोगी भी रोग होने के समय व्यर्थ के झगड़े-फसाद, फिजूल खर्ची इत्यादि के कारण स्वयं को एवं अपने संबंधियों को अत्याधिक नुकसान पहुँचा सकता है। इसलिये इन रोगियों की मनोचिकित्सक से समय पर चिकित्सा कराना या सलाह लेना अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

स्किजोफ्रेनिया

इसमें मरीज के सोच विचार, मन और वास्तविक परिस्थिति को महसूस करने में अन्तर आता है। उन्हें कानों में आवाजें आती हैं, जिसके फलस्वरूप वे बुदबुदाते हैं, हँसते हैं या रोते हैं। लोगों पर, पत्नी पर या पड़ोसी पर शक करना, अपने आप में खोये रहना, घर से बाहर न निकलना। कुछ मरीज अधिक पूजा पाठ करते हैं या एकही स्थान पर घंटों खड़े रहते हैं, उन्हें नींद नहीं आती है तथा खाने-पीने, नहाने-धोने की सुध नहीं रहती है।

उपचार – इस रोग का उपचार मनोचिकित्सक की देखरेख में शीघ्र करवाना चाहिये। ऐसे रोगियों के इलाज में जरा भी लापरवाही नहीं होना चाहिये।

ऐंक्ज्याइटी (घबराहट)

इस रोग में रोगी को लगभग हर समय एक प्रकार की घबराहट बनी रहती है। विभिन्न प्रकार की चिंतायें और भय अनुभव होते रहते हैं, जैसे कुछ बुरा हो जायेगा या विपत्ति आ जायेगी। इस प्रकार की मानसिक स्थिति कई सप्ताह तक बनी रह सकती है। यदि यह लक्षण कुछ ही समय तक रहे तो इसे रोग की संज्ञा नहीं देना चाहिये। कभी-कभी यह बीमारी कुछ विषम परिस्थितियों में उत्पन्न हो जाती है, परन्तु यह बिना किसी विशेष परिस्थिति के भी उत्पन्न हो सकती है।

रोग के लक्षण :– (1) घबराहट एवं बेचैनी (2) भविष्य के बारे में चिन्ता (3) नींद देर से आना अथवा बार-बार टूट जाना (4) ध्यान केन्द्रित करने में कठिनाई अनुभव करना (5) माँसपेशियों में तनाव होना जिसके कारण सिर दर्द अथवा शरीर के किसी भाग में दर्द अथवा कम्पन होना (6) दिल धड़कना (7) पेट में जलन सी महसूस होना (8) मुँह सूखना, इत्यादि।

उपरोक्त लक्षण कम या ज्यादा मात्रा में हर समय बने रहते हैं, कभी घट जाते हैं और कभी बढ़ जाते हैं।

रोग का कारण :– यह रोग प्रायः उन व्यक्तियों को होता है जो बचपन से ही कुछ अपरिपक्व होते हैं और छोटी-छोटी बातों में घबरा जाते हैं। जब उन्हें कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है तब यह घबराहट लगातार बनी रहती है। कभी-कभी यह रोग स्थिर व्यक्तित्व के लोगों को भी हो सकता है यदि उन्हें बार-बार विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़े। कुछ दवाईयों के दुष्प्रभाव से भी यह बीमारी हो सकती है।

परिपक्व व्यक्तित्व वाले लोगों में जैसे ही विषम परिस्थिति समाप्त हो जाती है और रोग स्वतः समाप्त हो जाता है जबकि अपरिपक्व व्यक्तित्व वालों में परिस्थिति के अनुसार रोग घटता-बढ़ता रहता है और बहुधा एक दीर्घकालिक रूप ले लेता है।

उपचार :– इस रोग की चिकित्सा में साइकोथैरेपी (मनोचिकित्सक परामर्श या काउंसिलिंग) मुख्य है जिसके द्वारा मरीज को दृढ़ करना और छोटी-छोटी बातों की चिंता से दूर हटाना और पारिवारिक सहयोग बढ़ाने के लिये घर के अन्य सदस्यों को भी इस थैरेपी में शामिल करना किन्तु घबराहट दूर करने वाली औषधियाँ (ट्रैंक्विलाइजर्स) भी इस रोग की चिकित्सा में काफी सहायक होती हैं।

यह औषधियाँ घबराहट को दूर करती हैं इसलिये इन्हें लेने के बाद व्यक्ति अच्छा महसूस करता है। औषधि केवल चिकित्सक के परामर्श पर ही लेना चाहिये तथा इनकी मात्रा स्वयं घटानी या बढ़ानी या बंद नहीं करना चाहिये अन्यथा दवा की आदत पड़ सकती है या रोग पुनः उभर सकता है।

उपरोक्त के अलावा इन औषधियों का शरीर के अन्य भागों पर कोई अधिक बुरा प्रभाव नहीं होता किन्तु औषधियों के लगातार सेवन से व्यक्ति की एकाग्रता एवं कार्यक्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है।

पेनिक डिसआर्डर

एकाएक घबराहट अक्सर उन लोगों को होती है जिन्हें ऐंक्ज्याइटी रोग है किन्तु कभी-कभी उन लोगों को भी होती है जिनमें पहले से ऐंक्ज्याइटी रोग न रहा हो। इसमें व्यक्ति एकाएक यह अनुभव करने लगता है कि वह अब बचेगा नहीं और उसे कुछ हो जायेगा। हाथ-पैर ठण्डे पड़ जाते हैं अत्याधिक पसीना आने लगता है और बहुधा ऐसे रोगियों को हार्ट अटैक का रोगी समझ लिया जाता है तथा उन्हें हृदय रोग विशेषज्ञ के पास ले जाया जाता है। यह अवस्था लगभग आधे घण्टे में स्वतः समाप्त हो जाती है। इस प्रकार की तीव्र घबराहट (पेनिक डिसआर्डर) कुछ रसायनों के एकाएक शरीर में बढ़ जाने के कारण होती है।

जाँच – यदि इस प्रकार के लक्षण पहली बार हों तो एक बार अच्छे चिकित्सक द्वारा जाँच करा लेना आवश्यक है, जिससे कोई विशेष शारीरिक रोग होने की सम्भावना को समाप्त किया जा सके। परन्तु हर बार इस प्रकार की घबराहट होने पर नये-नये चिकित्सक को परामर्श करना अथवा बार-बार जाँच करने से कोई लाभ नहीं है। इस प्रकार की जाँचों से रोगी के मन में एक प्रकार का रोग भय उत्पन्न हो जाता है और वह पूर्णतया आत्म-विश्वास खो बैठता है। यह कभी-कभी इतना बढ़ जाता है कि रोगी अकेला घर से बाहर जाने में भी डरने लगता है और उसमें बाहर जाने का भय बन जाता है। इसलिये यदि तीव्र घबराहट के अटैक बार-बार हो रहे हों तब इस प्रकार के रोगी को कुछ विशेष प्रकार की औषधियाँ दी जाती हैं जिससे घबराहट होना बंद हो जाती है।

फोबिया (अकारण भय)

जब व्यक्ति किसी स्थान, परिस्थिति अथवा वस्तु से अकारण अत्याधिक भय अनुभव करने लगे तब इस मानसिक स्थिति को फोबिया कहते हैं। इन परिस्थितियों में साधारण व्यक्ति को इतना भय नहीं लगता। उदाहरणतया बंद जगह का भय, सफर करने का भय, घर से बाहर जाने का भय, ऊँचाई से भय, जन्तुओं से भय जैसे काकरोच, मकड़ी, छिपकली, चूहा इत्यादि।

रोग का प्रभाव – व्यक्ति को जिस वस्तु अथवा स्थिति से फोबिया होता है और उसे जब भी उस स्थिति या वस्तु के सम्पर्क में जाने की सम्भावना होती है तभी उसे घबराहट अनुभव होने लगती है। कभी-कभी यह घबराहट इतनी बढ़ जाती है कि व्यक्ति उस स्थिति से बचने का लगातार प्रयास करने लगता है। उदाहरणतया, किसी को यदि यात्रा का भय हो तो जैसे ही उसका कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनता है तभी से उसे घबराहट होने लगती है जो कि जाने के समय तक इतनी बढ़ जाती है कि बहुधा उसे अपने जाने का प्रोग्राम निरस्त कर देना पड़ता है। इस प्रकार फोबिया से ग्रसित व्यक्ति फोबिक स्थिति से बचने के प्रयास में अपने जीवन को बहुत संकुचित कर देते हैं।

इलाज :– फोबिया की चिकित्सा के लिये औषधियाँ व सायकोथैरेपी दोनों का प्रयोग बहुत अधिक लाभदायक है और अधिकतर रोगी ठीक हो जाते हैं।

ओबसेशन (फालतू विचार)

इस रोग में व्यक्ति के दिमाग में कोई एक विचार बार-बार आता रहता है। वह यह जानता है कि यह विचार गलत है किन्तु तब भी वह उसे हटा नहीं पाता। उसे ऐसा लगता है कि अगर वह ऐसा नहीं सोचेगा तो कोई अनहोनी घटना या कुछ बुरा हो जायेगा। बहुधा यह विचार रोगी को कुछ विशेष कार्य भी बार-बार करने को बाध्य करते हैं और अगर वह यह कार्य न करे तो उसे बहुत उलझन व परेशानी होने लगती है। उदाहरण के लिये कई बार व्यक्ति को यह अनुभव होने लगता है कि उसके हाथ-पैर या कपड़ों में गंदगी लगी है और उसे बार-बार नहाना या सफाई करना पड़ता है लेकिन यह सब करने के उपरांत भी उसे शंका बनी रहती है कि सफाई ढंग से नहीं हो पाई है। इस प्रकार से वह अपना सभी समय इन्हीं कार्यों अथवा विचारों में व्यतीत कर देता है जिससे ऐसे रोगियों का जीवन बहुत कष्ट मय हो जाता है। कई बार इन रोगियों के दिमाग में अप शब्द गंदे विचार या देवी-देवताओं के लिये अपमान जनक बातें आने लगती हैं। यद्यपि रोगी जानता है कि ये विचार पूर्णतया गलत हैं लेकिन ये विचार उसे बहुत अधिक परेशान कर देते हैं। ऐसे रोगी आत्महत्या की सोचने लगते हैं या कर बैठते हैं।

उपचार :– इस रोग की चिकित्सा में साइकोथैरेपी काफी प्रभावी होती है। साइकोथैरेपी के द्वारा शनैः-शनैः रोगी को अपने रोग के बारे में समुचित जानकारी देने के उपरांत उसके मानसिक तनाव को कम करने की प्रक्रिया समझाई जाती है तथा उसे सिखाया जाता है कि वह अपने विचारों तथा सोच के प्रति कैसा व्यवहार करे ताकि उसकी उलझनों व तनाव में कमी आ सके और उन पर वह धीरे-धीरे अपना नियंत्रण कर सके। तदोपरांत कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों द्वारा रोगी के व्यक्तित्व में कुछ परिवर्तन लाने का प्रयास भी किया जाता है जिससे कि वह इन विचारों से अपने आपको मुक्त कर सके। इस रोग में कुछ औषधियाँ दी जाती है जिनसे यदि रोगी पूर्णतया ठीक न भी हो सके तो भी उसका जीवन कुछ हद तक सामान्य हो जाता है।

हायपोकोन्ड्रियासिस (रोग भय)

कुछ रोगी शरीर के विभिन्न भागों में कमजोरी अथवा दर्द की शिकायत अक्सर करते रहते हैं अथवा वे अपने हृदय, पाचन क्रिया या श्वास क्रिया आदि के सुचारू रूप से न होने के बारे में सदैव आशंकित रहते हैं जबकि भली-भाँति परीक्षण करने पर भी उनके किसी अंग में कोई खराबी नहीं मिलती है। इस प्रकार के रोग को हायपोकोन्ड्रियासिस कहा जाता है।

रोग लक्षण :– यह रोगी निम्न में से किसी भी लक्षण को प्रदर्शित कर सकता है -

(1) हृदय रोग का भय – छाती में दर्द, दिल का धड़कना इत्यादि (2) श्वास क्रिया ठीक से न चलने का भय (3) माँस पेशियों में दर्द (4) सिर में दर्द (5) कमजोरी एवं वजन का न बढ़ना (6) चर्म संबंधी रोगों के होने की आशंका होना (7) पेट में दर्द रहना और पखाना ठीक से न होना।

ऐसे रोगी बार-बार चिकित्सा हेतु नये-नये डाक्टरों के पास जाते रहते हैं। प्रारम्भ में तो हर चिकित्सा से आराम मिलता है परन्तु कुछ समय पश्चात् रोग पुनः वैसा ही हो जाता है। इन रोगियों को यह दृढ़ विश्वास रहता है कि उन्हें कोई गम्भीर बीमारी है और डॉक्टर उसे समझ नहीं पाते हैं।

उपचार :– यदि इस रोग की चिकित्सा शीघ्र ही की जाये तब इसे ठीक किया जा सकता है। जब यह रोग बहुत समय तक बना रहता है तब इसके ठीक होने की सम्भावना कम हो जाती है। इस रोग की चिकित्सा में सर्वप्रथम यह आवश्यक है कि रोगी की भली प्रकार जाँच करने पर जब यह स्पष्ट हो जाये कि उसे यह रोग है तब उसकी पुनः कोई जाँच नहीं करानी चाहिये और रोगी को स्पष्ट रूप से यह बता देना चाहिये की उसके शरीर के किसी अंग में कोई ऐसी खराबी नहीं है जिससे उसमें यह लक्षण उत्पन्न हो सके। इसके साथ-साथ यह भी बताना आवश्यक है कि जो लक्षण वह अनुभव कर रहा है वे झूठे अथवा बनावटी नहीं हैं, वह सभी लक्षण उसके लिये सत्य हैं लेकिन अपनी बीमारी के बारे में जो उसकी धारणा है उसे बदलने की आवश्यकता है।

इस रोग की चिकित्सा में सायकोथैरेपी ही दी जाती है जिसके अंतर्गत रोगी को यह विश्वास दिलाना कि उसे कोई शारीरिक रोग नहीं है एवं उसके सभी लक्षण मानसिक कारणों से उत्पन्न हैं। उसे अपने शरीर से ध्यान हटाकर दूसरे अन्य कार्य कलापों में रूचि लेने के लिये लगातार प्रोत्साहित किया जाता है।

सूचना

इस पंचांग में दी गई जानकारियाँ संबंधित विषय के विशेषज्ञों द्वारा दी गई हैं फिर भी भूल सम्भव है, आपको कोई नुकसान न हो इसलिये सावधानीवश आप अपने सम्बंधित विषय के विशेषज्ञ से सलाहकर कोई निर्णय लें। भूल हमें अवश्य बतायें। किसी भी भूल के लिए प्रकाशक, संपादक, मुद्रक एवं संबंधित विषय के विशेषज्ञ जवाबदार नहीं हैं।

प्रिंटिंग या बाइंडिंग मिस्टेक

प्रिंटिंग या बाइंडिंग मिस्टेक से बचने के लिए पंचांग खरीदते समय पन्ने पलटकर चेक अवश्य करें और गलती रहने पर विक्रेता से तुरंत बदल भी लें।

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

लाला रामस्वरूप रामनारायन पचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

वायु परीक्षा

ता. 13 को सूर्यास्त बाद (प्रदोषकाल में) यदि हवा का रुख पूर्व में हो तो उत्तम वर्षा। आग्नेय में हो तो कम वर्षा। दक्षिण में हो तो अल्प वर्षा। नैऋत्य में अनावृष्टि, दुर्भिक्ष। पश्चिम में हो तो महावृष्टि। वायव्य में हो तो वायु की तीव्रता। उत्तर में हो तो अतिवृष्टि। ईशान में हो तो उत्तम वर्षा होगी।

ता. 1 भगवान जगदीश रथयात्रा

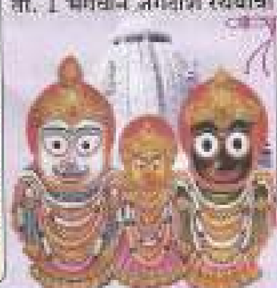

मैरिज डे

दिशा ज्ञान चक्र

वर्थ डे

ता.23 चंद्रशेखर आजाद जयंती

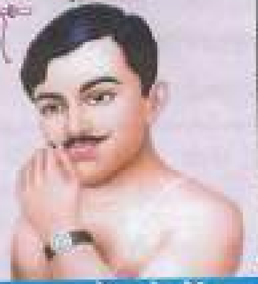

भवन में सीपेज होना

छत, लाफ्ट, सीढ़ी पर पानी का जमा होना या धीमी गति से निकलना सीपेज का प्रमुख कारण रहता है। गड़बड़ ढलान, नाली में कचरा या छोटे छेदों की जाली लगी होना, फर्श, दीवाल में क्रेक या पानी घुसने के छेद की बारीकी से जाँच कर उनकी रिपेरिंग वाटर प्रूफ केमिकल से अवश्य करवाना चाहिये।

जीवन में आधा दुःख गलत लोगों से उम्मीद रखने से आता है और बाकी का आधा दुःख सच्चे लोगों पर शक करने से आता है।

भद्रास्थिति – ता. २ को १।६ रात से ता. ३ के १।४५ दिन तक। ता. ६ को २।४६ दिन से २।२६ रात तक। ता. ६ को १०।३४ रात से ता. १० के ६।१८ दिन तक। ता. १२ को २।४५ रात से ता. १३ के १।३१ दिन तक। ता. १६ को ६।२८ प्रातः से ५।२४ शाम तक। ता. १६ को १२।५६ दिन से १२।३७ रात तक। ता. २२ को १२।५४ रात से ता. २३ के १।१६ दिन तक। तारीख २६ को ६।१३ शाम से तारीख २७ के ७।१४ प्रातः तक भद्रा रहेगी। **गुरु, शुक्र तारा** – पूरब दिशा में उदित। **पंचक** – ता. १६ को ८।२३ दिन से ता. २० के ४।५६ शाम तक। **व्यतिपात** – ता. ४ को १०।३१ दिन से ता. ५ के ६।४५ दिन तक। ता. २९ को ७।३१ रात से ता. ३० के ७।३० रात तक।

विक्रम संवत् 2079

वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायन

JULY

इस्वी सन् **2022**

सूर्य उत्तरायन, ता.18 से दक्षिणायन, वर्षा ऋतु

शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – कर्क का। ता. २ को ४।१२ रात अंत से सिंह का। ता. ५ को १।२६ दिन से कन्या का। ता. ७ को ८।१३ रात से तुला का। ता. ६ को १२।३० रात से वृश्चिक का। ता. ११ को ३।२७ रात से धनु का। ता. १४ को ५।४५ प्रातः से मकर का। ता. १६ को ८।२३ दिन से कुम्भ का। तारीख १८ को १२।११ दिन से मीन का। ता. २० को ४।५६ शाम से मेष का। तारीख २२ को २।१३ रात से वृष का। ता. २५ को १२।४४ दिन से मिथुन का। तारीख २७ को १२।२८ रात से कर्क का। तारीख ३० को ११।४५ दिन से सिंह का चन्द्रमा रहेगा। मच्छर के काटने से डेंगू बुखार हो सकता है। **उदयकालिक लग्न** – ता. १ से १७ तक मिथुन लग्न, ता. १८ से कर्क लग्न।

ग्रहों के राशिचार तारीख १ उदयकाल में

चं. ४	३	बु.सू. २	मं. १ रा.
५	शु.	१२ गु.	
६			११ श.
के. ७	८	९	१०

हिजरी सन् 1443/44

जिल्हेज/मोहर्रम मास (1)

ता. 1 से जिल्हेज मास (12) आरम्भ, ता. 9 हज्ज, ईद-उल-अदहा, ता. 10 ईदुज्जुहा, ता.17 गदीर-ए-खुम, ता.30 चांदरात, ता.31 से मोहर्रम मास आरम्भ

7 आषाढ़/श्रावण मास (5)

जुलाई

रा.शक सं.1944

रा.आषाढ़ 10 से रा.श्रावण 9 तक (ता. 23 से राष्ट्रीय श्रावण मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1429

बंग आषाढ़, ता.18 से श्रावण मास प्रारंभ

ग्रहों के राशिचार ता. १८ उदयकाल में

५	४	३ गु.	२
६	सू. बु.		१ मं. रा.
के. ७		श. १०	१२ गु.
८	९		चं.११

दूध हिसाब / जुलाई को बाजार / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	बाजार	तिथि	समय बजे तक
1				२	१०।४७ दिन तक
2				३	१२।२७ दिन तक
3				४	१।४५ दिन तक
4				५	२।३५ दिन तक
5				६	२।५६ दिन तक
6				७	२।४६ दिन तक
7				८	२।६ दिन तक
8				९	१ बजे दिन तक
9				१०	११।२६ दिन तक
10				११	६।३८ दिन तक
11				१२	७।३१ प्रातः तक
11				१३	५।१२ रा.अं. तक
12				१४	२।४५ रात तक
13				१५	१२।१७ रात तक
14				१	६।४० रात तक
15				२	७।३१ रात तक
16				३	५।२४ शाम तक
17				४	३।३३ दिन तक
18				५	२।३ दिन तक
19				६	१२।५६ दिन तक
20				७	१२।१७ दिन तक
21				८	१२।८ दिन तक
22				९	१२।२८ दिन तक
23				१०	१।१६ दिन तक
24				११	२।३८ दिन तक
25				१२	४।१८ शाम तक
26				१३	६।१३ शाम तक
27				१४	८।१४ रात तक
28				३०	१०।१० रात तक
29				१	११।५२ रात तक
30				२	१।१२ रात तक
31				३	२।५ रात तक
योग					

रवि (SUNDAY)	सोम (MONDAY)	मंगल (TUESDAY)	बुध (WEDNESDAY)	गुरु (THURSDAY)	शुक्र (FRIDAY)	शनि (SATURDAY)
					1 भ.जगदीश रथयात्रा, आषाढ़ शुक्ल २	2 आषाढ़ शुक्ल ३
3 विनायकी चतुर्थी व्रत, आषाढ़ शुक्ल ४	4 आषाढ़ शुक्ल ५	5 आषाढ़ शुक्ल ६	6 वैवस्वत पूजा, आषाढ़ शुक्ल ७	7 आषाढ़ शुक्ल ८	8 भड़ली नवमी, आषाढ़ शुक्ल ९	9 आशा दशमी, आषाढ़ शुक्ल १०
10 ईद-उल-जुहा, देवशयनी एकादशी, आषाढ़ शुक्ल ११	11 विजया पार्वती व्रत, प्रदोष व्रत १२/१३	12 आषाढ़ शुक्ल १४	13 गुरु पूर्णिमा, स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा १५	14 श्रावण कृष्ण १	15 श्रावण कृष्ण २	16 गणेश चतुर्थी व्रत, श्रावण कृष्ण ३
17 पंचक, श्रावण कृष्ण ४	18 नाग मरुस्थले, मीना पंचमी ५	19 मंगला गौरी व्रत, श्रावण कृष्ण ६	20 शीतला सप्तमी, श्रावण कृष्ण ७	21 श्रावण कृष्ण ८	22 श्रावण कृष्ण ९	23 श्रावण कृष्ण १०
24 कामिका एकादशी, श्रावण कृष्ण ११	25 प्रदोष व्रत, श्रावण कृष्ण १२	26 शिव चतुर्दशी व्रत, श्रावण कृष्ण १३	27 श्रावण कृष्ण १४	28 हरियाली अमावस्या, स्ना.दा.श्रा.अमावस ३०	29 श्रावण शुक्ल १	30 सिंधारा दोज, श्रावण शुक्ल २
31 हरियाली तीज, मधुस्रवा तीज ३						

मूल

अश्लेषा के ता. १ को २।१७ रात से ता. २ के ४।२२ रात अंत तक फिर मघा के ता. ४ के ६।१३ प्रातः तक। ज्येष्ठा के ता. १० को ४।२८ रात अंत से ता. ११ के ३।२७ रात तक फिर मूल के मूल ता. १२ के १२।२० रात तक। रेवती के ता. १९ को ४।५२ शाम से ता. २० के ४।४६ शाम तक फिर अश्विनी के ता. २१ के ६।३७ शाम तक। अश्लेषा के ता. २९ को ६।३४ दिन से ता. ३० के ११।४४ दिन तक फिर मघा के ता. ३१ के १।३२ दिन तक रहेंगे।

जागरूक बनो प्रतियोगिता

में भाग लेने की अंतिम तिथि ३१ अगस्त है जिसमें भाग लेकर आप जागरूक बनने के साथ इनाम भी जीत सकते हैं। विस्तृत जानकारी अन्य बैक पेज पर देखें।

ऐच्छिक अवकाश

ता. 1 जगदीश रथयात्रा
ता. 9 ईद-उल-अदहा
ता. 13 गुरु पूर्णिमा

याददाश्त

राशिफल

- **मेष** – लाभ, मित्र मिलन, दूरस्थ प्रवास
- **वृष** – शुभ समाचार, लाभ, यश प्राप्ति
- **मिथुन** – भवन लाभ, मित्र सुख, यात्रा
- **कर्क** – शुभ कार्य, संतान की उन्नति, खर्च
- **सिंह** – मेहमान आगमन, पुत्र सुख, यात्रा
- **कन्या** – वाहन कष्ट, मित्र सुख, धन लाभ
- **तुला** – रुके कार्य में सफलता, वाहन लाभ
- **वृश्चिक** – संतान उन्नति, स्वास्थ्य चिंता
- **धनु** – भूमि लाभ, वाहन कष्ट, मित्र सुख
- **मकर** – भवन लाभ, नये कार्य का विचार
- **कुंभ** – स्वास्थ्य चिंता, धोखा, खर्च अधिक
- **मीन** – परिश्रम, जायदाद वृद्धि, स्त्री सुख

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता.2,3,5,6,8 **मुण्डन** – ता. 1, 6 **नामकरण** – ता. 6, 14, 20, 25 **अन्नप्राशन** – ता. 6, 8, 15, 20, 25 **उपनयन** – ता. 1 **जीर्ण गृहप्रवेश** – ता. 23, 25 **व्यापार प्रारंभ** – ता. 1, 6, 7, 10,14,24,25

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 डॉक्टर्स एवं सी.ए. दिवस
ता. 6 पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती
ता. 10 विठ्ठल वारी महोत्सव, जबलपुर
ता. 11 विश्व जनसंख्या दिवस
ता. 17 प्राणनाथ परमधाम वास दिवस
ता. 19 डॉ. खूबचंद बघेल ज. (छ.ग.ऐ.अ.)
ता. 23 लोकमान्य तिलक जयंती
ता. 27 डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पु.ति.
ता. 28 होली (छ.ग.ऐच्छिक अवकाश), स्वामी अखंडानंद सरस्वती जयंती
ता. 31 उधमसिंह शहीदी दिवस, मोहम्मद रफी पुण्यतिथि

ग्रहस्थिति

सूर्य – मिथुन में, ता. १७ के १०।१० दिन से कर्क में। **मंगल** – मेष में। **बुध** – वृष में, ता. २ के ६।१६ दिन से मिथुन में, ता. १६ के ११।५३ रात से कर्क में, ता. ३१ के ४।५६ रात से सिंह में। **गुरु** – मीन में, ता. २६ के १२।५४ दिन से वक्री। **शुक्र** – वृष राशि में, ता. १३ के ११।३६ दिन से मिथुन राशि में। **शनि** – कुम्भ राशि में (वक्री), ता. १२ के ६।५ शाम से मकर राशि में वक्री। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 5:33	5 – 5:34	10 – 5:36	15 – 5:38	20 – 5:39	25 – 5:40
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:56	5 – 6:55	10 – 6:55	15 – 6:54	20 – 6:54	25 – 6:52

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ६ को ७।४८ प्रातः से रात अंत तक। ता. ६ को सूर्योदय से ७।१५ प्रातः तक। ता. १५ को सूर्योदय से ६।२ रात तक। ता. १६ को सूर्योदय से ५।४५ शाम तक। ता. २१ को सूर्योदय से ६।३७ शाम तक। ता. २५ को सूर्योदय से १।५६ रात तक। तारीख २८ को सूर्योदय से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. २५ को सूर्योदय से १।५६ रात तक। ता. २८ को ७।७ प्रातः से रात अंत तक। **द्विपुष्कर योग** – ता. २४ को ११।३२ रात से रात अंत तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. ५ को २।५६ दिन से रात अंत तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. १ के सूर्योदय से २।१७ रात तक फिर ता. २८ को ७।७ प्रातः से ता. २६ के ६।३५ दिन तक। **पाठकों से निवेदन** – यदि आपके मित्रों या रिश्तेदारों ने इस पंचांग के स्थान पर नकली या मिलते-जुलते नाम का पंचांग धोखे से खरीद लिया है तो उन्हें इस 'रामनारायन' पंचांग की खूबियों एवं पहचान से परिचित करायें ताकि अगली बार वे धोखा न खायें और शास्त्र सम्मत यही पंचांग लायें।

जुलाई माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 भ. जगदीश रथयात्रा
ता. 3 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 8 भड़ली नवमी, नवरात्रा समा.
ता. 9 आशा दशमी
ता. 10 देवशयनी, हरिशयनी ग्यारस
ता. 11 वासुदेव द्वादशी, प्रदोष व्रत, विजया पार्वती, मंगला तेरस
ता. 13 स्नानदान व्रत, गुरु पूर्णिमा
ता. 16 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 18 मीना पंचमी, नाग मरुस्थले
ता. 18 श्रावण सोमवार
ता. 19 मंगला गौरी व्रत
ता. 20 शीतला सप्तमी
ता. 24 कामिका एकादशी व्रत
ता. 25 प्रदोष व्रत, श्रावण सोमवार
ता. 26 शिव चतुर्दशी, मंगला गौरी व्रत
ता. 28 हरियाली, स्ना.दा.श्रा. अमावस
ता. 30 चन्द्रदर्शन, सिंधारा दोज
ता. 31 मधुस्रवा, हरियाली तीज, स्वर्ण गौरी व्रत, झूला प्रारंभ

मासफल – इस मास सत्ता पक्ष एवं विपक्ष में तनातनी बढ़ेगी। विपक्षी दल, प्रधान नेताओं को नई-नई उलझनों में डालने का प्रयास करेंगे। सोना-चाँदी, लोहा, अनाज व खाद्य सामग्री में सामान्य घटा-बढ़ी परिलक्षित होगी। बाढ़ एवं पहाड़ धसकने से जनधन की क्षति होगी। संक्रामक रोगों का प्रकोप बढ़ेगा। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – सूर्य आर्द्रा में। ता. ६ को ६।७ रात से पुनर्वसु में (संज्ञा-स्त्री-स्त्री, चंद्र-सूर्य, वाहन-मूषक, अल्पवृष्टि)। तारीख २० को १०।२६ रात से पुष्य में (संज्ञा-स्त्री-पुरुष, चंद्र-चंद्र, वाहन-जम्बूक, वर्षा श्रेष्ठ)। **दिगम्बर जैन पर्व** – तारीख ६ से १३ तक अष्टान्हिका व्रत। तारीख १०, १७, २४, ३१ रवि व्रत। तारीख १४ वीर शासन जयंती। तारीख २४ रोहिणी व्रत। **श्वेताम्बर जैन पर्व** – ता. ६ चौमासी अट्ठाई प्रारम्भ। ता. १२ चातुर्मासिक प्रतिक्रमण। ता. १३ चातुर्मास प्रारंभ, गुरु पूर्णिमा। ता. १८ दोढ मासीपर। तारीख २७ पाक्षिक प्रतिक्रमण। तारीख २८ हरियाली अमावस्या।

TM 70 71 72 वर्षा जल को सोकपिट, बंद पड़े बोर या कुओं के माध्यम से जमीन के अंदर पहुँचायें एवं अधिक से अधिक फलदार पेड़ लगायें। TM 70 71 72

ठहरे पानी या कीचड़ में तैरते कीड़े ही मच्छर के बच्चे होते हैं

मच्छरों की पैदावार रोकने के उपाय

लेखक – प्रहलाद अग्रवाल, अध्यक्ष, मच्छर उन्मूलन सलाहकार समिति, जबलपुर मोबा. 9301413131 द्वारा जनहित में प्रकाशित

देश की 94% आबादी मच्छर के काटने से होने वाली बीमारियाँ जैसे – डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया, फाइलेरिया (हाथी पांव), जापानीज बुखार (इनसिफेलाइटिस), जीका जैसे रोगों के खतरे में है और ये बीमारियाँ शहर–गाँव में मानवीय लापरवाहियों के कारण फैल रही हैं। मच्छर दिन व दिन बढ़ते जा रहे हैं एवं उनके काटने से होने वाले रोगों पर अब दवाईयाँ भी बेअसर हो रही हैं ऐसे में मच्छरों की पैदावार को शिशु अवस्था में रोकने और मच्छर को किसी भी हालत में अपने को काटने न देना ही इन बीमारियों से बचाव का एकमात्र उपाय है। आजकल सभी प्रकार के मच्छरों की आबादी बिना ढकी जाम नालियों में वर्ष भर सबसे ज्यादा पैदा होती है। मच्छरों की पैदावार को कैसे रोकें आइये जानें –

मच्छर का पानी में जीवन चक्र

कचरा नाली या सड़क पर न फेंके – आज भी कुछ लोग अपने घर या ऑफिस का कचरा झाँड़ू लगाकर सड़क या नाली में फेंक देते हैं, ये आदत उस क्षेत्र में मच्छरों को बढ़ाती है, क्योंकि सड़क में फेंका गया कचरा मच्छरों को छुपने का स्थान मुहैया कराता है और हवा चलने पर यही कचरा नाले–नालियों में समाता है जिससे नाली में पानी बहना रुकता है या धीमी गति से बहता है और कीचड़ पनपता है, जिससे ऐसी सभी नालियाँ मच्छरों की पैदावार को भारी मात्रा में बढ़ाती हैं क्योंकि ऐसे पानी रुके स्थानों में, मादा मच्छर अपने अंडे देती है और तो और लोगों के घरों से जमा पानी के साथ बहकर आये डेंगू फैलाने वाले मच्छर के अंडे, लार्वा, प्यूपा वे भी ऐसे स्थान पर रुककर अपना शेष विकास एक सप्ताह के भीतर पूरा कर प्रौढ़ मच्छर बनकर पास के घरों में भोजन (खून) की तलाश में घुसते हैं। अतः किसी भी हाल में कचरा नाली या सड़क पर न फेंकें और न ही फेंकने दें।

नाली अंडर ग्राउण्ड रखें – अपने घर एवं उसके आसपास की सभी नाली को पूरी तरह अंडर ग्राउण्ड करवायें या चीप–पत्थर या किसी अन्य साधन से इस तरीके से ढकवायें की एक भी मच्छर अंदर बाहर न हो सके। इन नालियों के ऊपर यदि लोहे की ग्रिल वाला कव्हर लगवायें तो उसमें मच्छर रोकने वाली मजबूत जाली भी लगवायें अन्यथा मच्छरों का उत्पादन नहीं रुकेगा, जिन स्थानों में बरसाती पानी इन नालियों में जाने की व्यवस्था रखना हो वहाँ ऊपर से होल या जालीदार ग्रिल न देकर साइड से पानी जाने की व्यवस्था बनायें ताकि उड़ते समय मच्छर को अंडे देने के लिये नाली का पानी न दिखे और उसमें पैदा हो रहे मच्छर भी आसानी से बाहर नहीं निकल पायें। जहाँ कच्ची नाली के कारण ढंकने की व्यवस्था न हो या कीचड़ बना रहता हो वहाँ पर हर हफ्ते मिट्टी तेल का छिड़काव कीचड़ एवं नाली में करते रहें।

मैदान, छत आदि में पानी या कीचड़ जमा न होने दें – कीचड़ या पानीयुक्त मैदान, प्लॉटों को भूमिधारी या नगर–निगम से कहकर उसका तल इतना ऊँचा अवश्य करवायें कि उसमें कीचड़ या पानी जमा ही न हो पाये यही ध्यान छत, आँगन, लाकट, भवन, सड़क के आसपास भी रखना है क्योंकि हर वो स्थान जहाँ का कीचड़ या पानी सप्ताह में एक घंटे भी पूरी तरह नहीं सूखता है तो वहाँ भी मच्छर पैदा होने लगते हैं।

सभी पानी संग्रह ढका रखें – भवन में पानी की होदी, कंटेनर, छत की टंकियाँ आदि यदि पूरी तरह ढकी नहीं हैं तो खुले रहने पर मादा मच्छर इनमें अपने अंडे दे देती हैं जिससे उनमें भी मच्छर पैदा होने लगते हैं या ये अंडे पानी के निस्तार के साथ नाली में आ जाते हैं और वयस्क मच्छर बनते हैं इसलिये समय–समय पर टंकियों के ढक्कन चेक करते रहें।

कूलर के पानी में निगाह रखें – कूलर के पानी को हर हफ्ते ध्यान से देखें उसमें मटमैले काले कलर के छोटे–छोटे लहराते हुये तैरते कीड़े ही मच्छर के बच्चे होते हैं ज्यादातर लोग इन्हें पानी के कीड़े या मछली के बच्चे समझते हैं। बरसात में पानी भरे कूलर जो चल नहीं रहे होते या कम चलते हैं, डेंगू जैसे खतरनाक रोग फैलाने वाले मच्छरों का सबसे प्रिय जनन स्थान होता है। इसलिये कूलर का पानी सप्ताह में एक दिन पूरा सुखायें और कूलर का उपयोग न होने पर उसे पूरी तरह सूखा रखें या मिट्टी का तेल या अन्य कोई तेल डाल देवें ताकि मच्छर न पनप पायें। कूलर का पानी नाली में न बहायें। उसे ऐसे स्थान पर बहावें जहाँ से वह तुरन्त सूख जाये जैसे बाग–बगीचे, गमला आदि में। पानी के अभाव में मच्छर के बच्चे (लार्वा, प्यूपा) 5 से 10 मिनिट में मर जाते हैं।

गाँवों में मच्छरों से कैसे बचें – बरसात में गाँव में खेतों में भरे पानी के कारण मच्छरों का कंट्रोल सम्भव नहीं हो पाता इसलिये ऐसे स्थानों के लोगों को मच्छरदानी में सोना और बदन के खुले अंगों पर नारियल/सरसों के तेल में बराबर मात्रा में नीम तेल मिक्स कर बच्चों एवं बड़े सभी को लगाना चाहिये। फुल बाहों के कपड़े, मौजे पहनें एवं खिड़की, दरवाजों में बारीक जाली लगवायें।

मच्छर पैदा होने वाले अन्य स्थान – फूलदान, नहर, स्विमिंग पुल, ताल–तलैया, फुहारा, खुला कुआँ आदि ये भी मच्छरों के जनन स्थान हैं, इन स्थानों में गम्बूशिया मछली डाल दी जाना चाहिये। ये मच्छरों के लार्वा, प्यूपा को खा जाती है। इसके अलावा छत, आँगन आदि स्थानों पर पड़ा कबाड़ जैसे टूटे गमले, मटके, डिब्बे, टायर, बाल्टी, बाटल, गिलास, कटोरी, बरसाती, तिरपाल आदि में भी बरसात के कारण जमा पानी में मच्छर पैदा होने लगते हैं, ऐसी सभी सामग्री को इस तरीके से रखें कि उसमें पानी–कीचड़ जरा भी जमा न हो पाये। पशु–पक्षियों को पानी पिलाने के पात्र (बर्तन) का पानी भी हर हफ्ते एकबार पूरा अवश्य सुखा दें।

निर्माण स्थल – भवन, सड़क आदि के निर्माण स्थल पर जमा पानी एवं सीमेन्ट की तराई हेतु बनाई गई क्यारियों में भरे पानी में भी मच्छर पैदा होने लगते हैं। ज्यादा अच्छा हो ऐसी क्यारियों को सप्ताह में एक घंटा पूरी तरह सूखने दिया जाये या हफ्ते में एक बार मिट्टी तेल या कीटनाशक का छिड़काव करें।

उपरोक्त उपाय जनता द्वारा अपनाये जायें एवं निगम प्रशासन द्वारा निम्न कार्य अपने स्तर पर किये जायें तो वह नगर मच्छर मुक्त हो सकता है।

जगह–जगह कंटेनर रखें – प्रत्येक 100 मीटर पर विशेषकर घनी आबादी वाले क्षेत्र एवं कॉलोनी में कचरा डालने के लिये काले रंग के प्लास्टिक कंटेनर रखवायें, जिनमें नीचे एवं आजू–बाजू छेद करवा दें ताकि उसमें न पानी जमा हो और न ही वे चोरी हों।

कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना – सड़क या नाली में कचरा फेंकने वालों की लिस्ट तैयार कर उसे नोटिस भेजें, फिर भी न माने तो उन पर जुर्माना करें।

दवा डालें – जिन मोहल्ले या कॉलोनी में मच्छर ज्यादा हों वहाँ की नालियों एवं पानी जमा स्थानों में प्रति सप्ताह (3 सप्ताह तक) टेमीफास (लार्वा नाशक दवा) डलवायें एवं उसी दिन फागिंग मशीन भी उस क्षेत्र में चलवायें ऐसा करने से मच्छरों पर उस क्षेत्र में नियंत्रण किया जा सकता वर्ना फायदा नहीं होगा।

घर–घर की जाँच – घर, दुकान, ऑफिस के कूलर, फुव्वारा, पानी की टंकियाँ, गुलदस्ता, नाली आदि में मच्छर के लार्वा पाये जाने पर 100/- जुर्माना करें। जनता को स्कूल एवं अन्य माध्यम से शीशीयों में लार्वा, प्यूपा ले जाकर दिखायें, उन्हें बतायें कि ये आपके घर या नाली में यदि पैदा होते हैं तो इनको नष्ट करने या इनकी पैदावार रोकने के उपायों से उन्हें शिक्षित करें।

सोकपिट अनिवार्य – हर घर में सोकपिट अनिवार्य रूप से बनवाया जाये जिसमें किचन का पानी एवं बरसाती पानी सोकपिट में समाये ऐसा हो जाने से गर्मी में पानी की समस्या भी कम होगी एवं नालियाँ पानी कम मिलने के कारण बीच–बीच में सूखती रहेंगी जिससे मच्छरों का उत्पादन भी रुकेगा।

गंदी बस्ती में पानी निकास – गंदी बस्तियों में या गरीब घरों में दस–पन्द्रह घरों का संयुक्त रूप से सोकपिट सरकारी खर्च में बनवाया जा सकता है ताकि वहाँ की कच्ची नालियों से जगह–जगह पानी, कीचड़ जो एकत्रित होता है उनसे भी छुटकारा मिल सके क्योंकि ये मच्छरों के जन्मस्थल होते हैं। ध्यान रखें, जहाँ भी सोकपिट बनायें उसे अच्छे से ऊपर से पूर्णतया ढकवा देवें ताकि उसमें मच्छर न पैदा हों।

बड़े नालों के आजू–बाजू का कीचड़ – बड़े नाले, जो पक्के नहीं किये उनको नीचे से गोलाकार कर पक्का अवश्य करवायें ताकि आसपास की कच्ची भूमि में बना कीचड़, पानी में मच्छरों का जनन रुके।

नाली अंडर–ग्राउण्ड या नीचे से गोलाकार ही बनवायें – नाला–नाली चौरस न बनवाकर नीचे से गोलाकार, व्ही या यू आकार में सही ढाल के साथ कम से कम गहरी बनाने की योजना लागू करवायें ताकि नाले–नालियों में कीचड़, पानी न रुके। ज्यादा अच्छा हो सभी नाली अंडर ग्राउण्ड का ही नियम बनवायें ताकि नालियों में मच्छर न पैदा हो सकें।

गंदे पानी में भी पैदा हो सकता है डेंगू का मच्छर – डेंगू का मच्छर साफ पानी में भले ही अंडे देता हो परन्तु जब ये अंडे, लार्वा, प्यूपा युक्त साफ पानी, नाली में पहुँच जाता है तो भी पूरा वयस्क मच्छर बन जाता है, हमने प्रयोगों द्वारा ऐसा पाया है।

जनता में अज्ञानता – मच्छर के बारे में अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि उपरोक्त स्थानों में कीचड़ या पानी में तैरते कीड़े (लार्वा, प्यूपा) ही मच्छर के बच्चे होते हैं। वह इन्हें पानी के कीड़े या मछली के बच्चे ही समझते हैं और ज्यादातर को यह भी नहीं मालूम कि डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया बुखार मच्छर के काटने पर ही होता है। अतः उन्हें जागरूक करना जरूरी है।

अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर में फैलने वाले बुखार, मच्छर के काटने से होने वाले रोग तो नहीं? लक्षणों से पहचानें

मच्छर उन्मूलन सलाहकार समिति, जबलपुर, अध्यक्ष प्रहलाद अग्रवाल द्वारा जनहित में प्रकाशित

डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया लक्षण एवं उपचार

डेंगू, चिकुनगुनिया वायरल बुखार फैलाने वाला मच्छर बहुत छोटा काला, काली सफेद टाँग वाला एवं फुर्तीला होता है जो प्रायः आसानी से नजर ही नहीं आता। एक ही समय में संक्रमित मच्छर प्रायः दिन में कई लोगों को काटकर बीमार कर सकता है।

मच्छर के काटने से बरसात में फैलने वाले महामारी रूपी वायरल बुखार के लक्षण एवं उपचार निम्न हैं :-

प्राणघातक डेंगू वायरल तेज बुखार

ये एडीज एजिप्टी प्रजाति के संक्रमित मच्छर के काटने से फैलने वाला वायरल बुखार है जो मच्छर के काटने के 4 से 6 दिन बाद चढ़ता है। बुखार लगभग 1 सप्ताह तक रहता है।

डेंगू बुखार के लक्षण निम्नानुसार हैं :-

- शरीर के तापमान में अचानक तेजी से वृद्धि जो प्रायः अन्य वायरल बुखार के समान होता है, इसके साथ शरीर में चकत्ते भी होते हैं।
- तेज सिर दर्द एवं लाल चेहरा होना।
- पीठ दर्द, माँसपेशियों तथा जोड़ों/हड्डियों में अत्याधिक तेज दर्द, जिस कारण इसे **हड्डी तोड़** बुखार भी कहा जाता है।
- आँखों को हिलने में दर्द, रोशनी से चकाचौंध (चुभन)।
- चेहरे, गले तथा छाती पर छुटपुट चकते या तीव्र चुभन वाले फोड़े–फुंसी इसके बाद तीसरे या चौथे दिन स्पष्ट चकते दिखना।
- स्वाद का बदलना, गले में कष्ट, मितली तथा उल्टी, सामान्य अवसाद (डिप्रेशन) इत्यादि।

यदि कोई जटिलता जैसे की बहुत तेज बुखार, काला मल एवं नाक, मसूड़ों से रक्त स्राव की प्रवृति हो तो डेंगू जानलेवा हो सकता है। ऐसे में मरीज को तत्काल अस्पताल में दाखिल किये जाने की जरूरत रहती है।

डेंगू का उपचार – रोग को ठीक करने की कोई विशिष्ट दवा नहीं है चिकित्सक द्वारा केवल लक्षण आधारित उपचार किया जाता है ताकि मरीज की जान बचाई जा सके। शरीर के तापक्रम को 39°C (102°F) से नीचे रखने के लिये पैरासिटामोल की गोलियों का सेवन एवं माथा सहित हाथ–पांव को सामान्य ठंडा पानी के कपड़े से पोंछने की सलाह बुखार नियंत्रण हेतु, साथ ही प्रोटीन युक्त आहार, भरपूर पानी, ओआरएस (इलेक्ट्रॉल), घर में ही निकाले गये फलों के रस पीने की, तैलीय भोजन न करने की और पूर्ण आराम की सलाह चिकित्सक देते हैं, आराम न करने पर बुखार रिपीट हो सकता है।

इस रोग में एस्प्रिन या एंटी इन्फलामेटरी दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिये, अन्यथा रक्तस्राव अधिक हो सकता है। इस बुखार में रक्त प्लाज्मा में कमी आती है जिसकी समुचित पूर्ति शरीर में समय पर न किये जाने एवं बुखार को कंट्रोल न करने पर रोग घातक हो सकता है।

जोड़ो में दर्द वाला चिकुनगुनिया बुखार

यह एडीज मच्छर के काटने से होने वाला वायरल बुखार है। जो संक्रमित मच्छर के काटने के बाद प्रायः 2 से 3 दिन में चढ़ता है ये अवधि 1 से 12 दिन भी हो सकती है। **इसके निम्नलिखित लक्षण हैं :-**

● चकतों के साथ या इनके बगैर सूजन ● सिर दर्द, उल्टी, प्रकाश से चुभन ● जोड़ों के दर्द, शरीर का विशेष प्रकार से आगे की ओर झुकना और इनके साथ एक से तीन दिन तक बुखार। बुखार अचानक चढ़ जाता और 39°C से 40°C (102° से 104° फेरन हीट) तक पहुँच जाता है इसके साथ बीच–बीच में कपकपाने वाली ठंड लगती है। यह तीव्र अवस्था दो या तीन दिन रहती है। जोड़ों का दर्द मुख्यतया हाथों, कलाइयों, कोहनी, टखनों तथा पैरों के छोटे–छोटे जोड़ों में होता है। इसमें बड़े जोड़ कम प्रभावित होते हैं। सुबह के समय चलने–फिरने में दर्द बहुत अधिक होता है, जो हल्की कसरत द्वारा कम हो जाता है, किन्तु कठिन कसरत से यह और भी बढ़ जाता है। इसमें सूजन भी हो सकती है किन्तु द्रव (फ्लूइड) का जमाव नहीं देखा जाता। तीव्र लक्षण प्रायः दस दिनों से अधिक नहीं रहते। रोग के कम असर वाले रोगी प्रायः कुछ सप्ताहों में रोग के लक्षणों से मुक्त हो जाते हैं किन्तु अधिक गम्भीर रोगियों को पूर्णतया ठीक होने में कई महीने तक लग जाते हैं।

चिकुनगुनिया का उपचार – इस रोग की भी कोई विशिष्ट दवा नहीं है। ये प्रायः सीमित समय के लिये होता है और कम घातक है एवं समय के साथ ठीक होता है। इस रोग में भी एस्प्रिन तथा स्टीरायड दवाओं के सेवन से बचना चाहिये। शरीर में पानी एवं तरल की पूर्ति के साथ अन्य दवा पैरासिटामाल, डिक्लोफेनाक सोडियम, क्लोरोक्विन जैसे एनाल्जेसिक, एंटीपाइरेटिक्स लेने की सलाह संक्रमण का उपचार करने तथा ज्वर, जोड़ों के दर्द तथा सूजन से मुक्ति दिलाने के लिये दी जाती है। सैद्धान्तिक तौर पर किसी एंटी वाइरल का प्रयोग नहीं किया जाता है। क्लोरोक्विन 250 mg द्वारा अर्थराइटिस के लक्षणों में सुधार पाया गया है परन्तु नियंत्रित अध्ययन की जरूरत है, दवा डॉक्टर की सलाह से ही लें।

कपकपी वाला मलेरिया बुखार

ये बुखार संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने के 10 से 14 दिन बाद प्रकट होता है। ये दो प्रकार का होता है, पी. विवाक्स (वाइवेक्स) एवं पी. फाल्सीफेरम और इन दोनों के इलाज की विशिष्ट दवा है।

पी. विवाक्स – यह मलेरिया हल्का होता है लेकिन **पी. फाल्सीफेरम** मलेरिया एक गम्भीर बुखार है क्योंकि, तत्काल उपचार न किये जाने पर इससे जटिलतायें और मौत भी हो जाती है। इसके अतिरिक्त ये क्लोरोक्वीन के प्रति प्रतिरोध भी दर्शाता है। मलेरिया छोटे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिये विशेष तौर पर खतरनाक है।

मलेरिया बुखार के लक्षण :-

- बहुत ठंड लगती है और शरीर कांपता है।
- त्वचा ठंडी पड़ती है।
- बुखार तेजी से 102 से 106 डिग्री फेरेनहीट तक पहुँच जाता है। मरीज कोमा में भी जा सकता है।
- जी मिचलाता है, उल्टी होती है।
- सिर दर्द होता है, जो धीरे–धीरे तेज हो जाता है।
- पसीना देकर बुखार उतर जाता है।

मलेरिया बुखार में गम्भीर स्थिति :-

कभी–कभी मलेरिया बुखार प्राणघातक हो सकता है और यदि निम्नलिखित लक्षण दिखाई दें तो रोगी को तत्काल अस्पताल ले जाना चाहिये :-

- बहुत तेज बुखार, व्यवहार में परिवर्तन (ऐंठन के दौरे) चेतना शून्यता, निद्रा, भ्रम, चलने, बैठने, बोलने या लोगों को पहचान करने में असमर्थता।
- बार–बार उल्टी करना, दवा खाने, खाना खाने या पानी पीने में असमर्थता।
- गम्भीर अतिसार (पानी जैसे दस्त) व निर्जलीकरण।
- मूत्र का कम आना या नहीं आना या काला आना।
- वजन में अचानक कमी, ढीली त्वचा, आँखों का धसना तथा शुष्क मुँह।
- खून की कमी (पीली आँखें व त्वचा) के कारण तुरन्त थकावट दौरे/ऐंठन तथा चेतना की कमी।
- नाक, मसूड़ों तथा अन्य स्थानों से अकारण अत्याधिक रक्तस्राव।

उपरोक्त सभी लक्षण खतरनाक मलेरिया के सूचक हैं। इनमें से कोई भी लक्षण होते ही तत्काल अस्पताल या निकटतम क्लीनिक में मरीज को ले जायें अन्यथा प्राण जाने का खतरा हो सकता है।

मलेरिया का उपचार – दोनों प्रकार के मलेरिया को उपचार से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। मलेरिया भी उपचार न कराने या पूरी दवा का कोर्स न लेने पर गम्भीर या प्राणघातक हो सकता है अतः इसके उपचार में भी कोई लापरवाही न बरतें। मरीज को ज्यादा से ज्यादा तरल एवं फलों के रस तथा हल्के भोजन की पूर्ति बनाये रखें और तुरन्त डॉक्टर की सलाह से इलाज शुरु करें।

ध्यान रखें – हर मौसम में गंदे हाथों के सम्पर्क एवं दूषित खानपान आदि के कारण टाइफाइड, पीलिया, निमोनिया, कोविड एवं यूरिन या गले में इन्फेक्शन से भी बुखार होता है अतः कोई भी बुखार हो डाक्टरी सलाह तुरन्त ली जानी चाहिये ताकि गम्भीर स्थिति से बच सकें। **याद रखें बुखार सूचना है बीमारी की।**

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

लाला रामस्वरूप रामनारायन पचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

रक्षाबन्धन मुहूर्त

तारीख 11 के 9 बजकर 37 मिनिट प्रातः से ता. 12 के 7 बजकर 18 मिनिट प्रातः तक पूर्णिमा है। तारीख 12 में मिल रही पूर्णिमा सूर्योदय के बाद 3 मुहूर्त (2 घंटा 24 मिनिट) से कम है जिसे रक्षाबन्धन में शास्त्रों में मान्य नहीं किया है इसलिये तारीख 11 की पूर्णिमा में भद्रा उपरांत (8 बजकर 28 मिनिट रात के बाद) रक्षाबंधन किया जाना शास्त्र सम्मत है।

ता. 11 रक्षाबन्धन

ता. 19 भ. श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव

मैरिज डे | बर्थ डे

ता. 31 भ. गणेशोत्सव प्रारंभ

इस चेतावनी को अवश्य पढ़ें

नवम्बर तक डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया बुखार का प्रकोप अधिक रहता है जो मच्छर के काटने से ही होता है। बच्चों को कोचिंग, स्कूल, ट्यूशन, प्ले-ग्राउण्ड, रिश्तेदार या सार्वजनिक स्थान आदि में भेजने के पूर्व मच्छर रोधी क्रीम या नीम-नारियल तेल मिक्स कर उनके खुले अंगों पर लगाकर ही भेजें। विस्तृत जानकारी पिछले पृष्ठों पर पढ़ें।

नफरत बुरी है न पालो इसे, दिलों में खलिश है तो हटा लो उसे, न तेरा न मेरा न इसका न उसका हम सबका वतन है संभालो इसे।

भद्रास्थिति – ता. १ को २।१७ दिन से २।२८ रात तक। ता. ४ को १२।३६ रात से ता. ५ के ११।४५ दिन तक। ता. ८ को ६।७ प्रातः से ४।५८ शाम तक। ता. ११ को ६।३७ दिन से ८।२८ रात तक। ता. १४ को २।३४ दिन से १।४८ रात तक। ता. १७ को ११।४८ रात से ता. १८ के ११।१६ दिन तक। ता. २१ को ३।७ दिन से ३।५७ रात तक। ता. २४ को ६।४२ दिन से १०।४४ रात तक। तारीख ३० को २ बजे रात से तारीख ३१ के १ बजकर ४२ मिनिट दिन तक भद्रा रहेगी। **गुरु, शुक्र तारा** – पूरब दिशा में उदित। **पंचक** – तारीख १२ को ४।२८ शाम से तारीख १६ के १।३७ रात तक।
अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों को भी यही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये।

विक्रम संवत् 2079 | वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायन

AUGUST 2022

सूर्य दक्षिणायन, वर्षा ऋतु | ईस्वी सन् 2022 | शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – सिंह का। ता. १ को ६।३ रात से कन्या का। ता. ३ को ३।५४ रात से तुला का। ता. ६ को ८।३२ दिन से वृश्चिक का। ता. ८ को ११।३६ दिन से धनु का। ता. १० को १।५५ दिन से मकर का। ता. १२ को ४।२८ शाम से कुम्भ का। ता. १४ को ८।७ रात से मीन का। ता. १६ को १।३७ रात से मेष का। ता. १९ को ६।३७ दिन से वृष का। ता. २१ को ७।५६ रात से मिथुन का। ता. २४ को ७।३६ प्रातः से कर्क का। ता. २६ को ७ बजे रात से सिंह का। ता. २८ को ४।३१ रात अंत से कन्या का। ता. ३१ को ११।३७ दिन से तुला का चन्द्रमा रहेगा। *पिछले पृष्ठ अवश्य पढ़िये।* **उदयकालिक लग्न** – ता. १ से १७ तक कर्क लग्न, ता. १८ से सिंह लग्न।

ग्रहों के राशिचार तारीख १ उदयकाल में

हिजरी सन् 1444 मोहर्रम/सफर मास (2)
ता. 8 यौम-ए-अशुरा, ता. 9 मुहर्रम (ताजिया) ता. 11 तीजा, ता. 25 उर्स, ता. 28 चंद्रदर्शन ता. 29 से सफर मास प्रारम्भ

8 श्रावण/भाद्रपद मास (6)

अगस्त

रा.शक सं.1944 रा.श्रावण 10 से रा.भाद्रपद 9 तक (ता. 23 से राष्ट्रीय भाद्रपद मास प्रारम्भ)
बंगला सन् 1429 बंग श्रावण, ता.18 से भाद्रपद मास प्रारंभ

ग्रहों के राशिचार ता. १८ उदयकाल में

दूध हिसाब | तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	धुलाई को कपड़े	तिथि	समय बजे तक
1				४	२।२८ रात तक
2				५	२।२१ रात तक
3				६	१।५४ रात तक
4				७	११।३८ रात तक
5				८	११।११ रात तक
6				९	९।२१ रात तक
7				१०	७।१६ रात तक
8				११	४।५८ शाम तक
9				१२	२।३२ दिन तक
10				१३	१२।१४ दिन तक
11				१४	९।३५ दिन तक
12				१५	७।१८ प्रातः तक
				१	५।१० रा.अं.तक
13				२	३।१६ रात तक
14				३	१।४८ रात तक
15				४	१२।४० रात तक
16				५	१२ बजे रात तक
17				६	११।४८ रात तक
18				७	१२।१६ रात तक
19				८	११।५६ रात तक
20				९	२।१६ रात तक
21				१०	३।५७ रात तक
22				११	दिन-रात
23				११	५।४६ प्रातः तक
24				१२	७।५४ प्रातः तक
25				१३	९।४२ दिन तक
26				१४	११।३६ दिन तक
27				३०	१२।५९ दिन तक
28				१	१।५२ दिन तक
29				२	२।२१ दिन तक
30				३	२।१७ दिन तक
31				४	१।४२ दिन तक
योग					

ग्रहस्थिति

सूर्य – कर्क राशि में, ता. १७ के ६।४५ रात से सिंह राशि में। **मंगल** – मेष राशि में, ता. १० के ८।३७ रात से वृष राशि में। **बुध** – सिंह राशि में, ता. २० के २।१७ रात से कन्या में। **गुरु** – मीन राशि में (वक्री)। **शुक्र** – मिथुन में, ता. ६ के ५।४४ रात अंत से कर्क में, ता. ३१ के ४।३३ शाम से सिंह में। **शनि** – मकर में (वक्री)। **राहु** – मेष में। **केतु** – तुला में।

रवि (SUNDAY)	**ऐच्छिक अवकाश** (राज्य शासन) ता. 2 नागपंचमी, ता. 4 गो.तुलसीदास ज., ता. 8 यौम-ए-अशुरा, ता. 13 दुर्गादास राठौर ज., ता. 16 पारसी नववर्ष, ता. 17 बलदाऊ जयंती, ता. 31 गणेशोत्सव प्रारंभ	**7** श्रावण शुक्ल १०	**14** पंचक, सातवा तीज, कजरी तीज ३	**21** ★ भाद्रपद कृष्ण १०	**28** तान्हा पोला ★ भाद्रपद शुक्ल १
सोम (MONDAY)	**1** विनायक चतुर्थी व्रत श्रावण शुक्ल ४	**8** पुत्रदा एकादशी श्रावण शुक्ल ११	**15** स्वतंत्रता दिवस, बहुला चतुर्थी व्रत ★ गणेश चतुर्थी व्रत ४	**22** ★ भाद्रपद कृष्ण ११	**29** ★ बाबू दोज २
मंगल (TUESDAY)	**2** नागपंचमी श्रावण शुक्ल ५	**9** प्रदोष व्रत श्रावण शुक्ल १२	**16** गोगा पंचमी ★ भाद्रपद कृष्ण ५	**23** ओमद्वास ★ जया/अजा एकादशी ११	**30** हरितालिका तीज व्रत ★ भाद्रपद शुक्ल ३
बुध (WEDNESDAY)	**3** श्रावण शुक्ल ६	**10** ★ श्रावण शुक्ल १३	**17** हरछठ ★ हलषष्ठी व्रत ६	**24** प्रदोष व्रत ★ भाद्रपद कृष्ण १२	**31** विनायक चतुर्थी व्रत भाद्रपद शुक्ल ४
गुरु (THURSDAY)	**4** गो. तुलसीदास जयंती, किशोर कुमार जयंती ★ श्रावण शुक्ल ७	**11** नारियल पूनम ★ व्रत पूर्णिमा १४	**18** भाद्रपद कृष्ण ७	**25** शिव चतुर्दशी व्रत भाद्रपद कृष्ण १३	**मूल** ज्येष्ठा के ता. ७ को ११।४ दिन से ता. ८ के ११।३६ दिन तक फिर मूल के मूल ता. ६ के १० बजे दिन तक। रेवती के ता. १५ को १।३२ रात से ता. १६ के १।३७ रात तक फिर अश्विनी के ता. १७ के २।१० रात तक। अश्लेषा के ता. २५ को ४।४५ शाम से ता. २६ के ७ बजे रात तक फिर मघा के ता. २७ के ८।५२ रात तक।
शुक्र (FRIDAY)	**5** ★ श्रावण शुक्ल ८	**12** कजलियाँ (म.प्र.) ★ स्ना.दा.पूर्णिमा १५/१	**19** जन्माष्टमी व्रत भाद्रपद कृष्ण ८	**26** श्राद्ध अमावस भाद्रपद कृष्ण १४	
शनि (SATURDAY)	**6** ★ श्रावण शुक्ल ९	**13** वीर दुर्गादास राठौर ज., लेफ्ट हैण्डर डे, भाद्रपद कृष्ण २	**20** गोगा नवमी भाद्रपद कृष्ण ६	**27** कुशग्रहणी अमावस्या स्ना.दा.अमावस्या ३०	**जागरूक बनो प्रतियोगिता** वर्ष 2022 में भाग लेने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2022 है।

सूर्य उदय दिनांक 1 – 5:44 5 – 5:46 10 – 5:49 15 – 5:50 20 – 5:53 25 – 5:56
सूर्य अस्त दिनांक 1 – 6:48 5 – 6:46 10 – 6:43 15 – 6:40 20 – 6:36 25 – 6:33

याददाश्त

राशिफल

मेष – संतान, वाहनादि सुख, यात्रा लाभ
वृष – तनाव, जायदाद वृद्धि, मित्र सुख
मिथुन – मित्र मिलन, तनाव, रोग कष्ट
कर्क – पदोन्नति, चिंता, कार्याधिक, लाभ
सिंह – संतान सुख, मित्र सहयोग, यात्रा
कन्या – वाहन कष्ट, यश, संतान सुख
तुला – वाहन लाभ, चोरादि भय, तनाव
वृश्चिक – पदोन्नति, भवन लाभ, मित्र सुख
धनु – जायदाद वृद्धि, स्वास्थ्य कष्ट
मकर – स्थानांतरण, स्वास्थ्य लाभ, यात्रा
कुंभ – भवन लाभ, वाहन कष्ट, तनाव
मीन – शुभ समाचार, मांगलिक कार्य

शुभ मुहूर्त

नामकरण – ता.4,10,22,24,25,29
अन्नप्राशन – ता. 4, 10, 25, 29, 31
गृहारंभ – तारीख 10
जीर्ण गृहप्रवेश – ता. 3, 4, 5, 10
व्यापार प्रा. ता. 3, 4, 17, 21, 29, 31

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 तिलक, संत भाकरे म. पुण्यतिथि
ता. 2 कवि.सुभद्रा कुमारी चौहान जयंती
ता. 9 अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन दि.
ता. 11 लव कुश जयंती, संस्कृत दिवस, खुदीराम बोस शहीद दिवस
ता. 15 योगी अरविंद जयंती
ता. 16 रानी अवंतीबाई लोधी जयंती, पं. अटलबिहारी वाजपेई पु.ति.
ता. 17 श्री धरणीधर जयंती (धाकड़ समाज)
ता. 19 संत ज्ञानेश्वर, महर्षि नवल जयंती
ता. 20 राजीव गांधी ज., सद्भावना दि.
ता. 26 देवी अहिल्याबाई होल्कर पु.ति.
ता. 29 मेजर ध्यानचंद जयंती, खेल दिवस

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ३ को सूर्योदय से ३।५८ दिन तक। ता. २० को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. २२ को सूर्योदय से ६।५ दिन तक। तारीख २५ को सूर्योदय से ४।४५ शाम तक। तारीख २८ को १०।१७ रात से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – तारीख २० को सूर्योदय से रात अंत तक। तारीख २२ को सूर्योदय से ६।५ दिन तक। तारीख २५ को सूर्योदय से ४।४५ शाम तक। **त्रिपुष्कर योग** – तारीख २३ को ११ बजकर ३८ मिनिट दिन से रात अंत तक। **दिगम्बर जैन पर्व** – ता. ४ मोक्ष सप्तमी। ता. ७ कलश दशमी। ता. ७, १४, २१, २८ रवि व्रत। ता. ११ षोडषकारण व्रत प्रारंभ। ता. २० रोहिणी व्रत। ता. ३० रोठ (त्रिलोक) तीज। ता. ३१ पर्युषण पर्व, पुष्पांजली व्रत प्रारंभ। **श्वेताम्बर जैन पर्व** – ता. २ मासक्षर। ता. ११ एवं २६ पाक्षिक प्रतिक्रमण। ता. १६ अक्षय निधि तप प्रारंभ। ता. १७ पक्खर। ता. २४ से ३१ तक पर्युषण पर्व। ता. २८ म. महावीर जन्मवांचन। ता. २९ तेलाधर। ता. ३१ मूल सूत्रवांचन।

अगस्त माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 दूर्वा, विनायक चतुर्थी व्रत
ता. 2 नागपंचमी, मंगला गौरी व्रत
ता. 8 पुत्रदा, पवित्रा एकादशी
ता. 9 प्रदोष व्रत, मंगला गौरी व्रत
ता. 11 श्रावणी व्रत पूर्णिमा, रक्षाबंधन
ता. 12 स्नानदान पूर्णिमा, कजलियाँ
ता. 14 कजरी तीज, सतवा तीज
ता. 15 बहुला, गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 16 भाई भिन्ना, गोगा पंचमी
ता. 17 हलषष्ठी (हरछठ) व्रत
ता. 19 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत
ता. 20 गोगा नवमी
ता. 23 जया एकादशी, ओमद्वास, बछ बारस, गोवत्स द्वादशी
ता. 24 प्रदोष व्रत
ता. 25 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 27 स्ना.दा.कुशग्रहणी अमावस
ता. 28 चंद्रदर्शन, तान्हा पोला
ता. 29 बाबू दोज
ता. 30 हरितालिका तीज व्रत
ता. 31 विनायकी चतुर्थी व्रत, चौथ चंद्र व्रत, गणेशोत्सव प्रारंभ

मासफल – इस मास राजनीति में कठिन परिस्थिति का निर्माण होगा। सीमावर्ती प्रांतों में उग्रवाद जन्य वातावरण बन सकता है, किसी आतंकवादी घटना से जनहानि के योग हैं। पाकिस्तान, सीरिया, रूस में राजनैतिक सरगर्मी तेज होगी। शेयर, सोना, चाँदी एवं खाद्य सामग्री आदि में सामान्य तेजी रहेगी। कुछ स्थानों में अतिवर्षा से पहाड़ धसकने एवं भवन गिरने से जनहानि होगी। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – सूर्य पुष्य नक्षत्र में। तारीख ३ को १०।४३ रात से अश्लेषा नक्षत्र में (संज्ञा–स्त्री–स्त्री, चंद्र–सूर्य, वाहन–चातक, अल्पवृष्टि)। तारीख १७ को ६ बजकर ४५ मिनिट रात से मघा नक्षत्र में (संज्ञा–स्त्री–पुरुष, चंद्र–चंद्र, वाहन–अश्व, वर्षा श्रेष्ठ)। तारीख ३१ को ६ बजकर २६ मिनिट शाम से पू.फा. में (संज्ञा–स्त्री–स्त्री, सूर्य–सूर्य, वाहन–मेष, अल्पवृष्टि)। **पुष्य नक्षत्र** – तारीख २४ को २।१५ दिन से तारीख २५ के ४।४५ शाम तक। **व्यतिपात योग** – तारीख २३ को २।२८ रात से तारीख २४ के ३।१२ रात तक।

डेंगू मच्छर के काटने से कैसे बचें जानिये

प्रहलाद अग्रवाल, अध्यक्ष-मच्छर उन्मूलन सलाहकार समिति, जबलपुर, मो. : 9301413131

ध्यान रखें, गाँठ बाँध लें

मच्छरदानी में सोने वाले ये न सोचें कि मैं और मेरा पूरा परिवार मच्छरदानी लगाकर सोते हैं और एक भी खिड़की, दरवाजे से मच्छर घर के अंदर न घुसें यह सभी सावधानियाँ रखते हैं तो हम लोग डेंगू बुखार से पूरी तरह सुरक्षित हैं।

जी नहीं, ऐसे लोग केवल 35 प्रतिशत ही सुरक्षित हैं 65 प्रतिशत खतरा घर के बाहर के मच्छरों के काटने से बना रहता है। इसलिये उपरोक्त लेख को ध्यान से कई बार पढ़िये क्योंकि डेंगू बुखार की कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है और कोई सटीक दवा भी उपलब्ध नहीं है। अनुभवी चिकित्सक की मेहनत और मरीज की रोग प्रतिरोधक शक्ति और परिवार की जागरूकता से ही मरीज की जान बचती है।

देश के कई क्षेत्रों में सितम्बर-अक्टूबर तक डेंगू बुखार कहर बनकर उभरने की सम्भावना प्रायः हर वर्ष बनती है। *इस बीमारी को फैलने से रोकने का संसार में सिंगल उपाय एक ही है किसी भी स्थिति में मच्छर के काटने से स्वयं को, बच्चों को एवं बुजुर्गों को दिन हो या रात काटने से हर हाल में बचायें।*

अब आप पूछेंगे मच्छर कब काटकर चला जाता है पता ही नहीं चलता! ऐसा कैसे सम्भव है कि मच्छर के काटने से बच्चों को, बुजुर्गों को और स्वयं को बचायें।

तो मैं आपको पूरी तरह विस्तृत रूप से एक-एक सावधानी बताता हूँ और आप मेरे द्वारा बताई गई सावधानियों का ध्यान रखेंगे तो स्वयं को, बच्चों को एवं बुजुर्गों को मच्छर के काटने से अवश्य बचा ले जायेंगे। यह भी ध्यान रखें यह जानकारियाँ आपको किसी किताब में इतने विस्तृत रूप से पढ़ने को भी नहीं मिलेगी। सबसे मुख्य बात फुल बाहों के ढीले कपड़े जुलाई से नवम्बर तक अवश्य पहनें, ये भी ध्यान रखें टाईट पहने गये कपड़ों में भी कभी-कभी मच्छर काट लेता है। फैशन या गर्मी के चक्कर में बिना बाहों के कपड़े न पहनें।

हाफ पेंट या हाफ पैजामा के स्थान पर फुल पेंट या फुल पैजामा पहनें। बच्चे, महिलायें भी इस प्रकार के कपड़े पहनें की टांगे पूरी ढकी रहें। बिना बाहों के कपड़े से दूरी बनायें। ज्यादा बड़ा गला या ज्यादा पीठ खुले कपड़े भी इस समय न पहनें और बचे हुये शेष खुले अंगों पर हर 6 से 8 घंटे में नीम, नारियल तेल आपस में बराबर मात्रा में मिक्स कर लगाते रहें। यह उपाय आपको तब जरूर करना है जब आप घर के बाहर जाते हैं यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो घर के बाहर के दिन में ज्यादा सक्रिय रहने वाले डेंगू के मच्छरों से आप अपने घर में डेंगू ले आयेंगे फिर घर के अंदर बाहर मौजूद सभी मच्छर को आपसे वायरस मिल जायेंगे और वे घर के अन्य सदस्यों को संक्रमित करने लगेंगे। जब तक घर में कोई सदस्य बाहर के मच्छर के काटने से बीमारी लेकर नहीं आता है या घर के अंदर बाहर का डेंगू संक्रमित मच्छर नहीं आता है तब तक बीमारी आने की सम्भावना न के बराबर रहती है। डेंगू जुलाई से अक्टूबर तक हर साल फैलता है इसलिये उपरोक्त सावधानी के बिना घर के बाहर जाने से हर हाल में बचें।

निम्नलिखित स्थानों के मच्छरों के काटने से अनजाने में बहुत लोग डेंगू बुखार से संक्रमित हो रहे हैं इसलिये हर हाल में अपने को मच्छर के काटने से बचाना है और कैसे बचाना है यह भी जानिये।

दवाखाना अस्पताल

इन स्थानों में सभी प्रकार के मरीज डॉक्टर को दिखाने आते हैं उनमें बुखार के मरीज भी होते हैं इन बुखार के मरीज में डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया के भी मरीज हो सकते हैं ऐसे मरीजों को यदि वहाँ पर मौजूद मच्छर ने काट लिया तो वे मच्छर उस मरीज से वायरस ग्रहण कर लेते हैं और अन्य दूसरी बीमारियों से ग्रसित मरीज या उनके साथ आये स्वस्थ सहयोगी को भी काटकर संक्रमित कर देते हैं।

कभी-कभी तो यह भी देखा गया है कि कुछ मरीज दवाखाने अस्पताल में जाने के बाद मच्छर जन्य कई बीमारियों से एक साथ ग्रसित हो जाते हैं मतलब एक ही मरीज को डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया तीनों बीमारी निकल आती है इसलिये दवाखाना अस्पताल में जायें तो पूरी तरह शरीर ढके हुये कपड़े पहनकर जायें और शेष खुले अंगों पर मच्छर रोधी क्रीम या नीम तेल-नारियल तेल मिक्सचर लगाकर जायें (यह मिक्सचर 6 से 8 घंटे तक आपकी मच्छरों से रक्षा करता है) ऐसा ही साथ में जा रहे व्यक्ति को करना चाहिये। वहाँ पर मौजूद मच्छरों पर निगाहें भी रखें कि वे किसी भी जगह आपको नहीं काट पायें क्योंकि कभी-कभी ज्यादा पसीने के कारण मच्छर रोधी क्रीम या नीम-नारियल तेल का मिक्चर धुल जाता है या उसका प्रभाव कम हो जाता है ऐसी स्थिति में भी मच्छर काट लेते हैं। वैसे तो आजकल दवाखाने और अस्पताल प्रबंधन पूरी कोशिश करते हैं कि उनके परिसर में एक भी मच्छर मौजूद न रहे फिर भी आपको अलर्ट रहना है क्योंकि इन स्थानों का दरवाजा बार-बार खुलने के कारण बाहर के मच्छर अंदर आ ही जाते हैं।

ऑफिस या कार्यस्थल

किसी भी ऑफिस या कार्यस्थल चाहे वह सार्वजनिक हो या प्राइवेट वहाँ भी डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया फैलाने वाले मच्छर छुपे बैठे रहते हैं और नये व्यक्ति के आते ही उनके पैरों में चुपचाप काट लेते हैं इसलिये इन जगहों पर जाने पर भी मच्छर न काट पाये यह ध्यान रखना है। ऑफिस मालिक या मैनेजर या जिम्मेदार अधिकारी को भी यह ध्यान रखना है कि उसके रूम में एक भी मच्छर टेबिल, अलमारी, पर्दे आदि के पीछे या नीचे छुपा न बैठा रहे और ऑफिस में मच्छर मारने के लिये करंट से मच्छर मारने वाला एक रैकेट अनिवार्य रूप से मौजूद रहना चाहिये ताकि समय-समय पर इक्का-दुक्का मच्छरों को भी देखते ही मारा जा सके यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो अपने ऑफिस में आने वाले व्यक्ति से इन इक्का-दुक्का मच्छरों द्वारा खुद भी बीमार हो सकते हैं।

मेरी बात का मतलब यह है कि आपके ऑफिस में कोई डेंगू का मरीज जिसको यह नहीं पता कि उसे डेंगू है, आ गया और इन मच्छरों ने उसे काटकर वायरस ग्रहण कर लिये और इन मच्छर ने बाद में आपको काट लिया तो आप बीमारी को अपने साथ अपने घर ले जायेंगे और यह मच्छर आपके ऑफिस में आने वाले हर व्यक्ति को बीमार करने लगेगा इसलिये ऑफिस में टेबिल के नीचे, आजू-बाजू और आसपास छुपे हुये इक्का-दुक्का मच्छरों को भी प्रतिदिन हर हाल में मारना ही है। यह सोचकर नहीं छोड़ना है अरे मच्छर तो हमें नहीं काटता है दूसरों को काट रहा है इसलिये हम क्यों ध्यान दें।

टैक्सी कार या अन्य परिवहन

इनमें भी मच्छर छुपे रहते हैं इन कार, टैक्सियों एवं अन्य परिवहनों में बुखार के मरीज भी यात्रा करते हैं। यह बुखार डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया का भी हो सकता है। यहाँ छुपे मच्छर ऐसे मरीजों से वायरस ग्रहण कर लेते हैं और दूसरे यात्रा करने वाले व्यक्तियों को काटकर बीमारी दे देते हैं। इसलिये टैक्सी, कार, बस, ट्रेन आदि में भी यात्रा करते समय मच्छर न काटे, यह ध्यान रखें।

स्वयं की कार आदि में मच्छर न घुसे इस हेतु काँच एवं दरवाजे अनावश्यक रूप से खुला जरा-भी न छोड़ें फिर भी यदि मच्छर घुस जायें तो उसे मारना न भूलें।

दवा दुकान या अन्य दुकान का काउंटर

इन स्थानों के काउंटर पर जब आप खड़े होते हैं तब कभी-कभी आपके पैरों में काउंटर के नीचे छुपे मच्छर काट के चुपचाप निकल लेता है। ऐसे स्थानों के मच्छरों से भी अपने को हर हाल में काटने से बचाव करना है। यही बचाव आपको सड़क किनारे खड़े होकर बात करते समय, खरीददारी के समय या खाते-पीते समय भी मच्छर के काटने से अपने को बचाकर रखना है। कुछ खानपान की दुकानों पर जैसे होटल आदि में भी टेबिल के नीचे मच्छर छुपे रहते हैं जो मौका लगते ही ग्राहक को काट लेते हैं, इनसे बचने का ध्यान अवश्य रखें। अगर ऐसे स्थानों में आपने सुरक्षा हेतु कोई उपाय नहीं किया है तो अपनी टाँगों को और हाथों को लगातार हिलाते रहें ताकि मच्छर न काट पाये। ज्यादा अच्छा है जिन होटल में मच्छर हो वहाँ जाने से ही बचें।

लिफ्ट एवं कपड़ा चेंजिंग रूम

लिफ्ट एवं कपड़ा चेंजिंग रूम में भी मच्छर के काटने से हर हाल में अपने को बचाना है इन स्थानों पर डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया फैलाने वाले मच्छर मौजूद हो सकते हैं जो काटकर आपको बीमारी दे सकते हैं।

मैदान, स्कूल, कोचिंग सेन्टर, सैलून

इन स्थानों पर डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया फैलाने वाले मच्छर छिपे हो सकते हैं। ऐसे स्थानों पर मच्छर से बचाव की सभी सावधानियाँ बहुत जरूरी है। बच्चों को और बड़ों को इन स्थानों पर शरीर के खुले अंगों पर मच्छर रोधी क्रीम या नीम तेल, नारियल तेल आपस में बराबर से मिक्स करके शरीर के खुले अंगों पर लगाकर ही जाना चाहिये, नहीं तो लापरवाही से डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया घर में आ सकता है।

लेट्रिन बाथरूम

वहाँ पर भी मच्छर प्रायः छुपे रहते हैं जो वहाँ आने वाले अधिकांश व्यक्तियों को काटते रहते हैं। ऐसे सार्वजनिक स्थानों के लेट्रिन बाथरूम उपयोग के समय विशेष सावधानी रखना है कि वहाँ पर मौजूद मच्छर आपको न काट पाये। जिम्मेदार व्यक्ति को भी यह ध्यान रखना चाहिये कि ऐसे स्थानों पर एक भी मच्छर मौजूद न रहे। घर में यदि डेंगू का मरीज है तो लेट्रिन बाथरूम और घर के हर कमरों के मच्छरों को ढूंढ-ढूंढकर कई दिन तक मारते रहना है।

स्वयं का घर, कमरा

इन स्थानों पर भी एक भी मच्छर नहीं रहने देना चाहिये क्योंकि बाहर का व्यक्ति जैसे कर्मचारी, मेहमान आदि के द्वारा इन स्थानों में मौजूद मच्छरों को वायरस मिल सकते हैं और ये मच्छर परिवार के सदस्य को काटकर बीमार कर सकते हैं। ज्यादा अच्छा है कि बाहर से आये हर व्यक्ति को हाथ-पैरों में मच्छर रोधी क्रीम अवश्य लगवा दें।

भवन का पोर्च, बरामदा, आंगन, गार्डन

यदि आप अपने या दूसरे के भवन में आंगन, गार्डन, पोर्च या बरामदे में जरा-भी देर रुकते हैं तो आपको उतनी देर यह भी यह ध्यान रखना है कि मच्छर न काट पायें। यहाँ भी सावधानी के लिये पूरे शरीर को ढँके रहने वाले कपड़े पहनकर ही बाहर आना चाहिये, न कि कम कपड़ों में। प्रायः यह देखा गया कि मेहमान को छोड़ने के लिये घर के सदस्य बाहर निकलने के बाद वहीं पर कुछ देर रुककर बात करने लगते हैं इस दरम्यान मच्छरों के काटने की दोनों पक्षों को पूरी सम्भावना रहती है।

जुलाई से लेकर नवम्बर तक मच्छर के काटने से हर हाल में स्वयं को और परिवार को बचाना आपकी जिम्मेदारी है। खुद भी जागरूक बनें और लोगों को भी जागरूक करें तभी आप मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया से स्वयं को और परिवार को बचा सकते हैं।

धर्मशाला, वेटिंग रूम, रेस्ट हाउस आदि

यह सार्वजनिक स्थान भी डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों का स्थल होता है ज्यादा बेहतर है कि इन स्थानों में मच्छर रोधी क्रीम या नीम-नारियल तेल मिक्चर साथ ले जाना चाहिये ताकि मच्छर रहने पर उनसे बचाव किया जा सके। शादी, सम्मेलन, कैम्प आदि में मच्छर के काटने से बचाव पर विशेष ध्यान देना चाहिये क्योंकि ये प्रायः खुले स्थानों में आयोजित होते हैं, जहाँ पर मच्छरों की उपस्थिति से इंकार नहीं किया जा सकता इसलिये मच्छर के काट लेने से बचाव का विशेष ध्यान रखें।

स्ट्रीट फूड की दुकानें

ये दुकानें खुले नाले-नालियों के पास लगती हैं और इन नाले-नालियों में घरों से बहकर आये मादा मच्छर के अंडे एवं लार्वा-प्यूपा से मच्छरों का भरपूर उत्पादन होता रहता है और ये मच्छर नालियों की दीवालों पर बैठे रहते हैं और खाने-पीने आये ग्राहकों को पैरों में काटकर डेंगू बीमारी का आदान-प्रदान करते रहते हैं।

इस लेख को पढ़ने के बाद अब यह नहीं कहना मच्छर कब काटकर चला जाता है पता ही नहीं चलता लेकिन आपकी बात में पूरी दम है क्योंकि डेंगू बुखार फैलाने वाला ऐडीज मच्छर बहुत छोटा काला, काली सफेद टाँग वाला बहुत फुर्तिला होता है और यह एक ही मच्छर कुछ सेकंड में ही कई लोगों को काटकर संक्रमित कर सकता है और यदि आप एलर्ट नहीं हैं तो यह आपको नजर भी नहीं आयेगा और आपके शरीर में बैठेगा तो पता भी नहीं चलेगा। इसलिये यह लेख विशेषतौर से लिखा गया है ताकि आप इस मच्छर के काटने से खुद को और अपनों को बचा सकें।

इस वर्ष के सूर्य एवं चंद्रग्रहण

आसमान में प्रत्यक्ष रूप से आपके क्षेत्र में न दिखने वाले ग्रहण की कोई धार्मिक मान्यता नहीं है। अतः टी.वी. चैनलों, सोशल मीडिया आदि से भ्रमित न हों।

इस वर्ष विश्व में चार ग्रहण हो रहे जिनमें दो ग्रहण ही भारत में दिखेंगे।

सूर्यग्रहण (भारत में दृश्य नहीं) – 30 अप्रैल/1 मई 2022, वैशाख कृष्ण अमावस्या को लगने वाला सूर्यग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। भारतीय समय अनुसार ग्रहण का प्रारम्भ 12 बजकर 16 मिनिट रात पर तथा मोक्ष 4 बजकर 8 मिनिट रात अंत पर होगा। यह ग्रहण दक्षिण अमेरिका, दक्षिण प्रशांत महासागर आदि में दिखाई देगा, इसलिये कोई भी धार्मिक अनुष्ठान आदि की आवश्यता भारत में नहीं है। टी.व्ही. पर देखकर भ्रमित न हों।

चंद्रग्रहण (भारत में दृश्य नहीं) – 16 मई 2022, वैशाख शुक्ल पूर्णिमा को लगने वाला खग्रास चंद्रग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। भारतीय समय अनुसार ग्रहण का प्रारम्भ 7 बजकर 58 मिनिट प्रातः तथा मोक्ष 11 बजकर 25 मिनिट दिन में होगा। यह ग्रहण न्यूजीलैंड, कनाडा के कुछ भाग, जर्मनी आदि देशों में दिखेगा। इसलिये भारत में इस ग्रहण का सूतक एवं धार्मिक मान्यता आदि नहीं है। टी.व्ही. पर देखकर भ्रमित न हों।

इस वर्ष प्रमुख रूप से भारत में दो ही ग्रहण दिखेंगे।

सूर्यग्रहण (भारत में दृश्य) – मंगलवार, 25 अक्टूबर 2022, कार्तिक कृष्ण अमावस्या को लगने वाला सूर्यग्रहण भारत में खण्डग्रास सूर्यग्रहण के रूप में दिखेगा। भारत में ग्रहण का प्रारम्भ 4 बजकर 23 मिनिट शाम से 6 बजकर 25 मिनिट शाम तक रहेगा। भारत के अलावा यह ग्रहण विदेश के कुछ क्षेत्रों में दिखाई देगा। ग्रहण का स्पर्श 4 बजकर 23 मिनिट शाम। ग्रहण का मध्य 5 बजकर 28 मिनिट शाम। ग्रहण का मोक्ष 6 बजकर 25 मिनिट शाम को होगा। जिन स्थानों में सूर्य अस्त 6 बजकर 25 मिनिट शाम के पूर्व होगा वहाँ ग्रहण समाप्ति सूर्यास्त के साथ ही मानी जाती है।

ग्रहण का राशिफल :–

मेष – धन लाभ, **वृष** – साथी कष्ट, **मिथुन** – शुभ समाचार, **कर्क** – प्रतिष्ठा, **सिंह** – विवाद, **कन्या** – सम्मान, **तुला** – कष्ट, **वृश्चिक** – हानि, **धनु** – सम्मान, **मकर** – शुभ, **कुंभ** – आघात, **मीन** – विवाद।

चंद्रग्रहण (भारत में दृश्य) – मंगलवार, 8 नवम्बर 2022, कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को लगने वाला चंद्रग्रहण भारत में खग्रास चन्द्रग्रहण के रूप में दिखेगा। भारत में ग्रहण का प्रारम्भ 2 बजकर 41 मिनिट दिन से 6 बजकर 20 मिनिट शाम तक रहेगा। ग्रहण का स्पर्श 2 बजकर 13 मिनिट दिन में होगा। ग्रहण का मध्य 4 बजकर 30 मिनिट शाम में होगा। ग्रहण का मोक्ष 6 बजकर 20 मिनिट शाम को होगा। भारत में यह ग्रस्तोदित चंद्रग्रहण के रूप में चंद्रोदय 5 बजकर 20 मिनिट शाम से प्रायः सभी क्षेत्रों में समयांतर से दिखेगा।

ग्रहण का राशिफल :–

मेष – आघात, **वृष** – व्यय, **मिथुन** – लाभ, **कर्क** – सम्मान, **सिंह** – प्रतिष्ठा, **कन्या** – हानि, **तुला** – कष्ट, **वृश्चिक** – तनाव, **धनु** – धन लाभ, **मकर** – सुख, **कुंभ** – अपव्यय, **मीन** – अपयश।

ग्रहण सूतक – चन्द्रग्रहण में ग्रहण प्रारम्भ समय से 9 घंटे पूर्व और सूर्यग्रहण में 12 घंटे पूर्व ग्रहण का सूतक ग्रहण आसमान में दिखने वाले क्षेत्रों में ही लागू होता है।

वर्षा विचार

जब सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करता है, उसी समय से ही भारत के विभिन्न प्रांतों में वर्षा का आगमन माना जाता है। इस वर्ष आर्द्रा का प्रवेश धनु लग्न में हो रहा है। लग्नेश गुरु सुख भाव में जल राशि में है तथा चन्द्रमा भी जल राशि में है, यह अच्छी वर्षा के संकेत दे रहा है। रोहिणी का वास समुद्र तट पर है जिसके प्रभाव से मानसून की वर्षा समय पर होगी। देश के कुछ भागों को छोड़कर प्रायः पूरे देश में अच्छी वर्षा होगी, कहीं-कहीं सूखा, वर्षा की कमी से फसलों को हानि भी होगी। कहीं-कहीं बाढ़, भू-स्खलन आदि प्राकृतिक प्रकोपों से हानि का भी योग है।

ग्रहों की दृष्टि से वर्षा की संभावित तारीखें

जनवरी – ता. 3 से 8, 11 से 14 और 23 से 27 तक कहीं-कहीं बूँदा-बाँदी, खण्डवृष्टि, शीतलहर, कोहरा, धुंध आदि से यातायात बाधित होगा। तुषारपात से कृषि को हानि के योग हैं।

फरवरी – ता. 3 से 5, 10 से 16, 25 और 26 तक उत्तरप्रदेश, शिलांग और अन्य प्रांतों में बादल चाल, छुटपुट वर्षा एवं उत्तर भारत में हवा का जोर रहेगा।

मार्च – ता. 8 से 13, 16, 17 को आकस्मिक शीतवृद्धि के बाद तापमान में वृद्धि होगी। उत्तरार्द्ध में गर्मी का अनुभव होगा।

अप्रैल – ता. 9 से 13 और 20 से 26 तक महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, पूर्वी असम, बंगाल के कुछ भागों में वायु वेग के साथ बूँदाबांदी और गर्मी का अहसास होगा।

मई – तापमान में तेजी आयेगी, कहीं लू-लपट से हानि होगी, ता. 1 से 5, 15 और 29 से 31 के लगभग मुम्बई, असम, बिहार आदि के कुछ भागों में बूँदाबांदी होगी।

जून – उत्तर भारत में तेज गर्मी का प्रभाव रहेगा, ता. 9 से 13, 22 और 26 से 30 के बीच देश के अनेक भागों में वायु वेग के साथ वर्षा होगी। समुद्र के तटीय भागों में अच्छी वर्षा के योग हैं।

जुलाई – ता. 2 से 5, 8 से 11, 16 से 19 और 27 से 29 तक कहीं-कहीं बिजली गर्जना के साथ अच्छी वर्षा एवं कहीं-कहीं सूखे का योग भी है।

अगस्त – ता. 1 से 4, 6 से 10, 14 से 19, 23 से 28 और 31 को कहीं-कहीं सामान्य वर्षा तो कहीं अतिवृष्टि भी होगी, कहीं वर्षा के बादल बिखरेंगे।

सितम्बर – ता. 3 से 5, 9 से 11, 13 से 15 और 22 से 29 के मध्य कहीं अतिवृष्टि और कहीं खण्डवृष्टि होगी, कहीं बाढ़ आयेगी।

अक्टूबर – ता. 2 से 5, 8 से 13 और 28 से 30 तक उत्तर भारत सहित देश के अनेक भागों में बादल चाल, छुटपुट वर्षा, बूँदा-बाँदी एवं कहीं सूखा के योग, मासांत में ठंडक का प्रभाव बढ़ेगा।

नवम्बर – ता. 1 से 3, 12 से 14 और 29 के मध्य कहीं बादल, वर्षा के योग हैं। कश्मीर, उत्तराखण्ड, हिमाचल आदि में अच्छी बर्फबारी होगी। शीत का प्रकोप बढ़ेगा।

दिसम्बर – ता. 2, 3, 11 से 14 और 28 से 31 के मध्य कहीं-कहीं बादल चाल, वर्षा, ओलावृष्टि, तुषारपात, शीतलहर से फसलों को हानि होगी।

ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम
नेहरू नगर, भोपाल मो. : 9827322068

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

तेज बुखार में जान बचायें

100°F से अधिक बुखार बढ़ने पर चिकित्सीय सलाह से पैरासिटामाल दवा का सेवन करें, शरीर पर नार्मल पानी की पट्टियाँ रखें तथा पानी पिलाकर बुखार बढ़ने से रोकें। आराम सहित पानी, ओ.आर.एस. (इलेक्ट्रॉल), फल, प्रोटीन युक्त भोजन आदि की पूर्ति शरीर में पर्याप्त बनाये रखें। तेज बुखार जानलेवा हो सकता है। बुखार पर थर्मामीटर से निगरानी अवश्य रखें।

ता. 17 भ. विश्वकर्मा पूजा

ता. 18 राजा शंकरशाह, रघुनाथशाह बलिदान दिवस

मैरिज डे

बर्थ डे

ता. 26 महाराजा अग्रसेन जयंती

बीमार होने से बचें

इस समय निमोनिया, पीलिया, टाइफाइड, सर्दी, जुखाम, गला खराब, कोविड, वायरल बुखार एवं मच्छर के काटने से होने वाला डेंगू, मलेरिया, चिकिनगुनिया बुखार भी फैलता है इसलिये मच्छर के काटने से बचने के साथ-साथ दूषित खाद्य, पानी, सलाद अन्य खान-पान एवं ठंड लगने वाली हवा से बचना है। बीमार होने पर तुरन्त चिकित्सक की सलाह से इलाज लेना है।

नकली, मिलावटी या प्रसिद्ध ब्रांड की मिलती-जुलती सामग्री ग्राहक को टिकाने से सम्मान व व्यापार तो चौपट होता ही है, जेल भी जाना पड़ सकता है।

भद्रास्थिति – ता. ३ को ६।२६ दिन से ८।२४ रात तक। ता. ६ को १।२६ दिन से १२।१५ रात तक। ता. ९ को ५।२४ शाम से ४।२६ रात अंत तक। ता. १२ को १२।३५ रात से ता. १३ के १२।१५ दिन तक। ता. १६ को १।१५ दिन से १।४५ रात तक। ता. २० को ७।१५ प्रातः से ८।१७ रात तक। ता. २३ को १।३० रात से ता. २४ के २ बजे दिन तक। ता. २६ को १२।४२ दिन से १२ बजे रात तक भद्रा रहेगी। 'मास्क लगायें कोरोना भगायें'

गुरु, शुक्र तारा – पूर्व दिशा में उदित, शुक्र तारीख २८ के ११।५० रात से पूर्व दिशा में ही अस्त हो जावेगा। 'पिछले पृष्ठों का अध्ययन अवश्य करें'।

पंचक – तारीख ८ को १२।२६ रात से तारीख १३ के ६।१२ दिन तक।

विक्रम संवत् 2079 | वीर निर्वाण सं. 2548

रामनारायण

SEPTEMBER 2022

सूर्य दक्षिणायन, वर्षा/शरद ऋतु | ईस्वी सन् | शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – तुला का। ता. २ को ४।२७ शाम से वृश्चिक का। ता. ४ को ७।३८ रात से धनु का। ता. ६ को ६।४८ रात से मकर का। ता. ८ को १२।२६ रात से कुम्भ का। ता. १० को ३।५५ रात से मीन का। ता. १३ को ६।१२ दिन से मेष का। ता. १५ को ४।५७ शाम से वृष का। ता. १७ को ३।३ रात से मिथुन का। ता. २० को २।३८ दिन से कर्क का। ता. २२ को २।६ रात से सिंह का। ता. २५ को ११।५४ दिन से कन्या का। ता. २७ को ७।१५ रात से तुला का। तारीख २९ को १२ बजकर १७ मिनिट रात से वृश्चिक का चन्द्रमा रहेगा। "मच्छर के काटने से बच्चों को भी बचायें"।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १७ तक सिंह लग्न, ता. १८ से कन्या लग्न।

ग्रहों के राशिचार तारीख १ उदयकाल में

च. ८, शु. ६ के. ७	५ स. शु.	४ ३
८		२ मं.
९	११	१ रा.
श. १०		१२ गु.

हिजरी सन् 1444

सफर/रबि उलावल मास (3)

तारीख 17 चैहल्लुम (चालीसा), ता. 21 आखिरी चहार शम्बा, तारीख 25 शहादते इमाम हसन ता. 27 चहल्लुम, ता. 28 से रबि उलावल मास प्रा.

9 भाद्रपद/आश्विन (क्वाँर) मास (7)

सितम्बर

रा.शक सं.1944

रा.भाद्रपद 10 से रा.आश्विन 8 तक (ता. 23 से राष्ट्रीय आश्विन मास प्रारम्भ)

बंगाली सन् 1429

बंग भाद्रपद, ता. 18 से आश्विन मास प्रारंभ

ग्रहों के राशिचार ता. १८ उदयकाल में

के. ७	६ शु. बु.	५ सू.
८		४
९		३ चं.
श. १०	१२ गु.	मं. २

दूध हिसाब | धुलाई को कपड़े | तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	धुलाई को कपड़े	तिथि	समय बजे तक
1				५	१२।४० दिन तक
2				६	११।१५ दिन तक
3				७	६।२६ दिन तक
4				८	७।२२ प्रात तक
				९	५।१६ रा.अं.तक
5				१०	२।४२ रात तक
6				११	१२।१५ रात तक
7				१२	६।५० रात तक
8				१३	७।३१ रात तक
9				१४	५।२४ शाम तक
10				१५	३।३३ दिन तक
11				१	२।२ दिन तक
12				२	१२।५५ दिन तक
13				३	१२।१५ दिन तक
14				४	१२।४ दिन तक
15				५	१२।२५ दिन तक
16				६	१।१५ दिन तक
17				७	२।३४ दिन तक
18				८	४।१६ शाम तक
19				९	६।१३ शाम तक
20				१०	८।१७ रात तक
21				११	१०।१८ रात तक
22				१२	१२।४ रात तक
23				१३	१।३० रात तक
24				१४	२।२६ रात तक
25				३०	२।४७ रात तक
26				१	२।२५ रात तक
27				२	२।२४ रात तक
28				३	१।२५ रात तक
29				४	१२ बजे रात तक
30				५	१०।१४ रात तक
योग					

पंचांग गिफ्ट करें

यह पंचांग बहुमूल्य जानकारियों का खजाना है, आप जिसको भी यह गिफ्ट करेंगे वह आपका प्रशंसक हो जायेगा। इस बार गिफ्ट अवश्य करके देखिये।

मूल

ज्येष्ठा के ता. ३ को ६।३ रात से ता. ४ के ७।३८ रात तक फिर मूल के मूल ता. ५ के ६।३ शाम तक। रेवती के ता. १२ को ६।१४ दिन से ता. १३ के ६।१२ दिन तक फिर अश्विनी के ता. १४ के ६।३६ दिन तक। अश्लेषा के ता. २१ को ११।५० रात से ता. २२ के २।६ रात तक फिर मघा के ता. २३ के ४।७ रात अंत तक। ज्येष्ठा के ता. ३० को ५ बजे रात अंत से प्रारम्भ होंगे।

ऐच्छिक अवकाश

ता. 3 नवाखाई
ता. 6 डोल ग्यारस
ता. 8 ओनम
ता. 9 अनन्त चतुर्दशी
ता. 17 भ.विश्वकर्मा पूजा
ता. 24 प्राणनाथ प्रग.महो.
ता. 26 म.अग्रसेन जयंती

वार					
रवि (SUNDAY)		4 श्रीचंद्र नवमी, भाद्रपद शुक्ल ८/९	11 प्रतिपदा श्राद्ध, आश्विन कृष्ण १	18 जिऊतिया व्रत, आश्विन कृष्ण ८	25 पितृमोक्ष अमावस्या, स्ना.दा.श्रा.अमावस ३०
सोम (MONDAY)		5 शिक्षक दिवस, तेजा दशमी १०	12 पंचक, आश्विन कृष्ण २	19 मातृ नवमी, आश्विन कृष्ण ९	26 बैठकी, नवरात्रारंभ १
मंगल (TUESDAY)		6 डोल ग्यारस, भाद्रपद शुक्ल ११	13 अं. गणेश चतुर्थी व्रत, आश्विन कृष्ण ३	20 दशमी श्राद्ध, आश्विन कृष्ण १०	27 चन्द्रदर्शन, आश्विन शुक्ल २
बुध (WEDNESDAY)		7 श्रवण द्वादशी, भाद्रपद शुक्ल १२	14 आश्विन कृष्ण ४	21 इंदिरा एकादशी, आश्विन कृष्ण ११	28 शहीद भगतसिंह जयंती, आश्विन शुक्ल ३
गुरु (THURSDAY)	1 ऋषि पंचमी, भाद्रपद शुक्ल ५	8 प्रदोष व्रत, भाद्रपद शुक्ल १३	15 आश्विन कृष्ण ५	22 संन्यासी श्राद्ध, आश्विन कृष्ण १२	29 विनायकी चतुर्थी व्रत, आश्विन शुक्ल ४
शुक्र (FRIDAY)	2 संतान साते, मोरवाई छठ ६	9 व्रत पूर्णिमा, अनंत चतुर्दशी १४	16 आश्विन कृष्ण ६	23 प्रदोष व्रत, आश्विन कृष्ण १३	30 आश्विन शुक्ल ५
शनि (SATURDAY)	3 दुर्गाष्टमी, राधाष्टमी ७	10 गुर्जर रोट पूजन, स्नानदान पूर्णिमा १५	17 चंद्रोदय १०।४४ रात, महालक्ष्मी व्रत ७	24 शिव चतुर्दशी व्रत १४	पंचांग विक्रय हेतु

पंचांग विक्रय हेतु

जिन नगरों में यह पंचांग उपलब्ध नहीं है, उन नगरों में पंचांग विक्रेता नियुक्त करना है। पंचांग विक्रेता सम्पर्क करें 08871944563

यादद्दाश्त

राशिफल

मेष – वाहन सुख, यात्रा, विवाद समाप्ति
वृष – पारिवारिक तनाव, व्यर्थ विवाद
मिथुन – उन्नति, मांगलिक कार्य, यात्रा
कर्क – सफलता, धन लाभ, व्यर्थ विवाद
सिंह – खर्च अधिक, वाहन सुख, चिंता
कन्या – भूमि लाभ, वाहन सुख, भय
तुला – पुत्र सुख, अचानक लाभ, चिंता
वृश्चिक – कार्याधिक, वाहन कष्ट, खर्च
धनु – मांगलिक कार्य, उन्नति, दूर प्रवास
मकर – नया कार्य प्रारंभ, धनागम, यात्रा
कुंभ – तनाव, धार्मिक कार्य, संतान सुख
मीन – विश्वासघात, संतान सुख, चिंता

शुभ मुहूर्त

विवाह – इस मास नहीं हैं।
नामकरण – ता. 1, 8, 12, 21, 26, 28
अन्नप्राशन – ता. 1, 8, 12, 16, 19, 28, 30
व्यापार प्रारंभ – ता. 7, 11, 12, 28, 30

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 गुरु ग्रंथ साहिब प्रकाश दिवस
ता. 5 शिक्षक दि., डॉ.राधाकृष्णन ज., संत मदर टेरेसा पुण्यतिथि
ता. 8 विश्व साक्षरता दिवस, माँ वेलांकनी पर्व (ईसाई समाज)
ता. 9 सद्गुरु धनीदेव परमधामवास दि.
ता. 11 संत विनोबा भावे जयंती
ता. 13 स्वामी ब्रह्मानंद लोधी निर्वाण दि.
ता. 14 राष्ट्रीय हिन्दी दिवस
ता. 15 इं.मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जयंती अभियंता दिवस
ता. 18 राजा शंकरशाह, रघुनाथशाह ब.दि.
ता. 24 प्राणनाथ प्रगटन महोत्सव
ता. 25 पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती

ग्रहस्थिति

सूर्य – सिंह राशि में, तारीख १७ के १०।४६ रात से कन्या राशि में। **मंगल** – वृष राशि में। **बुध** – कन्या राशि में, ता. १० के ७।१८ रात से वक्री। **गुरु** – मीन राशि में (वक्री)। **शुक्र** – सिंह राशि में, तारीख २४ के ८।५६ रात से कन्या राशि में। **शनि** – मकर राशि में (वक्री)। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

मच्छरों के काटने से बचाव का तरीका आरत्स के पिछले पेज पर पढ़िये।

सूर्य उदय	दिनांक	1 – 5:56	5 – 5:57	10 – 5:58	15 – 6:00	20 – 6:01	25 – 6:04
सूर्य अस्त	दिनांक	1 – 6:24	5 – 6:22	10 – 6:15	15 – 6:11	20 – 6:08	25 – 6:03

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ४ को ७।३८ रात से रात अंत तक। ता. ११ को ६।४२ दिन से रात अंत तक। ता. १३ को ६।१२ दिन से रात अंत तक। ता. १७ को सूर्योदय से १।५५ दिन तक। ता. २५ को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. ३० को ६।६ प्रातः से ५ बजे रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. १३ को ६।१२ दिन से रात अंत तक। ता. १७ को सूर्योदय से १।५५ दिन तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. १७ को १।५५ दिन से २।३४ दिन तक। ता. २७ को ७।१३ प्रातः से २।२४ रात तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. २० को ६।१७ रात से ता. २१ के ११।५० रात तक। **नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा** – तारीख २१ से २५ तक नर्मदेश्वर-पूर्णेश्वर-ओंकारेश्वर नर्मदा नगर, इंदिरा सागर बाँध।

पूर्णिमा श्राद्ध – आश्विन कृष्ण पक्ष एकम से पितृमोक्ष अमावस्या तक पितरों की मृत्यु तिथि को श्राद्ध का विधान बताया गया है। पूर्णिमा का श्राद्ध द्वादशी श्राद्ध तिथि या पितृमोक्ष अमावस्या को बताया है। (धर्म सिन्धु पृष्ठ १२८)

सितम्बर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 ऋषि पंचमी
ता. 2 मोरवाई छठ, संतान सातें, मुक्ताभरण सप्तमी
ता. 3 राधाष्टमी, दूर्वाष्टमी
ता. 6 जलझूलनी (डोल) एकादशी
ता. 7 श्रवण द्वादशी
ता. 8 प्रदोष व्रत
ता. 9 पार्थिव ग., गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी, व्रत पूर्णिमा
ता. 10 स्ना.दा.पूर्णिमा, गुर्जर रोट पू.
ता. 11 पितृपक्ष प्रारम्भ
ता. 13 अंगारकी गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 17 महालक्ष्मी व्रत
ता. 18 जिऊतिया व्रत
ता. 21 इंदिरा एकादशी व्रत
ता. 23 प्रदोष व्रत
ता. 24 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 25 स्ना.दा.पितृमोक्ष अमावस
ता. 26 शारदीय नवरात्रारंभ, बैठकी
ता. 27 चन्द्रदर्शन
ता. 29 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 30 उपांग ललिता व्रत

मासफल – इस मास केन्द्रीय सत्ता पक्ष एवं विपक्षी राज्य सरकारों में मतभेद बढ़ेंगे। शेयर, सोना, चाँदी एवं खाद्य सामग्री में तेजी दिखेगी। वर्षा से भवन गिरने, पहाड़ खिसकने एवं संक्रामक रोग की घटनाओं में वृद्धि होगी।

सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य पू.फा. में। ता. १४ को १२।३६ दिन से उ.फा. में (संज्ञा-स्त्री-पुरुष, सूर्य-चंद्र, वाहन-खर, वर्षा श्रेष्ठ)। ता. २७ को ४।२ रात अंत से हस्त में (संज्ञा-स्त्री-स्त्री, सूर्य-सूर्य, वाहन-जम्बूक, अल्पवृष्टि)।

व्यतिपात योग – ता. १८ को ८।४३ दिन से तारीख १९ के ६।१० दिन तक।

दिगम्बर जैन पर्व – ता. १ ऋषि पंचमी। ता. ३ शील सप्तमी। ता. ४ पुष्पांजली व्रत पूर्ण, रवि व्रत। ता. ५ सुगंध दशमी। ता. ५ से ६ अनंत व्रत। ता. ८ से १० रत्नत्रय व्रत। ता. ९ अनंत चतुर्दशी, पर्युषण पर्व पूर्ण। तारीख १० क्षमावाणी। तारीख ११ रवि व्रत, षोडषकारण व्रत पूर्ण। तारीख १७ रोहिणी व्रत।

श्वेताम्बर जैन पर्व – ता. ४ दुबली आठम। ता. ९ एवं २४ पाक्षिक प्रति.।

आपकी राशि इस वर्ष क्या बोलती है

पं. रोहित दुबे, पं. सौरभ दुबे
465, कोतवाली, तमराई चौक, जबलपुर (म.प्र.)
मोबा.: 94251 61392, 9993039666
sourabhdby@gmail.com

मेष
चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

व्यवसाय – यह वर्ष आपको सभी क्षेत्रों में सफलता दिलाने में सहायक होगा लेकिन मानसिक अस्थिरता बढ़ाने वाला भी है। यदि आप कारखाना मालिक हैं तो लेबर या मशीनरी समस्या का सामना भी करना पड़ेगा फिर भी आपके कार्यक्षेत्र में शनैः-शनैः प्रगति का वातावरण बनेगा। राजनीति के क्षेत्र में कुछ सफलतायें मिलेंगी पर फिर भी आप संतुष्ट नहीं रहेंगे। यदि आप सर्विस क्षेत्र में हैं तो अपने कार्य से विशेष सम्मान पा सकते हैं। यदि आप शोरूम संचालक हैं तो पिछले वर्षों की मंदी से इस वर्ष बाहर निकलने का योग बनेगा। **धन सम्पत्ति** – आर्थिक आधार पर सफलता का क्रम जुड़ेगा। गृह भूमि मामलों में उलझ सकते हैं। शेयर बाजार में सतर्कता से निवेश करने से ही सफलता मिलेगी। **घर परिवार** – अप्रैल से जून के मध्य मांगलिक कार्य में व्यय भार बढ़ेगा। संतान के लिये समय अनुकूल है। पारिवारिक दायित्व बढ़ेंगे, अनावश्यक घर विवाद बन सकते हैं। **स्वास्थ्य** – राहु के प्रभाव के कारण इस वर्ष रक्तचाप, मधुमेह एवं घातादि भय भी रहेगा। **यात्रा प्रवास तबादला** – तीर्थयात्रा का मन बनेगा, विदेश यात्रा का भी योग बन सकता है। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो दूरस्थ स्थान में स्थानांतरण हो सकता है। **परीक्षा प्रतियोगिता** – प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने का हर्ष रहेगा, एकाग्रता से कार्य सिद्धि, परीक्षा में सफलता मिलने का योग बनेगा। **धार्मिक कार्य** – गोमेद रत्न धारण करना, हनुमत आराधना, वृक्षारोपण, श्रीयंत्र का पूजन करना, मंगल को लाल वस्तु का दान करना लाभप्रद रहेगा।

वृष
इ, उ, ए, ओ, वा, व, वी, वू, वे, वो

व्यवसाय – यह वर्ष आपको मानसिक स्थिरता बढ़ाने वाला तथा कार्यों में गति देने वाला रहेगा। अनावश्यक तनाव एवं वाद-विवाद भी बनेंगे एवं पारिवारिक एकजुटता पर भी असर पड़ेगा परन्तु फिर भी आप अपनी योग्यता एवं धैर्यता से सभी बाधाओं से सफलतापूर्वक अपने को निकाल ले जायेंगे। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो अधिकारी वर्ग से कुछ तनाव हो सकता है। शेयर मार्केट एवं भूमि संबंधी कार्यों में सतर्कता से ही लाभ मिलेगा। अप्रैल में मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। **धन सम्पत्ति** – अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी, गृह निर्माण में बाधा आ सकती है, पुरानी फैक्ट्री, भूमि एवं घरेलू सामग्री का विक्रय भी नये भवन, नई घरेलू सामग्री खरीदने के लिये सम्भव है। **घर परिवार** – मई-जून में मांगलिक कार्य पूर्ण होंगे, पारिवारिक वातावरण में सामंजस्य बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। **स्वास्थ्य** – एलर्जी, घातादि रोग से परेशानियाँ, सिर पीड़ा, नेत्र विकार से कष्ट रहेगा। मार्च तथा जून में स्वास्थ्य कष्ट के संकेत अधिक हैं। **यात्रा प्रवास तबादला** – स्थानांतरण के साथ कार्य क्षेत्र में परिवर्तन होगा, नौकरी में घर वापसी की सम्भावना बनते-बनते रुक सकती है। मार्च से मई के बीच उत्तर-पश्चिम दिशा में भ्रमण होगा। **परीक्षा प्रतियोगिता** – उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता, वर्ष का पूर्वार्द्ध सर्विस में सफलता दिलायेगा, परीक्षा में एकाग्रता से कार्यसिद्धि होगी। **धार्मिक कार्य** – शनिवार का व्रत, हनुमत उपासना, वृक्षारोपण करना, गोमेद, हीरा रत्न पहनना लाभप्रद रहेगा।

मिथुन
का, की, कु, के, को, घ, ङ, छ, हा

व्यवसाय – यह वर्ष आपको मानसिक अस्थिरता बढ़ाने वाला तथा कार्यों में विलम्ब देने वाला रहेगा, अनावश्यक तनाव और वाद-विवाद आपका आसानी से पीछा नहीं छोड़ेंगे। आप अपनी अच्छी छवि के कारण प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से सभी विवादों को आसानी से निपटा ले जायेंगे। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो अपने अधिकारी वर्ग से तनाव महसूस करेंगे फिर भी आपकी उत्तम कार्यशैली आपकी रक्षा करेगी। शेयर मार्केट एवं भूमि संबंधी कार्यों में आपका धन फंस सकता है जिसे वापस पाने के लिये आपको बहुत प्रयास के बाद ही सफलता मिल पायेगी। अप्रैल में मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। **धन सम्पत्ति** – इस वर्ष अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी, गृह निर्माण में बाधा बन सकती है, व्यापार अधिक बढ़ेगा, पुरानी फैक्ट्री का विक्रय भी नया शोरूम स्थापित करने के लिये सम्भव है। **घर परिवार** – मई-जून में मांगलिक कार्य पूर्ण होंगे, पारिवारिक वातावरण में खुशहाली बढ़ेगी, आर्थिक मामलों में विशेष सफलता मिलेगी। **स्वास्थ्य** – उदर विकार, एलर्जी घात भय एवं श्वांस संबंधी परेशानी हो सकती है। **यात्रा प्रवास तबादला** – नवीन पद स्थापना का लाभ दूर स्थान में मिल सकता है, विदेश भ्रमण, तीर्थयात्रा का योग भी है। **परीक्षा प्रतियोगिता** – एकाग्रता एवं जूनून से ही सफलता एवं प्रतिष्ठापूर्ण पद प्राप्त होगा। **धार्मिक कार्य** – प्रत्येक बुधवार को गणपति उपासना, शनिवार को हनुमत उपासना, नीलम, पन्ना रत्न धारण करना एवं नीम, पीपल का वृक्षारोपण लाभप्रद रहेगा।

कर्क
ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

व्यवसाय – व्यवसायिक दृष्टि से यह वर्ष आपको कुछ कठिनाईयों से युक्त रखेगा। अस्थिरता एवं गलत निर्णय से परेशानी बढ़ सकती है परन्तु मार्च के बाद सभी परेशानियों से आपको छुटकारा मिल सकता है। औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में लाभदायक स्थिति निर्मित होगी, साहस और धैर्य से कार्य सम्पन्न होंगे। प्रभावशाली व्यक्ति के साथ आपकी मित्रता बढ़ सकती है। आपको नवीन नियुक्ति का लाभ भी मिलेगा। भूमि-भवनादि संबंधी कार्यों में कुछ रुकावट उत्पन्न हो सकती है जिसे आप अपनी सूझबूझ से हल कर लेंगे। यदि आप राजनैतिक व्यक्ति हैं तो अपने पूर्व के किये गये कार्यों से प्रतिष्ठा पूर्ण पद प्राप्त होने का योग बन रहा है। **धन सम्पत्ति** – नवीन उपक्रम एवं स्थाई सम्पत्ति प्राप्ति का योग है, शेयर मार्केट भी आपको लाभ दिलायेगा। **घर परिवार** – परिवार में रुके मांगलिक कार्य पूर्ण होंगे। मई-जून एवं नवम्बर-दिसम्बर में विवाह आदि होने के प्रबल संकेत हैं। **स्वास्थ्य** – संक्रामक रोगों से कष्ट हो सकता, पुरानी डायबिटीज एवं रक्तचाप से परेशानी बढ़ सकती है। **यात्रा प्रवास तबादला** – लम्बे समय से रुके कार्य पूर्ण होंगे, स्थानांतरण योग बनेगा, लम्बे अवकाश का सुख भी मिलेगा। विदेश प्रवास भी सम्भावित है। **परीक्षा प्रतियोगिता** – प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का मिला-जुला असर रहेगा। **धार्मिक कार्य** – प्रत्येक सोमवार को शिव पूजन करना एवं गुरु मंत्र का जाप, नीम का वृक्षारोपण एवं विष्णु पूजन करना, मोती लहसुनिया धारण करना लाभदायक रहेगा।

सिंह
मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

व्यवसाय – यह वर्ष आपको अनुकूल वातावरण से युक्त रहेगा, औद्योगिक क्षेत्र में सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित आप कर पायेंगे। पूर्व वर्षों से चली आ रही विपरीत परिस्थितियों में बदलाव आयेगा। सर्विस क्षेत्र में पदोन्नति और विपरीत परिस्थितियों में भी आपका मनोबल बना रहेगा। यदि आप कारखाना मालिक हैं तो इस वर्ष उत्पादन के नये कीर्तिमान स्थापित कर पायेंगे, मशीनरी रुकावट को भी आसानी से दूर कर ले जायेंगे। यदि आप शोरूम में पिछले वर्षों से नुकसान उठा रहे हैं तो इस वर्ष क्रमशः घाटा दूर कर ले जावेंगे। यदि आप राजनैतिक व्यक्ति हैं तो इस वर्ष आपको इच्छानुसार पद भी प्राप्त हो सकता है। **धन सम्पत्ति** – भूमि, भवनादि मामलों में सफलता मिलेगी। **घर परिवार** – आर्थिक मामलों को लेकर कुछ पारिवारिक विवाद बन सकते हैं, साथी पक्ष से तनाव पैदा हो सकता है। फरवरी एवं मई माह में मांगलिक कार्य होंगे। **स्वास्थ्य** – स्वास्थ्य प्रायः ठीक रहेगा, ठंड की शुरुआत में कुछ स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। **यात्रा प्रवास तबादला** – दूर यात्रा का योग बनेगा, अचानक तबादले से मन बेचैन हो सकता है। **परीक्षा प्रतियोगिता** – आपको शिक्षा संबंधी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभवर्धक योग बन रहे हैं जो सफलता दिलायेंगे, मानसिक स्थिरता को बनाये रखें। **धार्मिक कार्य** – प्रत्येक गुरुवार को एक किलो आलू में नमक, हल्दी मिलाकर उबालें एवं गाय को खिलायें, सूर्य मंत्र जाप के साथ ही बिल्व वृक्ष का रोपण करना एवं माणिक रत्न धारण करना लाभदायक रहेगा।

कन्या
टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ

व्यवसाय – इस वर्ष आपको गुरु एवं अन्य ग्रहों के प्रभाव से यह वर्ष पूर्वापेक्षा अनुकूलता से युक्त रहेगा। छोटे-छोटे निवेश से एवं नवीन योजनाओं का शुभारंभ करके लाभ प्राप्त कर सकते हैं। रुके हुये कार्यों में सफलता और सर्विस क्षेत्र में भी बौद्धिक क्षमता से लाभ होगा। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो कार्य की अधिकता से तनाव बन सकता है, अधिकारी वर्ग से कुछ परेशानी भी आयेंगी जो प्रभावशाली व्यक्ति के हस्तक्षेप से ही दूर होंगी। यदि आप उत्पादन इकाई में संलग्न हैं तो इस वर्ष रिकार्ड उत्पादन एवं बिक्री का कीर्तिमान स्थापित कर पायेंगे। **धन सम्पत्ति** – जमा पूँजी में उत्तरोत्तर लाभ होगा, भूमि-भवन के मामलों में परेशानी बढ़ेगी। ग्रहों का प्रभाव आपको स्थाई सम्पत्ति देगा। **घर परिवार** – इस वर्ष शुभ कार्य होने से खर्च अधिक होगा। भौतिक संसाधनों की प्राप्ति एवं सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। **स्वास्थ्य** – उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं संक्रामक रोगों से थोड़ी परेशानी बढ़ेगी। जून से अगस्त तक घातादि भय भी रहेगा। **यात्रा प्रवास तबादला** – फरवरी से अप्रैल के मध्य महत्वपूर्ण यात्रा, दूर प्रवास योग एवं कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है। मांगलिक प्रवास भी होगा। **परीक्षा प्रतियोगिता** – प्रतियोगी परीक्षाओं में श्रम एवं एकाग्रता से सफलता की सम्भावना अधिक है। यश प्रतिष्ठा की वृद्धि भी होगी। **धार्मिक कार्य** – गोमेद, पन्ना रत्न धारण करना, बुधवार को गणपति उपासना, फलदार वृक्षों का रोपण, श्रीयंत्र का पूजन करना सफलता दिलायेगा।

तुला
रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

व्यवसाय – इस वर्ष शनि ग्रह की बाधा के साथ कुछ बड़े बदलाव की शुरुआत होती है। यह वर्ष आपको अनेक उपलब्धियों से युक्त रहेगा। औद्योगिक क्षेत्र में पुरानी मशीनों में बदलाव होगा। बैंकिंग एवं कराधान संबंधी परेशानियाँ दूर होंगी। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो अधिकारी वर्ग के साथ खराब चल रहे संबंधों में सुधार होगा। किसी नये विभाग में प्रतिनियुक्ति भी हो सकती है। व्यवसाय क्षेत्र में त्वरित निर्णय का प्रभाव आपको सफलता दिलायेगा। आपको वर्तमान व्यापार के माध्यम से आर्थिक सफलता मिलेगी। पदोन्नति एवं शेयर में लाभ मिल सकता है। व्यापार में अनावश्यक विवादों से परेशानी बढ़ सकती है। **धन सम्पत्ति** – भूमि भवन आदि खरीदने का विचार बन सकता है। **घर परिवार** – परिवार में शुभ प्रसंग बनेंगे। पारिवारिक दायित्वों के साथ माता-पिता के स्वास्थ्य से तनाव रहेगा। मई एवं दिसम्बर में मांगलिक कार्य होंगे। **स्वास्थ्य** – मानसिक तनाव बना रहेगा, उदर विकार, फेफड़ों एवं हृदयादि रोगों के साथ संक्रमण भय रहेगा। **यात्रा प्रवास तबादला** – फरवरी से अप्रैल तक दूर प्रवास, मांगलिक कार्य हेतु लम्बी यात्रा करना पड़ेगी, पदोन्नति के समय स्थानांतरण भी सम्भव रहेगा। **परीक्षा प्रतियोगिता** – प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी, खराब परिस्थितियों में भी मई-नवम्बर उत्तम रहेगा। **धार्मिक कार्य** – शिव, हनुमत उपासना, नीलम, हीरा रत्न पहनना, श्रीयंत्र का पूजन, फलदार वृक्षारोपण, चावल का दान, पढ़ने वाले गरीब छात्रों को पुस्तकों का दान भी सफलता दिलायेगा।

वृश्चिक
तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

व्यवसाय – यह वर्ष आपके लिये आर्थिक आधार पर अनुकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करने वाला साथ ही शेयर मार्केट, म्यूच्युअल फण्ड आदि के माध्यम से लाभ दिलाने वाला होगा। औद्योगिक क्षेत्र में पिछले वर्ष से रुके हुये कार्य पूर्ण होंगे। नई मशीनरी स्थापित करने का विचार बन सकता है। पिछले ऋण की बकाया राशि का निपटारा आपके मन अनुसार प्रभावशाली व्यक्ति के हस्तक्षेप से हो सकता है। यदि आप राजनैतिक व्यक्ति हैं तो आप अपनी उपेक्षा से व्यथित रहेंगे। वर्ष के मध्य तक विलम्ब हो रहे मांगलिक कार्य सम्पन्न होने का हर्ष रहेगा। अधिकारी वर्ग के सहयोग से रुके कार्य भी पूर्ण होंगे लेकिन अधिक कार्य का तनाव वर्ष के अंत तक बना रहेगा। **धन सम्पत्ति** – ग्रहों का प्रभाव आपको कृषि भूमि के साथ भवनादि का सुख भी देगा। **घर परिवार** – अनावश्यक पारिवारिक विवाद से परेशानी उठाना पड़ेगी। **स्वास्थ्य** – प्रायः पूरा वर्ष अच्छा रहेगा, पुरानी शुगर का प्रभाव परिलक्षित होगा। घुटने की समस्या से परेशानी बढ़ सकती है। **यात्रा प्रवास तबादला** – फरवरी-मार्च में तीर्थ यात्रा दर्शन एवम् विदेश प्रवास सुख सम्भव है। सर्विस क्षेत्र में जून-जुलाई में स्थानांतरण का योग भी बनेगा। **परीक्षा प्रतियोगिता** – प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता एकाग्रता एवं परिश्रम से अवश्य मिलेगी। कैरियर में उच्च शिक्षा प्राप्ति के योग भी हैं। **धार्मिक कार्य** – मंगलवार का व्रत, हनुमत आराधना, गुरु मंत्र का जाप, नीम के पौधों का रोपण एवं मूँगा धारण करना सफलता दिलाने में सहायक होगा।

धनु
ये, यो, भा, भी, भू, भे, फा, ढा, ध

व्यवसाय – इस वर्ष आपको ग्रहों का फल अत्यंत शुभ होने जा रहा है, यह आपको हर क्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियाँ निर्मित करेगा, जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी लेकिन आर्थिक समृद्धि का प्रभाव भी रहेगा। आपकी कर्मठता, सजगता एवं ईमानदारी के कारण प्रतिष्ठा मिलेगी। व्यवसाय क्षेत्र में कार्य भार बढ़ेगा, राजनैतिक संबंधों का लाभ भी प्राप्त होगा। सर्विस क्षेत्र में पदोन्नति के साथ अन्य विभाग में प्रतिनियुक्ति भी सम्भव है, व्यवसाय क्षमता का उपयोग करके व्यापार में उत्तरोत्तर प्रगति के साथ आय के नये स्रोत भी खुलेंगे। सर्विस क्षेत्र में अधिकारी वर्ग से तनाव हो सकता है। **धन सम्पत्ति** – आय के साधन में नवीन उपक्रम जुड़ेंगे, फरवरी से अप्रैल तक मांगलिक कार्यों में व्यय भार बढ़ेगा, गृह, भूमि, वाहन का भरपूर सुख मिलेगा। **घर परिवार** – संतान पक्ष की चिंता रहेगी, माता-पिता के स्वास्थ्य के साथ साथी को भी शारीरिक कष्ट हो सकता है। पारिवारिक मतभेद दूर होंगे। **स्वास्थ्य** – उदर विकार, एलर्जी, मानसिक तनाव, घुटने की शल्य चिकित्सा भी हो सकती है। **यात्रा प्रवास तबादला** – अप्रैल से जून तक महत्वपूर्ण यात्रा, तीर्थ दर्शन, स्थानांतरण से घर वापसी, विदेश प्रवास भी सम्भावित होगा। **परीक्षा प्रतियोगिता** – यह वर्ष आपके लिये विभागीय परीक्षा में सफलता दिलाने वाला रहेगा। कैरियर को एक नई दिशा मिलेगी। **धार्मिक कार्य** – गणपति उपासना, पुखराज धारण करना, फलदार वृक्षों का रोपण, धार्मिक पुस्तकों का दान लाभकारी रहेगा।

मकर
भो, जा, जी, खा, खी, खू, खो, गा, गी

व्यवसाय – इस वर्ष आपको शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव वर्ष भर रहेगा। यह मिले-जुले फल प्रदान करने वाला, प्रभाव, उत्पादक एवं कार्य क्षेत्र में सफलता दिलाने वाला, नवीन कार्यों में चल रहे विलम्ब को दूर करने में सहायक होगा, कई प्रकार की सहायता परिवार एवं बैंकिंग पक्ष से प्राप्त होगी। औद्योगिक क्षेत्र में चल रही परेशानियों से भी छुटकारा मिल सकता है। शेयर मार्केट में सूझबूझ से किये गये निवेश पर विशेष लाभ होगा। फरवरी से जून में मांगलिक कार्यों में व्यय भार अधिक होगा, रुके हुये कार्य पूर्ण होंगे। संयुक्त व्यापार में सफलता मिलेगी, बौद्धिक क्षमता का पूर्ण लाभ प्राप्त होगा। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो इस वर्ष आपको कार्य विभाजन से होने वाले अनावश्यक तनाव से छुटकारा मिलेगा। **धन सम्पत्ति** – भूमि एवं भवन आदि का पूर्ण सुख प्राप्त हो सकता है। कृषि भूमि को लेकर कुछ विवाद भी बढ़ सकते हैं। **घर परिवार** – पारिवारिक वातावरण में सहजता बनी रहेगी, मांगलिक कार्यों में तनाव अधिक होगा। **स्वास्थ्य** – मानसिक तनाव और चिंता से फरवरी-मार्च में परेशानी बढ़ेगी। संक्रमण रोग का असर इस वर्ष हो सकता है। **यात्रा प्रवास तबादला** – स्थान परिवर्तन से लाभ होगा, कार्य क्षेत्र में बदलाव भी लाभप्रद रहेगा। जुलाई-अगस्त में शिक्षा के लिये विदेश प्रवास सम्भव होगा। **परीक्षा प्रतियोगिता** – कड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने के सुखद संयोग बनेंगे। **धार्मिक कार्य** – शनिवार को हनुमत उपासना, नीम, पीपल एवं फलदार पौधों का रोपण लाभ पहुँचायेगा।

कुम्भ
गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

व्यवसाय – इस वर्ष शनि एवं गुरु का प्रभाव होने से आपको परिश्रम अधिक करना पड़ेगा परन्तु अन्य ग्रहों के प्रभाव से निरंतर सफलता भी मिलती रहेगी। व्यवसाय में नई कार्य प्रणाली, तकनीकी, नई ऊर्जा से नये उद्देश्यों की ओर अग्रसर होंगे। सर्विस क्षेत्र में स्थान परिवर्तन का लाभ मिलेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में प्रतिद्वंदी के अपने कार्य क्षेत्र में हटने से भरपूर लाभ हो सकता है। मई-जून में व्यवसायिक मामलों में आंशिक उतार-चढ़ाव का योग बन रहा है। साझेदार से असहयोग का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्टूबर-नवम्बर में आपकी प्रसिद्धि और उत्तरदायित्व भी बढ़ेंगे, मनोकामना की पूर्ति भी होगी। रुकी हुई उधारी भी इस वर्ष मिलना प्रारम्भ होगी। **धन सम्पत्ति** – चल-अचल सम्पत्ति में बढ़ोत्तरी, नवीन उपक्रम एवं वाहन आदि क्रय करने का भी योग है। शेयर मार्केट लाभ दिलायेगा। भूमि संबंधी मामलों में कुछ परेशानी होगी। **घर परिवार** – परिवार में अनावश्यक विवादों से थोड़ी परेशानी रहेगी। मई-जून, नवम्बर-दिसम्बर के मध्य शुभ कार्य सम्पन्न होंगे। आंतरिक सज्जा एवं भौतिक संसाधनों एवं उपकरणों में व्यय भार बढ़ेगा। संतान पक्ष से सुख उत्तम रहेगा। **स्वास्थ्य** – वायु विकार, वात व्याधि एवं संक्रमण से परेशानी हो सकती है। **यात्रा प्रवास तबादला** – स्थानांतरण, तीर्थ यात्रा दर्शन एवं विदेश प्रवास के योग हैं। **परीक्षा प्रतियोगिता** – प्रतियोगी परीक्षाओं में एकाग्रता से बेहतर परिणाम मिलेंगे और प्रतिष्ठा मिलेगी। **धार्मिक कार्य** – शनिवार को सुन्दरकांड का पाठ, वृक्षारोपण लाभदायक रहेगा।

मीन
दी, दू, दे, दो, चा, ची, थ, झ, ञ

व्यवसाय – इस वर्ष आपको ग्रहों का प्रभाव निरंतर सफलता दिलाने में सहायक है। सर्विस क्षेत्र में अधिकारी वर्ग का पूर्ण सहयोग मिलेगा। अनेक समस्याओं के बाद भी व्यवसायिक क्षेत्र में विस्तार की गति जारी रहेगी। मई-जून में कुछ परिस्थितियाँ आप के विपरीत हो सकती हैं। मुकदमे मामलों में एवं बैंकिंग एवं कराधान संबंधी विषयों में आपकी परेशानी बढ़ सकती है। व्यवसाय में नई कार्यप्रणाली से लाभ होगा। वितरण एजेंसी के योग बनेंगे। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो इस वर्ष आपको विशेष जिम्मेदारी पूर्ण कार्य को सम्भालना पड़ सकता है। **धन सम्पत्ति** – भूमि खरीदी एवं भवन निर्माण कार्य पूर्ण होंगे। अचल सम्पत्ति के साथ कारखाने में मशीनरी संबंधी परेशानी दूर होने से आर्थिक आधार मजबूत होगा। **घर परिवार** – पारिवारिक क्षेत्र में तनाव, अलगाव समाप्त होंगे। माता-पिता का सहयोग मिलेगा, मांगलिक कार्यों में व्यय अधिक होगा। **स्वास्थ्य** – ज्यादातर समय स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, मानसिक स्थिरता रहेगी। संक्रमण, कमर-कंधे का दर्द, एलर्जी से कष्ट हो सकता है। **यात्रा प्रवास तबादला** – लम्बे अरसे के बाद घर वापसी हो सकती है। अनुकूल स्थानांतरण का लाभ मिलेगा। जून-जुलाई में मांगलिक कार्यों में प्रवास करना पड़ सकता है। लम्बी यात्रा का अवसर मिलेगा। **परीक्षा प्रतियोगिता** – विभागीय परीक्षा में सफलता के साथ शिक्षा क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलेगी। **धार्मिक कार्य** – पीली वस्तुओं का दान, नीलम, पुखराज पहनना, फलदार वृक्षारोपण लाभप्रद रहेगा।

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

दीपावली पूजा

तारीख 24 को सूर्यास्त बाद से विशेष शुभ है। इस दिन लक्ष्मी जी भक्तों के घरों में प्रवेश करती हैं। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में दिन से ही पूजन प्रारंभ हो जावेगा जो शास्त्र सम्मत है।

लक्ष्मी प्राप्ति मंत्र

ॐ श्री महालक्ष्मी च विद्महे, विष्णु-पत्नयै च धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात्।

ता. 5 विजयादशमी (दशहरा)

ता. 9 म. वाल्मीकि जयंती

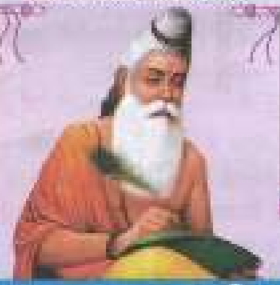

ता. 24 दीपावली

गोवर्धन पूजा एवं भाई दोज

प्रदोष व्यापी अमावस्या के कारण दीपावली ता. 24 को होगी और कार्तिक शुक्ल एकम में ता. 26 को गोवर्धन पूजा, अन्नकूट एवं ता. 27 को दोज के मध्यान-अपराह्न काल में भाई दोज पर्व शास्त्रानुसार मनेगा। परम्परागत रूप से मनाने वाले दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा और उसके अगले दिन भाई दोज मनावेंगे।

कर्जा, जीवन का सुख-चैन छीनता है, जब तक बहुत बड़ी मजबूरी न हो तो इससे बचने में ही भलाई है।

भद्रास्थिति – ता. २ को ६।५८ शाम से ४।४७ रात अंत तक। ता. ५ को ६।७८ रात से ता. ६ के ८।२९ दिन तक। ता. ८ को ३।६ रात से ता. ९ के २।३३ दिन तक। ता. १२ को १।२५ दिन से १।३६ रात तक। ता. १५ को ५।३५ रात अंत से ता. १६ के ६।३५ शाम तक। ता. १९ को १२।४० रात से ता. २० के १।३४ दिन तक। ता. २३ को ४।३३ शाम से ४।३३ रात अंत तक। ता. २८ को १० बजकर ५८ मिनिट रात से तारीख २९ के ९ बजकर ५७ मिनिट दिन तक। तारीख ३१ को ३ बजे रात से भद्रा प्रारम्भ होगी।
गुरु, शुक्र तारा – गुरु पूरब दिशा में उदित, शुक्र पूरब दिशा में अस्त है।
पंचक – तारीख ६ को ८।२४ दिन से तारीख १० के ४।४८ शाम तक।

विक्रम संवत् 2079 | वीर निर्वाण सं. 2548/49

रामनारायण

OCTOBER 2022

सूर्य दक्षिणायन, शरद ऋतु | ईस्वी सन् 2022 | शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – वृश्चिक का। ता. १ को ३।३६ रात से धनु का। ता. ३ को ५।४६ रात अंत से मकर का। ता. ६ को ८।२४ दिन से कुम्भ का। ता. ८ को ११।४४ दिन से मीन का। ता. १० को ४।४८ शाम से मेष का। ता. १२ को १२।१८ रात से वृष का। ता. १५ को १०।१० दिन से मिथुन का। ता. १७ को ६।४१ रात से कर्क का। ता. २० को ६।१७ दिन से सिंह का। ता. २२ को ७।१६ रात से कन्या का। ता. २४ को २।५२ रात से तुला का। ता. २७ को ८।६ दिन से वृश्चिक का। तारीख २९ को ११ बजकर ३७ मिनिट दिन से धनु का। ता. ३१ को २ बजकर ३ मिनिट दिन से मकर का चन्द्रमा रहेगा।
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १८ तक कन्या लग्न, ता. १९ से तुला लग्न।

ग्रहों के संक्रमण तारीख 1 अरुणोदय से

के. ७	६	५	
चं. ८	सू. बु. शु.		४
	६	३	
श. १०	१२ गु.		२ मं.
११		१ रा.	

हिजरी सन् 1444

रवि उलावल/रवि उस्सानी मास (4)

ता.9 ह.मुहम्मद स., मिलाद-उन-नबी, ता.14 ईद मीलाद, ता.27 से रवि उस्सानी मास प्रारंभ

10 अक्टूबर

आश्विन (क्वांर)/ कार्तिक मास (8)

रा.शक सं.1944

रा.आश्विन 9 से रा.कार्तिक 9 तक (ता. 23 से राष्ट्रीय कार्तिक मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1429

बंग आश्विन, ता.19 से कार्तिक मास प्रारंभ

ग्रहों के संक्रमण ता. 19 अरुणोदय से

७	८	६ बु.	
६	सू. शु. के.		५
	श. १०	४ चं.	
११	१ रा.		३ मं.
	गु. १२	२	

दूध हिसाब / धुलाई का कपड़ा / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	धुलाई का कपड़ा	तिथि	समय बजे तक
1				६	८।१२ रात तक
2				७	५।५८ शाम तक
3				८	३।३५ दिन तक
4				९	१।१० दिन तक
5				१०	१०।४६ दिन तक
6				११	८।२९ दिन तक
7				१२	६।२४ प्रात तक
				१३	४।३५ रा.अं.तक
8				१४	३।६ रात तक
9				१५	२ बजे रात तक
10				१	१।२२ रात तक
11				२	१।१४ रात तक
12				३	१।३६ रात तक
13				४	२।३० रात तक
14				५	३।५१ रात तक
15				६	५।३५ रा.अं.तक
16				७	दिन-रात
17				७	७।३५ प्रात तक
18				८	९।४२ दिन तक
19				९	११।५५ दिन तक
20				१०	१।३४ दिन तक
21				११	३।१ दिन तक
22				१२	४।२ शाम तक
23				१३	४।३३ शाम तक
24				१४	४।३३ शाम तक
25				३०	४।१९ शाम तक
26				१	३।४ दिन तक
27				२	१।४२ दिन तक
28				३	११।५८ दिन तक
29				४	९।४७ दिन तक
30				५	७।४५ प्रात तक
				६	५।२५ रा.अं.तक
31				७	३ बजे रात तक
योग					

वार					
रवि (SUNDAY)	30 डाला छठ, पांडव पंचमी ५/६	2 म. गांधी जयंती, महानिशा पूजा, सरस्वती आवाह ७	9 शरद पूर्णिमा, स्ना.दा.व्र.पूर्णिमा १५	16 कार्तिक कृष्ण ७	23 शिव चतुर्दशी व्रत, रूप (नरक) चतुर्दशी १३
सोम (MONDAY)	31 राष्ट्रीय एकता दिवस, कार्तिक शुक्ल ७	3 महाष्टमी, दुर्गाष्टमी व्रत ८	10 कार्तिक कृष्ण १	17 अहोई अष्टमी व्रत, कार्तिक कृष्ण ७	24 केदार गौरी व्रत, दीपावली १४
मंगल (TUESDAY)	खरीदी शुभ मुहूर्त	4 दुर्गा नवमी व्रत, आश्विन शुक्ल ९	11 कार्तिक कृष्ण २	18 पुष्य नक्षत्र, कार्तिक कृष्ण ८	25 सूर्यग्रहण, स्ना.दा.श्रा.अमावस १५
बुध (WEDNESDAY)	मूल	5 शमी पूजा, दशहरा १०	12 कार्तिक कृष्ण ३	19 कार्तिक कृष्ण ९	26 चन्द्रदर्शन, गोवर्धन पूजा १
गुरु (THURSDAY)		6 पापांकुशा एकादशी, आश्विन शुक्ल ११	13 करवा चौथ व्रत, चंद्रोदय ८।११ रात, गणेश चतुर्थी व्रत ४	20 कार्तिक कृष्ण १०	27 यम द्वितीया, भाई दोज २
शुक्र (FRIDAY)	ऐच्छिक अवकाश	7 प्रदोष व्रत, आश्विन शु. १२/१३	14 कार्तिक कृष्ण ५	21 रमा एकादशी, कार्तिक कृष्ण ११	28 विनायक चतुर्थी व्रत, कार्तिक शुक्ल ३
शनि (SATURDAY)	1 विश्व वृद्ध दिवस, आश्विन शुक्ल ६	8 वायुसेना दिवस, आश्विन शुक्ल १४	15 स्कन्द षष्ठी व्रत, कार्तिक कृष्ण ६	22 धनतेरस, प्रदोष व्रत १२	29 कार्तिक शुक्ल ४

खरीदी शुभ मुहूर्त

तारीख 18 पुष्य नक्षत्र में एवं तारीख 22 धनतेरस के दिन सोना, चाँदी, बर्तन, वाहन, खाता-बही आदि खरीदना विशेष शुभ माना गया है।

मूल

पिछले माह से प्रारंभ ज्येष्ठा के ता. १ के ३।३६ रात तक फिर मूल के मूल ता. २ के २।३ रात तक। रेवती के ता. ६ को ४।१६ शाम से ता. १० के ४।४८ शाम तक फिर अश्विनी के ता. ११ के ६।८ शाम तक। अश्लेषा के ता. १९ को ६।५४ प्रातः से ता. २० के ६।१७ दिन तक फिर मघा के ता. २१ के ११।३१ दिन तक। ज्येष्ठा के ता. २८ को ११।५६ दिन से ता. २९ के ११।३७ दिन तक फिर मूल के मूल ता. ३० के १०।६ दिन तक रहेंगे।

ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन)

ता. 3 महाष्टमी व्रत
ता. 4 दुर्गा नवमी व्रत
ता. 13 करवा चौथ व्रत
ता. 25 दीपावली दूसरा दिन
ता. 27 भाई दोज
ता. 31 भ. सहस्त्रबाहु ज.

याददाश्त

राशिफल

मेष – पदोन्नति, शत्रु भय, यात्रा कष्ट
वृष – समस्या समाधान, मित्र मिलन
मिथुन – यात्रा, भूमि लाभ, वाहन प्राप्ति
कर्क – वाहन सुख, व्यर्थ चिंता, रोग भय
सिंह – मित्र सहयोग, जायदाद विवाद
कन्या – पदोन्नति, अचानक खर्च, यात्रा
तुला – मित्र मिलन, विवाद, शुभ कार्य
वृश्चिक – मित्र सुख, बेवजह परेशानी
धनु – पदोन्नति, परेशानी, वाहन सुख
मकर – खर्च, मतभेद, पारिवारिक चिंता
कुंभ – भवन लाभ, रोग भय, सफलता
मीन – संतान सुख, भवन लाभ, यात्रा

शुभ मुहूर्त

नामकरण – ता. 5, 6, 10,17,26,31
अन्नप्राशन – ता. 5, 7,14,17,27,31
जीर्ण गृहप्रवेश – तारीख 22
व्यापार प्रारंभ – तारीख 14, 27, 28

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 रायबहादुर डॉ. हीरालाल जयंती
ता. 2 लालबहादुर शास्त्री जयंती
ता. 5 वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती, साई बाबा पुण्यतिथि
ता. 9 म.अजमीढ़, म. दमघोष जयंती, टेकचंद म.समाधि, वीर सीताराम कंवर बलि. एवं असाटी दिवस, सिंगाजी मेला (निमाड़), करवा परब
ता. 13 विश्व दृष्टि दिवस
ता. 25 हिंगोट युद्ध (गौतमपुरा गाँव) जिला इंदौर
ता. 26 गणेश शंकर विद्यार्थी जयंती
ता. 30 गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि
ता. 31 सरदार पटेल, संत जलाराम बापा जयंती, इंदिरा गाँधी पुण्यतिथि

ग्रहस्थिति

सूर्य – कन्या में, ता. १८ के ७।०३ दिन से तुला में। **मंगल** – वृष में, ता. १५ के ६।३० शाम से मिथुन में, ता. ३१ के ६।२६ दिन से वक्री। **बुध** – कन्या में (वक्री), ता. १ के ५।३६ रात अंत से सिंह में वक्री, ता. २ के ६।४२ रात से मार्गी, ता. २ के ही ५।११ रात अंत से कन्या में, ता. २६ के १।४८ दिन से तुला में। **गुरु** – मीन में (वक्री)। **शुक्र** – कन्या में, ता. १८ के ६।१० रात से तुला में। **शनि** – मकर में (वक्री), ता. २३ के ८।२२ रात से मार्गी। **राहु** – मेष में। **केतु** – तुला में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:06	5 – 6:07	10 – 6:10	15 – 6:11	20 – 6:14	25 – 6:17
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 5:55	5 – 5:53	10 – 5:48	15 – 5:43	20 – 5:40	25 – 5:33

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. २ को सूर्योदय से २।३ रात तक। ता. ६ को सूर्योदय से ४।५६ शाम तक। ता. ११ को सूर्योदय से ५।८ शाम तक। ता. १२ को ५।५८ शाम से रात अंत तक। ता. २३ को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. २७ को १।५८ दिन से ता. २८ के १२।५६ दिन तक। ता. ३० को सूर्योदय से १०।६ दिन तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. ११ को सूर्योदय से ५ बजकर ८ मिनिट शाम तक। तारीख २३ को २ बजकर ८ मिनिट दिन से रात अंत तक।
त्रिपुष्कर योग – ता. २२ को १२।५९ दिन से ४ बजकर २ मिनिट शाम तक।
व्यतिपात योग – ता. १३ को ३।२८ दिन से तारीख १४ के ३।१३ दिन तक।
पुष्य नक्षत्र – ता. १७ को ४।२० रात अंत से तारीख १९ के ६।५४ प्रातः तक।
नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा – ता. ५ से ९ सीतामाता-जयंतीमाता-सिंगाजी, सीतापुरी (पीपरी) बागली। ता. १८ से २२ तक कुबेर भंडारी ओंकारेश्वर।
"सूर्यग्रहण एवं चंद्रग्रहण की जानकारी अगस्त बैक पेज पर दी गई है।"

अक्टूबर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 2 सरस्वती आवाह, निशा पूजा
ता. 3 दुर्गाष्टमी, महाष्टमी व्रत
ता. 4 दुर्गा नवमी, ज्वारे विसर्जन
ता. 5 विजयादशमी, दशहरा
ता. 6 पापांकुशा एकादशी व्रत
ता. 7 प्रदोष व्रत
ता. 9 शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्रत, स्नानदान व्रत पूर्णिमा
ता. 13 करवा चौथ, गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 15 स्कन्द षष्ठी व्रत
ता. 17 अहोई अष्टमी व्रत
ता. 21 रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी
ता. 22 धनतेरस, प्रदोष व्रत
ता. 23 रूप (नरक) चतुर्दशी, शिव चतुर्दशी व्रत, छोटी दीपावली
ता. 24 दीपावली, केदार गौरी व्रत
ता. 25 स्ना.दा.श्रा.अमावस, सूर्यग्रहण
ता. 26 अन्नकूट, गोवर्धन, बलि पूजा, गौ क्रीड़ा, चन्द्रदर्शन
ता. 27 भाई दोज, यम द्वितीया
ता. 28 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 30 पांडव पंचमी, डाला छठ

मासफल – इस मास सीमावर्ती प्रांतों में उग्रवाद से परेशानी बढ़ेगी। जाति धर्म की राजनीति से जनता एवं राजनैतिक पार्टियों के सदस्यों में भी असंतोष दिखेगा। शेयर, सोना, चाँदी आदि धातुयें एवं खाद्य वस्तुओं में सामान्य तेजी-मंदी बनी रहेगी। लूट की घटनाओं एवं संक्रामक रोगों से जनता परेशान होगी।
सूर्य नक्षत्र प्रवेश – सूर्य हस्त में। ता. ११ को ४।३२ शाम से चित्रा नक्षत्र में (संज्ञा-स्त्री-पुरुष, सूर्य-चंद्र, वाहन-मूषक, वर्षा श्रेष्ठ)। ता. २४ को २।१५ रात से स्वाती नक्षत्र में (संज्ञा-स्त्री-स्त्री, सूर्य-सूर्य, वाहन-खर, अल्पवृष्टि)।
दिगम्बर जैन पर्व – ता. ९ आचार्य विद्यासागर जन्मदिन। ता. १४ रोहिणी व्रत। ता. २५ भगवान महावीर निर्वाण पर्व। ता.२६ वीर निर्वाण संवत् २५४९ प्रारंभ।
श्वेताम्बर जैन पर्व – ता. २ से ९ तक नवपद ओली। ता. ८ एवं २५ पाक्षिक प्रतिक्रमण। तारीख २५ भगवान महावीर निर्वाण पर्व। तारीख २७ भाई बीज। तारीख ३० ज्ञान पांचम, चौमासी अट्ठाई प्रारम्भ।

TM 70 71 72 नये वर्ष का यह पंचांग 15 से 20 अक्टूबर तक बाजार में उपलब्ध हो जाता है, इसे खरीदते समय रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 अवश्य देखें। TM 70 71 72

संवत् 2078-79

ज्योतिष की दृष्टि में देश-विदेश

(मार्गदर्शक लेखन एवं प्रकाशन 25 सितम्बर 2021 से)

ज्योतिषाचार्य
पं. नारायणशंकर नाथूराम व्यास
पं. अमित नारायणशंकर नाथूराम व्यास
कोतवाली के पास, जबलपुर मो. : 09826621998
Email : pt.nsvyas@gmail.com

मोदी जी की दूसरी पारी

वर्ष कुण्डली

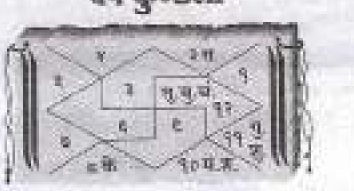

ज्योतिषाचार्य
पं. विनोद गौतम
ज्योतिष मठ,
नेहरू नगर, भोपाल
मो. : 9827322068

"ग्रह ही राज्य देते हैं और ग्रह ही राज्य का हरण भी कर लेते हैं, मैं तो केवल ग्रहों के आधार पर उसके फलाफल का अनुमान लगाता हूँ, भविष्य की जानकारी तो ब्रह्मा जी से अतिरिक्त किसी और को नहीं हो सकती, वह तो सृष्टि के रचियता ही हैं।"

वर्ष के प्रारम्भ में 'राक्षस' नामक संवत्सर रहेगा, 28 अप्रैल से 'नल' नामक संवत्सर का प्रवेश होता है, परन्तु पूरे वर्ष संकल्पादि में राक्षस नामक संवत्सर का प्रयोग होगा। इस वर्ष का राजा 'शनि' तथा मंत्री 'गुरु' है। शनि के प्रभाव से देश की जनता को अनेक तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा परन्तु शनि क्रूर ग्रह होते हुये भी न्याय का ग्रह माना जाता है, इसलिये देश की जनता को परेशानियों के साथ-साथ राहत भी प्रदान करेगा परन्तु शासकीय तंत्र की कमजोरी के कारण जनता को उचित राहत नहीं मिल सकेगी। वर्ष लग्न का लग्नेश बुध दशम भाव में नीच राशिस्थ है, जिस पर शनि की तीसरी दृष्टि शुभ नहीं है, अष्टम भाव के मंगल और शनि का मकर राशि में भ्रमण केन्द्र सरकार के लिये अत्यंत चुनौतियों भरा रहेगा। मंगल षष्ठेश होकर अष्टम भाव में शनि के साथ है, यह देश को लेकर सरकार को सचेत करता है, प्रधानमंत्री मोदी जी के लिये अंतर्राष्ट्रीय साजिशों की ओर भी इशारा करता है, इसके लिये सत्ता के गलियारों में विशेष सतर्कता रखी जानी चाहिये। देश की अस्मिता पर होने वाले हमलों पर सरकार कठोरता से जवाब देगी। अष्टम भाव के मंगल के कारण बड़े पैमाने पर गाँव, कस्बों, शहरों में अग्नि दुर्घटनाओं से नुकसान होगा। पूरे देश में जानवरों के लिये समय कठिन रहेगा। सांपों से खतरा बढ़ेगा, सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर पूरा वर्ष आम जनता के लिये नई-नई समस्याओं से घिरा रहेगा। सत्ताधारी शीर्ष नेतृत्व भी कड़ी चुनौतियों का सामना करेगा।

देश में कुछ दिलचस्प घटनायें हो सकती हैं। यह वर्ष देश की वास्तविक पहचान सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से पुनर्रोद्धार और कायाकल्प पर जोर देता है। गुरु के कारण इस वर्ष अर्थव्यवस्था में सुधार का योग है। आर्थिक रणनीति के साथ मुद्रा स्फीति के नियंत्रण की नई नीति लागू होने की सम्भावना है। चीन और पाकिस्तान भारत में समस्यायें खड़ी करते रहेंगे। भारत इस बार पाकिस्तान को निश्चित रूप से सबक सिखायेगा। चीन की दोगली नीति जारी रहेगी। भारतीय सीमाओं पर अतिक्रमण के लिहाज से चीन और सक्रिय रहेगा और अपनी सेनाओं की तैनाती बढ़ायेगा। भारत और चीन का तनाव उच्च स्तर पर रहेगा और युद्ध जैसे हालात बनायेगा। गिलगित, सिक्किम, अरुणाचल तथा लद्दाख में घुसपैठ की घटनायें जारी रहेंगी और अन्य भारतीय क्षेत्र में चीन की आर्मी प्रवेश करने की कोशिश करेगी जिससे भारत और चीन में टकराव बढ़ेगा। जम्मू-कश्मीर, असम, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में शीर्ष स्तर पर उच्च संस्थानों की स्थापना और उच्च स्तर पर अध्ययन के अवसर खुलेंगे। देश में स्वास्थ्य सुधार की दर पिछले वर्ष की तुलना में अच्छी रहेगी। आयुर्वेद और होम्योपैथिक में लोगों का विश्वास और अधिक बढ़ेगा। कोई दवा घोटाला सामने आ सकता है। लोगों में शाकाहारी बनने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। आतंकवादी घटनायें भी बढ़ेंगी। सातवें भाव के प्रभाव से विदेशी मामलों में दो प्रमुख कूटनीतिक असफलताओं से इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के मामले में परोक्ष रूप से दखल देता रहेगा। भारत को अमेरिका से ऐन मौके पर धोखा हो सकता है। भारत और नेपाल में छोटा-मोटा विवाद और तनाव हो सकता है। नवम भाव धर्म से संबंधित है जिसके प्रभाव से अयोध्या मंदिर सहित देश के सभी मंदिरों के लिये समय अच्छा है परन्तु अयोध्या मंदिर निर्माण के दौरान दुर्घटना या चुनौतियों को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की सुरक्षा को बढ़ाना पड़ेगा। शीर्ष न्यायिक व्यक्ति के खिलाफ कोई हिंसक प्रयास हो सकते हैं। दशम भाव के प्रभाव से सरकार अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विकास और प्रगति के अपने एजेंडे को बढ़ाती रहेगी। देश के कुछ हिस्सों में साम्प्रदायिक तनाव हो सकता है। विपक्ष, प्रधानमंत्री और सरकार को नीचा दिखाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ेगी लेकिन प्रधानमंत्री जी की छवि को कोई हानि नहीं होगी। दलाईलामा का स्वास्थ्य चिंता का विषय बन सकता है, चीन को लेकर तिब्बत अपने स्वतंत्र निर्णय लेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की कुण्डली में चन्द्रमा नवम भाव का स्वामी है और मंगल से भी संबंधित है मोदी जी राष्ट्रहित में नई सैन्य रणनीतियों को बनाने में कोई हिचक नहीं करेंगे और न राष्ट्र हित पर कोई समझौता होगा। प्रधानमंत्री मोदी जी की शपथ ग्रहण कुण्डली में मंगल और राहु का अष्टम भाव में होना शुभफलदायक नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री जी को अपना स्वास्थ्य और अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिये। मंगल और राहु के कारण देश में बड़ी हिंसक घटनाओं की स्थिति बन सकती है। सरकार इस वर्ष इतिहास की विकृतियों पर विशेष ध्यान देगी। विदेशी शासकों के बताये गये झूठे महिमामंडन को सरकार सुधारने का प्रयास करेगी। यह वर्ष प्रधानमंत्री के लिये संघर्ष और परेशानियों से परिपूर्ण रहेगा। भारत के संवेदनशील हिस्सों में जेहादी ताकतें अपनी गतिविधियों को तेज कर नुकसान पहुँचायेंगी। देश की सीमाओं पर भी तनाव कई गुना बढ़ जायेगा। विपक्ष द्वारा किये गये आंदोलनों से सामान्य जनजीवन प्रभावित होगा विशेषकर उन राज्यों में जहाँ विधानसभा चुनाव हैं। इन सबके बावजूद प्रधानमंत्री जी इन सभी चुनौतियों से निपट लेंगे। केन्द्र और विपक्ष शासित राज्यों के टकराव से इनकार नहीं किया जा सकता। कम से कम एक राज्य में राष्ट्रपति शासन हो सकता है। अप्रैल 2022 से मंगल में गुरु की अंतर्दशा आने पर विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक गतिविधियाँ धीरे-धीरे सामान्य होंगी। लम्बे समय से देश में किसान आंदोलन को सरकार द्वारा कुछ और रियायतें दी जा सकती हैं। मंगल राहु के प्रभाव से जम्मू और कश्मीर के साथ-साथ पंजाब में भी कुछ आतंकवादी घटनायें हो सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा। महिलाओं को लाभांवित की जाने वाली नई योजनायें बनेंगी। लद्दाख, अरुणाचल, जम्मू-कश्मीर में केन्द्र सरकार शिक्षा में विशेष खर्च करेगी।

भारतीय जनता पार्टी

भाजपा की कुण्डली निश्चित रूप से मजबूत है, वर्तमान में चन्द्रमा की दशा है और चन्द्रमा नीचभंग राजयोग, मालव्य योग और गजकेसरी योग बना रहा है, पार्टी में अभी भी और अधिक प्रगति की सम्भावना है। जिन राज्यों में पार्टी सत्ता में नहीं है, उनमें भी सत्ता हासिल कर सकती है। शनि की अंतर्दशा चल रही है, शनि के कारण पार्टी को कुछ असफलताओं का भी सामना करना पड़ेगा। आगे जिन राज्यों में भी चुनाव होंगे वहाँ क्षेत्रीय दलों से पार्टी को कड़ी चुनौतियाँ मिलेंगी, विजय प्राप्त करने में पसीना आ जायेगा। किन्हीं दो बड़े नेताओं के लिये समय अच्छा नहीं है। जहाँ भी चुनाव होंगे वहाँ भाजपा बड़ी संख्या में अपने वर्तमान विधायकों के टिकिट काटकर नये स्वच्छ छवि वाले जिताऊ लोगों को टिकिट देगी। पुरानी भाजपा धीरे-धीरे अपने नये रूप में उभरेगी, एक तरह से भारतीय जनता पार्टी का कायाकल्प होगा।

कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी की वर्तमान में राहु की महादशा और शुक्र की अंतर्दशा चल रही है, आठवें भाव के राहु और मंगल पार्टी को असमंजस की स्थिति में डाले रहेगा। जम्मू-कश्मीर के चुनाव में नये चेहरे आ सकते हैं।

वैश्विक महामारी कोरोना

चीन ने कोविड वायरस के संबंध में विश्व को गलत जानकारी दी है इसके लिये अप्रैल 2022 से जून 2023 के बीच में चीन को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का सामना करना पड़ेगा। वर्ष 2022 के पूर्वार्द्ध का समय पूरी दुनिया को एक बार पुनः वैश्विक महामारी के उच्चतम शिखर पर ले जा सकता है। अप्रैल 2022 को राहु के राशि परिवर्तन के बाद मई 2022 से महामारी कमजोर हो सकती है। 25 अक्टूबर 2022 को खंडग्रास सूर्यग्रहण के प्रभाव से भारत और पूरा विश्व वैश्विक मंदी की चपेट में आ सकता है। इसी दौरान महामारी का भी संकेत है। यह समय बेहद अशुभ परिणामों की ओर इशारा करता है।

अंतर्राष्ट्रीय जगत

पाकिस्तान – पाकिस्तान में आतंकवाद, विरोध, रक्तपात और प्रदर्शनों में वृद्धि होगी। इसी दशक में देश का एक बड़ा क्षेत्र निश्चित रूप से पाकिस्तान से अलग होगा। सिंध और ब्लूचिस्तान में बड़े पैमाने में विरोध पैदा होगा। किसी बड़े पत्रकार के लिये समय अच्छा नहीं है। भारत की सीमाओं पर पाकिस्तान लगातार कुटिल प्रयास करता रहेगा। नशीली दवाओं, ड्रग्स की तस्करी से सेना पैसा कमायेगी। कुलभूषण जाधव के पाकिस्तानी कैद से छूटने की सम्भावना है।

अफगानिस्तान – महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ेंगे। अफगानिस्तान में अशांति चरम पर रहेगी, आवश्यक वस्तुओं का अभाव रहेगा। भुखमरी बढ़ेगी, भारतीय हितों पर हमला होता रहेगा। पंजाब और कश्मीर में उग्रवाद को बढ़ावा देने के लिये तालिबान और अन्य आतंकवादी संगठन, विशेष प्रयास करेंगे। नशीले पदार्थों, अफीम और ड्रग्स की तस्करी बढ़ेगी।

श्रीलंका – तमिल समूह द्वारा कुछ विशेष मामलों में राजनैतिक तूल दिया जा सकता है। एक अलग राज्य की माँग हो सकती है। श्रीलंका चीन के कर्ज के जाल में फंसता जायेगा।

बंगलादेश, म्यांमार – प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिये समय चुनौतियों और कष्टों से भरा है, चीन के प्रलोभन में बंगलादेश फंस सकता है। म्यांमार के साथ सीमा पर तनाव प्रधानमंत्री की मुश्किलों को बढ़ाने वाला होगा। आंगसांग सू के लिये समय शुभ नहीं है।

नेपाल – ग्रहयोग देश की स्थिरता के लिये अनुकूल है। चीन द्वारा नेपाल के जिन हिस्सों में अतिक्रमण किया है उसकी जाँच की जा सकती है। नेपाल और भारत के संबंध अच्छे रह सकते हैं परन्तु थोड़े तनाव भी देखने मिल सकते हैं।

चीन – चीन के द्वारा साईबर अटैक जैविक हथियार समुद्र और अंतरिक्ष के क्षेत्र में शोध जारी रहेंगे जिनका उद्देश्य सिर्फ मानव जाति को भयभीत करना होगा। वर्ष 2022-23 में किसी खतरनाक वायरस को उजागर कर सकता है। उच्चतम स्तर पर बड़े बदलाव की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। विनाशकारी भूकम्प, किसी बड़ी दुर्घटनाओं से बड़ी संख्या में मृत्यु का योग है।

जापान – जापान मंदी के दौर से उबरेगा, अर्थ व्यवस्था में अच्छा प्रभाव रहेगा। जापान, भारत, अमेरिका और आस्ट्रेलिया मिलकर चीन के खिलाफ कोई अंतर्राष्ट्रीय मुहिम छेड़ सकते हैं।

रूस – पुतिन के सामने कठिन चुनौतियाँ रहेंगी। परमाणु हथियार के मामले में रूस को बड़ी सफलता मिलेगी। वर्ष के अंत में पुतिन आर्थिक और राजनैतिक तौर पर मजबूत हो सकते हैं।

रूस और ईरान करीब आ सकते हैं। सीरिया में अमेरिका का प्रभाव कम होगा। फ्रांस और तुर्की में तनाव रहेगा। ब्रिटेन को किसी बड़ी आपदा के लिये तैयार रहना चाहिये। महारानी का स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकता है। फ्रांस को आतंकवाद का सामना करना होगा।

अमेरिका – अमेरिका में विश्वसनीयता का संकट गहरायेगा। द्विवार्षिक चुनाव में बाइडेन की पार्टी को नुकसान होगा। अश्वेत आंदोलन एक नये विषय को लेकर पुनर्जीवित होगा। पूरे देश में विरोध होगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका का दबदबा कम होगा। अमेरिका के मध्य और पूर्वी हिस्सों में तनाव रहेगा।

अन्य देश – **इंडोनेशिया** में चक्रवात और भूकम्प आ सकता है। **फिलीपींस** में ज्वालामुखी फटने की घटना हो सकती है। **थाईलैण्ड** के प्रधानमंत्री के पद से हटने की सम्भावना दिखती है। **सिंगापुर** में राजनैतिक क्षेत्रों में बड़े बदलाव होंगे। **मलेशिया** में परमाणु मिसाइलों के परीक्षण के समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। **वियतनाम** भारत के करीब आ सकता है।

प्रादेशिक सरकारें

जम्मू-कश्मीर – प्राकृतिक आपदा से नुकसान होगा, आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि होगी। कश्मीर घाटी में विशेष अशांति का अनुभव होगा। कश्मीर में सरकार विकास के कार्य अच्छे करेगी। कश्मीर और लद्दाख में शिक्षा पर विशेष खर्च होगा। सीमा पार से घुसपैठ, आंदोलन व प्रदर्शन होंगे। जनता भयभीत होगी।

उत्तर प्रदेश – आंदोलन, हिंसक कार्यों और अशांति का वातावरण देखने को मिलेगा। राजनैतिक टकराव होगा। होने वाले चुनाव में भाजपा बड़ी संख्या में वर्तमान विधायकों के टिकिट काटकर नये स्वच्छ छवि वाले जिताऊ लोगों को टिकिट देगी। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक बार फिर से उत्तरप्रदेश में भाजपा अपनी सरकार बना लेगी। उत्तरांचल में प्राकृतिक आपदा से नुकसान होगा। होने वाले चुनाव में कांग्रेस को लाभ होगा। बाढ़, भूस्खलन, तूफान से नुकसान होगा।

दिल्ली – केजरीवाल प्रशासनिक सूझबूझ से प्राथमिकता से जनहित के कार्य करेंगे। दिल्ली सरकार अच्छा काम करेगी। प्रदेश का अच्छा विकास होगा, प्रदूषण और मँहगाई से परेशानी होगी। विपक्षी संघर्ष झेलना पड़ेगा।

राजस्थान – सत्ता संघर्ष बढ़ेगा, सत्ताधारी पक्ष को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वित्तीय संकट और महामारी से परेशानी होगी। मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है।

महाराष्ट्र – उद्धव ठाकरे का प्रभाव बढ़ेगा किन्तु राजनैतिक खींचातानी भी बढ़ेगी, कुछ अप्रिय स्थिति बन सकती है। राजनैतिक आरोप-प्रत्यारोप बढ़ेंगे। शरद पवार को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है।

मध्यप्रदेश – प्रदेश में अफवाहों का दौर भी चलेगा परन्तु मुख्यमंत्री अपनी प्रशासन क्षमता और अनुभव से प्रदेश को अच्छे से चलायेंगे। भ्रष्टाचार पर अंकुश के साथ-साथ सरकारी कार्यों को सरल से सरल किया जायेगा ताकि जनता को सरकारी ऑफिस के चक्कर न लगाना पड़े। प्रदेश में केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं को तेजी से लागू किया जायेगा ताकि गरीब वर्ग लाभांवित हो सके। भू-माफिया, अपराधी तत्वों पर शिकंजा कसा जायेगा। सभी वर्गों को खुश करने का प्रयत्न होगा। सरकार की नई-नई योजनाओं से जनसामान्य को लाभ मिलेगा। किसानों की समस्याओं पर सरकार विशेष ध्यान देगी। अपराधी तत्वों एवं बेरोजगारी से परेशानियाँ बढ़ेंगी। पुलिस प्रशासन, कड़ाई से काम करेगा। फसलों को कीट पतंगों से नुकसान होगा।

छत्तीसगढ़ – राजनैतिक खींचातानी रहेगी। वर्षा की कमी के बावजूद कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। मंत्रिमंडल का पुनर्गठन हो सकता है। असंतुष्टों के कारण सत्ता संघर्ष चलता रहेगा।

गुजरात – प्राकृतिक आपदा से नुकसान होगा। सरकार विकास के कार्यों पर ध्यान देगी। आगामी चुनाव में भाजपा बड़ी संख्या में वर्तमान विधायकों की टिकिट काटकर नये लोगों को टिकिट देगी जिससे भाजपा फिर से सरकार बनाने में सफलता प्राप्त करेगी।

बिहार – प्रदेश सरकार अच्छा कार्य करेगी। विकास के कार्य होंगे, केन्द्र का अच्छा सहयोग मिलेगा। मंत्रिमंडल का पुनर्गठन हो सकता है।

बंगाल – प्रदेश सरकार अच्छा कार्य करेगी। विकास के कार्य होंगे। कड़े संघर्ष के बावजूद ममता बनर्जी की बंगाल विजय में उनकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है। भाजपा नई व्यूह रचना बनाकर अपना प्रभाव बढ़ायेगी। केन्द्र सरकार से संघर्ष चलता रहेगा।

असम – असम सरकार द्वारा निर्णयों में कठोरता और नीतियों को बलपूर्वक लागू करवाने के कारण आम जनता में रोष उत्पन्न होगा। सरकार को गठबंधन की मांगों के आगे झुकना पड़ेगा। निकाय चुनाव में भारी हिंसा की संभावना है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के द्वारा जनता का झुकाव सरकार की तरफ बढ़ेगा। सरकार को विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

उड़ीसा – प्राकृतिक आपदा से नुकसान होगा, बाल मृत्यु दर में वृद्धि होगी। राजकीय संघर्ष बढ़ेगा। मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य संबंधी चिंता हो सकती है।

कर्नाटक – विकास का कार्य अच्छा होगा। मंहगाई से परेशानी होगी। आगामी चुनाव में कांग्रेस और विरोधी पार्टियों में प्रभाव बढ़ेगा फिर भी सत्तारूढ़ भाजपा एक बार फिर सरकार बनाने में सफल होगी। केरल में कृषि उद्योग का अच्छा विकास होगा।

तमिलनाडू – स्टॉलिन सरकार का प्रशासन अच्छा रहेगा। इन्हें स्वास्थ्य खासकर पेट से संबंधित समस्या हो सकती है स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखें।

पंजाब – मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाने से कांग्रेस को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। राजनीति में उथल-पुथल होगी। मुख्यमंत्री तथा अन्य मंत्रियों में आपसी विश्वास की कमी से कांग्रेस सरकार को नुकसान होगा। प्राकृतिक आपदा और कीट पतंगों से कृषि को हानि होगी।

हिमाचल एवं हरियाणा – प्रदेश में तूफान, भूस्खलन, प्राकृतिक आपदा से नुकसान होगा। राजनैतिक परेशानियाँ बढ़ेंगी। केन्द्रीय सहयोग से प्रदेश प्रगति करेगा। भाजपा गठबंधन सरकार आर्थिक एवं राजनैतिक उलझनों के बावजूद विभिन्न क्षेत्रों में विकास संबंधी योजनाओं का क्रियान्वयन करेगी। खट्टर सरकार द्वारा कुछ जनहितैषी योजनाओं का प्रदेश की जनता को अच्छा लाभ मिलेगा। ।। शुभम भवतु ।।

ज्योतिषाचार्य पंडित नारायणशंकर नाथूराम व्यास द्वारा पिछले पंचांग में की गई भविष्यवाणियाँ जो सत्य होने के कारण विशेष चर्चित हुई

नेट के माध्यम से बैंक खाता खाली करने वाले जालसाजों पर देशव्यापी शिकंजा कसेगा – देशभर में इस क्राइम को रोकने के लिये कई राज्यों की टीम द्वारा आपस में सामंजस्य करने से इन ठगों की देशव्यापी पकड़ धकड़ प्रारम्भ हो गई है।

बीमारियों से बड़ी जनहानियों के साथ-साथ उथल पुथल की स्थिति रहेगी – अप्रैल-मई-जून देशभर में कोरोना से बड़ी जनहानि हुई और देशभर में आक्सीजन एवं अस्पतालों में बेड की कमी से उथल-पुथल की स्थिति निर्मित हुई।

अमेरिका के विषय में अमेरिका का पहले की तरह दबदबा नहीं रहेगा – अमेरिका में होने वाले चुनाव में ट्रंप को हार का सामना करना पड़ेगा और जो बाइडन डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बन सकते हैं उपरोक्त बात एकदम सत्य हुई।

बंगाल में हिंसा रक्तपात आंदोलन प्रदर्शन तोड़फोड़ का योग है सत्ता संघर्ष बढ़ेगा प्रदेश में भाजपा का प्रभाव तेजी से बढ़ेगा – बंगाल में भाजपा का प्रभाव बढ़ा और साथ ही हिंसा रक्तपात आंदोलन प्रदर्शन तोड़फोड़ हुई।

उपचुनाव में भाजपा को अच्छी सफलता मिलेगी अब भाजपा स्पष्ट बहुमत में आ जायेगी – मध्यप्रदेश में उपरोक्त भविष्यवाणी भी एकदम सत्य हुई।

महाराष्ट्र में संक्रमण का फैलाव सतत जारी रहेगा – इस वर्ष महाराष्ट्र में संक्रमण का प्रभाव लगातार सबसे ज्यादा रहा।

लगातार 89 वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

हार्ट अटैक, लकवा से बचें
ठंड में हार्ट अटैक, लकवा (पैरालिसिस) एवं पानी की कमी से अचानक जान जाने का खतरा रहता है ऐसे में सभी व्यक्तियों को ठंड से बचने के सभी उपाय अपनाना चाहिये। ठंड में खून की नलियाँ भी सिकुड़ती हैं और कम पानी पीने से खून भी गाढ़ा होता है, अतः गुनगुना पानी भी पर्याप्त मात्रा में पीते रहें।

ता. 4 संत नामदेव जयंती — मैरिज डे — ता. 8 गुरुनानक देव जयंती — बर्थ डे — ता. 8 महात्मा सुदर्शन जयंती

रूखापन, खुजली
ठंड में नाभि में एक बूंद सरसों तेल लगावें एवं स्नान बाद गीले बदन ही सरसों/नारियल/जैतून तेल से पूरे शरीर की हल्की मालिश करें। इससे ओंठ फटना, त्वचा का रूखापन एवं खुजली दूर होने के साथ-साथ त्वचा कांतिमय बनेगी। हमेशा त्वचा का पानी टॉवल से थपथपा कर सुखाना चाहिये।

यदि आप जागरूक नहीं हैं तो यकीन मानिये अब तक आप कई बार नुकसान उठा चुके हैं

भद्रास्थिति – पिछली ता. से प्रारंभ भद्रा ता. १ के १।५० दिन तक। ता. ४ को ७।२८ प्रातः से ६।३५ शाम तक। ता. ७ को ३।३१ दिन से ३।२६ रात तक। ता. १० को ५।३२ रात अंत से ता. ११ के ६।१४ शाम तक। ता. १४ को १२।१४ रात से ता. १५ के १।१६ दिन तक। ता. १८ को ६।१० शाम से ता. १९ के ६।४० प्रातः तक। ता. २२ को ६।४२ प्रातः से ६।१३ शाम तक। ता. २७ को ६।१८ दिन से ८।८ रात तक। ता. ३० को १।१५ दिन से १२।१५ रात तक। **गुरु, शुक्र तारा** – गुरु पूरब दिशा में उदित, शुक्र अस्त जो ता. २६ के १२।३८ दिन से पश्चिम में उदित। **पंचक** – ता. २ को ४।२६ शाम से ता. ६ के १२।३० रात तक फिर ता. २९ को १२।३८ रात से प्रारंभ।

विक्रम संवत् 2079 — वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायन

NOVEMBER 2022

सूर्य दक्षिणायन, शरद ता. 18 से हेमन्त ऋतु — ईस्वी सन 2022 — शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – मकर का। ता. २ को ४।२६ शाम से कुम्भ का। ता. ४ को ७।३८ रात से मीन का। ता. ६ को १२।३० रात से मेष का। ता. ९ को ७।४५ प्रातः से वृष का। ता. ११ को ५।२५ शाम से मिथुन का। ता. १३ को ४।५० रात अंत से कर्क का। ता. १६ को ४।३२ शाम से सिंह का। ता. १८ को २।४५ रात से कन्या का। ता. २१ को १०।३८ दिन से तुला का। ता. २३ को ४।८ शाम से वृश्चिक का। ता. २५ को ७।४७ रात से धनु का। ता. २७ को १०।१७ रात से मकर का। ता. २९ को १२।३८ रात से कुम्भ का चन्द्रमा रहेगा। *'सूर्य एवं चन्द्रग्रहण का विवरण अगस्त बैक पेज पर देखें'*
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १७ तक तुला लग्न, ता. १८ से वृश्चिक लग्न।

ग्रहों के राशिचक्र तारीख १ उदयकाल में

८	७ सू.बु.शु.के. ६	५
९	१० श.च.	४
११	१ रा.	३ मं.
१२ गु.		२

हिजरी सन् 1444
रवि उस्सानी/जमादि उलावल मास (5)
ता.6 ग्यारहवीं शरीफ, ता.14 डॉ.सैयदना साहब जन्मदिन, ता. 25 चंद्रदर्शन, ता. 26 से जमादि उलावल मास प्रारंभ

11 — कार्तिक मास/अगहन (मार्गशीर्ष) (9)

नवम्बर

रा.शक सं.1944
रा.कार्तिक 10 से रा.मार्गशीर्ष 9 तक (ता. 22 से राष्ट्रीय मार्गशीर्ष मास प्रारंभ)
बंगला सन 1429
बंग कार्तिक, ता. 18 से मार्गशीर्ष मास प्रा.

ग्रहों के राशिचक्र ता. १८ उदयकाल में

९	८	७ के. ६
रा.१०	सू.बु.शु.	५
११		४ चं.
गु.१२	२ मं.	३
श. १		

दूध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	घुमाई को काटे	तिथि	समय बजे तक
1				८	१२।३६ रात तक
2				९	१०।२४ रात तक
3				१०	८।२१ रात तक
4				११	६।३५ शाम तक
5				१२	५।८ शाम तक
6				१३	४।६ शाम तक
7				१४	३।३१ दिन तक
8				१५	३।२६ दिन तक
9				१	३।५२ दिन तक
10				२	४।४९ शाम तक
11				३	६।१४ शाम तक
12				४	८।२ रात तक
13				५	१०।५ रात तक
14				६	१२।१४ रात तक
15				७	२।१९ रात तक
16				८	४।१० रा.अं.तक
17				९	५।३६ रा.अं.तक
18				१०	दिन-रात
19				१०	६।४० प्रातः तक
20				११	७।१२ प्रातः तक
21				१२	७।१२ प्रातः तक
22				१३	६।४२ प्रातः तक
				१४	५।४४ रा.अं.तक
23				३०	४।२२ रा.अं.तक
24				१	२।३६ रात तक
25				२	१२।४० रात तक
26				३	१०।२८ रात तक
27				४	८।८ रात तक
28				५	५।४९ शाम तक
29				६	३।२७ दिन तक
30				७	१।१५ दिन तक
योग					

पंचांग गिफ्ट करें
यह पंचांग बहुमूल्य जानकारियों का खजाना है, जिसको भी यह गिफ्ट करेंगे वह आपका प्रशंसक हो जावेगा। इस बार गिफ्ट अवश्य करके देखिये।

ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन)
ता. 4 संत नामदेव जयंती
ता. 14 डॉ.सैयदना जन्मदिन
ता. 15 बिरसा मुंडा जयंती
ता. 22 वी.झलकारी जयंती
ता. 24 गुरु तेगबहादुर श.दि.
ता. 30 संत तारण तरण ज.

वार					
SUNDAY रवि		6 कार्तिक शुक्ल १३	13 अगहन कृष्ण ५	20 उत्पन्ना एकादशी, अगहन कृष्ण ११	27 विनायकी चतुर्थी व्रत, अगहन शुक्ल ४
MONDAY सोम		7 बैकुण्ठ चतुर्दशी, कार्तिक शुक्ल १४	14 अगहन कृष्ण ६	21 प्रदोष व्रत, अगहन कृष्ण १२	28 नाग दिवाली, विवाह पंचमी ५
TUESDAY मंगल	1 गोपाष्टमी, कार्तिक शुक्ल ८	8 कार्तिक स्नान समाप्त, स्ना.दा.पूर्णिमा १५	15 बिरसा मुंडा जयंती, अगहन कृष्ण ७	22 शिव चतुर्दशी व्रत, अगहन कृष्ण १३/१४	29 बैंगन छठ, चम्पा षष्ठी ६
WEDNESDAY बुध	2 अक्षय नवमी, कार्तिक शुक्ल ९	9 अगहन कृष्ण १	16 काल भैरवाष्टमी, अगहन कृष्ण ८	23 स्ना.दा.श्रा.अमावस ३०	30 नंदा सप्तमी, अगहन शुक्ल ७
THURSDAY गुरु	3 कार्तिक शुक्ल १०	10 अगहन कृष्ण २	17 अगहन कृष्ण ९	24 अगहन शुक्ल १	
FRIDAY शुक्र	4 तुलसी विवाह, देवउठनी एकादशी ११	11 गणेश चतुर्थी व्रत, अगहन कृष्ण ३	18 अगहन कृष्ण १०	25 अगहन शुक्ल २	
SATURDAY शनि	5 प्रदोष व्रत, कार्तिक शुक्ल १२	12 अगहन कृष्ण ४	19 अगहन कृष्ण १०	26 अगहन शुक्ल ३	

मूल
रेवती के ता. ५ को १२।४५ रात से ता. ६ के १२।३० रात तक फिर अश्विनी के ता. ७ के १२।४४ रात तक। अश्लेषा के ता. १५ को २।६ दिन से ता. १६ के ४।३२ शाम तक फिर मघा के ता. १७ के ६।४१ शाम तक। ज्येष्ठा के ता. २४ को ६।२ रात से ता. २५ के ७।४७ रात तक फिर मूल के मूल ता. २६ के ६।१८ शाम तक रहेंगे।

पंचांग विक्रय हेतु
जिन नगरों में यह पंचांग उपलब्ध नहीं है, उन नगरों में पंचांग विक्रेता नियुक्त करना है, सम्पर्क करें 08871944563

यादद्दाश्त

राशिफल
मेष – मित्र मिलन, स्थानांतरण, शुभ कार्य
वृष – शुभ समाचार, उत्साह वृद्धि, खर्च
मिथुन – संयम से लाभ, मित्र सुख, भय
कर्क – व्यर्थ विवाद, खर्च, यात्रा कष्ट
सिंह – दूरस्थ यात्रा, श्रम अधिक, विवाद
कन्या – यश प्राप्ति, भूमि लाभ, पदोन्नति
तुला – शुभ समाचार, यात्रा कष्ट, चिंता
वृश्चिक – प्रतिष्ठा में वृद्धि, संतान सुख
धनु – धन लाभ, रोग वृद्धि, मित्र मिलन
मकर – यात्रा, संतान सुख, वाहन कष्ट
कुंभ – भवन लाभ, मित्र सुख, रोग भय
मीन – व्यर्थ तनाव, वाहन लाभ, कष्ट

शुभ मुहूर्त
विवाह – तारीख 26, 27, 28
नामकरण – ता. 3, 10, 24, 28, 30
अन्नप्राशन – ता. 3, 10, 11, 21, 28, 30 **गृहारम्भ** – तारीख 28, 30
जीर्ण गृहप्रवेश – तारीख 2, 5, 19, 21
व्यापार प्रारंभ – ता. 6, 10, 20, 21

मुख्य जयंती, दिवस
ता. 1 म.प्र., छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस
ता. 4 कवि कालिदास जयंती
ता. 8 नर्मदा परिक्रमा भेड़ाघाट (जबलपुर)
ता.14 पंडित नेहरु जयंती, बाल दिवस
ता.17 लाला लाजपत राय बलिदान दि.
ता.19 रानी लक्ष्मीबाई जयंती, श्रीमती इंदिरा गांधी जयंती
ता.22 वीर दुर्गादास राठौर पुण्यतिथि
ता.23 सत्य साईं जयंती
ता.26 डॉ. हरिसिंह गौर जयंती
ता.28 म. जोतीराव फुले पुण्यतिथि
ता.29 खंडोबा जयंती

ग्रहस्थिति
सूर्य – तुला राशि में, ता. १७ के ७।१३ प्रातः से वृश्चिक राशि में। **मंगल** – मिथुन राशि में (वक्री), ता. १४ के १२।६ दिन से वृष में वक्री। **बुध** – तुला राशि में, ता. १३ के ८।५८ रात से वृश्चिक में। **गुरु** – मीन राशि में (वक्री), ता. २४ के ४।२६ शाम से मार्गी। **शुक्र** – तुला राशि में, ता. ११ के ७।२५ रात से वृश्चिक में। **शनि** – मकर राशि में। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:19	5 – 6:20	10 – 6:23	15 – 6:26	20 – 6:29	25 – 6:32
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 5:28	5 – 5:26	10 – 5:25	15 – 5:23	20 – 5:21	25 – 5:19

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ८ को १।२७ रात से ता. ९ के रात अंत तक। ता. १४ को ११।२९ दिन से रात अंत तक। ता. १५ को २।६ दिन से रात अंत तक। ता. २० को सूर्योदय से १०।२९ रात तक। ता. २३ को ६।५९ रात से ता. २४ के ६।२ रात तक। ता. २७ को ४।४२ शाम से रात अंत तक। ता. २८ को ३।२ दिन से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. २० को सूर्योदय से १०।२९ रात तक। ता. २३ को ६।५९ रात से रात अंत तक। **त्रिपुष्कर योग** – तारीख २० को १०।२९ रात से रात अंत तक। तारीख २९ को ३।२७ दिन से रात अंत तक। **सूचना** – देश में दो प्रकार की पंचांग गणना प्रचलन में है। एक की मान्यता पूर्वी उत्तर भारत में और दूसरे की मान्यता दक्षिण-पश्चिम भारत में है। आपकी माँग पर पूर्वी उत्तर भारत की गणना के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों में अंतर वाले कुछ प्रमुख व्रत, त्यौहारों की जानकारी भी इस पंचांग में देने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया पर व्रत, त्यौहारों की भ्रामक जानकारी से सचेत रहें।

नवम्बर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार
ता. 1 गोपाष्टमी
ता. 2 अक्षय (आंवला) नवमी
ता. 4 देवउठनी (प्रबोधिनी) ग्यारस
ता. 5 चातुर्मास समाप्त, प्रदोष व्रत
ता. 7 बैकुंठ चतुर्दशी, व्रत पूर्णिमा
ता. 8 त्रिपुरारी, स्नानदान पूर्णिमा
ता. 11 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 16 काल भैरवाष्टमी
ता. 20 उत्पन्ना एकादशी व्रत
ता. 21 प्रदोष व्रत
ता. 22 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 23 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
ता. 25 चन्द्रदर्शन
ता. 27 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 28 विवाह पंचमी, नाग दिवाली
ता. 29 चम्पा षष्ठी, बैंगन छठ
ता. 30 नंदा सप्तमी

दिगम्बर जैन पर्व
ता. 1 से 8 अष्टान्हिका व्रत
ता. 10 रोहिणी व्रत

मासफल – इस मास शासन की जनोपयोगी योजनायें गति पकड़ेंगी। सभी खाद्य पदार्थों में सामान्य तेजी रहेगी। शेयर, सोना, चाँदी एवं अन्य धातुओं में तेजी मंदी के झटके चलेंगे। कहीं-कहीं बादल, वर्षा, बर्फबारी का भी योग है। संक्रामक रोगों का प्रकोप कम होता दिखेगा परन्तु हार्टअटैक के मरीज बढ़ेंगे। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – सूर्य स्वाती नक्षत्र में। तारीख ७ को ६।२१ दिन से विशाखा नक्षत्र में। तारीख २० को २।१५ दिन से अनुराधा नक्षत्र में। **व्यतिपात योग** – तारीख ७ को ११।२८ रात से ता. ८ के १०।३२ रात तक। **पुष्य नक्षत्र** – तारीख १४ को ११।२९ दिन से तारीख १५ के २।६ दिन तक। **नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा** – ता. ४ से ८ तक ओंकार-मांधाता-त्रिपुरी, ओंकारेश्वर-ममलेश्वर। ता.१९ से २३ वराहेश्वर स्मृति बड़ा बड़दा (बांकानेर) **श्वेताम्बर जैन पर्व** – तारीख ७ पाक्षिक प्रतिक्रमण, चातुर्मास समाप्त। तारीख १९ भगवान महावीर दीक्षा कल्याणक। तारीख २२ पाक्षिक प्रतिक्रमण।

TM 70 71 72 नया पंचांग खरीदते समय ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 पूरा अवश्य देख लें अन्यथा कुछ विक्रेताओं द्वारा नकली पंचांग थमाया जा सकता है। TM 70 71 72

कोरोना भी हो सकता है बाल झड़ने का कारण

कोविड महामारी ने जनमानस को हिलाकर रख दिया है। कोविड का सबसे बड़ा नुकसान शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में कमी एवं मानसिक तनाव के रूप में सामने आया है, जिसके कई दुष्परिणाम हो रहे हैं। बाल झड़ने की समस्या भी उनमें से एक है, जो कोरोना से ठीक होने के एक या दो माह बाद देखी जा रही है। बालों का झड़ना पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में ज्यादा हो रहा है। कोविड के कारण शरीर में स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे बालों को ब्लड सप्लाई कम हो जाने से ऑक्सीजन कम मिलती है।

अमूमन प्रतिदिन लगभग 100 बालों तक गिरना सामान्य माना जा सकता है, लेकिन इससे ज्यादा संख्या में गिरना या गुच्छे में बाल गिरना समस्या की तरफ इशारा करता है। कोरोना से ठीक हुये लोगों में कंघी करने पर, नहाते वक्त या बालों में हाथ फेरने से भी बाल टूटकर हाथ में आ सकते हैं।

ड्राईस्केल्प (सिर की त्वचा का सूखापन) डेंड्रफ, फंगल इंफेक्शन, पोषक तत्वों की कमी, इम्यूनिटी कम होना बालों के गिरने का कारण बनते हैं। यदि शुरुआत में ही इसकी पहचान कर ली जाये और चर्मरोग विशेषज्ञ से सम्पर्क कर चिकित्सीय उपचार लें तो पोस्ट कोविड बाल झड़ने की समस्या का शीघ्र निदान कर सकते हैं।

बालों में इंफेक्शन, ड्राय स्केल्प के उपचार के साथ ही डॉक्टर पोषक आहार के लिये भी जोर देते हैं। हरी साग-सब्जियाँ, फल, दूध, मेवे, अंकुरित अनाज लेने से पोषक तत्वों की कमी दूर होती है। टी ट्री आयल (Tea tree oil) द्वारा भी उपचार किया जाता है। आवश्यकता होने पर PRP ट्रीटमेंट भी दिया जाता है। इसके साथ ही भरपूर नींद, एक्सरसाइज और योग भी तनाव को कम करने में मददगार होते हैं जिससे बालों को झड़ने से रोकने में मदद मिलती है।

डॉ. ललित गुप्ता
चर्म एवं सौंदर्य रोग विशेषज्ञ
एम.जी.रोड, पंजाब नेशनल बैंक के पास, सतना

सोशल मीडिया पर अपराध एवं ठगी से बचें

- सोशल मीडिया जैसे-फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम आदि पर अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई फ्रेंड रिक्वेस्ट ऐक्सेप्ट न करें।
- सोशल मीडिया पर बनाये गये अनजान दोस्तों से अपनी व्यक्तिगत जानकारी व दिनचर्या शेयर न करें।
- सोशल मीडिया, मैसेज, व्हाट्सएप आदि का उपयोग करते समय किसी भी प्रकार से अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, आपका एकाउंट हैक हो सकता है।
- सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की आपत्तिजनक तथा अश्लील सामग्री को शेयर न करें।
- सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाईल को लॉक या सिक्योर करके रखें।
- व्हाट्सएप ग्रुप में अनजान लोगों को न जोड़ें।
- ऑनलाईन डेटिंग एप्स के माध्यम से सम्पर्क में आये व्यक्तियों पर भरोसा न करें।
- यदि आपका मोबाइल नम्बर किसी अज्ञात व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ गया है तो तत्काल उस ग्रुप से बाहर हो जायें।
- आपके द्वारा बनाये गये व्हाट्सएप ग्रुप में यदि कोई सदस्य आपत्तिजनक या अश्लील सामग्री शेयर करता है तो उसे तत्काल ग्रुप से बाहर कर देवें।
- ऑनलाईन शापिंग अपने परिवारजनों की जानकारी में भरोसेमंद वेबसाईट से ही करें। सस्ते तथा लुभावने ऑफर के प्रलोभन में न आवें।
- अपने तथा परिजन के बैंक एकाउंट, पेनकार्ड, आधार कार्ड व एटीएम कार्ड की जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति को साझा न करें।
- मध्यप्रदेश में पुलिस का मोबाइल एप MPeCop को अपने स्मार्ट फोन में डाउनलोड करके रखें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरन्त सम्पर्क किया जा सके।
- लुभावने विज्ञापनों से बचें, क्यों ठग सबसे ज्यादा इन्हीं का उपयोग कर लोगों को अपने जाल में फसाते हैं।
- सोशल मीडिया पर प्राप्त जानकारी की सत्यता को जानने का प्रयास करें और उसके बाद ही उसे शेयर करें, अफवाहों को न फैलायें।
- आपके नाम से कोई फर्जी सोशल मीडिया एकाउंट तो नहीं चल रहा है इस हेतु अपने नाम के सोशल मीडिया एकाउंट्स को समय-समय पर सर्च करते रहें।
- जिस बैंक खाते में फ्राड हुआ है उस खाते में पंजीकृत मोबाइल नं. से 155260 पर तुरन्त सूचना दें और www.cybercrime.gov.in पर भी आनलाईन सूचना अवश्य दर्ज करायें।
- यदि आपके साथ किसी प्रकार का सायबर अपराध घटित होता है तो सायबर क्राइम सैल पर तत्काल सम्पर्क करें एवं अपने निकटतम पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराके पावती अवश्य लें।

दो हफ्ते से खाँसी कहीं टी.बी. तो नहीं

लेख – डॉ. धीरज दवंडे जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी जबलपुर
सुनील शर्मा जिला कार्यक्रम समन्वयक जबलपुर

निम्नलिखित लक्षण दिखने पर शासकीय अस्पताल में बलगम के दो नमूने की मुफ्त जाँच करवायें –

(1) दो सप्ताह या अधिक की खाँसी (2) वजन एवं भूख का कम होना (3) बलगम में खून आना (4) शाम को रोज बुखार आना (5) कमजोरी, थकान, साँस का फूलना।

(टी.बी. का पूरा इलाज आदि शासन द्वारा मुफ्त है।)

भारत सरकार द्वारा देश में टी.बी. उन्मूलन के लिये बड़ी पहल की गई है जिसमें टी.बी. मरीज को इलाज की पूरी अवधि दौरान 500/- प्रतिमाह पौष्टिक आहार के लिये दिये जाते हैं और डाट्स प्रोव्हाईडर को क्षय रोगी को नियमित 6 माह दवा का कार्य पूर्ण होने पर 1000/- प्रोत्साहन राशि दी जाती है और जो और प्राइवेट प्रेक्टिशनर्स को टी.बी. नोटिफिकेशन के लिये 500/- प्रति मरीज दिये जाने का प्रावधान है।

टी.बी. के अधूरा या अनियमित इलाज से टी.बी. लाइलाज हो सकती है इसलिये दवा नियमित लें।

अधिक जानकारी के लिये
डॉ. तिलकराज धींगरा (वरिष्ठ चिकित्सक) मो. 9425152037
डॉ. धीरज दवंडे मोबाइल 9425363139
श्री सुनील शर्मा मोबाइल 8269925581
भारत सरकार की गाईड लाईन अनुसार निःशुल्क सलाह एवं परामर्श लिया जा सकता है।

लाभदायक सरकारी योजना

अपने बैंक या पोस्ट ऑफिस के बचत खाते में इन सरकारी स्कीमों को आसानी से अपने आधार कार्ड के माध्यम से अवश्य प्रारम्भ करें और इनका लाभ उठायें।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना – इस योजना के अंतर्गत 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्ति के बचत खाते से मात्र 12 रुपये बीमा राशि प्रतिवर्ष कटेंगे, जिससे यदि कभी कोई दुर्घटना होने पर हुई अपाहिजता पर, इस बीमा योजना के अंतर्गत 1 लाख से 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि प्राप्त हो सकती है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना – 18 से 50 वर्ष की आयु के व्यक्ति के लिये, इस योजना के अंतर्गत आपके बचत खाते से प्रतिवर्ष मात्र 330 रुपये कटेंगे और खाताधारक की असमय मृत्यु होने पर, परिवार के सदस्यों को या नामिनी को 2 लाख रुपये की बीमा राशि दी जायेगी।

अटल पेंशन योजना– 18 से 39 वर्ष की आयु के व्यक्ति के लिये, इस योजना में कुछ रुपये प्रतिवर्ष 60 की उम्र तक निवेश करने पर, 60 की उम्र के बाद आपको तय पेंशन राशि दी जावेगी जोकि 1000/- से 5000/- प्रतिमाह तक की होगी, जो आपकी निवेश राशि पर निर्भर करेगा। खाता धारक की मृत्यु होने पर उसके जीवनसाथी को यह पेंशन राशि मिलती रहेगी और फिर जीवनसाथी की मृत्यु होने पर निवेश की पूरी राशि (ब्याज सहित) नामिनी को वापस दे दी जायेगी।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम – सीनियर सिटीजन यानि 60 की आयु के बाद, इस स्कीम में 5 वर्षों के लिये निवेश कर सकते हैं जिसके अंतर्गत निवेश राशि पर अच्छी ब्याज दर 7.4 प्रतिशत मिल रही है और इसका ब्याज प्रति 3 महीना में आपके बचत खाते में अपने आप जमा हो जाता है, परिपक्वता पर या मृत्यु होने पर पूर्ण निवेश राशि नामित को वापस कर दी जाती है।

इन सभी स्कीमों हेतु आप अपने बैंक या पोस्ट ऑफिस शाखा में सम्पर्क करके अपने बचत खाते में तुरन्त चालू करवा सकते हैं आसानी से। ध्यान रखें इन सभी स्कीमों में उम्र की सीमा भी है इसलिये देरी न करें और इन सभी का फायदा लें, विस्तृत जानकारी हेतु आप अपने बैंक व पोस्ट ऑफिस शाखा में सम्पर्क करें।

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना – 60 की आयु के बाद इस योजना में निवेश करके, निवेश राशि पर अच्छी ब्याज दर 7.4 प्रतिशत पर, 10 वर्षों के लिये मासिक पेंशन सुविधा का लाभ इस योजना के अंतर्गत ले सकते हैं, परिपक्वता पर या मृत्यु होने पर पूर्ण निवेश राशि नामिनी को वापस कर दी जाती है। विस्तृत जानकारी हेतु अपनी नजदीकी एलआईसी बीमा शाखा में सम्पर्क करें।

नोट – सरकार/आरबीआई समय-समय पर ब्याज दरों में संशोधन करती रहती है। निवेश के पहले जाँच लें।

साढ़ेसाती और अढ़ैया शनि विचार

जन्म कुण्डली में यदि शनि का सम्बन्ध शुभ ग्रहों से बन रहा हो अथवा महादशा, अन्तर्दशा शुभ चल रही हो तो अढ़ैया और साढ़ेसाती शनि का अशुभ फल कम होता है। यदि चन्द्र, शनि जन्म में अशुभ ग्रहों से युक्त हों तो साढ़ेसाती और अढ़ैया शनि अधिक अशुभ, चिंता, अवनति, धन हानि, झगड़ा, कार्यों में विघ्न, रोजगार में कमी, व्यर्थ कलह, रोग, चिंता आदि कारण बनते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि अष्टमेश या मारकेश हों तो भी अढ़ैया और साढ़ेसाती शनि विशेष अनिष्ट फल देते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि लग्नेश, पंचमेश या नवमेश होकर तृतीय, छठे और एकादश भाव में स्थित हों तो सुख और सम्पत्ति मिलती है, व्यापार आदि में लाभ होता है। शनि के अष्टक वर्ग में अधिक रेखायें हों तो शुभ फलकारी और कम रेखायें हों तो अशुभ फल होता है।

शनि का भ्रमण मकर राशि में

1 जनवरी से 28 अप्रैल तक एवं
12 जुलाई से 31 दिसम्बर 2022 तक

साढ़ेसाती शनि का प्रभाव क्रमशः धनु, मकर और कुम्भ राशि में रहेगा। अढ़ैया शनि का प्रभाव मिथुन और तुला राशि पर होता है। यथा –

साढ़ेसाती शनि

धनु राशि – इस राशि वालों को पैरों पर उतरती साढ़ेसाती शनि के प्रभाव से व्यापार में प्रगति, धन-धान्य की समृद्धि, प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि, राज्य पक्ष से सम्मान, सुख, सम्पत्ति का लाभ, रुके कार्य बनेंगे, परिवार में मांगलिक कार्य के आयोजन होंगे और सुख सम्पदा में वृद्धि होगी।

मकर राशि – इस राशि वालों को मध्य की साढ़ेसाती शनि का प्रभाव हृदय पर होगा, जिससे परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, मांगलिक कार्य में खर्च होगा, शत्रु प्रबल होंगे, निजी जन विरोध करेंगे, रोग भय, चिंता आदि से कष्ट होगा।

कुम्भ राशि – इस राशि वालों को सिर पर चढ़ती हुई साढ़ेसाती शनि का प्रभाव रहेगा जिससे शारीरिक पीड़ा, रक्त विकार, परिश्रम अधिक, व्यापार में लाभ-हानि दोनों का योग बनेगा। स्त्री, पुत्र की चिंता रहेगी। बेवजह यात्रायें होंगी एवं खर्च अधिक होगा।

अढ़ैया शनि

मिथुन राशि – इस राशि वालों को लघु कल्याणी अढ़ैया शनि के प्रभाव से शत्रु पक्ष प्रबल होगा। घर तनाव बढ़ेगा, व्यापारिक साझेदारी टूट सकती है। राजकीय सफलता मिलते-मिलते रह सकती है।

तुला राशि – इस राशि वालों को लघु कल्याणी अढ़ैया शनि के प्रभाव से शारीरिक संक्रमण, स्त्री-पुत्र की चिंता, व्यापार में परेशानी, आर्थिक लाभ कम होगा। जिनका जन्म का शनि अच्छा है, उनके लिये विशेष उन्नति और पदोन्नति का समय रहेगा।

शनि का भ्रमण कुम्भ राशि में

तारीख 29 अप्रैल से 11 जुलाई 2022 तक

साढ़ेसाती शनि का प्रभाव क्रमशः मकर, कुम्भ और मीन राशि में रहेगा। अढ़ैया शनि का प्रभाव कर्क व वृश्चिक राशि पर होता है। यथा –

साढ़ेसाती शनि

मकर राशि – इस राशि वालों को उतरती हुई साढ़ेसाती शनि के प्रभाव से व्यापार में प्रगति, धन-धान्य की समृद्धि, प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि, राज्य पक्ष से सम्मान, सुख, सम्पत्ति का लाभ, रुके कार्य बनेंगे, मुकदमों में सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य के आयोजन होंगे। सुख सम्पदा में वृद्धि होगी।

कुम्भ राशि – इस राशि वालों को मध्य की साढ़ेसाती शनि के प्रभाव से परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, शारीरिक संक्रमण से पीड़ा होगी, मांगलिक कार्य में खर्च, शत्रु प्रबल होंगे, निजी जन विरोध करेंगे किन्तु जिनकी जन्मपत्रिका में शनि अच्छा है उन्हें परेशानी कम होगी और अधिक परिश्रम से सफलता भी अच्छी मिलेगी।

मीन राशि – इस राशि वालों को सिर पर चढ़ती हुई साढ़ेसाती शनि के प्रभाव से शारीरिक पीड़ा, रक्त विकार, परिश्रम अधिक, व्यापार में लाभ-हानि दोनों का योग बनेगा। पारिवारिक चिंता, प्रगति के लिये परिश्रम अधिक करना पड़ेगा जिसका लाभ कभी-कभी कम मिलेगा, यात्रायें होंगी, रिश्तेदार पर खर्च अधिक होगा।

अढ़ैया शनि

कर्क राशि – इस राशि वालों को लघु कल्याणी अढ़ैया शनि के प्रभाव से परिवार में विरोध, शत्रु वृद्धि, गृह क्लेश, शारीरिक परिश्रम अधिक, आर्थिक लाभ, रक्त विकार, व्यापार में चिंता, और राजकीय परेशानी होगी।

वृश्चिक राशि – इस राशि वालों को लघु कल्याणी अढ़ैया शनि के प्रभाव से शारीरिक कष्ट, रक्त विकार, माता-पिता की चिंता, व्यापार में परेशानी, आर्थिक लाभ होगा, अधिक परिश्रम से सफलता मिलेगी। जिनका जन्म का शनि अच्छा है, उनके लिये विशेष उन्नति और पदोन्नति का समय रहेगा।

अनिष्ट शनि की शांति हेतु उपाय

शनि की साढ़ेसाती एवं अढ़ैया शनि के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए प्रति शनिवार को तेल में मुँह देखकर छायादान करना चाहिये। काले घोड़े की नाल की अँगूठी बनवाकर, शनिवार को अभिमंत्रित कराकर, शनिवार को ही धारण करना चाहिये। दक्षिणमुखी हनुमान जी के दर्शन करें, हनुमान जी के श्लोकों का वाचन करते हुए सात बार हनुमान जी की परिक्रमा करें। पीपल के वृक्ष को जल देकर सात बार परिक्रमा करें, शनि स्तोत्र का जप करें, शनिवार का व्रत एवं काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, काला कपड़ा, लौह पात्र का दान करना लाभकारी है। पत्रिका से शनि ग्रह का विचार कर नीलम भी धारण किया जा सकता है। नीचे लिखे मंत्र का नित्य एक माला जप करना लाभकारी है।

शनि मंत्र

॥ ऊँ शं शनैश्चराय नमः॥

कुल इनाम राशि 55000/- अंतिम तिथि 31 अगस्त 2022

जागरूक बनो प्रतियोगिता

'लकी ड्रा' में निकली सही उत्तर वाली प्रथम 11 प्रविष्टियों के 11 विजेताओं को 5000/- 5000/- का नगद इनाम दिया जायेगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने का तरीका

नीचे दी गई पाँच लाइनें (खाली स्थान) रामनारायन पंचांग 2022 के विभिन्न हिस्सों से ली गई हैं, इन सभी लाइनों में से एक-एक शब्द गायब कर दिया गया है, ये पाँचों गायब शब्द आपको इसी पंचांग से ढूँढ़कर क्रमानुसार लिखकर, हमारे नीचे लिखे पते पर डाक (चिट्ठी) द्वारा, अपना नाम, पूरा पते सहित उत्तर लिख भेजना है। नीचे बना प्रपत्र काट कर भेजना अनिवार्य नहीं है। आप हमारे मो. 07247245575 पर मैसेज से भी इन पाँच शब्दों को क्रमानुसार हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में लिखकर (25 शब्दों के विचार के साथ) हमें भेजकर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

31 अगस्त 2022 तक प्राप्त सभी प्रविष्टियों में से 11 सही प्रविष्टियों का चयन 'लकी ड्रा' द्वारा किया जायेगा। सभी 11 विजेताओं के नाम, वर्ष 2023 के पंचांग में इसी स्थान पर घोषित किये जायेंगे। **पत्र या मैसेज प्राप्ति की सूचना एवं विजेताओं की जानकारी, फोन पर नहीं बताये जायेंगे।** आपसे निवेदन है कि **बेवजह फोन बिलकुल भी न करें।** किसी भी विवाद की स्थिति में सम्पादक का निर्णय अंतिम व मान्य रहेगा। यह प्रतियोगिता पूरी तरह निःशुल्क है तथा भाग लेने वालों एवं विजेताओं से हमारे द्वारा किसी भी तरह से राशि नहीं माँगी जाती। यदि आपके पास ऐसा कोई फोन या सूचना आये तो उसे फर्जी मानें।

जागरूक बनो प्रतियोगिता 2022

नियम ऊपर पढ़ें

1. .... स्थानों के लेट्रिन बाथरूम उपयोग के समय विशेष सावधानी रखना है।
2. इस .... मच्छरों के काटने की दोनों पक्षों को पूरी सम्भावना रहती है।
3. काँच एवं दरवाजे .... रूप से खुला जरा-भी न छोड़ें।
4. अतः कोई भी .... हो डाक्टरी सलाह तुरन्त ली जानी चाहिये।
5. जिससे प्रतिदिन बढ़ा हुआ नाखून .... से बाहर होता जाये।

नोट – उत्तर में आप केवल क्रमानुसार एक-एक शब्द के रूप में भी भेज सकते हैं।

प्रतियोगी का नाम ....
पूरा पता ....
.... पिन कोड ....
फोन नं. ....

'रामनारायन पंचांग' आपको क्यों पसंद है अधिकतम 25 शब्दों में अपने विचार उपरोक्त उत्तरों के साथ हमें लिख भेजें। एस.एम.एस. से भाग लेने हेतु 0724 724 5575 पर भेजें। (नोट – SMS प्राप्ति की सूचना नहीं दी जाती।)
(इस नम्बर पर वाटस-अप नहीं है।)

पत्र द्वारा जवाब भेजने का पता

जागरूक बनो प्रतियोगिता 2022
लाला रामस्वरुप रामनारायन एण्ड सन्स
941, लार्डगंज (स्टेशनरी दुकान), जबलपुर 482002

जागरूक बनो प्रतियोगिता 2021 के सही उत्तर

(1) घृणा (2) नहीं (3) नल
(4) एसिप्टोमेटिक (5) घर

जागरूक बनो प्रतियोगिता 2021 के विजेता

जागरूक बनो प्रतियोगिता 2021 का 'लकी ड्रा' डॉ. समीर अग्रवाल, जबलपुर के मुख्यातिथ्य में, सी.ए. श्री संजय अग्रवाल द्वारा जबलपुर में सम्पन्न करवाया गया।

वर्ष 2021 के विजेताओं के नाम

- श्रीमती रितुराज जैन, चंदूखेड़ी, भोपाल (म.प्र.)
- सुरेन्द्र खरे, पन्ना (म.प्र.)
- शुभी अग्रवाल, सतना (म.प्र.)
- मनीषा पमार, उज्जैन (म.प्र.)
- संपत कुमार खंडेलवाल, परतवाड़ा, अमरावती (महाराष्ट्र)
- प्रियंका यादव, टीकमगढ़ (म.प्र.)
- श्रीमती सविता कश्यप, ग्वारीघाट, नरसिंहपुर (म.प्र.)
- श्रीमती चंद्रिका मानिकपुरी, बिलासपुर (छ.ग.)
- अखिलेश पाण्डेय, मड़गवाँ, शहडोल (म.प्र.)
- जीतेश पटेल, सागर (म.प्र.)
- जितेन्द्र सिंह, झाँसी (उ.प्र.)

यदि आप विजेता हैं और ईनाम राशि 15 मार्च 2022 तक आपको प्राप्त न हो तो हमारे पते पर 31 मार्च के पूर्व सूचित करें।

रिस्की सेल्फी से बचें

आजकल युवाओं में मोबाइल द्वारा सेल्फी लेने का चलन बढ़ा हुआ है। खतरनाक स्थानों पर जैसे नदी, तालाब, खाई, पहाड़ी, चलती गाड़ी आदि खतरनाक स्थानों पर सेल्फी के चक्कर में दुर्घटना या मृत्यु के समाचार लगातार आ रहे हैं। अतः जरा भी रिस्क वाले स्थानों में सेल्फी लेकर अपनी जान जोखिम में न डालें।

लगातार 49 वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क न. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

थूक, पीक, कफ

कभी भी सड़क चलते थूक, पीक व नाक न छिड़कें। इनका निकास उचित स्थान पर ही करें। सड़क पर ऐसा करने से इनके छींटे अन्य किसी व्यक्ति पर पड़ सकते हैं जिससे आपको अपमानित भी होना पड़ सकता है और टी.बी., स्वाइन फ्लू (एच 1 एन 1), कोरोना जैसी घातक बीमारियाँ ऐसे ही फैलती हैं।

ता. 7 भ. दत्त प्राकट्योत्सव

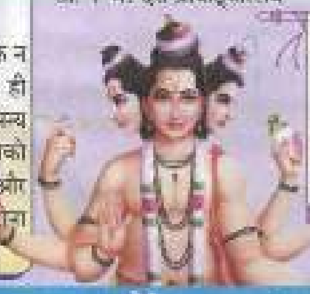

मेरिज डे

ता. 18 गुरु घासीदास जयंती

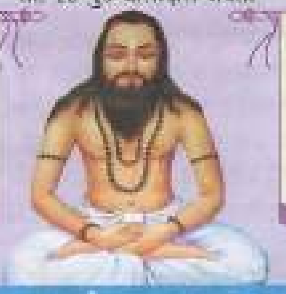

बर्थ डे

ता. 25 प्रभु ईसा मसीह जयंती

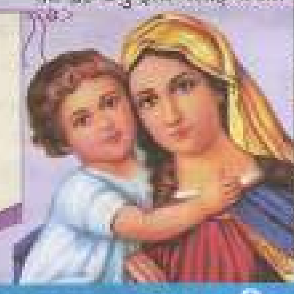

वर्षा में पेड़ के नीचे खड़े न हों

आसमानी बिजली (गाज) प्रायः ऊँचे पेड़ पर ज्यादा गिरती है इसलिये वर्षा से बचने के लिये पेड़ के नीचे नहीं खड़े हों क्योंकि जिस पेड़ के नीचे आप खड़े हैं यदि उस पर बिजली गिरी तब आपकी जान को खतरा हो सकता है। इसी तरह खुले मैदान, छत में भी बिजली गरजते समय खड़े न हों।

धन कमाने के चक्कर में स्वास्थ्य को नजर अंदाज न करें, उत्तम स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।

भद्रास्थिति – ता. ३ को ७।३८ रात से ता. ४ के ७।६ प्रातः तक। ता. ७ को ७।७ प्रातः से ७।३८ रात तक। ता. १० को १२।३० रात से ता. ११ के १।३३ दिन तक। ता. १४ को ७।४१ रात से ता. १५ के ८।२५ दिन तक। ता. १८ को १०।४० दिन से १०।३६ रात तक। ता. २१ को ७।४६ रात से ता. २२ के ६।५५ प्रातः तक। ता. २६ को ८।२ रात से ता. २७ के ६।५३ प्रातः तक। ता. २९ को १।२ रात से ता. ३० के १२।२२ दिन तक भद्रा रहेगी। **गुरु, शुक्र तारा** – गुरु पूरब दिशा में, शुक्र पश्चिम दिशा में उदित। **पंचक** – पिछले माह से प्रारम्भ ता. ४ के ८।२५ दिन तक फिर ता. २७ को ६ बजे दिन से ता. ३१ के ४।२८ शाम तक। देशहित में स्वदेशी वस्तु खरीदें

विक्रम संवत् 2079 | वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायन

DECEMBER 2022

सूर्य दक्षिणायन, हेमन्त ऋतु | ईस्वी सन् | शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – कुम्भ का। ता. १ को ३।४४ रात से मीन का। ता. ४ को ८।२५ दिन से मेष का। ता. ६ को ३।२६ दिन से वृष का। ता. ८ को १२।४२ रात से मिथुन का। ता. ११ को १२।११ दिन से कर्क का। ता. १३ को ११।५७ रात से सिंह का। ता. १६ को १०।२३ दिन से कन्या का। ता. १८ को ६।३१ शाम से तुला का। ता. २० को १२।१६ रात से वृश्चिक का। ता. २२ को ४।४ रात अंत से धनु का। ता. २४ को ६।३६ रात अंत से मकर का। ता. २७ को ६ बजे दिन से कुम्भ का। ता. २९ को ११।५६ दिन से मीन का। ता. ३१ को ४।२८ शाम से मेष का चन्द्रमा रहेगा। 'रक्त दान महादान'
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १६ तक वृश्चिक लग्न, ता. १७ से धनु लग्न।

ग्रहों के राशियन तारीख १ उदयकाल से [illegible]: श. १०, ६, ८, ७ के., सू. बु. शु., ५, चं. ११, ४, गु. १२, २ मं., ३, रा. १

हिजरी सन् 1444

जमादि उलावल/जमादि उस्सानी मास (6)
तारीख 24 चंद्रदर्शन, ता. 25 से जमादि उस्सानी मास प्रारम्भ
नोट – [illegible]

12 अगहन (मार्गशीर्ष)/पौष मास (10)

दिसम्बर

रा.शक सं.1944

रा.मार्गशीर्ष 10 से रा.पौष 10 तक
(ता. 22 से राष्ट्रीय पौष मास प्रारम्भ)
बंगला सन् 1429
बंग मार्गशीर्ष, ता.17 से पौष मास प्रारम्भ

ग्रहों के राशियन ता. १७ उदयकाल से [illegible]: श. १०, ६, ८, ११, सू. बु. शु., ७ के., गु. १२, ६ चं., म. १, ३, मं. २, ४

दूध हिसाब / धुलाई को कपड़े / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	धुलाई को कपड़े	तिथि	समय बजे तक
1				८	११।१४ दिन तक
2				९	६।३१ दिन तक
3				१०	८।७ दिन तक
4				११	७।६ प्रातः तक
				१२	६।३८ रा.अं.तक
5				१३	६।३६ रा.अं.तक
6				१४	दिन-रात
7				१४	७।७ प्रातः तक
8				१५	८।८ दिन तक
9				१	९।३६ दिन तक
10				२	११।२७ दिन तक
11				३	१।३३ दिन तक
12				४	३।४४ दिन तक
13				५	५।५० शाम तक
14				६	७।४१ रात तक
15				७	९।९ रात तक
16				८	१०।१० रात तक
17				९	१०।४० रात तक
18				१०	१०।३६ रात तक
19				११	१०।८ रात तक
20				१२	९।९ रात तक
21				१३	७।४६ रात तक
22				१४	६।३ शाम तक
23				३०	४।३ शाम तक
24				१	१।५१ दिन तक
25				२	११।३२ दिन तक
26				३	९।११ दिन तक
27				४	६।५३ प्रातः तक
				५	४।४२ रा.अं.तक
28				६	२।४३ रात तक
29				७	१।२ रात तक
30				८	११।४१ रात तक
31				९	१०।४६ रात तक
योग					

ग्रहस्थिति

सूर्य – वृश्चिक में, ता. १६ के ७।७ रात से धनु राशि में। **मंगल** – वृष में (वक्री)। **बुध** – वृश्चिक में, ता. ३ के ५।५ रा.अं. से धनु में, ता. २७ के २।३७ रात से मकर में, ता. २९ के ५।३ रात अंत से वक्री, ता. ३१ के ७।२८ प्रातः से धनु में वक्री। **गुरु** – मीन में। **शुक्र** – वृश्चिक में, ता. ५ के ५ बजे शाम से धनु में, ता. २९ के २।४२ दिन से मकर में। **शनि** – मकर में। **राहु** – मेष में। **केतु** – तुला राशि में।

डाक से पंचांग

डाक द्वारा यह पंचांग मंगवाने का तरीका इसी पेज में सबसे नीचे सीधे हाथ के कार्नर में दिया गया है।

मूल

रेवती के ता. ३ को ८।४५ दिन से ता. ४ के ८।२५ दिन तक फिर अश्विनी के ता. ५ के ८।३२ दिन तक। अश्लेषा के ता. १२ को ८।२७ रात से ता. १३ के ११।५७ रात तक फिर मघा के ता. १४ के २।११ रात तक। ज्येष्ठा के ता. २१ को ५।१६ रात अंत से ता. २२ के ४।४ रात अंत तक फिर मूल के मूल ता. २३ के २।३८ रात तक। रेवती के ता. ३० को ४।५३ शाम से ता. ३१ के ४।२८ शाम तक फिर अश्विनी के प्रारंभ होंगे।

ऐच्छिक अवकाश

ता. 3 विश्व दिव्यांग दि.
ता. 7 भ.दत्त जन्मोत्सव
ता. 29 गुरु गोविंदसिंह ज.
ता. 31 मैत्रा दिवस

वार					
रवि (SUNDAY)	4 मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती ११/१२	11 गणेश चतुर्थी व्रत, पौष कृष्ण ३	18 पौष कृष्ण १०	25 क्रिसमस डे, पौष शुक्ल २	
सोम (MONDAY)	5 अनंग त्रियोदशी, प्रदोष व्रत १३	12 पौष कृष्ण ४	19 सफला एकादशी, पौष कृष्ण ११	26 विनायकी चतुर्थी व्रत, पौष शुक्ल ३	
मंगल (TUESDAY)	6 पिशाचमोचनी यात्रा, अगहन शुक्ल १४	13 पौष कृष्ण ५	20 सुरूप द्वादशी, पौष कृष्ण १२	27 पंचक ६ बजे दिन से, पौष शुक्ल ४/५	
बुध (WEDNESDAY)	7 दत्त पूर्णिमा, व्रत पूर्णिमा १४	14 पौष कृष्ण ६	21 शिव चतुर्दशी व्रत, प्रदोष व्रत १३	28 पंचक, पौष शुक्ल ६	
गुरु (THURSDAY)	1 पंचक, अगहन शुक्ल ८	8 स्ना.दा. पूर्णिमा १५	15 पौष कृष्ण ७	22 पौष कृष्ण १४	29 पंचक, पौष शुक्ल ७
शुक्र (FRIDAY)	2 पंचक, अगहन शुक्ल ९	9 पौष कृष्ण १	16 रुक्मिणी अष्टमी, पौष कृष्ण ८	23 पौषी अमावस्या, स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०	30 शाकम्भरी यात्रा, पौष शुक्ल ८
शनि (SATURDAY)	3 पंचक, अगहन शुक्ल १०	10 पौष कृष्ण २	17 पौष कृष्ण ९	24 पौष शुक्ल १	31 पंचक, मैत्रा दिवस, पौष शुक्ल ९

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:39	5 – 6:40	10 – 6:43	15 – 6:47	20 – 6:49	25 – 6:52
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 5:20	5 – 5:21	10 – 5:24	15 – 5:25	20 – 5:26	25 – 5:27

याददाश्त

राशिफल

मेष – लाभ, खर्च की चिंता, मित्र मिलन
वृष – सम्मान, अतिथि आगमन, यात्रा
मिथुन – प्रापर्टी से लाभ, मतभेद, तनाव
कर्क – भवन लाभ, मित्र सुख, सफलता
सिंह – शुभ समाचार, अनुबंध पूरा होगा
कन्या – पारिवारिक विरोध, व्यर्थ तनाव
तुला – श्रम अधिक, मतभेद, रोग चिंता
वृश्चिक – मांगलिक कार्य, यात्रा, भय
धनु – निर्माण में बाधा, स्त्री कष्ट, तनाव
मकर – यात्रा में परेशानी, भूमि लाभ, सुख
कुम्भ – उद्योग में सफलता, व्यर्थ तनाव
मीन – भवन लाभ, वाहन कष्ट, मित्र सुख

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता.2 से 4, 7 से 9, 13 से 15
नामकरण – ता. 5,8,12,19,21,26,29
अन्नप्राशन – ता. 2, 5,9,12,21,26,29
गृहारंभ – तारीख 2, 3, 8
जीर्ण गृहप्रवेश – तारीख 1, 2, 3
व्यापार प्रा. – ता. 2,8,16,18,25,29

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 एड्स जागरूकता दिवस
ता. 3 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती, भोपाल गैस त्रासदी दिवस
ता. 4 स्वामी ब्रह्मानंद लोधी जयंती
ता. 7 सशस्त्र सेना झंडा दिवस
ता.10 श.वीरनारायण सिंह ब.दि.(छ.ग.रा.अ.)
ता.11 महा.छत्रसाल परमधामवास दि.
ता.20 संत गाडगे महाराज निर्वाण दिवस
ता.22 श्रीनिवास रामानुजन जयंती
ता.24 राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस
ता.25 पं. मदनमोहन मालवीय जयंती, पं. अटल बिहारी वाजपेई जयंती

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ४ को ८।२५ दिन से रात अंत तक। ता. ६ को ३।२६ दिन से ता. ७ के रात अंत तक। ता. ११ को ६।४६ शाम से ता. १२ के ८।२७ रात तक। ता. १३ को सूर्योदय से ११।५७ रात तक। ता. २१ को सूर्योदय से ५।१६ रात अंत तक। ता. २५ को सूर्योदय से ११।२५ रात तक। तारीख २६ को सूर्योदय से ६।४६ रात तक। तारीख ३० को ४।५३ शाम से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. २१ को सूर्योदय से ५।१६ रात अंत तक। तारीख ३० को ४।५३ शाम से रात अंत तक। **त्रिपुष्कर योग** – तारीख २० को सूर्योदय से ६।६ रात तक। तारीख २४ को १।४ रात से तारीख २५ के ११।३२ दिन तक। **व्यतिपात योग** – ता. ३ को ९।११ दिन से ता. ४ के ७।१३ प्रातः तक फिर ता. २८ को ८।२१ रात से ता. २९ के ५।४२ शाम तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. ११ को ६।४६ शाम से ता. १२ के ८।२७ रात तक। **नर्मदा पंचक्रोशी** – ता. ४ से ८ श्री नरसिंह अवतार स्मृति राजघाट, बड़वानी। ता. १९ से २३ नवग्रह (खरगोन)।

दिसम्बर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 4 मोक्षदा एकादशी व्रत
ता. 5 अनंग त्रियोदशी, प्रदोष व्रत
ता. 6 पिशाचमोचनी यात्रा
ता. 7 पूर्णिमा व्रत, दत्त पूर्णिमा
ता. 8 स्नानदान पूर्णिमा
ता. 11 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 16 रुक्मिणी अष्टमी
ता. 19 सफला एकादशी व्रत
ता. 20 सुरूप द्वादशी
ता. 21 प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 23 स्नानदान श्राद्ध अमावस
ता. 24 चन्द्रदर्शन
ता. 26 विनायकी चतुर्थी व्रत

दिगम्बर जैन पर्व
ता. 8 रोहिणी व्रत

श्वेताम्बर जैन पर्व
ता. 4 मौन ग्यारस
ता. 7 एवं 22 पाक्षिक प्रतिक्र.
ता. 10 कुमुहूर्ता प्रारम्भ
ता. 18 भ.पार्श्वनाथ जन्म कल्या.

मासफल – इस मास सरकार द्वारा जनोपयोगी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। जनप्रतिनिधि जनसम्पर्क में तेजी लायेंगे। सीमा पर सैन्य गतिविधियाँ बढ़ने के संकेत हैं। शेयर, सोना, चाँदी, खाद्य सामग्री आदि में मंदी उपरांत कुछ उठाव बनेगा। शीतलहर, कोहरा, वर्षा, बिजली का प्रकोप भी देखने मिलेगा। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – अनुराधा नक्षत्र में। ता. ३ को ५।२० शाम से ज्येष्ठा नक्षत्र में। ता. १६ को ७।७ रात से मूल नक्षत्र में। ता. २९ को ८।८ रात से पू.षा. में।

डाक से यह पंचांग मंगवाने हेतु यदि आपके नगर में यह पंचांग उपलब्ध न हो तो डाक द्वारा पंचांग मंगवाने हेतु पोस्टेज एवं पैकिंग खर्च सहित एक नग 85/–, दो नग 125/– व तीन नग हेतु 165/– पेटीएम, फोनपे या गूगलपे द्वारा मोबाइल नम्बर 09827250509 पर कृपया एडवांस भिजवायें साथ ही अपना नाम, पूरा पता, पिनकोड, पंचांग की तादाद एवं पेमेंट स्क्रीनशाट (ट्रांजेक्शन नम्बर) उपरोक्त मोबाइल नम्बर पर मैसेज या वाट्स-अप करें।

TM 70 71 72 यह पंचांग खरीदते समय ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 पूरा देखें अन्यथा कुछ विक्रेताओं द्वारा मिलता-जुलता पंचांग टिकाया जा सकता है। TM 70 71 72

असली रामनारायन पंचांग हेतु होलोग्राम स्टीकर देखें – नकली पंचांग की बिक्री रोकने के लिए, हमारे द्वारा चिपकाये चमकीले स्टीकर (होलोग्राम) में कुछ विशेषतायें हैं, जैसे रोशनी में थोड़ा तिरछा करने पर गोलाई में 'रामनारायन' उसके नीचे गहराई में उनकी फोटो व 'ट्रेडमार्क नं. 70 71 72' दिखाई देंगे और सबसे नीचे लाला रामस्वरूप लिखा दिखेगा।

सामान्य अवकाश

राज्य शासन
(सम्भावित)
(जनवरी 2022 से मार्च 2023 तक)

26 जनवरी	बुधवार	गणतंत्र दिवस
★ 16 फरवरी	बुधवार	संत रविदास जयंती
★ 1 मार्च	मंगलवार	महाशिवरात्रि
18 मार्च	शुक्रवार	होली (धुरेड़ी)
★ 2 अप्रैल	शनिवार	गुड़ी पड़वा, चेटीचांद
14 अप्रैल	गुरुवार	भ.महावीर जयंती, बैशाखी डॉ. अम्बेडकर जयंती
15 अप्रैल	शुक्रवार	गुड फ्राइडे
3 मई	मंगलवार	ईदुल फित्र, भ.परशुराम ज.
16 मई	सोमवार	भगवान बुद्ध पूर्णिमा
9 अगस्त	मंगलवार	मुहर्रम
★ 11 अगस्त	गुरुवार	रक्षाबन्धन
15 अगस्त	सोमवार	स्वतंत्रता दिवस
19 अगस्त	शुक्रवार	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
5 अक्टूबर	बुधवार	विजयादशमी (दशहरा)
24 अक्टूबर	सोमवार	दीपावली
8 नवम्बर	मंगलवार	गुरुनानक देव जयंती

नोट – ता. 10 अप्रैल श्रीराम नवमी, 10 जुलाई ईदुज्जुहा (बकरीद), 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती, 9 अक्टूबर महर्षि बाल्मीकि जयंती, मिलाद-उन-नबी, 25 दिसम्बर क्रिसमस डे में रविवार होने के कारण ये अवकाश अलग से नहीं दिये गये हैं। स्टार (★) लगी तारीख को छोड़कर शेष केन्द्रीय अवकाश के सूचक हैं। ये सभी सम्भावित हैं। कृपया सरकारी लिस्ट घोषित होने पर सुधार लें।

(31 मार्च 2023 तक के अवकाश)

26 जनवरी	गुरुवार	गणतंत्र दिवस
★ 5 फरवरी	रविवार	संत रविदास जयंती
★ 18 फरवरी	शनिवार	महाशिवरात्रि
7 मार्च	मंगलवार	होली (धुरेड़ी)
★ 22 मार्च	बुधवार	गुड़ी पड़वा
★ 23 मार्च	गुरुवार	चेटीचांद
30 मार्च	गुरुवार	श्रीराम नवमी

वास्तु दोष से डरें नहीं

कुछ लोग, वास्तुशास्त्र के नाम पर लोगों को डराने में लगे हुए हैं। वास्तु वहाँ तक तो ठीक है जहाँ शुद्ध हवा, पानी, प्राकृतिक रोशनी आदि की उचित व्यवस्था इस शास्त्र की बातें मानने से होती हो लेकिन यदि वह व्यक्ति अनहोनी घटनायें जैसे पुत्र शोक, व्यापार में घाटा, बीमारी इस शास्त्र की आड़ में बताये तब ऐसे लोगों से दूर रहने में ही भलाई है अन्यथा कोई घटना होने पर ये वास्तु शास्त्र के नाम पर आपको ऐसा घुमायेंगे कि आप घटनाओं के वास्तविक कारणों की तरफ अपना ध्यान ही नहीं लगा पायेंगे बल्कि और उलझते चले जायेंगे जिससे समय के साथ-साथ पैसा भी बर्बाद होगा तथा समस्या और विकराल हो सकती है। अतः जागरूक रहें आँख बंद करके तोड़फोड़ भी न करायें।

पंचांग मंगवाने हेतु

नये वर्ष का लाला रामस्वरूप 'रामनारायन' पंचांग ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 यदि आपके क्षेत्र में नहीं मिल रहा हो, तब आप अपने निकटतम पंचांग विक्रेता को, अपने इस 'रामनारायन' पंचांग को बेचने के लिये अवश्य कहें, फिर भी यदि वह आपको उपलब्ध न करवाये तब आप हमसे डाक द्वारा यह पंचांग मंगवा लीजिये, जिसकी डाक खर्च सहित एक प्रति हेतु 85/-, दो प्रति हेतु 125/- एवं तीन प्रति हेतु 165/- राशि हमें पेटीएम, फोनपे या गूगलपे द्वारा मोबाइल नं. 09827250509 पर कृपया एडवांस भेजें साथ ही अपना नाम, पूरा पता, पिन कोड, पंचांग की तादाद, मोबाइल नं. एवं पेमेन्ट स्क्रीनशाट (ट्रांजेक्शन नम्बर) उपरोक्त मोबाइल नम्बर पर ही मैसेज या वाट्स-अप करें। नये वर्ष का ये पंचांग यदि आप अपने किसी मित्र या रिश्तेदार को भेंट स्वरूप देना चाहते हैं तो जिनको भेंट देना है उनके नाम, पता, पिनकोड, मोबाइल नं. सहित एडवांस राशि उपरोक्त मोबाइल नं. पर भेज देवें। हम आपकी तरफ से उनके पते पर यह पंचांग भेज देंगे।

पंचांग प्राप्ति स्थान

सिक्के न लेने से भी बढ़ती है मंहगाई

1 रुपये एवं 2 रुपये के सिक्के लेनदेन में स्वीकार ना करने वाले महगाई तेजी से बढ़ाने में अपना योगदान देते हैं क्योंकि ऐसी स्थिति में वस्तुओं के भाव 5 रुपये या 10 रुपये के फिगर में बढ़ते हैं। कुछ स्थानों में वस्तुओं के दाम 6, 7, 8, 9 रुपये इस तरीके से बने हुये हैं क्योंकि वहाँ पर 1, 2 रुपये के सिक्के चलन में हैं जबकि कुछ स्थानों में 5, 10 रुपये इस तरीके से रेट रखे जा रहे हैं क्योंकि वे 1, 2 रुपये के सिक्के स्वीकार नहीं कर रहे। रेट के इस कुचक्र को यदि तोड़ना है तो 1 रुपये 2 रुपये के सिक्के स्वीकार करना सभी पुनः प्रारम्भ करें अन्यथा चीजों के दाम अनाप-शनाप रूप से बढ़ते रहेंगे।

ध्यान रखें रिजर्व बैंक निर्देशानुसार वर्तमान में 50 पैसे, 1 रुपये, 2 रुपये, 5 रुपये और 10 रुपये मूल्य के सिक्के भी वैध मुद्रा हैं। सिक्कों को स्वीकार न करना भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है।

रकम लेने हेतु 'पे' न दबायें

आजकल कुछ ठग, आपके द्वारा बेची जाने वाली वस्तु का आम ग्राहक बनकर, आपसे फोन पर जानकारी लेंगे। यह लोग आपका भरोसा जीतने के लिये अपने आपको आर्मी में कार्यरत या डॉक्टर बताते हैं। इन लोगों के डायलॉग पहले से ही तैयार रहते हैं, इनकी बातें सुनकर आपको लगेगा ही नहीं कि यह व्यक्ति फ्रॉड हो सकता है। थोड़ी देर बाद यह आपसे सामान खरीदने के लिये पेमेंट के बारे में पूछेंगे, इसमें ध्यान देने वाली बात यह रहती है कि वह लोग वस्तु देखे-परखे बिना ही पेमेंट देने के बहाने से आपको अपने जाल में फसाने लगते हैं। मोबाइल वॉलेट में ऐसा सिस्टम भी होता है कि पेमेन्ट देने के अलावा, पेमेन्ट मांगी भी जा सकती है। यह ठग बोलते हैं कि वह ₹ 10,000 का पेमेंट कर रहे हैं, मगर असल में वह ₹ 10,000 मांगने वाला बटन दबाते हैं फिर आपको फोन करके बोलेंगे कि आप 'पे' का बटन दबायें तो आपको पेमेंट आ जायेगी। अंग्रेजी शब्द 'पे' का मतलब भुगतान करना होता है। इन ठगों की बातें सुनकर अच्छे-अच्छे जानकार भी इनके जाल में फंस जाते हैं, और जैसे ही आप 'पे' का बटन दबायेंगे वैसे ही उस मोबाइल वालेट से जुड़े आपके बैंक खाते से पैसा निकालने वाला ओटीपी या पिन डालने को किसी न किसी बहाने से कहेगा और यदि उसकी बातों में आकर हड़बड़ी में आपने यह गलती कर दी तो आपके खाते से पैसा निकलकर उस ठग के खाते में पहुँच जायेगा और चूँकि यह लेन-देन आपने अपने मोबाइल पर 'पे' का बटन दबाकर किया है इसलिये वालेट कम्पनी या बैंक में इसकी कोई सुनवाई नहीं होगी। ऐसे ठगों से बचने के लिये सिर्फ आपकी सतर्कता ही आपको बचा सकती है। फिर भी यदि आपके साथ ठगी हो गई हो तो इसकी पुलिस में एफआईआर कर पावती अवश्य प्राप्त करें।

'तुरन्त' लाभ देने वाला मंत्र

किसी की भी जिन्दगी में जादू की तरह असर करने वाला मंत्र है "तुरन्त"। "तुरन्त" यानि तत्काल या इमीडियट। यदि आप अपनी जिन्दगी में किसी भी काम का असर तुरन्त चाहते हैं तो जाहिर है कि उसे तुरन्त करने से ही होगा। यदि आप इस काम को थोड़ी देर के लिये या कल के लिये स्थगित करेंगे तो उसका असर भी थोड़ी देर या कल तक के लिये स्थगित हो जायेगा। यह भी हो सकता है कि इस स्थगन के कारण काम का महत्व हमेशा-हमेशा के लिये खत्म ही हो जावे। आप एक बार इस मंत्र को आजमाकर देखिये। यदि मजा आये तो करते रहिए, अन्यथा छोड़ दीजिये। आजमाना यह है कि आप जिस काम को तुरन्त कर सकते हैं, उसे उसी वक्त कर डालिये, टालिये मत, यहाँ तक कि थोड़ी-सी देर के लिये भी नहीं। मसलन आपको किसी से फोन पर बात करनी है तो तुरन्त कर डालिये। बाथरूम में साबुन नहीं है तो तुरन्त रख आइये। रिजर्वेशन कराना है तो तुरन्त करा डालिये। बैंक जाना है तो तुरन्त जाइये। कुल मिलाकर कहना यह है कि आपको टालने की आदत की गुलामी से खुद को आजाद करके "तुरन्त" से दोस्ती करनी है फिर देखिये इसका चमत्कार। चमत्कार यह होगा कि आपका चिड़चिड़ापन कम हो जायेगा और सबसे बड़ी बात यह कि आपके रुके काम धड़ाधड़ होने लगेंगे। बहुत लाभ होगा आपको इस "तुरन्त" मंत्र का। इसलिये तुरन्त काम करने का मंत्र मन में दोहराते रहिये।

रामनारायन वाला
मिलता-जुलता पंचांग बदल लें

यदि आपने इस पंचांग के धोखे में रामनारायन वाला मिलते-जुलते नाम का पंचांग खरीद लिया है या आपको विक्रेता ने टिका दिया है तो वह पंचांग उसी विक्रेता से बदलकर "रामनारायन पंचांग ट्रेडमार्क नं. 70 71 72" माँगें। जबलपुर एवं इन्दौर हाईकोर्ट में इन मिलते-जुलते पंचांग छापकर साख चुराने वालों पर मुकदमा चल रहा है जिसका निर्णय अभी आना बाकी है निर्णय आते ही हमारे द्वारा इन साख चुराने वालों पर अगली कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

रामनारायन पंचांग
असली नकली मिलता-जुलता पहचानें

प्रसिद्ध ब्रांड के सामान, जो अपने नाम से हाथों-हाथ बिकते हैं उनके नकली एवं शब्दों, चित्र, रंग, डिजाईन, नाम में मामूली से हेर-फेर करके मिलते हुए सामान भी बाजार में मौजूद हैं, आपका यह 'रामनारायन पंचांग' भी इससे अछूता नहीं है। इस पंचांग की नकली प्रतियाँ न बिकें इस हेतु ऊपर लगी टीन पत्ती पर 'रामनारायन पंचांग ट्रेडमार्क नं. 70 71 72' प्रिन्ट है। इसी तरह ऊपर बांये कोने में होलोग्राम स्टीकर (चाँदी जैसी चमकदार एक सेन्टीमीटर चौड़ी पट्टी जिसको तिरछा करने पर ऊपर दिये चित्र के अनुसार दिखता है) चिपकाया गया है जिसको निकालना मुश्किल है। ध्यान रखें नकली होलोग्राम में छपी तस्वीर एवं मैटर प्रायः भरा-भरा और अस्पष्ट रहता है और वे बारी-बारी से फोटो एवं लिखे शब्द अलग-अलग नहीं दिखाते। इस पंचांग का सम्पूर्ण प्रकाशन क्षेत्र केवल जबलपुर ही है। हमारे द्वारा किसी भी व्यक्ति को इसकी छपवाकर बेचने का अधिकार नहीं दिया गया है। यदि आपको, खरीदा गया पंचांग नकली प्रतीत हो तो उसमें चिपका होलोग्राम स्टीकर कागज सहित काटकर एक पोस्टकार्ड में चिपकाकर या ऐसे पंचांग की एक प्रति डाक से हमें (खरीदे गये स्थान की जानकारी के साथ) प्रेषित करें।

नकली माल पकड़वाने पर इनाम – 'रामनारायन पंचांग' वर्ष 2022 की नकली प्रति हमें सर्वप्रथम प्रेषित करने वाले को 1001 ₹ ईनाम राशि दी जायेगी। 'रामनारायन पंचांग' की नकली प्रतियाँ छपने, बनाने एवं विक्रय के स्थान की सही जानकारी हमें प्रेषित करें, आपकी जानकारी के आधार पर नकली माल पकड़े जाने पर 5001 ₹ ईनाम दिया जायेगा। आपका नाम व पता पूरी तरह गोपनीय रखा जायेगा।

नकलकर्ता एवं सहयोगी सावधान – इस पंचांग का नाम, डिजाईन, स्टाईल, मुद्रित सामग्री या उसके अंश को हमारी लिखित अनुमति के बिना एप या अन्य किसी भी रूप में प्रकाशित न करें अन्यथा ट्रेडमार्क एक्ट 1999 एवं कापीराईट एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी जिसमें नकलकर्ता एवं सहयोगी व्यक्तियों पर भी कारावास, जुर्माना एवं जिसके अधिकारों का उल्लंघन हुआ है उसे मुआवजा दिलाने का प्रावधान है।

लाला रामस्वरूप रामनारायन एण्ड सन्स

Mob.: 088719 44563 e-mail: lalaprahalad@yahoo.co.in www.lalaramswaroop.com

941 लार्डगंज, (स्टेशनरी दुकान) जबलपुर 482 002 (म.प्र.)

अप्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में पंचांग डिस्ट्रीब्यूटरशिप हेतु इच्छुक पार्टियाँ शीघ्र सम्पर्क करें।

सामान्य जानकारी

विषय सूची
(पिछले पृष्ठों की)

जनवरी – इनकम टैक्स, टी.डी.एस. दर, दण्ड इत्यादि
फरवरी – चौघड़िया, करण, योग, कृषि कार्यों हेतु मुहूर्त, दिशा शूल, तिल, स्वप्न विचार, सोकपिट आदि
मार्च – होड़ाचक्र, वर-वधु कुंडली मिलान तालिका, बच्चों के जरूरी टीके, रत्न धारण, मूल विचार इत्यादि
अप्रैल – हार्टअटैक और हार्टफेल में जीवनदान (सी.पी.आर.), आदर्श वजन तालिका, मोटापा आदि
मई – प्रमुख व्रत त्यौहार व उनके संक्षिप्त विधि विधान
जून – प्रमुख मानसिक रोग, उनके लक्षण एवं निदान
जुलाई – मच्छरों की पैदावार रोकने के उपाय, डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया बुखार के लक्षण एवं उपचार
अगस्त – वर्षा विचार, ग्रहण, डेंगू से बचाव के उपाय
सितम्बर – आपकी राशि इसवर्ष क्या बोलती है जानिये
अक्टूबर – ज्योतिष गणना की दृष्टि से देश-विदेश
नवम्बर – शनि विचार एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ
दिसम्बर – जनहितकारी जानकारियों का विशाल संग्रह

इसे अवश्य पढ़िये

आपके इस पंचांग की भारी मांग रहती है परन्तु कुछ विक्रेता इस पंचांग के स्थान पर हमारे पाठकों को मिलता-जुलता नकली पंचांग यह कहकर पकड़ा देते हैं कि माल की सप्लाई नहीं है या छपा नहीं है या अब इसी नाम से छपने लगा है यदि आपके साथ ऐसा हुआ हो तो आप 08871944563 पर हमसे सम्पर्क करें ताकि आपको पंचांग मिलने की व्यवस्था की जा सके वैसे आप उसी विक्रेता से माँग करेंगे कि नहीं हमें वही पंचांग चाहिये अन्यथा हम नहीं लेंगे तो वह आपको छिपाकर रखे गये स्थान से यह पंचांग निकालकर अवश्य देगा।

यह देश हमारा है इसे हमें ही बनाना है

कुछ वर्षों से देश में मानवीय लापरवाहियों के कारण संक्रामक रोगों की बाढ़ आ गई है, इन बीमारियों पर देश का बहुत बड़ा बजट खर्च हो रहा है फिर भी स्थिति सुधरने की अपेक्षा बिगड़ ही रही है यह स्थिति तब तक नहीं सुधर सकती जब तक हम अपनी व्यक्तिगत खामियों को दूर कर, रोके जा सकने वाली बीमारियों के चक्र को नहीं तोड़ेंगे। क्या है इनको रोकने का उपाय :–

- खुले में शौच करने वालों को हर हाल में रोकना होगा तभी टाईफाइड, पीलिया, डायरिया जैसी संक्रामक घातक बीमारियों का चक्र टूटेगा।
- कहीं भी थूक देने, नाक छिड़क देने, मुँह में रुमाल लगाये बिना खाँसने-छींकने वालों को समझाना होगा कि टी.बी., स्वाइन फ्लू, कोरोना आदि जानलेवा बीमारी के कीटाणु ऐसा करने से हवा में फैलकर स्वस्थ्य लोगों को बीमार करते हैं।
- मच्छर के काटने से स्वयं को और परिवार को बचाना होगा और जनवरी माह में जब सबसे कम डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया, जापानीज बुखार के मरीज होते हैं, तब उनके सम्पूर्ण ठीक होने तक पूरा इलाज सरकार को अपनी निगरानी में करवाना होगा ताकि मच्छर के काटने से फैलने वाली जानलेवा दर्द देने वाली संक्रामक बीमारियों का चक्र टूटे और सरकार को भी स्वच्छता अवार्ड उसी शहर को प्रदान करना चाहिये जहाँ आबादी के अनुपात में संक्रामक रोग वर्ष भर में सबसे कम रहें।

मात्र उपरोक्त उपायों से ही डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया, जापानीज बुखार, टाईफाइड, पीलिया, डायरिया, टी.बी., स्वाइन फ्लू, कोरोना आदि को देश से भगाकर स्वस्थ्य रहा जा सकता है। जब आप और हम स्वस्थ्य रहेंगे तभी देश तेजी से आगे बढ़ पायेगा।

प्लास्टिक या थर्मोकोल से निर्मित थैली, कप, गिलास, कटोरी आदि के उपयोग को अपनी आने वाली पीढ़ी की भलाई के लिये अब छोड़ना होगा तभी "स्वच्छता और स्वस्थ्यता" के राष्ट्रीय योगदान में हम सभी का वास्तविक योगदान होगा क्योंकि

"ये देश हमारा है, इसे हमें ही बनाना है"

नये वर्ष की शुभकामनाओं सहित

प्रहलाद अग्रवाल
(लाला रामस्वरूप परिवार)

इस वर्ष का विचार

दूसरों को देखकर जलने वाला व्यक्ति जीते जी स्वयं को ही जलाता है, ध्यान रखें जीवन जितना सादा होगा जीवन में तनाव उतना आधा होगा और जीने का आनंद उतना ज्यादा होगा।

विश्व का पहला 89 वर्षों से लगातार प्रकाशित

रामनारायन® यानि लाला रामस्वरूप का सर्वश्रेष्ठ पंचांग

TM 70 71 72 हमारी फर्म से एकमात्र 'रामनारायन' वाला यही पंचांग प्रकाशित होता है। TM 70 71 72